मास्क भी वैक्सीन-मेरा मास्क मेरे साथ

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए अधिकृत

जागरूक जनता

विश्वसनीय साप्ताहिक हिन्दी अखबार

jagrukjanta.net

वैशाख, पक्ष - शुक्ल, तिथि - पूर्णिमा, संवत 2078 पृष्ठ : 8 | जयपुर, बुधवार | वर्ष-7, अंक-13, 26 मई - 1 जून, 2021 | मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

कोरोना महामारी में 'विद यू' और 'विश यू' के मायने!

शिव दयाल मिश्रा

सटीक

कोरोना ने लोगों की जीवनशैली बदल कर रख दी है। सोशल डिस्टेंसिंग का अर्थ जो भी हो मगर कोरोना में हर आदमी अपने लोगों से मिलना जुलना कम या यूं कहें कि लगभग बंद सा ही हो गया है। पिछले साल कोरोना महामारी के दौरान आपस में लोग बतियाते थे कि कोरोना महामारी का इतना हल्ला हो रहा है मगर न किसी मिलने वाले से ना ही किसी रिश्तेदार से यह सुनने को मिला कि फलां आदमी कोरोना से चल बसा। लोग अधिकतर यही कहते रहे कि कोई कोरोना-वोरोना नहीं है। मगर इस वर्ष इस कोरोना के कहर से हर कोई परेशान है। चारों तरफ से समाचार मिलने लगे हैं कि आज फलां गया, आज फलां गया। इस वक्त सोशल मीडिया का जमाना है। फेस बुक देखते हैं तो अचानक किसी का फ्रेम में फोटो दिखाई देता है और उसके नीचे नमन, विश यू देखकर दिल कांप उठता है। कैसे-कैसे जवान और कम उम्र में ही लोग जा रहे हैं। कभी-कभी तो होता ये है कि किसी की सिंगल फोटो फेसबुक पर चल रही होती है, उसे देखकर एकदम से दिल सहम जाता है और सहसा ही दिमाग में करंट दौड़ता है कि 'ये भी गया'। मगर जब नीचे जन्म दिन की बधाई दिखती है तब तसल्ली होती है। हे राम! ये क्या हो रहा है। सब हैरान परेशान हैं। अब यह बीमारी ही ऐसी है कि इससे बचने के लिए किसी के सम्पर्क में आने से बचना पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में लोग एक-दूसरे से दूरी बनाए रखते हैं और जो बीमारी से जूझ रहा है वह अकेले ही अपने आपको संभाल रहा है। कोई नहीं आ रहा सहयोग के लिए। कुछेक अपवादों को छोड़कर। कई लोग तो कोरोना संक्रमण हो जाने के बाद लोगों से छुपाते हैं कि नहीं सब ठीक है। मगर अंदर ही अंदर घुटते रहते हैं। अगर किसी के बीमार होने का पता चलता है तो अमूमन संबंधित व्यक्ति को वाट्सअप या फिर फेसबुक के जरिए लिख दिया जाता है 'विद यू'। अरे भाई! वाट्सअप पर या फेसबुक पर विद यू लिख देने मात्र से तो कुछ होने जाने वाला नहीं है। कुछ समय बाद उसी शख्स की फोटो फेसबुक पर चलने लगती है तो तमाम लोगों के कमेंट्स होते हैं 'विश यू'।

shivdayalmishra@gmail.com

ट्वीट- केंद्र आंकड़ेबाजी छोड़ राज्यों को ज्यादा वैक्सीन उपलब्ध करवाए

तीसरी लहर से बच्चे प्रभावित हुए तो देश माफ नहीं करेगा-गहलोत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वैक्सीन को लेकर केंद्र सरकार पर एक बार फिर हमला बोलते हुए चेतावनी दी है। गहलोत ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। गहलोत ने चेतावनी दी है कि सभी के लिए वैक्सीन का इंतजाम नहीं हुआ तो तीसरी लहर में अब से कई गुना बदतर हालत बनेंगे। हम बच्चों को बचा नहीं पाएंगे। गहलोत ने लगातार तीन ट्वीट करके केंद्र को निशााने पर लिया है। गहलोत ने लिखा है- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को आंकड़ेबाजी छोड़कर राज्यों को अधिकाधिक वैक्सीन उपलब्ध करना सुनिश्चित करना चाहिए। यदि तीसरी लहर ने बच्चों को प्रभावित किया तो देश कभी माफ नहीं करेगा। 130 करोड़ आबादी वाले हमारे देश में जल्द ही सभी के लिए वैक्सीन का इंतजाम नहीं हुआ और कोरोना की तीसरी लहर ने बच्चों को अपनी चपेट में ले लिया तो ऑक्सीजन और दवाइयों की कमी से जो स्थिति दूसरी लहर में बनी उससे कई गुना बदतर हालात तीसरी लहर में बनेंगे और हम बच्चों को बचा नहीं पाएंगे।

कानून में बदलाव करके और कंपनियों को भी दें वैक्सीन उत्पादन की अनुमति

गहलोत ने लिखा है- नरेंद्र मोदीजी और डॉ. हर्षवर्धनजी जी को वैक्सीन उत्पादन को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखना चाहिए था। इसके लिए आवश्यक हो तो कानून में बदलाव कर अन्य कंपनियों को भी वैक्सीन उत्पादन करने की अनुमति और प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। भारत वैक्सीन उत्पादन में दुनियाभर में सिरमौर माना जाता है।

फ्री वैक्सीन को लेकर शुरू से जारी है सियासत

वैक्सीन के मुद्दे पर लंबे समय से सियासत जारी है। भाजपा नेता राजस्थान में वैक्सीनेशन में कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री और सरकार पर निशाना साधते रहते हैं। 18 साल से 44 साल तक की उम्र वालों को वैक्सीनेशन का जिम्मा राज्यों पर है। मुख्यमंत्री गहलोत कई बार यह बयान जारी कर चुके हैं कि देश में अब तक जितने भी वैक्सीनेशन हुए हैं, वे केंद्र सरकार ने फ्री करवाए हैं। इसलिए सभी आयु वर्गों के लिए केंद्र सरकार फ्री वैक्सीनेशन करवाए।

अब पानी में मिला कोरोना

मुंबई के बाद लखनऊ के सीवेज वाटर में वायरस

लखनऊ @ जागरूक जनता। उत्तर प्रदेश में गंगा और यमुना नदी में उतराते सैकड़ों शवों की तस्वीरों ने सभी को झकझोर दिया था। इसी कड़ी में एक चौंकाने वाली जानकारी चिंता बढ़ा सकती है। दरअसल, लखनऊ के भी सीवेज वाटर में कोरोना वायरस की पहचान हुई है। SGPGI के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. उज्ज्वला घोषाल के मुताबिक, कोरोना की दूसरी लहर के बाद इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च व वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने रिसर्च स्टडी शुरू की है। इसमें देशभर के अलग-अलग शहरों से पानी में कोरोना वायरस का पता लगाने के लिए सीवेज सैंपल जुटाए जा रहे हैं।

मुंहमांगे दामों पर भी राज्य को समय पर वैक्सीन की गारंटी नहीं मिल रही

राज्य सरकार ने 18 से 44 उम्र वालों के लिए 1 करोड़ डोज के लिए सीरम इंस्टीट्यूट को ऑर्डर दे रखा है, लेकिन वहां से अभी करीब 16 लाख ही डोज मिले हैं। करीब 3.25 करोड़ युवा आबादी को वैक्सीनेशन के दोनों डोजेज लगाने के लिए 7 करोड़ के आसपास डोज चाहिए। राज्य सरकार ने वैक्सीन के लिए ग्लोबल टेंडर भी किया, लेकिन अब तक वहां से भी स्थिति साफ नहीं हुई है कि कब कितनी वैक्सीन कौन सी कंपनी देगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना मौतों के वास्तविक आंकड़ों को छिपाने का खेल बंद करे सरकार-बीजेपी

जयपुर @ जागरूक जनता। भाजपा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को आंकड़ेबाजी छोड़कर राज्यों को अधिकाधिक वैक्सीन उपलब्ध कराने के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि प्रदेश में जनता को गुमराह करना एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना संक्रमित मौतों के वास्तविक आंकड़ों को छिपाकर कम आंकड़े पेश करने का खेल बंद करना चाहिए। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने सोशल मीडिया के जरिए राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि राजस्थान में ना अस्पतालों की दशा सुधरी, ना स्टाफ़ लगाया, ना ऑक्सीजन प्लांट लगाए, बैड और दवा की कालाबाजारी होती रही, मरीज अस्पताल के दरवाजे पर मरते रहे, मौत के आंकड़े छुपाते रहे, 50 प्रतिशत वैक्सीनेशन राज्य सरकार की जिम्मेदारी थी, प्रदेश की जनता को गुमराह करते रहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता आपको कभी माफ़ नहीं करेगी।

नौतपा शुरू: 'यास' से कई राज्यों में बारिश के आसार

जयपुर @ जागरूक जनता। सूर्य के कृतिका से रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करने के साथ ही आज से नौतपा शुरू हो गया है। यानी अब 9 दिनों तक तेज गर्मी रहेगी। इस दौरान सूर्य की किरणें सीधी धरती पर पड़ती हैं। इस दौरान वृषभ राशि में चार ग्रहों की युति होने से गर्मी का असर ज्यादा होगा और तेज गर्म हवाएं चलेंगी। वहीं, मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में आए यास चक्रवात की वजह से कई राज्यों में आने वाले दिनों में बारिश भी हो सकती है।

@ पेज2 भी देखें

मैं पायलट के साथ था, हूं और रहूंगा-विधायक इंद्राज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

फोटो साभार_Twitter@IndrajGurjarinc

जयपुर। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में एक सड़क के वर्चुअल उद्घाटन के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की तरफ से विधायक इंद्राज गुर्जर की तारीफ करने के बाद कई तरह की सियासी अटकलें शुरू हो गई। इस बात के अलग-अलग राजनीतिक मायने निकाले जाने लगे। विधायक इंद्राज गुर्जर ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनके राजनीतिक पाला बदलने को लेकर चल रही तमाम अटकलों को खारिज कर दिया है। गुर्जर ने कहा कि प्रदेश के मुखिया और वर्तमान में पीडब्ल्यूडी विभाग का काम देख रहे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का मेरे क्षेत्र की सड़क के शिलान्यास के लिए मैंने आभार व्यक्त किया था और मेरे क्षेत्र के जनता के कामों को मैं हमेशा प्राथमिकता देता रहूंगा। लेकिन मुझे राजनीति में स्थापित करने वाले और मेरे बुरे वक्त में हाथ पकड़कर राजनीति में आगे बढ़ाने वाले मेरे मार्गदर्शक सचिन पायलट मेरे नेता थे और सदैव रहेंगे। किसी को भी इस सत्य के बारे में आशंका करने की या पुनर्विचार करने की आवश्यकता नहीं है। विधायक इंद्राज ने कहा है कि हर बात के राजनीतिक मायने नहीं होते हैं। मेरा नेता मेरा अभिमान है। मैं सचिन पायलट के साथ था, साथ हूं और साथ रहूंगा।

सीईओ-बीडीओ कार्मिकों को सीधे एपीओ निलंबित नहीं कर सकेंगे

जयपुर @ जागरूक जनता। पंचायतराज विभाग ने एक आदेश जारी कर जिला परिषदों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और पंचायत समितियों के विकास अधिकारियों द्वारा कार्मिकों को सीधे तौर पर निलंबित और एपीओ करने पर रोक लगा दी है। कोविड के दौरान अधिकारी अधीनस्थ कार्मिकों को प्रोत्साहित करते हुए सौहार्दपूर्ण माहौल में काम करें इस उद्देश्य से यह आदेश जारी किया गया है। इन आदेशों के बाद अब अधिकारियों को कार्मिक के खिलाफ निलंबन और एपीओ की कार्रवाई करने से पूर्व विभाग से अनुमति लेनी पड़ेगी। ग्रामीण विकास और पंचायतराज विभाग के निदेशक डॉक्टर घनश्याम की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। आदेश में कहा गया है कि विभाग के ध्यान में आया है कि अधिकांश जिलों में अधीनस्थ कार्मिक व अधिकारी को मुख्य कार्यकारी अधिकारी, विकास अधिकारी आदेशों की प्रतीक्षा में रख देते हैं। इसकी कोई सूचना विभाग को भी नहीं दी जाती। भविष्य में किसी भी कार्मिक, अधिकारी को एपीओ और निलंबन करने के लिए मुख्यालय से अनुमोदन अनिवार्य है।

प्रदेश में 1 जून से 5 जिलों से शुरू होगी अनलॉक प्रक्रिया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में कोरोना की रोकथाम को लेकर 8 जून तक लॉकडाउन किया गया हैं, लेकिन कम संक्रमण वाले पांच जिलों से अनलॉक की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इन जिलों में व्यावसायिक गतिविधियों में छूट मिल सकेगी। लॉकडाउन की गाइडलाइन में एक जून के बाद से अनलॉक की प्रक्रिया शुरू करने का प्रावधान किया गया हैं। दरअसल, अभी प्रदेश के जालोर, प्रतापगढ़, धौलपुर और बांसवाड़ा ऐसे जिले हैं, जहां संक्रमितों की संख्या और रफ्तार सबसे कम है। इन इलाकों में एक जून से कुछ दुकानों के साथ बाजार खोलने की अनुमति दी जा सकती है। इसके लिए गृह विभाग अलग से गाइडलाइन जारी करेगा। अभी प्रदेश में मेडिकल, किराना, फल सब्जी और दूध की दुकानों को छोड़कर गत 17 अप्रैल से ही बाजार बंद हैं। कई व्यापारिक संगठन भी दुकानें खोलने की मांग कर रहे हैं। लंबे समय से बाजार बंद रहने से व्यापारियों को नुकसान हो रहा है। छोटे व्यापारियों और किराए की दुकान वालों के सामने सबसे ज्यादा दिक्कत है।

'यास' आज ओडिशा से टकराएगा, प्रदेश में नहीं डालेगा असर

कोलकाता। प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ का असर पूरी तरह खत्म हो गया है और अब धीरे-धीरे पारा बढ़ रहा है। इसी बीच, बंगाल की खाड़ी पर बना गहरे दबाव का क्षेत्र मंगलवार को चक्रवाती तूफान 'यास' में बदल गया। यह अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान में बदलने के बाद 26 मई को ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों से गुजरेगा। तूफान के कारण ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटीय जिलों में हवाएं 155-165 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं।

देश में कोरोना के नये मामले दो लाख से कम

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण की रफ्तार कम होने के बीच पिछले 24 घंटों के दौरान दो लाख से कम नये मामले सामने आये हैं और 3,511 लोगों की इस महामारी से मौत हो गई है। इस दौरान संक्रमित होने वाले लोगों की तुलना में स्वस्थ होने वाले मरीजों की संख्या अधिक रही जिससे रिकवरी दर बढ़कर 89.26 फीसदी हो गई। इस बीच पिछले 24 घंटों के दौरान 24 लाख 30 हजार 236 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये। देश में अब तक 19 करोड़ 85 लाख 38 हजार 999 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है।

since 2005
विनायक ज्वैलर्स
22 K 916 हॉलमार्क ज्वैलरी
18 K 750 हॉलमार्क डायमंड ज्वैलरी
970 Silver Utensiles
Certified राशि रत्न
Retailer of Gold, Diamond & Silver Jewellery
G-46, Unnati Tower, Central Spine, Vidhyadhar Nagar, Jaipur
0141-2337548, 0141-2337458, 9414156451

QSI Reliable, Professional & Genuine ISO Certification
Serving Govt, PSU, MSME, Health & Education etc
Services since 2001
ISO Awareness, Auditors/ L.A. Training On site - PUBLIC
CE, NABL, NABH, SEDEX, Disaster M.PLAN Product & Process standards ISO 4427 Assistance & Certifications
HBO Oxygen Treatment
Franchise Available
SNHL, Wounds, AUTISM, C.P. Side effects of Post Chemo-Radio Preventive Healthcare
-: Contact :-
R. C. Agrawal, Director
Call. 9829017133, 0141- 2236895
QSI (India) Certifications P.L.
SF 1/557 Vidyadhar Ngr, Jaipur-39
Email: qsicert@gmail.com
www.qsi-india.com
ISO 9001, 14001 IMS ISO 45001, 22000, 27001 EA ISO 50001, MD 13485, SA 8000 , Weld Quality ISO 3834-2 , 15085, IRIS 22163 IATF-16949 ETC

बैंक की लाईन में लगने से बचें,
पाएं indiagold गोल्ड लोन घर बैठे

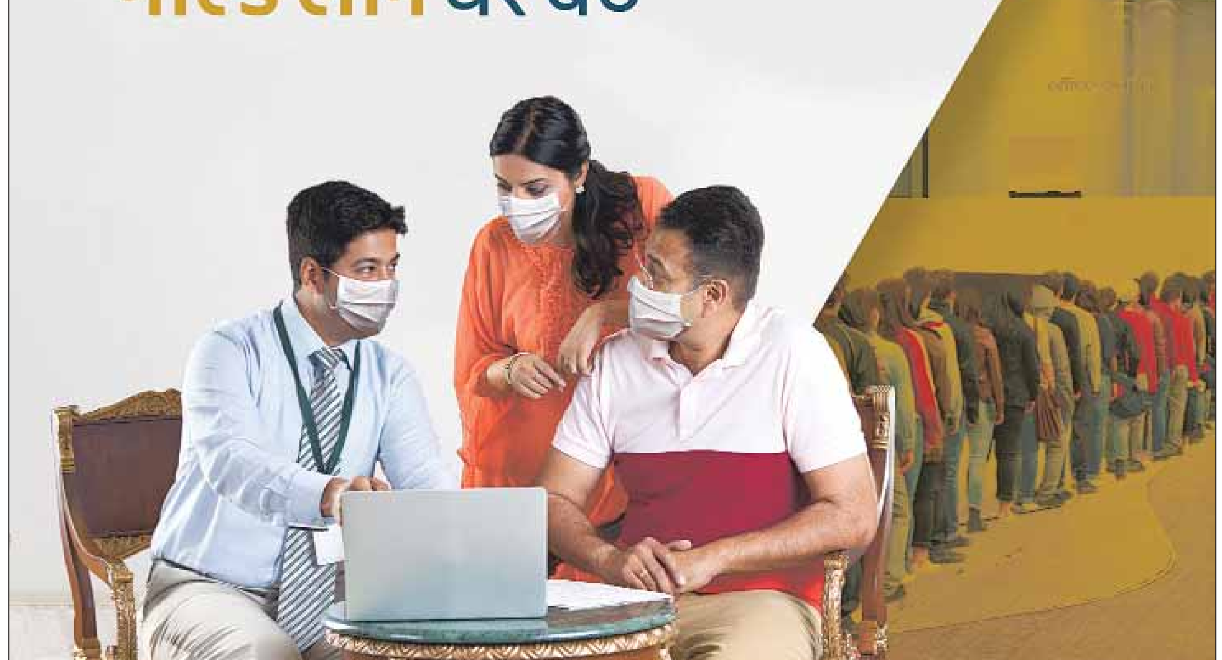

सबसे ज्यादा लोन राशि
सबसे कम ब्याज दर
फटाफट बैंक में पैसा
100% सुरक्षा के साथ
आज ही संपर्क करें
मिस कॉल: 1800-123-999-888
व्हाट्सएप: 9310366544
Delhi: 2nd Floor, 10200, BLOCK -S, Gurudwara Road, Naiwala, Karol Bagh, Above ICICI Bank, Delhi – 110005 | Gurgaon: Plot No 270, Udyog Vihar Phase II, Sector 20, Gurgaon, Haryana – 122016
SHIVALIK Shivalik Small Finance Bank
The New India Assurance Co. Ltd.
ACCIDENT INSURANCE ICICI Lombard GENERAL INSURANCE
Linksmart Technologies Non-cloneable identity of things

तापमान	अधि.	न्यू.
जयपुर	37°C	26°C
जोधपुर	38°C	27°C
अजमेर	36°C	27°C
उदयपुर	36°C	26°C

सूर्योदय ▸ प्रात: 05:35 बजे सूर्यास्त ▸ सांय : 06:47 बजे चन्द्रोदय ▸ 06:53 बजे चन्द्रास्त ▸ 05:11 बजे

जागरूक खबरें

संयुक्त किसान मोर्चा का काला दिवस आज, विरोध में भारतीय किसान संघ

जयपुर @ जागरूक जनता। संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से 26 मई को प्रस्तावित काला दिवस का भारतीय किसान संघ ने विरोध किया है। संघ के महामंत्री बद्रीनारायण चौधरी ने कहा कि दिल्ली की सीमा पर आंदोलनरत किसान नेताओं ने 26 मई को काला दिवस मनाने का निर्णय लिया है जिसका हम विरोध करते हैं क्योंकि उस दिन 26 जनवरी जैसा भय, आतंक और डर पैदा करने की योजना दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि संघ ने इस आंदोलन के आरम्भ के कुछ समय बाद ही आशंका बताई थी कि यह किसान आंदोलन नहीं बल्कि कुछ अराजक तत्वों द्वारा संचालित है। अप्रैल-मई में एक एक बंगाल के किसान की 24 साल की बेटी के साथ सामूहिक बलात्कार और अंत में उसकी हत्या की घटना जो दिल्ली बार्डर पर घटी और 10-15 दिन तक पुलिस से छुपाया गया ताकि सबूत नष्ट किए जा सके।यह तो एक घटना है, जो बाहर आ गई वह भी लडकी के पिता द्वारा पुलिस केस दर्ज कराने के कारण, न जाने क्या-क्या घटनाएं/काण्ड यहां घटित हुए हैं, कई लोगों पर अपराधिक प्रकरण भी बने हैं। आंदोलनकारियों ने ऑक्सीजन गैस टेंकर्स को रोकने, एम्बुलेंस में गंभीर रोगियों से बदसलूकी कोरोना की गाइडलाइन की पालना नहीं करने सहित कई हरकतों के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड बड़ा है। ऐसे में संघ इस काले दिवस का समर्थन नहीं करता।

यूपीएससी : जल्द आ सकता है एनडीए रिजल्ट, 355 थी 2020 की कट ऑफ

जयपुर @ जागरूक जनता। यूपीएससी जल्द ही अप्रैल में आयोजित हुए एनडीए 1 परीक्षा का परिणाम घोषित करेगा। परीक्षा पास करने वाले उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा। करीब चार लाख उम्मीदवार हर साल एनडीए का एग्जाम देते हैं। इनमें से 6,000 एसएसबी इंटरव्यू के लिए चयनित होते हैं। पुराने ट्रेंड के मुताबिक परीक्षा होने के लगभग एक माह बाद परिणाम आ जाता है। इस बार की परीक्षा का परिणाम अब कभी भी आ सकता है। कट ऑफ की बात करें तो साल 2018 में इसका कट ऑफ 338, 2019 में 342 और 2020 में कट ऑफ 900 में से 355 रहा था। हालांकि कुछ दिनों पहले ही यूपीएससी ने सिविल सर्विसेज एग्जामिनेशन 2020 के इंटरव्यू स्थगित कर दिए थे। यूपीएससी ने कोरोना को देखते हुए कई परीक्षाओं के लिए आवेदन करने की आखिरी तारीख बढ़ा दी है। ऐसे में यह भी संभव है कि एनडीए परीक्षा परिणाम में थोड़ी देरी हो। हालांकि इसके लिए कोई आधिकारिक सूचना अब तक नहीं आई है। यूपीएससी की वेबसाइट पर लेटेस्ट जानकारी हासिल की जा सकती है।

रजिस्ट्रेशन बंद : एटीएमए रजिस्ट्रेशन बंद, 30 मई को होगी परीक्षा

जयपुर @ जागरूक जनता। एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैनेजमेंट स्कूल्स (एआईएमएस) की ओर से आयोजित होने वाले एटीएमए की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 23 मई को पूरी हो गई है। एआईएमएस टेस्ट फॉर मैनेजमेंट एडमिशन की परीक्षा 30 मई को होगी। यह परीक्षा ह्यूमन प्रॉक्टर्ड होम बेस्ड रहेगी। रजिस्ट्रेशन करवाने वालों का तय समय पर एडमिट कार्ड जारी होगा। एडमिट कार्ड 26 मई को जारी किए जाएंगे। इसके बाद एक मॉक टेस्ट 28 मई को होगा। मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन कर चुके छात्र परीक्षा के लिए पात्र हैं। वहीं फाइनल ईयर में पढ़ने वाले छात्र भी आवेदन कर सकते हैं। देश के मैनेजमेंट संस्थानों में इसके अंकों के आधार पर दाखिला दिया जाता है। मैनेजमेंट संस्थानों में दाखिले के लिए कैट, मैट, सीमैट आदि एग्जाम्स भी होते हैं। कैट के माध्यम से इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट जैसे संस्थानों में दाखिला मिलता है। यह मैनेजमेंट की सबसे मुश्किल परीक्षाओं में से एक है। इसका नोटिफिकेशन आना अभी बाकी है।

राधा स्वामी सत्संग भवन में कोविड केयर सेंटर का उद्घाटन

जयपुर @ जागरूक जनता। दिल्ली रोड स्थित निम्स हॉस्पिटल के सहयोग से आमेर के क्षेत्रीय विधायक डॉ शतीश पूनिया ने दौलतपुरा के राधा स्वामी सत्संग भवन में कोविड केयर सेंटर का उद्घाटन किया गया। इस कोविड केयर सेंटर में निम्स हॉस्पिटल के डोक्टर, नर्सिंग स्टाफ और पैरा मेडिकल स्टाफ सेवाएं देंगे। कार्यक्रम में निम्स निदेशक डॉ पंकज सिंह ने कहा कि निम्स हॉस्पिटल मार्च 2020 से लगातार कोविड पेशेंट का इलाज करता आ रहा है। कोविड के मरीजों पर भी यहां शोध भी हुआ है। डॉ शतीश पूनिया ने बताया कि क्षेत्र के लोगों में फैल रहे कोविड को देखते हुए दौलतपुरा गांव में कोविड केयर सेन्टर बनाना जरूरी हैं। डॉ पूनिया ने निम्स हॉस्पिटल का धन्यवाद किया।

सोबर ने पुजारियों को 2100 रुपए नगद सहायता

जयपुर @ जागरूक जनता। सोसायटी ऑफ ब्राह्मण एक्जूकेटिव्स राजस्थान (सोबर) एवं विप्रसेना ने लोकडाउन की वजर से जिन छोटे पुजारियों का मंदिर बंद होने से गुजारा मुश्किल हो रहा है उन्हें प्रति पुजारी 2100 रुपए नगद सेवा राशि देने की योजना शुरू की है। एकादशी के दिन विभिन्न स्थानों पर प्रारंभ की गई। योजना में सोबर के अध्यक्ष डॉ. शिव गौतम एवं राज्यश्री गौतम ने 5 मंदिरों में 2100 रुपए की सामग्री, शशि शेखर संगठन मंत्री सोबर ने ब्रह्मपुरी जयपुर में 5 मंदिरों में प्रत्येक को 2100 रुपए एवं विप्र सेना प्रमुख सुनील तिवारी ने मालवीय नगर में 5 पुजारियों को नगद राशि भेंट कर योजना की शुरुआत की। पुजारी संबल योजना के अंतर्गत सोबर एवं विप्र सेना ने गौतम गौतम हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सिविल लाइंस में 27 पुजारियों को 2100 रुपए नगद राशिव सोबर अध्यक्ष डॉ. शिव गौतम, महासचिव ईआरसी शर्मा, प्रवक्ता डॉ. अनिता गौतम एवं विप्रसेना के प्रमुख सुनील तिवारी ने पुजारियों को 2100 रुपए नगद सेवा भेंट की। सोबर महासचिव ई.आर.सी. शर्मा ने बताया कि यह कार्य विभिन्न जगहों पर चलाया जाएगा जिसके अंतर्गत जरूरतमंद पुजारियों को सेवा भेंट कर सहयोग किया जाएगा।

पुजारी सम्बल योजना

श्वेता को दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष (विधि प्रकोष्ठ) नियुक्त किया

जयपुर @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल में श्वेता त्यागी (एडवोकेट) को दिल्ली प्रदेश जिला अध्यक्ष (विधि प्रकोष्ठ) पद पर मनोनीत किया गया है। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ने उपरोक्त निर्णय की जानकारी एक विज्ञप्ति जारी कर दी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि श्वेता त्यागी संगठन की वृद्धि के लिए अनुशासित पदाधिकारी के रूप में अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निभाएंगी और अगली सूचना तक इस पद पर कार्यरत रहेंगी।

गोविन्द ठाकुर को सौंपा राजस्थान का प्रभार: भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ने वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए गोविन्द ठाकुर को राजस्थान का प्रभारी नियुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि ठाकुर पहले से ही राष्ट्रीय प्रचारक का पद संभाले हुए है।

आरना ने आम देखकर बनाई मेंगो पेंटिंग

जयपुर @ जागरूक जनता। राजधानी के साथ-साथ प्रदेश भर में 8 जून तक लोकडाउन लगा हुआ है। बच्चे घरों में कैद है। ऐसे में बच्चों का लगातार घर में कैद रहना, उन्हें शारीरिक ही नहीं मानसिक भी तकलीफ देय साबित हो रहा है। ऐसे में विद्याधर नगर निवासी आरना मिश्रा कक्षा केजी ने घर के उपयोग में लाए गए मेंगों को देखकर कागज पर मेंगो की पेंटिंग बनाई है।

मानसून का गर्भकाल : तय होगा साढ़े चार माह का मानसून, ग्रह स्थिति : कहीं अधिक तो कहीं कम बारिश के योग

नौतपा शुरूः 3 जून तक रोहिणी नक्षत्र में तेज गर्मी झुलसाएगी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। वैशाख चतुर्दशी पर मंगलवार को सुबह 8 बजकर 45 मिनट पर सूर्यदेव कृतिका नक्षत्र से रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश कर गए। इसके साथ ही नौतपा शुरू हो गया, जो 3 जून तक रहेगा। ये नौ दिन अगले साढ़े चार माह का मानसूनतय करेंगे, यानी इन नौ दिनों में बारिश का आंकलन होगा। नौतपा में अगर धरती तपेगी (गर्मी अधिक पड़ेगी) तो श्रावण–भाद्रपद में अच्छी बारिश होगी। हालांकि इस साल 28 जून को सूर्यदेव सुबह 5 बजकर 39 मिनट पर आद्रा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे, इसके साथ ही मानसून शुरू होगा।

शास्त्रों के अनुसार सूर्य रोहिणी नक्षत्र में करीब 15 दिन रहता है, इस अवधि के शुरुआती 9 दिन नौपता कहलाता है। इन नौ दिनों में जितनी अधिक गर्मी पड़ेगी, उतनी ही श्रावण मास में वर्षा श्रेष्ठ होती है। नौतपा के 9 दिन पृथ्वी और सूर्य के बीच दूरी कम हो जाती है और सूर्य की किरणें सीधे उत्तरी भूभाग पर पड़ती है।

आवर्त नामक मेघ में बरसेगा भरपूर पानी

ज्योतिषियों के अनुसार, इस वर्ष नवमेघों में आवर्त नामक मेघ वृष्टि करेगा। इस साल का राजा मंगल है। मंगल के पास ही बारिश का विभाग भी है, जो जल के क्षय का द्योतक है। हालाकि भारत एवं अमेरिका में भारी वर्षा के योग बनेंगे। हवा तेज गति से चलेगी। रोहिणीवास तट पर होने से समयनिवास धोबी के घर में रहेगा। चार महीने के वर्षाकाल में कुल वृष्टि योग 44 है, जिसमें आषाढ़ में 14, श्रावण में 12, भाद्रपद में 14, अश्विन में 3 योग है।

नौतपा में ग्रह स्थिति का आंकलन

ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि नौतपा के शुरुआती चार दिन 25 से 28 मई तक भीषण गर्मी होगी, जबकि 31 मई और 01 जून को तेज आंधी-तूफान के आसार है। रोहिणी नक्षत्र का स्वामी चन्द्रमा है, जो कि सूर्य के प्रभाव में रहेगा। मौजूदा समय में शनि, राहु और केतु को छोड़कर सभी ग्रह मार्गी है। नौतपा के शुरुआती चार दिनों में शुक्र और राहु की स्थिति वृष राशि में सूर्य के साथ होने से तापमान बढ़ेगा। जब राहु और शुक्र सूर्य के साथ होते है तो इसका प्रभाव बढ़ जाता है, लेकिन 28 मई को रात 11.59 बजे पर शुक्र वृष से मिथुन राशि मे प्रवेश करेंगे। ऐसे में सूर्य के साथ केवल राहु रह जाएगा और सूर्य का प्रभाव कम होने लगेगा। इसके साथ ही राहु अप्रत्याशित घटनाओं का कारक है। ऐसे में आखिर के चार दिनों में आंधी-तूफान की सम्भावना होगी।

यूं तय होगा नौतपा में मानसून

ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि सूर्य जब रोहिणी नक्षत्र पर आता है तब से नौ दिन नौतपा कहलाता है। इन 9 दिनों में यदि गर्मी पड़ती है तो अगला संवत अच्छा होने की संभावना बनती है। लेकिन यदि बीच में बारिश आती है, अंधड़ और तूफान आता है, ओले गिरते हैं तो अच्छा संवत नहीं माना जाता है, अर्थात आने वाले समय में अच्छी वर्षा के संकेत नहीं होते हैं। ये 9 दिनों के पहले 2 दिनों में बारिश या बादल छा जाए तो आषाढ़ के महीने में अच्छी बारिश नहीं होगी। तीसरे, चौथे दिन यदि बादल, अंधड़ या बारिश आए तो सावन में अच्छी बारिश नहीं होगी। पांचवें, छठे दिन यदि अच्छी गर्मी पड़े तो भाद्रपद में अच्छी बरसात होगी। सातवें व आठवें दिन गर्मी पड़ने पर आश्विन के माह में अच्छी बारिश होगी। 9वें दिन भी यदि अच्छी गर्मी पड़े तो कार्तिक के कृष्ण पक्ष में अच्छी बारिश की संभावना है। इसीलिए 9 दिनों को नौतपा कहते हैं।

कहीं अतिवृष्टि तो कहीं अल्पवृष्टि के योग

मेघेश मंगल जलतत्व की राशि में होने से कहीं अतिवृष्टि, बाढ़, ओलावृष्टि या अल्पवृष्टि की सम्भावना होगी। राजस्थान, दिल्ली, उप्र, मप्र के कुछ भागों में खण्डवृष्टि के साथ मध्यमवृष्टि के योग रहेंगे। 17 जुलाई को शुक्र सिंह राशि में जाने से राजस्थान सहित पश्चिमी भारत में वायु प्रकोप की अधिकता के साथ वर्षा की कमी दिखायी देगी। अगस्त में मंगल के अस्त व बुध के उदय होने से भारत के सभी राज्यों में मानसून सरि य होगा। सितम्बर-अक्टूबर में मंगल-शनि का योग बनने से कहीं ओलावृष्टि, तूफान के योग बनेंगे। शीतकाल में एक ही सप्ताह में शुक्र का अस्त व उदय पहाड़ों पर हिमपात तथा मैदानी भागों में वर्षा या कही-कहीं ओलावृष्टि करेंगे। भारत की प्रभाव राशि मकर से सप्तमेश (कर्क) जल राशि के स्वामी चन्द्र का सूर्य के साथ समसप्तक (जलशोकषक) योग बनता है, अतः जल की कमी से देश त्रस्त रहेगा।

जयपुर में कच्ची बस्तियों को उजाड़ने के मामले में जिम्मेदार लोगों पर हो कार्रवाई- राजे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे ने राज्य सरकार से जयपुर के विद्याधर नगर क्षेत्र में बरसों से निवास कर रहे लोगों को बेघर करने के मामले में जिम्मेदार लोगों पर शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की है। राजे ने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए आज यह मांग की। उन्होंने सरकार से जिम्मेदार लोगों पर तुरंत कार्रवाई कर बेघर हुए लोगों को संरक्षण प्रदान करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि जयपुर के विद्याधर नगर जोन में कच्ची बस्तियों को उजाड़ने का मामला अमानवीय है। वैश्विक महामारी कोरोना काल में चल रहे जीवन संघर्ष के बीच सरकार द्वारा लाठी के बल पर घुमंतू परिवारों के घरों को उजाड़ने की घटना झकझोर देने वाली है।

उल्लेखनीय है कि भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने गत 23 मई को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर जयपुर के विद्याधर नगर स्थित परशुराम सर्किल पर बरसों से निवास कर रहे घुमन्तू, अर्द्ध घुमन्तू एवं सांसी जाति के अनेक परिवारों को स्थाई रूप से बसाए जाने एवं इन परिवारों को खाने-पीने की सुविधा उपलब्ध कराए जाने की मांग की थी। पूनिया ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया था कि विद्याधर नगर में परशुराम सर्किल के पास बरसों से निवास कर रहे घुमन्तू, अर्द्ध घुमन्तू एवं सांसी जाति के अनके परिवारों को बेघर कर दिया गया है। वर्तमान वैश्विक महामारी कोरोना की विकट परिस्थितियों एवं लॉकडाउन में लागू की गई पाबंदियों के कारण इन परिवारों के समक्ष विकट संकट खड़ा हो गया है। वर्तमान समय में आम इंसान को जीविका का संकट बना हुआ है, ऐसे समय में इन परिवारों को बेघर करने की कार्रवाई समझ से परे है। इस समय राज्य सरकार को बेसहारा लोगों को रहने, खाने-पीने की सुविधा उपलब्ध करवाकर उनका सहारा बनना चाहिए।

राजस्थान में 18 से 44 एज ग्रुप वालों को राहत

वैक्सीन लगवाने के लिए अब नहीं बुक करवाना होगा ऑनलाइन स्लॉट

ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन करवाकर लगवा सकेंगे टीका; वैक्सीन की वेस्टेज रोकने के लिए लिया निर्णय

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान की गहलोत सरकार ने वैक्सीनेशन नियम में बदलाव कर 18 से 44 एज ग्रुप वालों को राहत दी है। केन्द्र सरकार की ओर से जारी नये नियमों के बाद राज्य सरकार ने भी नियमों में बदलाव करते हुए ऑन द स्पॉट रजिस्ट्रेशन और वैक्सीनेशन की सुविधा शुरू की है। यह नियम 26 मई से प्रदेश में लागू हो जाएगा। इस नियम को बदलने के पीछे सबसे बड़ा कारण वैक्सीन की वेस्टेज को रोकना है। क्योंकि ऑनलाइन स्लॉट लेने के बाद भी लगभग 5-7 फीसदी लोग वैक्सीन लगवाने सेंटर पर नहीं आ रहे, जिसके कारण वैक्सीन खराब हो रही है।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से मंगलवार को जारी आदेश के मुताबिक ऑन स्पॉट (वैक्सीन सेंटर पर) रजिस्ट्रेशन की सुविधा केवल सरकारी वैक्सीनेशन सेंटर पर ही उपलब्ध करवाई है, प्राइवेट पर अभी ये सुविधा शुरू नहीं हुई है। वहीं ग्रामीण इलाकों में एक बड़ा तबका ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया नहीं समझता। इस कारण उस व्यक्ति को भी वैक्सीन लगवाने में समस्या आ रही है। इन दोनों ही परिस्थितियों को देखते हुए सरकार ने यह निर्णय किया है।

खराब होने से बचेगी वैक्सीन

वर्तमान में वैक्सीन बहुत उपयोगी है। राज्य में कई जिले ऐसे है, जहां वैक्सीन 5 से 7 फीसदी तक डोज खराब हो रही है। ऐसे में इस बर्बादी को रोकने और वैक्सीन का पूरा उपयोग हो सके इसके लिए सरकार ने नियमों में बदलाव किया है। नये नियम के तहत अगर जिस सेंटर पर ऑनलाइन बुकिंग वाले व्यक्तियों में से अगर कोई व्यक्ति वैक्सीन लगवाने नहीं आता है तो उसके पेटे की वैक्सीन वहां आए ऐसे व्यक्ति को लगा दी जाएगी, जिसका रजिस्ट्रेशन नहीं हो रखा हो। इसके लिए सेंटर पर मौजूद मेडीकल स्टाफ व्यक्ति का ऑनस्पॉट रजिस्ट्रेशन करेगा और वैक्सीन भी मौके पर ही लगा दी जाएगी।

शहरों में नहीं मिल रहे ऑनलाइन स्लॉट

राजस्थान में वैक्सीनेशन को लेकर अभी जबरदस्त मारामारी मची हुई है। लाखों लोगों ने कोविन एप पर रजिस्ट्रेशन तो करवा रखा है, लेकिन उन्हे वैक्सीन लगाने के लिए ऑनलाइन स्लॉट नहीं मिल रहा। शहर के लोग ग्रामीण इलाकों में बने सरकारी वैक्सीनेशन सेंटर पर स्लॉट बुक करवाकर वहां वैक्सीन लगवाने जा रहे है, जिसको लेकर विवाद भी सामने आ रहे है। गांव के लोग दूसरे जगहों से आए लोगों को वैक्सीन नहीं लगवाने दे रहे।

जार ने चिकित्साकर्मी व पुलिसकर्मियों को बांटे मास्क व सैनिटाइजर

जयपुर @ जागरूक जनता। कोरोना महामारी में ड्यूटी कर रहे चिकित्सा कर्मियों व पुलिसकर्मियों को जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) जयपुर जिला की ओर मास्क व सेनेटाइजर प्रदान किये। जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शर्मा व प्रदेश महासचिव संजय सैनी के सानिध्य में जार जयपुर जिला अध्यक्ष जगदीश शर्मा के आग्रह पर भामाशाह रामबाबू पुजारी व रिलायन्स फाउंडेशन के सहयोग से मनोहरपुर पीएचसी पर हो रहे टीकाकरण में लगे कर्मचारियों को व जमवारामगढ़ सीओ ऑफिस के कर्मचारियों सीओ लाखन सिंह मीणा जमवारामगढ़ थाना अधिकारी मनोज सहित पुलिसकर्मियों को मास्क वितरित किए। जार ने घुमन्तु परिवारों को राशन सामग्री का वितरण किया है। पत्रकारों, पुलिसकर्मियों व अन्य लोगों को हजारों मास्क का वितरण हो चुका है। परिंडे बांधे जा रहे हैं। यह सहयोग भामाशाह सतीश डालमिया, रामबाबू पुजारी, पंडित मदन लाल शास्त्री, कमल सिंह, पुरषोत्तम शर्मा आदि के माध्यम से किया जा रहा है।

मैं सरगासूली हूं

मैंने जयपुर को देखा है, सुना है, समझा है... लेकिन, ऐसा संयम पहले कभी नहीं देखा।

जागरूक जनता @ राजधानी का त्रिपोलिया बाजार सुबह 11 बजे बाद सूना पड़ा हुआ है। राज्य सरकार ने कोरोना महामारी के चलते प्रदेश में 8 जून तक लोकडाउन बढ़ा दिया है।

ग़ज़ल

जागरूक जनता
jagrukjanta.in

कविता

डॉ. शिवदत्त शर्मा

हास्य क्या है भूल गया हूँ , मैं तो पिछले साल से, जिधर भी देखो है वीराना है , सबके बिगड़े हाल से, हर कोई गाफिल है यहां पर, हर कोई कंगाल से।। हास्य क्या है भूल गया हूं, मैं तो पिछले साल से।।

****

इस बार भारी बरपा ज़हर है, घर घर मे टूटा कहर है, विलाप करती माता बहने , और बिलखते परिवार हैं, महामारी कोरोना से, हर गली बदहाल है।। हास्य क्या है भूल गया हूँ, मैं तो पिछले साल से।।

****

कैसा समय अजूबा आया , बैरी हो गया अपना साया। जिस घर पर टूटा पहाड़, कोई नही वहां मिलने आया। अपने हो गए सभी पराए, फैला भ्रम का जाल। हास्य क्या है भूल गया हूँ, मैं तो पिछले साल से।।

जागरूक जनता की मुहिम 'बेजुबानों को निवाला' में प्रदेशवासियों ने किया सहयोग

बेजुबानों को नियमित केला, खीरा की सेवा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश के साथ-साथ देश अलग-अलग राज्यों में लॉकडाउन है। देश के पर्यटन स्थल, शिक्षा, पर्यटन, ट्रांसपोर्ट के अलावा देश के धर्म स्थल भी सूने पड़े है। ऐसे में देश मानव जाति के अलावा मूक पशुओं, पक्षियों पर दाने-पानी का संकट आ गया है। जागरूक जनता अखबार की ओर से यूपी स्थित गोवर्धन परिक्रमा मार्ग के अलावा अन्य स्थानों पर भी वानर, गौ सेवा की मुहिम शुरू की है। मुहिम के तहत यहां प्रतिदिन वानर, गायों के लिए केला, खीरा, टमाटर व अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाई जा रही है। इस आयोजन में प्रदेश के अलग-अलग शहरों से भी सहयोग किया गया है। आप भी इन बेजुबानों के लिए सहयोग करना चाहते हैं तो 9829329070, 982833366, 9928022718 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

ANCHOR **कोविड गाइडलाइन की करनी होगी पालना**

फिर से शरु होंगे महानरेगा और ग्रामीण विकास विभाग के कार्य

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। लॉकडाउन के कारण बंद पड़े महानरेगा और ग्रामीण विकास विभाग के कार्य एक बार फिर से शुरू होंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की निर्देश के बाद इन्हें फिर से शुरू करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। ग्रामीण विकास विभाग के शासन सचिव केके पाठक ने सभी जिला कार्यक्रम समन्वयक ईजीएस और जिला कलेक्टर को आगामी कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

विभाग ने निर्देश दिए हैं कि कोविड गाइडलाइन की पालना करते हुए अधिक से अधिक श्रमिकों का नियोजन किया जाए जिससे अधिक से अधिक श्रमिकों को रोजगार मिल सके। सामुदायिक कार्यों पर भी व्यक्तिगत कार्यों के समान 10 श्रमिकों को ही नियोजित किया जाएगा। ऐसे कार्यस्थल जहां पर सामुदायिक कार्य में एक कार्य पर 20 श्रमिक नियोजित किए जाने हैं, वहां उन्हें दो भागों में विभक्त कर दिया जाए ताकि दोनों का एक दूसरे से किसी प्रकार संपर्क न रहे। पाठक ने माप और भुगतान के संबंध में निर्देश दिए हैं कि माप और भुगतान के संबंध में यदि कहीं बीमारी के कारण तकनीकी स्टाफ की अपरिहार्य कमी है तो मेट द्वारा पखवाड़े में श्रमिकों के किए गए कार्य का माप मस्टररोल के पृष्ठभाग पर किया जाएगा जिसका सत्यापन, ग्राम विकास अधिकारी द्वारा होगा। मेट नहीं होने की स्थिति में ग्राम विकास अधिकारी द्वारा ही माप किया जाकर, सत्यापन किया जाएगा। कार्य के पूर्ण होने और अन्तिम भुगतान से पूर्व सक्षम तकनीकी अधिकारी द्वारा पूर्ण माप का भौतिक सत्यापन किया जाएगा।

माप में मेट.ग्राम विकास अधिकारी आधारित व्यवस्था सामान्यतः कच्चे कार्यों के लिए ही मान्य होगी यानी यह तालाब मरम्मत,सुदृढ़ीकरण,पाल निर्माण, सडक निर्माण में मिट्टी खुदाई कर मिट्टी की सडक निर्माण कार्य,चारागाह विकास कार्य, पौधारोपण, मिट्टी का चैक डैम निर्माण, नहर डिसिल्टिंग,खाला सुदृढीकरण एवं अपना खेत.अपना काम योजना के तहत मेड़बंदी, भूमि समतलीकरण, फार्म पौंड, मिट्टी के चैक डैम निर्माण आदि जैसे कार्यों के लिए ही लागू रहेगा। उन्होंने बताया कि यह व्यवस्था 30 जून तक अपरिहार्य स्थिति में ही कार्यक्रम एवं विकास अधिकारी के आदेशानुसार ही उपयोग में ली जा सकेगी। मेट एवं ग्राम विकास अधिकारी संबंधित तकनीकी सहायक, तकनीकी अधिकारी के मार्गदर्शन में ही माप की कार्यवाही करेंगे। पाठक ने यह भी कहा कि यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो विभागीय निर्देशों के मुताबिक कार्यवाही की जाएगी।

इनका रखना होगा ध्यान

- श्रमिकों को एक ही जगह कार्य पर नहीं लगाया जा सकेगा। उनके बीच दो गज की दूरी जरूरी होगी
- श्रमिकों एक दूसरे के औजार का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। ना ही खाद्य सामग्री को हाथ लगा सकेंगे।
- सामूहिक रूप से नहीं कर सकेंगे भोजन
- कोविड संभावित लक्षण होने पर श्रमिक को कार्य पर नहीं लगाया जा सकेगा। उनके निकट परिजनो को अन्य श्रमिको से पर्याप्त दूरी रखते हुए कार्य दिया जाए। सभी के लिए मास्क पहनना जरूरी होगा।
- कार्यस्थल पर साबुन, पानी और सेनेटाइजर की व्यवस्था जरूरी होगी।
- कार्यस्थल पर मेडिकल किट की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। मेट के पास ब्लॉक, ग्राम पंचायत स्तर के अधिकारियों और कंट्रोल रूम के आवश्यक टेलीफोन नंबर हो जिससे जरूरत पडने पर काम आ सकें।
- टास्क पूरा करते ही श्रमिकों को एक एक कर अपने निवास स्थान भेजा जाए। उन्हें कार्यस्थल पर अनावश्यक नहीं रोका जाए।

राजस्थान से सुखद खबर : संक्रमण की दर भी 6 फीसदी से नीचे रही

24 घंटे में 3404 नये संक्रमित केस मिले, यह 48 दिन बाद सबसे कम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में कोरोना नये केसों में आज भी कमी हुई है। राज्य में आज 24 घंटे के अंदर 3404 नये संक्रमित केस मिले है, जो 7 अप्रैल बाद आए केसों में सबसे कम है। राहत की बात ये भी है कि संक्रमण की दर भी 48 दिन बाद 6 फीसदी से नीचे दर्ज हुई है। राज्य में आज जयपुर को छोड़कर किसी भी जिले में 500 से ज्यादा केस नहीं मिले है। वहीं हर जिले में रिकवर मरीजों की संख्या नये केसों की तुलना में अधिक है, लेकिन चिंता वाली बात एक ये है कि मौत की संख्या अब भी कम नहीं हुई है।

राज्य में रिकवरी रेट में भी एक फीसदी से ज्यादा का इजाफा हुआ और यह 88 फीसदी से बढ़कर 90 फीसदी के नजदीक पहुंच गई। आज पूरे राज्य में 15,635 मरीज रिकवर हुए है। इधर मौत के केसों ने अभी भी सरकार और प्रशासन की चिंता बढ़ा रखी है। आज भी पूरे राज्य में इस बीमारी से 105 लोगों की मौत हो गई। हालांकि प्रदेश का डेथ रेशो अभी भी एक फीसदी से भी कम है।

6 फीसदी से कम रही संक्रमण की दर

राज्य में आज संक्रमण की दर 48 दिन बाद 6 फीसदी से कम दर्ज हुई। आज पूरे राज्य में 58,755 सैंपल की जांच की गई, जिसमें से 3404 पॉजिटिव निकले और संक्रमण दर 6 फीसदी से कम रही। जांचों की जिलेवार स्थिति देखे तो आज सबसे ज्यादा 10,103 जांचे जयपुर में हुई है, जबकि सबसे कम 456 जांचे प्रतापगढ़ जिले में। इससे पहले 7 अप्रैल प्रदेश में 2801 संक्रमित केस आए थे, तब पॉजिटिविटी रेट 6 फीसदी से कम थी।

8 शहरों में 30 से भी कम संक्रमित मिले

संक्रमित केसों में लगातार कमी आने का असर है कि अब जिलों में स्थिति बेहतर होने लगी है। आज भी 33 में 8 जिले ऐसे है, जहां 30 से भी कम नये संक्रमित मिले है। सबसे कम 10 केस जालौर में मिले है। जालौर के अलावा धौलपुर 13, बांसवाड़ा 15, करौली 16, सिरोही 22, सवाई माधोपुर, झालावाड़ 24-24 और दौसा में 27 नये मरीज मिले है।

जयपुर में 20 हजार से कम हुए एक्टिव केस

राजधानी जयपुर की बात करें तो आज यहां एक्टिव केसों की संख्या 20 हजार से नीचे चली गई। यहां अब कुल 19,967 एक्टिव केस ही बचे है। आज जयपुर में संक्रमित केस 832 मिले है, जबकि 30 लोगों की इस बीमारी से जान चली गई। वहीं प्रदेश में 8 जिले ऐसे है, जहां एक्टिव केसों की संख्या एक हजार से कम है। इसमें जालौर, धौलपुर, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, करौली, टोंक और बूंदी जिले शामिल है।

इस्तीफा प्रकरण

लॉकडाउन के बाद होंगे स्पीकर जोशी के सामने पेश चौधरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अपने विधानसभा क्षेत्र में कामकाज नहीं होने से नाराज होकर इस्तीफा देने वाले वरिष्ठ विधायक हेमाराम चौधरी को अब लॉकडाउन के बाद विधानसभा स्पीकर सीपी जोशी के समक्ष पेश होना होगा। इसके लिए हेमाराम को लॉकडाउन के बाद 7 दिन का समय दिया गया है। इसे लेकर विधानसभा सचिवालय ने हेमाराम चौधरी को पत्र भी लिखा है। इससे पहले 18 मई को वरिष्ठ कांग्रेसी विधायक हेमाराम चौधरी ने ई-मेल के जरिए विधानसभा अध्यक्ष को अपना इस्तीफा भेजा था, जिस पर विधानसभा सचिवालय की ओर से बयान जारी कर जानकारी दी गई थी कि नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी। अब इसी कड़ी में विधान सभा सचिवालय ने विधानसभा अध्यक्ष के निर्देश पर विधायक हेमाराम चौधरी को यह पत्र जारी किया है,जिसमें उन्हें इसी प्रकरण में अपनी बात रखने के लिए लॉकडाउन के बाद उपस्थित होने को कहा है। प्रदेश में कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए 8 जून तक लॉकडाउन लगाया गया है। इससे साफ है कि अब हेमाराम चौधरी इस्तीफा प्रकरण का पटाक्षेप 8 जून के बाद ही हो पाएगा।

छोकरी शब्द अमर्यादित, पाठ्यक्रम में इस्तेमाल न हो

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पहली कक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीइआरटी) की हिन्दी की पुस्तक में 'छोकरी' शब्द के इस्तेमाल पर राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया है। आयोग ने एनसीइआरटी को भेजे नोटिस में 'छोकरी' व बालश्रम बढ़ाने वाले शब्दों के संबंध में आवश्यक कार्रवाई कर 25 दिन में रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। एनसीइआरटी निदेशक को भेजे पत्र में आयोग के सदस्य सचिव ने कहा है कि रिमझिम पुस्तक की 'आम की टोकरी' कविता में छोकरी शब्द का इस्तेमाल किया गया है, जो अमर्यादित है। आयोग अध्यक्ष व सदस्यों ने फलों का टोकरा लेकर निकली 6 साल की लड़की के लिए 'छोकरी' शब्द के इस्तेमाल को आपत्तिजनक माना है। देश के कई इलाकों में इस शब्द को सही नहीं माना जाता है। इस कविता को आपत्तिजनक बताते हुए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग को भी सूचना भेजी है।

दो पंक्तियां बालश्रम बढ़ाने वाली

इसकी दो पंक्तियों को बालश्रम बढ़ाने वाली बताया गया है। आयोग का कहना है कि पहली कक्षा के लिए ऐसी कविता ठीक नहीं है। पाठ्यक्रम तय करने वाले जिम्मेदार वयस्कों को बच्चों को ऐसे शब्द नहीं पढ़ाने चाहिए, जो बच्चों में गलत भावनाएं पैदा करें। आयोग का यह भी कहना है कि सामाजिक बुराई बताने का दूसरा तरीका भी होता है। पाठ्यऱ म ऐसा होना चाहिए, जो स्कूल में पढ़ने वालों और शिक्षकों में अच्छे विचार पैदा करे।

जागरूक खबरें

फ्रंटलाइन वर्कर होंगे शिक्षक, प्राथमिकता से लगेगी वैक्सीन

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेशभर में कोरोना प्रबंधन में करीब दो लाख शिक्षकों को आखिरकार सरकार ने फ्रंटलाइन वर्कर मान लिया है। अब इन शिक्षकों को प्राथमिकता के आधार पर वैक्सीन लगाई जाएगी। चिकित्सा विभाग ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। इससे पहले पिछले एक साल से शिक्षा विभाग के कार्मिकों की ड्यूटी कोरोना प्रबंधन में लगा रखी है। जिला प्रशासन की ओर से शिक्षकों को विभिन्न कार्यों में लगाया गया है, लेकिन शिक्षकों को फ्रंटलाइन वर्कर के रूप में नहीं रखा गया था। कोरोनाकाल में ड्यूटी देते समय 100 से अधिक शिक्षकों की मौत हो चुकी है। पिछले दिनों शिक्षक संगठनों ने इसका विरोध किया था। इसके बाद शिक्षा विभाग ने सरकार को पत्र लिखकर शिक्षकों को वैक्सीनेशन में प्राथमिकता देने की मांग की थी। शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा ने बताया कि शिक्षा विभाग के कार्मिक इस महामारी में जान की परवाह न करते हुए सेवाएं दे रहे हैं। उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी को समझते हुए कोरोना ड्यूटी देने वाले कार्मिकों को फ्रंटलाइन वर्कर मानते हुए वैक्सीन लगाई जाएगी।

26 मई को होने वाली वन्यजीव गणना अब 24 जून को होगी

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश में 26 मई को होने वाली वन्यजीव गणना स्थगित कर दी गई है। अब इसे 24 जून को आयोजित करवाया जाएगा। गौरतलब है कि वॉटर हॉल पद्धति से वन्यजीवों की गणना इसी माह की बुद्ध पूर्णिमा पर करवाई जानी थी, लेकिन अरब सागर से उठे चक्रवात के कारण प्रदेश में अच्छी बारिश हुई, जिससे जलस्त्रोत भर गए हैं। जिसके चलते प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक एमएल मीना ने इस महीने गणना को कैंसल कर अगले महीने 24 जून ज्येष्ठ पूर्णिमा को किए जाने का आदेश जारी किया है। इस महीने 26 मई के सुबह 8 बजे से 27 मई के सुबह 8 बजे तक की जाने वाली गणना को कैंसिल कर दिया गया है। अब यह गणना अगले महीने पूर्णिमा के 24 जून को सुबह 8 बजे से 25 जून सुबह 8 बजे तक की जाएगी। तैयारियों को लेकर जो वीसी होने वाली थी उसे भी कैंसिल कर दिया गया है।

पानी : अप्रैल-मई की रकम जुलाई-अगस्त के बिलों में साथ ली जाएगी

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान सरकार ने कोरोना लॉकडाउन को देखते हुए 2 माह तक पानी के बिल की वसूली पर रोक लगा दी है। प्रदेश भर के उपभोक्ताओं के लिए यह राहत देने वाली खबर है। मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद जलदाय विभाग ने अप्रैल और मई के पानी के बिल डेफर्ड करने के आदेश जारी कर दिए हैं। डेफर्ड किए गए अप्रैल और मई के बिल घरेलू उपभोक्ताओं से जुलाई और अगस्त में वसूल किए जाएंगे। इंडस्ट्री और कॉमर्शियल पानी के कनेक्शनों से जुलाई में एक साथ अप्रैल-मई का बिल वसूल किया जाएगा। कॉमर्शियल और इंडस्ट्रियल कैटेगरी के कनेक्शनों को जुलाई में तीन माह के बिल एक साथ भरने होंगे। जबकि घरेलू उपभोक्ताओं को जुलाई और अगस्त में दो-दो माह के बिलों का पैसा भरना होगा। अप्रैल, मई और जून महीने के बिल नहीं भरने वालों को राहत दी गई है। तीन माह के बिल बकाया होने के बावजूद उनके कनेक्शन नहीं काटे जाएंगे। राजस्थान सरकार ने पिछले साल कोरोना की पहली लहर के समय भी पानी और बिजली के बिल स्थगित किए थे। इस बार पानी के बिल तो स्थगित कर दिए हैं, लेकिन अभी तक बिजली बिल स्थगित नहीं किए हैं। कई संगठन बिजली-पानी के बिल स्थगित करने की मांग कर रहे थे। सरकार आने वाले दिनों में बिजली के बिल स्थगित करने पर फैसला कर सकती है।

वर्चुअल शिलान्यास कार्यक्रम में सीएम अशोक गहलोत

कोरोना रूप बदलता है, अब बच्चों में फैल रहा है-गहलोत

इससे हरदम चौकन्ना रहना होगा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी कोरोना को बहुरूपिया बताया है। गहलोत ने कहा- कोरोना बहुरूपिया की तरह है। जिसने भी इसके बारे में कहा है, वह सही कहा है। हरदम चौकन्ना रहना जरूरी है। हम गांवों में डोर टू डोर सर्वे कर रहे हैं। लॉकडाउन भी बढ़ाया है। अब जनता की सजगता जरूरी है। कोरोना महामारी बच्चों में भी पहुंच गई है। कई जिलों में बड़ी संख्या में बच्चे कोरोना पॉजिटिव आ रहे हैं। मैंने आज सुबह ही आंकड़े लिए हैं। गहलोत विराटनगर क्षेत्र में 30 किलोमीटर सड़क निर्माण के काम के वर्चुअल शिलान्यास समारोह में बोल रहे थे।

गहलोत ने कहा, अब तक देश में वैक्सीनेशन फ्री हुआ है। लेकिन इस बार भारत सरकार ने राज्यों पर इसका जिम्मा डाल दिया। भारत सरकार को बहुत पहले वैक्सीनेशन का रोडमैप बनाना चाहिए था, लेकिन नहीं बना पाए। हमारे यहां 15-20 कंपनियां वैक्सीन बनाती हैं। समय रहते वैक्सीन मंगवाने और देश में बनाने पर जोर नहीं दिया। सोनिया गांधी और पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह ने भी वैक्सीनेशन पर फोकस करने के लिए पीएम को पत्र लिखा। पर ध्यान नहीं दिया गया। वैक्सीन समय पर लग जाती तो आज दूसरी लहर में बच जाते। दूसरी लहर में नौजवानों की मौतें ज्यादा हो रही हैं, क्योंकि बुजुर्गों को वैक्सीन लग चुकी। अब तीसरी लहर से बच्चे ज्यादा प्रभावित होंगे। वैक्सीनेशन पर हमारा सबसे ज्यादा फोकस होना चाहिए।

असली लड़ाई फील्ड में

गहलोत ने कहा, खाली अस्पतालों में इलाज से कोरोना नहीं जाएगा। असली जंग मैदान में जीती जाएगी। कोरोना प्रोटोकॉल का पालन और सावधानी रखना जरूरी है। कोरोना प्रोटोकॉल के साथ वैक्सीन बहुत जरूरी है। मैं खुद कोरोना पॉजिटिव आया, लेकिन मुझे दो वैक्सीन लगी थी। इसलिए माइल्ड आया, बच गया।

दुनिया में देश की बदनामी

कोरोना से इस बार मौतें बहुत हो रही हैं। राजस्थान सरकार ने कोरोना मृतकों के अंतिम संस्कार का खर्च उठाने की व्यवस्था की है। उधर, यूपी-बिहार में गंगा किनारे लाशों को बहाया जा रहा हैं। दुनिया में देश की बदनामी हो रही है।

कोरोना से सरकार का 80 फीसदी रेवेन्यू कम

गहलोत ने कहा, कोरोना की वजह से सरकार का 80 फीसदी रेवेन्यू कम हो गया है। लॉकडाउन चल रहा है। काम बंद है, तो रेवेन्यू कम हो गया है। वित्त प्रबंधन ऐसा करेंगे कि विकास के काम होते रहेंगे। हमने एमएलए फंड बढ़ा कर 5 करोड़ कर दिया। इस बार तो एमएलए फंड वैक्सीन की भेंट चढ़ गया, लेकिन आगे पूरा मिलेगा। कोरोना की जंग हम सब मिलकर लड़ें। एक भी जान क्यों जाए। हम समर्पित होकर कोरोना के खिलाफ लड़ रहे हैं।

कोरोना संकट में पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ने से सभी चीजें महंगी : खाचरियावास

जयपुर @ जागरूक जनता। पेट्रोल-डीजल की दरों में लगातार हो रही वृद्धि को लेकर परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने एक बार फिर केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोला है। खाचरियावास ने कहा कि पेट्रोल-डीजल की लगातार दरें बढ़ाकर राजस्थान के 6 जिलों में पेट्रोल के दाम केंद्र सरकार ने 100 रुपए से ऊपर पहुंचा दिए हैं। कोरोना महामारी के समय बेवजह बढ़ाई जा रहे दामों के कारण देश की जनता और इतिहास केंद्र की मोदी सरकार को कभी माफ नहीं करेगा। इस वक्त जब देश की जनता लॉकडाउन और कोरोना महामारी की पीड़ा से पीड़ित है तब हर घर में महंगाई के कारण रोजी रोटी का संकट उत्पन्न हो गया है।

ANCHOR **मुख्यमंत्री ने किया आभार व्यक्त**

राजस्थानी प्रवासियों का सेवा का जज्बा बेमिसाल-गहलोत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वैश्विक महामारी कोरोना के दौर में प्रदेशवासियों के स्वास्थ्य की चिंता और मदद करने के लिए राजस्थानी प्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि इनका सेवा करने का जज्बा बेमिसाल है। गहलोत शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेश में टेलिमेडिसिन एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विषय पर राजस्थान फाउंडेशन द्वारा आयोजित प्रवासी राजस्थानियों के साथ संवाद कार्यक्रम में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि देश और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में रह रहे इन प्रवासियों की ओर से राजस्थान के विभिन्न जिलों में ऑक्सीजन कॉन्सन्ट्रेटर सहित विभिन्न आवश्यक मेडिकल उपकरण उपलब्ध करवाना उनके अपनी माटी से प्रेम और पीड़ित मानवता की सेवा के जज्बे की अद्वितीय मिसाल है। उन्होंने कहा कि जब कभी आपदा या विपत्ति आती है, दूर-दराज रहने वाले हमारे प्रवासी भाई-बहन उदार मन के साथ सहायता के लिए हाथ बढ़ाते हैं। उनके इसी सेवाभाव के कारण पूरी दुनिया में राजस्थान का मान-सम्मान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश-विदेश के बड़े चिकित्सा संस्थानों में कार्यरत राजस्थानी मूल के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा एक प्लेटफार्म पर आकर डॉक्टर्स ऑफ राजस्थान इंटरनेशनल (डोरी) संगठन के माध्यम से अपने गृह राज्य के भाई-बहनों को टेलिमेडिसिन के माध्यम से चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध करवाने का संकल्प सराहनीय कदम है। गहलोत ने कहा कि राजस्थान फाउंडेशन के प्रयासों से बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी राज्य सरकार के माध्यम से आमजन को स्वास्थ्य सेवाएं देने में सहायता कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संकट के इस दौर में प्रवासियों द्वारा अपने मूल गांव-ढाणी में रहने वाले बंधुओं की कुशलक्षेम और स्वास्थ्य के प्रति चिंता करना ही बड़ी बात थी, लेकिन राजस्थानी प्रवासियों ने तो बड़ी मदद करते हुए ऑक्सीजन प्लांट और टैंकर तक भेजकर मानव सेवा का अनूठा उदाहरण पेश किया है।

उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी जंग है, जिसका मुकाबला सभी वर्गों, जाति-धर्मा एवं विचारधाराओं के लोगों को साथ लेकर ही किया जा सकता है। इस दौरान बड़ी संख्या में अमरीका, कनाडा, इंग्लैंड, दुबई, युगांडा, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम सहित अन्य देशों में कार्यरत विशेषज्ञ चिकित्सकों तथा चेन्नई, पुरी आदि शहरों में रह रहे उद्यमी प्रवासी राजस्थानियों ने मुख्यमंत्री के साथ संवाद किया।

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री
अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

बुधवार, मई 26/05/2021

सूर्योदय : 05:35 **सूर्यास्त :** 18:47 **चन्द्रोदय :** 18:53 **चन्द्रास्त :** 05:11 **शक सम्वत :** 1943 पलवा **अमान्ता महीना :** वैशाख **पूर्णिमांत :** वैशाख **सूर्य राशि :** वृषभ **चन्द्र राशि :** वृश्चिक **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** पूर्णिमा, 16:44 तक **वार :** बुधवार **द्रिक ऋतु :** ग्रीष्म **वैदिक ऋतु :** वसन्त **द्रिक अयन :** उत्तरायण **वैदिक अयन :** उत्तरायण **शक सम्वत :** 1943 प्लव **विक्रम सम्वत :** 2078 आनन्द **गुजराती सम्वत :** 2077 परिधावी

नक्षत्र, योग तथा करण

नक्षत्र : अनुराधा, 25:10 तक
योग : शिव, 22:45 तक
प्रथम करण : विष्टि, 06:36 तक
द्वितिय करण : बावा, 16:44 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त : 04:12 ए एम, मई 24 से
प्रातः सन्ध्या : 04:33 ए एम, मई 24 से
अभिजित मुहूर्त : 11:57 ए एम से
विजय मुहूर्त : 02:40 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त : 06:58 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या : 07:12 पी एम से
अमृत काल : 06:41 ए एम से
निशिता मुहूर्त : 12:03 ए एम, मई 24 से मई
सर्वार्थ सिद्धि योग : 05:36 ए एम से
द्विपुष्कर योग : 12:12 पी एम से
अमृत सिद्धि योग : 05:36 ए एम से

दिन का चौघड़िया

लाभ	: 05:34 - 07:13
अमृत	: 07:13 - 08:52
काल काल वेला	: 08:52 - 10:31
शुभ	: 10:31 - 12:10
रोग वार वेला	: 12:10 - 13:49
उद्वेग	: 13:49 - 15:28
चार	: 15:28 - 17:07
लाभ	: 17:07 - 18:46

रात का चौघड़िया

उद्वेग	: 18:46 - 20:07
शुभ	: 20:07 - 21:28
अमृत	: 21:28 - 22:49
चार	: 22:49 - 24:10
रोग	: 24:10 - 25:31
काल	: 25:31 - 26:52
लाभ	: 26:52 - 28:13
उद्वेग	: 28:13 - 29:34

निवास और शूल

दिशा शूल	: पश्चिम
राहु वास	: उत्तर
होमाहुति	: शनि
चन्द्रवास	: दक्षिण में

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज पूर्णिमा तिथि को करें कौन सा कार्य

पूर्णमासी को विवाह, शिल्प, मंगल कार्य, संग्राम, वास्तु कर्म, यज्ञ क्रिया, प्रतिष्ठा आदि कार्य कर सकते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

सम्पादकीय

फंगस ने बढ़ाई चुनौति

केंद्र सरकार ने राज्यों से कहा है कि 'ब्लैक फंगस' को वे महामारी कानून के तहत अधिसूचित करें और एक-एक मामले की रिपोर्ट की जाए। केंद्र ने आम जनता के लिए कोविड संबंधी जो दिशा-निर्देश जारी किए हैं, उनमें कहा गया है कि कोविड संक्रमण हवा में दस मीटर तक फैल सकता है। इससे बचने के लिए डबल मास्क लगाना चाहिए और बंद जगहों पर ताजा हवा के इंतजाम किए जाने चाहिए। धीरे-धीरे वैज्ञानिक इस बात को मानने लगे हैं कि कोविड के फैलने को लेकर जो समझ पहले थी, उसमें सुधार की जरूरत है। शुरुआत में माना गया था कि कोरोना वायरस हवा में दूर तक नहीं फैलता और मरीज के छींकने या खांसने से जो छोटी-छोटी बूंदें गिरती हैं, उन्हीं से यह बीमारी फैलती है। यह भी माना जा रहा था कि ऐसी बूंदें किसी सतह पर पड़ी रहें, तो वे संक्रमण के फैलने का जरिया बन सकती हैं। इसीलिए शुरू में एक मीटर की दूरी बरतने का निर्देश जारी किया गया था और सतहों को न छूने और उनको कीटाणुरहित करने पर जोर था।

यह कोई विचित्र बात नहीं है। हवा से किसी वायरस या बैक्टीरिया के नमूने एकत्र करना और उनके खतरों का मूल्यांकन बहुत मुश्किल होता है। टीबी और खसरा जैसी बीमारियों के साथ भी यही हुआ था। लंबे दौर तक यह माना गया था कि ये बीमारियां हवा से नहीं, सिर्फ बूंदों से फैलती हैं, बाद में यह आकलन गलत साबित हुआ। कोरोना वायरस के बारे में भी ऐसे असंदिग्ध तथ्य नहीं मिले हैं, जिनसे ठीक-ठीक बताया जा सके कि कोरोना हवा में कितनी दूर तक फैलता है और उसका खतरा कितनी देर तक रहता है, लेकिन अब यह लगभग आम सहमति है कि कोविड का संक्रमण मुख्यतः हवा से होता है, सतहों को छूने से होने वाले संक्रमण की मात्रा बहुत कम है, इसलिए बार-बार उनको साफ करने की कोई खास जरूरत नहीं है। एक और खास बात जो उभरकर आई है, वह है ताजा हवा की जरूरत। पाया गया है कि बंद कमरों में या ऐसी जगहों पर, जहां हवा के आने-जाने का इंतजाम नहीं है, कोरोना का वायरस देर तक रह सकता है। इसलिए जहां एयर कंडिशनिंग जरूरी भी है, वहां बार-बार ताजा हवा के आने का इंतजाम जरूरी है। कई अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि खुली जगहों पर कोविड संक्रमण के प्रसार की आशंका कई गुना कम हो जाती है। कुछ वैज्ञानिकों का जोर है कि जैसे 19वीं सदी में साफ पानी पर जोर दिया गया था और उससे कई बीमारियों पर नियंत्रण हो गया, वैसे ही अब यदि हवा की गुणवत्ता को मुद्दा बनाया जाए, तो बहुत सारी बीमारियों से मुक्ति मिल सकती है।

कोविड ने बीमारियों के फैलने में हवा के महत्व को फिर रेखांकित किया है। दस मीटर यानी काफी बड़े कमरे में कोरोना हवा के जरिए फैल सकता है। यह दस मीटर भी कोई पत्थर की लकीर नहीं है। इससे सिर्फ यही पता चलता है कि काफी दूर तक कोरोना का वायरस हवा में जा सकता है और इसी नजरिए से बचाव के उपाय करने होंगे। वैक्सीनेशन से बचाव को पाने में अभी वक्त लगेगा और वह भी शत-प्रतिशत नहीं होगा। इसलिए बचाव के असली उपाय वही सावधानियां हैं, जिनके पालन में लोग लापरवाही कर जाते हैं। मास्क का सही इस्तेमाल, शारीरिक दूरी का ख्याल और खुली हवा का इंतजाम जैसे तरीके अभी सबसे कारगर बचाव हैं। ब्लैक फंगस ने वैसे भी चुनौती बढ़ा दी है।

पिछले दिनों यूपी और बिहार में गंगा नदी के किनारे जब बडी संख्या में कौवे और चील मँड़राते दिखे तो लोगों को संदेह हुआ। दरअसल गंगा नदी के किनारे कई शव रेत में ही दफन कर दिए गए थे। अंतिम संस्कार के लिए जरूरी संसाधन उपलब्ध नहीं होने के कारण गंगा की रेत में शवों को दफना दिया जाए, इससे बड़ा क्रूर मजाक और क्या होगा।

रेत में दबी लाशों से उठते सवाल

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार

> **शवों का सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करना सभी धर्मों में परंपरा और आस्था से जुड़ा कर्म है। लेकिन मौजूदा दौर में अगर हम दुनिया छोड़कर चले जाने वाले लोगों का पारंपरिक तरीके से अंतिम संस्कार भी नहीं कर पा रहे हैं, तो इससे बड़ी बेबसी और विवशता क्या होगी।**

पिछले साल कोरोना की वजह से मौतें कम हो रही थीं, लेकिन इस साल मौतों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। इस वजह से श्मशान घाटों और वहां काम करने वाले कर्मचारियों पर अत्यधिक बोझ पड़ा है। बचपन से यह उपमा सुनते आए हैं कि माहौल में मरघट जैसी वीरानी थी। पर अब मरघट में हलचल है और सड़कों पर सन्नाटा। श्मशान घाटों पर भीड़ लगी है। बड़े शहरों के तमाम मरघट इन दिनों सुबह से शाम तक आबाद नजर आते हैं। कोविड-19 के जिन मरीजों की मौत हो जाती है उनके अंतिम संस्कार को लेकर परिवार को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। श्मशान घाट पर टोकन लेकर परिजनों को अपने प्रियजन के अंतिम संस्कार के इंतजार में घंटों बिताने पड़ रहे हैं। जाहिर है कि श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार कराना ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो गया है।

शायद यह भी एक बड़ा कारण है कि बिहार और यूपी में गंगा नदी में बहते शवों के बाद अब गंगा किनारे की रेत में बड़ी संख्या में दफनाए गए शव मिल रहे हैं। कानपुर, उन्नाव और फतेहपुर में सैकड़ों की संख्या में ऐसे शव मिलने से हड़कंप मच गया है। प्रशासन का कहना है कि कुछ लोग अपनी परंपरा के अनुसार शव दफनाते हैं, जबकि स्थानीय लोगों के मुताबिक, श्मशान घाटों की भीड़ और महँगे अंतिम संस्कार की वजह से लोग शवों को रेत में गाड़कर चले जा रहे हैं। तस्वीरें वायरल होने पर पता चला कि पिछले कई दिनों से गाँवों में मर रहे लोगों को उनके परिजन यहाँ आकर रेत में दबाकर चले जा रहे हैं। श्मशान घाटों पर भीड़ और महँगी लकड़ी मिलने के कारण गरीब लोगों ने शवों को दफनाना शुरू कर दिया है। हालांकि आमतौर पर ऐसा नहीं होता है। लेकिन जिन लोगों ने भी ऐसा किया है उन्होंने मजबूरी में ही किया होगा।

कोरोना की दूसरी लहर ने मौत का जो तांडव दिखाया है, उसमें आम इंसान ही नहीं, बल्कि अंतिम संस्कार कराने वाले पंडित-पुरोहित भी सहम गए हैं। कई बार पुरोहित नहीं होने पर क्रियाकर्म तो श्मशान घाट के कर्मचारी ही करा देते हैं। कुछ पंडित-पुरोहित ऐसे भी हैं जो अंतिम संस्कार और क्रियाकर्म की रस्में भी ऑनलाइन पूरी करा रहे हैं। जयपुर में किसी की मौत के बाद उठावने की रस्म को अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। कुछ परिवार इसे तीए की बैठक भी कहते हैं। जो लोग अंतिम यात्रा में शामिल नहीं हो पाते, वे अपनी संवेदनाएं व्यक्त करने के लिए तीए की बैठक में अवश्य पहुंचते हैं। पर कोरोना ने इन मानवीय संवेदनाओं को भी ग्रहण लगा दिया है। किसी परिचित या परिजन की मौत की खबर मिलने के बाद लोग न तो उनके अंतिम सफर में शामिल हो पा रहे हैं और न ही उठावने की बैठकों में जा सकते हैं। इस बेबसी को देखते हुए कुछ लोगों ने यहां भी टैक्नोलॉजी का सहारा लिया है। कोरोना के कारण अब तीए की बैठकें भी ऑनलाइन तरीके से आयोजित की जा रही हैं। घर में किसी के गुजरने के बाद परिवार के युवा जूम मीटिंग ऐप या गूगल मीट ऐप का इस्तेमाल करते हुए अन्य परिजनों और परिचितों को तीए की बैठक में शामिल होने का मौका दे रहे हैं।

इस साल महामारी ने अंतिम संस्कार ही नहीं, बल्कि उसके बाद होने वाले हवन, गायत्री मंत्र जाप और अन्य धार्मिक आयोजनों को भी प्रभावित किया है। पीड़ित परिवार अपने पुरोहित से विचार करने के बाद सहज तरीके से धार्मिक आयोजन कर रहे हैं। कुछ श्मशान घाटों का मंजर यह है कि यहां दिन और रात चिताएं जल रही हैं और कई बार परिजन अंतिम दर्शन तक नहीं कर पाते हैं। कई बार तो परिवार इस खौफ में अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होते कि कहीं वे भी संक्रमित ना हो जाएं। दूसरी ओर कुछ ऐसे युवा भी हैं जो परिवार की गैर मौजूदगी में वह काम कर रहे हैं जिसकी जिम्मेदारी परिवार के सदस्यों की होती है।

पिछले साल की तुलना में इस साल अंतिम संस्कार करना बड़ी चुनौती का काम हो गया है। लॉकडाउन के कारण भी कई बार लोग श्मशान घाट तक नहीं पहुंच पाते हैं। पहले जहां कुछ मिनटों में अंतिम संस्कार हो जाता था उसके लिए अब लाइन लग रही हैं। जो क्रियाकर्म पिछले साल आसानी के साथ हो जाता था वही अब मुश्किल भरा काम हो गया है।

उत्तरप्रदेश में गंगा किनारे बसे आस-पास के गाँवों में ऐसी परंपरा है कि लोग शवों को दफना देते हैं, गाँवों में कुछ लोग बच्चों के शव या फिर कुछ बुजुर्गों के शव जलाने की बजाय जमीन में गाड़ देते हैं। कई बार लोग खेतों में भी शव गाड़ देते हैं। कुछ समुदायों में यह परंपरा होती है। लेकिन ऐसे लोग बहुत कम होते हैं। कानपुर में भी गंगाघाट पर रेत में बड़ी संख्या में शव दफनाए गए हैं। दरअसल गाँवों में बीते कुछ हफ्तों में इतनी मौतें हुई कि लोगों को शवों के दाह संस्कार का समय नहीं मिला और बड़ी संख्या में शव गंगा की रेती में दफनाए गए।

दाह संस्कार आज एक बहुत महंगी प्रक्रिया हो गई है। लकड़ी और दाह संस्कार से संबंधित सामान के दाम बहुत बढ़ गए है। लकड़ी, पुआल, कंडे (उपले) सब तीन से चार गुना महंगे बिक रहे हैं। इस सामान की उतनी सप्लाई ही नहीं हो पा रही है, जबकि कोविड और नॉन कोविड मरीजों की मौत बहुत ज्यादा संख्या में हो रही है। लेकिन हमने अस्पताल और मोक्ष स्थलों में किसी तरह के भ्रष्टाचार की गुंजाइश भी नहीं छोड़ी है। शवों का सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करना सभी धर्मों में परंपरा और आस्था से जुड़ा कर्म है। लेकिन मौजूदा दौर में अगर हम दुनिया छोड़कर चले जाने वाले लोगों का पारंपरिक तरीके से अंतिम संस्कार भी नहीं कर पा रहे हैं, तो इससे बड़ी बेबसी और विवशता क्या होगी। अंतिम संस्कार के लिए जरूरी संसाधन उपलब्ध नहीं होने के कारण गंगा की रेत में शवों को दफना दिया जाए, इससे बड़ा क्रूर मजाक और क्या होगा।

(ये लेखक के अपने विचार है)

साप्ताहिक राशिफल

आचार्य राजेश शास्त्री
वैशाख, शुक्ल, पूर्णिमा, 2078
बुधवार, 26 मई - 1 जून, 2021

मेष — **क्रोध** पर संयम न रखने से कार्य और संबंध बिगड़ने की संभावना है। स्वास्थ्य भी कुछ नरम-गरम रहेगा।

वृषभ — **शारीरिक** रूप से अस्वस्थ रहने से तथा कार्य में सफलता प्राप्त करने में विलंब होने से आप निराश हो सकते हैं।

मिथुन — **शारीरिक** और मानसिक रूप से खुशी का अनुभव करेंगे। स्वादिष्ट भोजन का स्वाद ले सकेंगे।

कर्क — **कार्यालय** में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। परिवारजन आपके साथ आनंदपूर्वक समय बिताएंगे।

सिंह — **सृजनात्मकता** और कला संबंधी प्रवृत्तियों के लिए दिन श्रेष्ठ है। विद्यार्थिगण भी अभ्यास में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पाएंगे।

कन्या — **शारीरिक** स्फूर्ति का अभाव रहेगा और मानसिक रूप से भी चिंता बनी रहेगी। पत्नी के साथ कलह प्रसंग बन सकता है।

तुला — **प्रतिस्पर्धियों** के समक्ष विजय का स्वाद प्राप्त कर सकेंगे। प्रत्येक कार्य में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — **परिवार** में क्लेशमुक्त वातावरण बनाने के लिए वाणी पर संयम रखें। आपके वर्तनी से किसी के मन को ठेस पहुंच सकती है।

धनु — **निर्धारित** कार्य संपन्न हो सकेंगे। शारीरिक और मानसिक स्वस्थ्य बेहतर होगा, जिससे स्फूर्ति और प्रसन्नता छाई रहेगी।

मकर — **धार्मिक** और आध्यात्मिक विषयो में रुचि रहने से उन कार्यों के पीछे व्यस्तता रहेगी तथा उनके पीछे खर्च भी होगा।

कुंभ — **मित्रों** के साथ भेंट होने से मन में आनंद छाया रहेगा। उनके साथ प्रवास का आयोजन भी हो सकता है।

मीन — **कार्य** में सफलता के कारण उच्च अधिकारी आप पर प्रसन्न रहेंगे। व्यवसाय में पदोन्नति के भी योग हैं।

कोरोना : निगेटिविटी में भी पॉजिटिविटी का संचार

मन के हारे हार है, मन के जीते जीत

जागरूक जनता
jagrukjanta.in
विचार
नविता मिश्रा

मन के हारे हार है, मन के जीते जीत

ये पक्तियां द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी जी ने बहुत ही शोध करके लिखी होगी।

आज हम मन को मस्तिष्क रूपी खेत में उग रही विचार रूपी फसल से जोड़ कर देख सकते हैं कि मस्तिष्क में आने वाले हर अच्छे, बुरे विचार ही हमारे व्यक्तित्व को बनाते हैं, हम जो है जैसी समाज और परिवार मे हमारी छवि है वो हमारे मन-मस्तिष्क में आए विचारों का प्रतिबिंब है। आज हम पिछले एक साल से इस कोरोना जैसी महामारी से जूझते हूए, डरते हुए, प्रार्थना और फिक्र करते हूए अगर खुश और स्वस्थ रह सकते हैं तो सिर्फ और सिर्फ हमारी पॉजिटिव वाइब्स से।

पॉजिटिव वाइब्स का अर्थ ये बिल्कुल नहीं है कि मन डर और आशंकाओ का घरोंदा बना हुआ है और हम दिखावटी मुस्कुराहट का मुखोटा ओढ़े हुए अपने पॉजिटिव वाइब्स का ढिंढोरा पीटें। इस सकारात्मकता का संचार आपकी उपस्थिति मात्र से ही हो जाएगा, आपको प्रयास करने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

आपके चेहरे की शांति और बॉडी लैंग्वेज ही आपका औरा बनाये रखेगा। बस सकारात्मक होने के लिए हमारे इनपुट सिस्टम को व्यवस्थित करना होगा। अच्छे विचार पढ़ने से, अच्छा सुनने और कल्पना मात्र से आपके आस पास बहने वाली वायु तक सकारत्मकता से परिपूर्ण होगी। इसलिए अपने विचारों को ऐसा बनाएं की परिस्थितियां कितनी भी प्रतिकूल हो पर आपकी हिम्मत हौसले और अच्छे विचारों के आगे हार मान कर वो भी अनूकूल हो जाये। ***(ये लेखक के अपने विचार है)***

मांग बढ़ेगी, तभी बेरोजगारी कम होगी

अरुण कुमार, अर्थशास्त्री

करीब 50 हफ्तों के बाद 16 मई को खत्म हुए सप्ताह में ग्रामीण बेरोजगारी दर बढ़कर 14.34 फीसदी हो गई। सेंटर फॉर मॉनिर्टरंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के मुताबिक, शहरी क्षेत्र में भी बेरोजगारी दर में इसी तरह से इजाफा हुआ है और शहरों में वह बढ़कर 14.71 प्रतिशत हो गई हैं। इसका सबसे बड़ा कारण लॉकडाउन को बताया जा रहा है, जो कोरोना की दूसरी लहर के बाद देशव्यापी तो नहीं, लेकिन लगभग 90 फीसदी हिस्से पर किसी न किसी रूप में लागू है। लॉकडाउन में रोजगार का खत्म होना स्वाभाविक है, क्योंकि ऐसे में हम अपनी आर्थिक गतिविधियों को बंद कर देते हैं। हालांकि, इस साल रोजगार पर उतना ज्यादा असर नहीं पड़ा है, जितना पिछले साल पड़ा था। बीते साल देशव्यापी लॉकडाउन के कारण 12.2 करोड़ लोगों की नौकरी खत्म हुई थी, जबकि करीब 20 करोड़ लोगों के काम प्रभावित हुए थे।

यह समझना चाहिए कि रोजगार की तुलना में काम अधिक प्रभावित होता है। जैसे, लॉकडाउन में दफ्तरों और स्कूल-कॉलेजों के बंद होने से सरकारी कर्मियों, शिक्षकों, प्रोफेसरों आदि के रोजगार पर कोई असर नहीं पड़ा था। लेकिन काम के बंद होने से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) नकारात्मक रूप से प्रभावित होता है, क्योंकि इससे उत्पादन बंद हो जाता है। जाहिर है, इससे बेरोजगारी बढ़ती है। इस साल आंशिक लॉकडाउन लगा है, लेकिन फिर भी आपूर्ति श्रृंखला तो प्रभावित हुई ही है। जगह-जगह कारखाने बंद हुए हैं और कुटीर उद्योगों पर इसका खासा असर पड़ा है। संगठित क्षेत्र को भी लॉकडाउन ने प्रभावित किया है। चूंकि इसमें अब बड़े पैमाने पर निविदा पर रोजगार दिए जाते हैं, इसलिए यहां कर्मियों को बाहर का रास्ता दिखाना आसान है। लोगों में फैलते भय ने भी रोजगार क्षेत्र को प्रभावित किया है। दूसरी लहर को देखते हुए शहरों से फिर मजदूरों का पलायन हुआ। चूंकि बिना जांच के वे गांवों की तरफ रवाना हुए, इसलिए वायरस का प्रसार गांव-गांव में हो गया है। चिकित्सा जगत का एक मॉडल कह रहा है कि संक्रमण के जितने मामले सामने आ रहे हैं, उनसे करीब 10 गुना अधिक संक्रमण हुआ है, और मौतें भी तीन से आठ गुना ज्यादा हुई हैं। यह दहशत तब और बढ़ गई, जब मध्य वर्ग और ऊंचे तबके में भी महामारी का प्रसार बढ़ा। भयावह स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पहले अखबारों में आधे पन्ने पर शोक-संदेश छपा करते थे, लेकिन अब यह बढ़कर चार-चार पन्ने तक हो गए हैं। चूंकि यही वर्ग ज्यादा खपत करता है, इसलिए बीमारी के आने के बाद इसने अपनी खपत कम कर दी। फिर, इन वर्गों का स्वास्थ्य खर्च भी बढ़ गया है। गरीब तबका तो कर्ज लेकर जैसे-तैसे अपना इलाज करा रहा है, लेकिन मध्य व उच्च वर्ग अपनी बचत खर्च कर रहे हैं। तीसरी लहर की आशंका ने भी उन्हें बहुत सोच-समझकर खर्च करने के लिए प्रेरित किया है। संभवतः इसी वजह से रिजर्व बैंक ने कहा है कि लोग अब नकदी ज्यादा जमा करने लगे हैं, क्योंकि उन्हें यह डर सता रहा है कि यदि कोई परेशानी हुई, तो नकद राशि ही मददगार साबित होगी। इन सबसे हमारी खपत बुरी तरह गिर गई है, और खपत के गिरने का असर उत्पादन पर पड़ा है। उत्पादन कम होने का अर्थ है, नए निवेश का कम होना, जिससे स्वाभाविक तौर पर रोजगार पर नकारात्मक असर पड़ा है। सवाल है, अब आगे क्या किया जाए? टीकाकरण पर जोर दिया जा रहा है, लेकिन इससे अर्थव्यवस्था को शायद ही त्वरित फायदा हो सकेगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि अपने यहां टीकेकरण को लेकर स्पष्ट नीतियों का अभाव है। अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देशों ने समय रहते टीके के ऑर्डर दे दिए थे, इसीलिए उन्होंने तेजी से टीकाकरण किया है। नतीजतन, वहां की 50 फीसदी आबादी को टीका लग चुका है, जिसका फायदा उन्हें मिलना शुरू हो चुका है। अपने यहां अव्वल तो ऑर्डर देने में देरी हुई, और फिर जैसे-तैसे टीकाकरण शुरू कर दिया गया। कहा गया कि पहले डेढ़ महीने में एक करोड़ लोगों को टीका लगाया जाएगा, जबकि सवा अरब की आबादी के लिहाज से हमें 10 करोड़ से शुरुआत करनी चाहिए थी। ऐसा इसलिए, क्योंकि 'हर्ड इम्यूनिटी' के लिए 60 फीसदी आबादी का पूर्ण टीकाकरण अनिवार्य है। यानी, 10 महीने में 84 करोड़ लोगों को टीके की दोनों खुराकें लग जानी चाहिए। इसका मतलब है, हमें टीके की लगभग 170 करोड़ खुराक की जरूरत है। इसे अगर 10 महीने में बांटें, तो हर महीने हमें 17 करोड़ खुराक चाहिए। मगर ऐसा नहीं हो सका। इससे न सिर्फ वायरस के नए-नए इलाकों में फैलने का खतरा बढ़ रहा है, बल्कि उसके म्यूटेट होने की आशंका भी है। अगर वायरस म्यूटेट हो गया, तो यह उन इलाकों में फिर से फैल सकता है, जहां एक बार यह तबाही मचा चुका है। ऐसे में, लॉकडाउन ही एकमात्र उपाय है। जब तक लहर बनी रहती है, हमें लॉकडाउन के भरोसे ही इसके प्रसार को थामना होगा। दूसरा काम स्वास्थ्य ढांचे को बेहतर बनाने का है। 'टेस्टिंग' और 'ट्रेसिंग' के साथ-साथ 'जीनोम टेस्टिंग' पर हमें जोर देना चाहिए। इससे पता चल सकेगा कि वायरस हमारे लिए कितना बड़ा खतरा बन सकता है। अभी वायरस को लेकर कई सूचनाएं ब्रिटिश व अमेरिकी प्रयोगशालाएं से आ रही हैं। हमें खुद यह प्रयोग अधिकाधिक करना चाहिए, मगर विडंबना यह है कि विश्वविद्यालयों के बंद रहने से ऐसे शोध कम हो रहे हैं। हमें इस पर भी गौर करना चाहिए।

एक बड़ी जरूरत गरीब तबके को मदद देने की है। उन्हें अगर नकदी सहायता मिलेगी, तो खपत बढ़ेगी, जिससे बाजार में मांग बढ़ सकती है। ऐसी ही सहायता मध्यवर्ग को भी चाहिए। इस साल बजट में मनरेगा का आवंटन 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये से घटाकर 70 हजार करोड़ रुपये कर दिया गया था। यह कटौती नहीं होनी चाहिए। चूंकि ग्रामीण इलाकों में भी वायरस का प्रसार हो गया है, इसलिए वहां भी उत्पादकता अब प्रभावित होगी। इसे ध्यान में रखकर हमें लघु एवं कुटीर उद्योगों को पर्याप्त समर्थन देना होगा। जाहिर है, बजट की समीक्षा करते हुए उसे दुरुस्त करना होगा, और जरूरी मदों में खर्च बढ़ाते हुए उन-उन जगहों पर कटौती करनी होगी, जहां ऐसा करना संभव है। इससे राजकोषीय घाटा ज्यादा नहीं बढ़ेगा, और नई लहर से निपटने के लिए भी हम तैयार रह सकेंगे। जान बचाने के साथ-साथ भविष्य बचाने पर भी काम होना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

उपासना के प्रसंग में निम्न जानकारी सजायक सिद्ध होगी, यद्यपि यह योग से संबंधित विषय है। आत्मज्ञान के चार साधन है 1. विवेक-आत्मा सत्य है तथा आत्मा के अतिरिक्त अन्य सब असत्य है। इस दृढ़ निश्चय को विवेक कहते हैं। 2. वैराग्य- इस लोक तथा परलोक में भोग भोगने संबंधी अनिच्छा तथा इनमें प्रीति नहीं होना वैराग्य है। 3. षट संपत्ति- सम-कामना का त्याग, काम, क्रोध आदि का त्याग करने से वासना का त्याग होता है। दम-इन्द्रियों का तमन, उपरति- सांसारिक प्रपंच से निवृत्ति, तितिक्षा-शीत, उष्ण आदि द्वंद्व धर्म सहन करने की योग्यता, श्रद्धा-सद्गुरु तथा वेद वेदान्त शास्त्र के वचनों में भक्ति, समाधान- चित्त की एकाग्रता। मनोराज का त्याग करने से, ध्यान के अभ्यास से, चित्त की एकाग्रता होती है। 3. मोक्ष की इच्छा-मैं जीव संसार के बंधन से मुक्त हो जाऊं, ऐसी इच्छा को मोक्ष की इच्छा कहते हैं। जीव मात्र को संसार चक्र में घुमाने वाले महादुःखदायक पांच क्लेश हैं। 1. अविद्या 2. अस्मिता, 3. राग, 4. द्वेष और 5. अभिनिवेश। क्लेशों का मूल कारण अविद्या है। अतः अविद्या के नाश से बाकी चारों का नाश सदा के लिए समूल हो जाता है। अविद्या अनित्य, अपवित्र, दुख और अनात्मा में नित्य, पवित्र, सुख और आत्मभाव की अनुभूति अविद्या है। इस लोक और परलोक के समस्त भोग और इनको भोगने वाला शरीर अनित्य है। फिर भी मनुष्य उनमें नित्य बुद्धि करके राग, द्वेष आदि कर लेता है, यह अनित्य में नित्य की अनुभूति रूप अविद्या है। **क्रमशः**

जागरूक Selfie विद डॉटर

जयति डॉटर अलका जैन, रानीपुर, झांसी,

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।
jagrukjantanews@gmail.com
सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

जागरूक खबरें

नशा मुक्त राजस्थान के लिए बढाए कदम सरकार-गोविन्द ठाकुर

जयपुर @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय प्रचारक गोविन्द ठाकुर ने राज्य के मुख्यमंत्री एव प्रशासन से सहयोग की मांग की है उन्होंने कहा है कि राजस्थान मे अब ड्रग्स और गंजा जेसे नशा ज्यादा बढ़ गया है और इससे हमारी युवा पीढ़ी खराब हो रही है, नशा व्यापारी चंद पैसो के लिए पहले युवाओ को मुफ्त मे नशा करवाते है बाद मे उनसे उसके मुह मांगी रकम वसूलते है, आज राजस्थान मे नशा चरम सीमा पर है जिससे हमारी युवा पीढ़ी खत्म होती जा रही है नशीली चीजों के सेवन के बाद राज्य मे अपराध बढ़ने का डर है क्युकी नशे मे व्यक्ति कुछ भी कर जाता है ना घर देखता है ना परिवार खुद के परिवार को भी चोट पहुंचता है नशा करने के लिए चोरी जेसे काम शुरू करते है, राष्ट्रीय प्रचारक गोविन्द ठाकुर ने राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जी एव प्रशासन से अपील की है कि वो नशा मुक्ति अभियान को मजबूती प्रदान करने के लिए एक दूसरे का सहयोग करे। भगवा रक्षा दल की पूरी टीम इस मुहिम मे प्रशासन का पूरा साथ देगा परंतु इसके लिए मुख्यमंत्री जी और उच्च अधिकारियों को एक अलग टीम का गठन करना होगा क्युकी आज के समय मे भ्रस्टाचार भी बहुत ज्यादा है चंद पैसो के लिए हर आदमी बिकने के लिए तैयार हो जाता है। राष्ट्रीय प्रचारक गोविन्द ठाकुर की सोच है कि राजस्थान नशा मुक्त ही और युवा पीढ़ी आगे बढ़े इसमे युवाओ को ही नहीं प्रशासन को भी आगे अना पड़ेगा।

स्टेट कंट्रोल रूम

300 कर्मचारी और दो दर्जन अधिकारी रोज सुनते हैं एक हजार शिकायतें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कोरोना की दूसरी लहर से लोगों में भय और हड़बड़ाहट है। उनके मन में सवाल हैं, आखिर कहां बेड उपलब्ध है, दवाई कहां मिलेगी और अगर कोई शिकायत है तो किसे बताएं? 181 हेल्पलाइन करीब एक हजार सवालों का जवाब रोज देता है। ये कंट्रोल रूम सचिवालय में दूसरी मंजिल पर स्थित है। इसमें आने वाले फोन को अटेंड करने के लिए 300 कर्मचारी तीन अलग-अलग शिफ्ट में काम करते हैं। ज्यादातर कॉल्स में लोगों के कोविड संबंधित सवाल होते हैं या फिर अस्पतालों और दवाइयों की उपलब्धता की शिकायतें। सभी शिकायतों को एक प्रोफार्मा में दर्ज किया जाता है। फिर ये शिकायतें विभिन्न जिलों के सीएमएचओ की टीम या फिर अन्य नोडल अधिकारियों को भेज दी जाती हैं।

अगर इन शिकायतों का निस्तारण नहीं होता है तो उन्हें इसी कंट्रोल रूम में मौजूद हेल्थ डिपार्टमेंट के अधिकारियों को फॉरवर्ड किया जाता है और फिर इनका निस्तारण किया जाता है। कोरोना की दूसरी लहर में इस साल 1 अप्रैल से मई 11 तक 15,266 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। 14,606 शिकायतों का निस्तारण हो चुका है। 181 पर आई शिकायतों की बारे में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपनी डेली कोविड रिव्यु मीटिंग में जानकारी लेते हैं।

फर्स्ट वेव के मुकाबले अलग तरह की शिकायतें, कंट्रोल रूम में रोज 40 से 45 हजार कॉल्स

इंचार्ज जीके शर्मा बताते हैं कि फर्स्ट वेव में 80% शिकायतें खाने की कमी की थी। इस बार अस्पतालों में बेड्स की उपलब्धता, रेमडेसिविर की जरूरत, होम क्वारंटाइन मरीजों को दवा और ऑक्सीजन से संबंधित आई हैं। कंट्रोल रूम में (रोजाना) 40000 से 45000 कॉल्स का फ्लो रहता है।

बेड-ऑक्सीजन की कमी से निपटने के लिए अलग से वॉर रूम: एक कंट्रोल रूम सिर्फ अस्पतालों में बेड्स की कमी के निस्तारण के लिए काम करता है, वहीं दूसरा ऑक्सीजन के लिए काम करता है। नोडल अधिकारी सूचि (शुचि) त्यागी ने बताया कि इस रूम में 15 लोगों की टीम बैठती हैं जो सभी कोविड अस्पतालों से कोर्डिनेट करती हैं और बेड्स की उपलब्धता का डेटा राजस्थान सरकार की वेबसाइट पर अपलोड करती है। ऑक्सीजन मैनेजमेंट की जिम्मेदारी आईएएस आशुतोष पेडनेकर और रोहित गुप्ता को दी है। इसमें लगभग 25 लोगों का स्टाफ सुबह से रात तक दो शिफ्टों में काम करता है। टीम ऑक्सीजन और ₹ ायोजेनिक टैंकरों की आवाजाही पर भी कड़ी नजर रखती है। टीम जीपीएस के ज़रिये टैंकरों की लाइव मॉनिटरिंग करती हैं। विषय शिकायतें निस्तारण रेमडेसिविर की जरूरत 683 566 अस्पतालों में बेड्स की कमी 2474 2343 क्वारंटाइन लोगों के लिए दवा 11487 11184 ऑक्सीजन की जरूरत 622 109 कुल 15266 14606.

कंट्रोल रूम में कोविड-19 रोगियों के परिवारों को अस्पताल के संसाधनों को खोजने में मदद कर रहे हैं। ऑक्सीजन की आपूर्ति की निगरानी के लिए एक अलग कंट्रोल रूम नई पहल है। दूसरी लहर के दौरान रोगियों को सांस लेने में तकलीफ और अस्पताल में भर्ती होने की शिकायत है। यह टीम सुनिश्चित करती हैं कि ज्यादा से ज्यादा मरीजों तक बिना किसी रुकावट के ऑक्सीजन पहुंचे।

- सिद्धार्थ महाजन, हेल्थ सेक्रेटरी

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम लगाएगी पांच आक्सीजन जेनरेशन प्लांट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। एचपीसीएल राजस्थान रिफायनरी (एचआरआरएल) और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम राज्य में पांच आक्सीजन जेनरेशन प्लांट लगाएगी। माइंस एवं पेट्रोलियम विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि इन पांचों आक्सीजन जेनरेशन प्लांटों में प्रत्येक प्लांट की 450-450 लीटर प्रतिमिनट क्षमता होगी। एसीएस माइंस डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि एचपीसीएल राजस्थान रिफायनरी की वर्चुअल संचालक मण्डल की बैठक में अंतिम रुप दिया गया। बैठक में एचपीसीएल राजस्थान रिफायनरी के चेयरमेन डॉ. एमके सुराणा से चर्चा की गई। यह प्लांट बाड़मेर के राजकीय मेडिकल कॉलेज, नागौर की कुचामन सिटी, झुन्झुनू के नवलगढ़, सीकर के अजीतगढ़ और चुरु के सुजानगढ़ में स्थापित किए जाएंगे।

एसीएस डॉ. अग्रवाल ने बताया कि राज्य के पांच स्थानों पर स्थापित होने वाले इन प्लांटों में से प्रत्येक प्लांट पर 71-71 लाख रुपए प्रति प्लांट और जीएसटी की लागत आएगी। इस तरह से करीब तीन करोड़ 55 लाख रुपए व जीएसटी की लागत से यह पांच प्लांट स्थापित होंगे। पांचों प्लांटों के लिए क्रयादेश जारी कर दिए गए हैं और जल्दी ही इनको लगाने की कार्यवाही आरंभ हो सकेगी। डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि एचपीसीएल राजस्थान रिफायनरी और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम द्वारा लगाए जा रहे इन पांच प्लांटों से इन चिकित्सा संस्थानों के मरीजों को आसानी से आक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी।

एसीएस डॉ. सुबोध अग्रवाल ने राज्य सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक में कोविड उपचार में उपयोग में आ रहे उपकरणों खासतौर से आक्सीजन कंसंट्रेटरों के उपयोग करते समय आवश्यक सावधानियां बरतने को कहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राज्य में ब्लेक फंगस के संक्रमण को देखते हुए इस पर चिंता व्यक्त कर चुके हैं। आक्सीजन कंसंट्रेटरों के सुरक्षित उपयोग पर जोर दिया और कहा कि इससे इनकी प्रभावी उपयोगिता फलीभूत हो सकेगी। उन्होंने इनके उपयोग के क्या करें, क्या नहीं करे की विशेषज्ञों द्वारा सूची तैयार कर जारी करने को भी कहा है।

सहारा: महामारी में मृतक आश्रितों को सहारा देगी सरकार

प्रभावित परिवार को हर माह मिलेगा पैसा

कोरोना से घर का कमाऊ सदस्य खोने वाले परिवारों की मदद के लिए गहलोत सरकार लाएगी सोशल सिक्योरिटी पॉलिसी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कोरोना से जान गंवाने वालों के आश्रितों के लिए राजस्थान सरकार नई योजना लेकर आ रही है। जिन परिवारों के कमाने वाले सदस्य की कोरोना से मौत हुई है, उनके लिए गहलोत सरकार ने सोशल सिक्योरिटी स्कीम लाने का फैसला किया है। इस सोशल सिक्योरिटी पॉलिसी का खाका तैयार किया जा रहा है। मृतक आश्रितों के लिए सोशल सिक्योरिटी पॉलिसी पर मंत्रिपरिषद की बैठक में चर्चा हो चुकी है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने पॉलिसी लाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आश्रितों के लिए सोशल सिक्योरिटी नीति लाने के लिए विभागों को टास्क दे दिया है। सोशल सिक्योरिटी पॉलिसी के तहत घर के कमाऊ सदस्य की मौत होने और बच्चों के अनाथ होने की स्थिति में उस परिवार की मदद की जाएगी। कई विभाग मिलकर इस नीति को तैयार करेंगे, जिसमें अलग अलग विभागों की योजनाओं और कार्यक्रमों को मिलाकर प्रभावित परिवारों को सहायता दी जाएगी। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग सहित सभी संबंधित विभाग मिलकर नई योजना का खाका तैयार करेंगे। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, कोरोना से प्रदेश में अब तक 7500 मौतें हो चुकी हैं। हालांकि, बताया जा रहा है कि हकीकत में यह आंकड़ा इससे कहीं ज्यादा है।

पालनहार योजना का लाभ

कोरोना मृतकों के 18 साल से कम उम्र तक के बच्चे को पालनहार योजना का लाभ दिया जाएगा। पालनहार योजना में 5 साल तक के बच्चों को हर माह 500 रुपए की सहायता देने का प्रावधान है। इसके बाद स्कूल जाने पर बच्चों को 18 साल तक की उम्र तक हर माह 1000 रुपए देने का प्रावधान है।

सर्वे शुरू

पालनहार योजना का लाभ देने के लिए सरकार ने कोरोना से मरने वालों के परिवारों का सर्वे शुरू करवा दिया है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग ने सर्वे कराकर उनके पालनहार योजना के आवेदन तैयार करने के लिए जिलों को टास्क दिया है। आवेदन आने के एक महीने के भीतर सहायता राशि का भुगतान शुरू करने की डेडलाइन भी तय कर दी है।

सोशल सिक्योरिटी पॉलिसी भी

कोरोना के कारण घर का कमाऊ सदस्य की मौत होने या माता-पिता दोनों की मौत होने पर सरकार सोशल सिक्योरिटी पॉलिसी बना रही है। इस पॉलिसी में मृतक के आश्रित परिवार के जीवनयापन में सरकार मदद करेगी। मृतक के परिवार को सस्ता राशन, विधवा पेंशन, बच्चों को पालनहार योजना के तहत हर महीने पैसा देने सहित व्यक्तिगत लाभ की योजनाओं का पैकेज देने पर काम चल रहा है।

कोरोना: आयुर्वेद पद्धति से कोविड का इलाज

एनआईए में 150 बेड का कोविड केयर सेंटर शुरू

इमरजेंसी केस में ही एलोपैथिक पद्धति से होगा इलाज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कोरोना महामारी की दूसरी लहर में ऑक्सीजन और बेड की कमी को देखते हुए सरकार ने अब जयपुर के राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में 150 बेड का नया कोविड केयर सेंटर शुरू किया है। खास बात ये है कि इस सेंटर में भर्ती होने वाले सभी मरीजों का इलाज आयुर्वेद पद्धती से होगा। इस सेंटर में 150 में से 24 हाई फ्लो ऑक्सीजन सपोर्ट के, जबकि 8 ICU विद वेंटिलेटर सपोर्ट के बेड है। इस कोविड केयर सेंटर का आज मुख्य सचेतक और विधायक महेश जोशी ने किया। जोरावर सिंह गेट स्थित इस संस्थान के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने बताया कि यहां भर्ती होने वाले कम लक्षण और मध्यम लक्षण वाले मरीजों का हम आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से इलाज करेंगे। अगर कोई मरीज गंभीर अवस्था में और इमरजेंसी में आता है तो उस स्थिति में मरीज को एलोपैथिक पद्धती से ट्रीटमेंट दिया जाएगा। इसके लिए सवाई मानसिंह चिकित्सालय के डॉक्टर्स की एक टीम भी मौके पर रहेगी।

हर जांच की 24 घंटे सुविधा

संस्थान के सहायक प्रोफेसर डॉ. सी.आर यादव ने बताया कि चारदीवारी, आमेर क्षेत्र के लोगों के लिए यह पहला कोविड केयर सेंटर है, जिससे लोगों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस सेंटर पर भर्ती होने वाले मरीजों के लिए 24 घंटे जांच की सुविधा के लिए लैब भी है, जिसमें RT-PCR, CRP, D-Dimer, LDH, IL-6 सहित अन्य तरह की जांचे की जा सकेगी। इस मौके पर अस्पताल उपाधीक्षक डा. राम किशोर जोशी, सेन्टर के नोडल ऑफिसर डॉ. नरेन्द्र सिंह सहित अन्य विभागों के अध्यक्ष भी मौजूद थे।

परशुराम सर्किल से हटाए गए लोगों को स्थाई रूप से बसाए सरकार-पूनियां

जयपुर @ जागरूक जनता। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर अलग-अलग मांग रखी है। पूनियां ने पहले पत्र में परशुराम सर्किल से हटाए गए घुमन्तु,अर्ध घुमन्तू एवं सांसी जाति के परिवारों को स्थायी रूप से बसाने और इन परिवारों को खाने-पीने की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है। वहीं दूसरे पत्र में ईसरदा बांध परियोजना के द्वितीय चरण में प्रस्तावित योजना में आमेर विधानसक्षा क्षेत्र को शामिल करने का आग्रह किया है। पूनियां ने लिखा है कि परशुराम सर्किल के पास बरसों से निवास कर रहे घुमन्तू, अर्ध घुमन्तू एवं सांसी जाति के अनके परिवारों को बेघर कर दिया गया है। कोरोना वैश्विक महामारी में इन परिवारों को बेघर करने की कार्रवाई समझ से परे है। पूनियां ने गहलोत से आग्रह किया कि इन परिवारों को स्थायी रूप से बसाने के साथ इन परिवारों के लिये खाने-पीने की सुविधा मुहैया कराई जाए।

अवस्था: स्किज़ोफ्रेनिया एक मानसिक रोग

विलम्ब से आने पर रोगी की बढ़ती है अक्षमता

उपचार भी महंगा होना तय

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। स्किज़ोफ्रेनिया एक गंभीर मानसिक रोग है जो कि पूरी जनसंख्या के 1प्रतिशत लोगों को प्रभावित करता है इस रोग में मस्तिष्क में होने वाले रासायनिक परिवर्तनों के कारण रोगी के मन में एक भ्रम की अवस्था उत्पन्न हो जाती है जिसमें रोगी के विचारों में विकार आ जाता है। वह यह महसूस करने लग जाता है कि कोई उसके खिलाफ है उसके विषय में बात कर रहे हैं उसके विचारों पर बाहर से नियंत्रण किया जा रहा है उसके विचार दूसरे लोगों को पता लग जाते हैं अथवा टेलीविजन, रेडियो के माध्यम से प्रसारित किए जा रहे हैं। भ्रम की अवस्था में रोगी को काल्पनिक आवाजें सुनाई देती हैं या उसको आवाज सुनाई देती है कि कोई उसके प्रति आक्रामक हो रहा है संगीत या गाने सुनाई देते हैं अथवा उसको लगता है कि कोई उसके बारे में बातें कर रहे हैं व सुनाई देती हैं उसको वास्तव में जो व्यक्ति नहीं है यह जो चीज नहीं है वह दिखने लग जाती है और कभी-कभी ऐसा लगता है कि कोई उसको छू रहा है। इस तरह की काल्पनिक अनुभूति के कारण रोगी का व्यवहार बदल जाता है और वह इन सब अनुभवों को सही मानकर व्यवहार करता है। चूकि रोगी के लक्षण इस प्रकार के होते हैं सामान्यजन इस बीमारी को भूत प्रेत ओपरा पराए की वजह से मानने लग जाते हैं।

गौतम हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर के डॉक्टर शिव गौतम डॉक्टर मनस्वी गौतम एवं डॉक्टर अनिता गौतम द्वारा 500 स्किज़ोफ्रेनिया के रोगियों पर किए गए शोध में यह देखने को मिला है कि विचार एवं अनुभूति की विकृति के कारण उनमें से 36प्रतिशत रोगी बिल्कुल गुमसुम हो गए थे, 34 प्रतिशत रोगी उत्तेजना की अवस्था में आ गए थे तथा 30 प्रतिशत रोगियों में व्यवहार नियंत्रण करना मुश्किल हो गया था। उनमें ऊटपटांग बोलना दौड़ भात करना आदि लक्षण पाए गए। इन रोगियों के सभी रिश्तेदारों से पूछताछ करने पर यह पाया गया कि मात्र 16 प्रतिशत रोगी ही उपचार के लिए तुरंत अस्पताल लाए गए थे शेष 84 प्रतिशत रोगी उपचार के लिए विलम्ब से 3 से 8 माह बाद लाए गए। विलम्ब से अस्पताल लाए जाने वाले रोगियों में 53 प्रतिशत लोग ग्रामीण परिवेश से तथा किसान थे, 16 प्रतिशत लोग शहरी इलाकों से थे और शेष 11 प्रतिशत नौकरी शुधा व 8 प्रतिशत अन्य थे विलम्ब से चिकित्सा लेने वाले रोगियों में 68 प्रतिशत लोगों ने प्रारंभिक उपचार किसी तांत्रिक, देवता, मजार, मंदिर, पंडित अथवा मौलवी से लिया था 18 प्रतिशत रोगी आयुर्वेदिक चिकित्सकों के पास गए 8प्रतिशत प्राकृतिक चिकित्सा करा रहे एवं 6प्रतिशत यूनानी डॉक्टरों के पास चिकित्सा लेते रहे। अधिकांश रोगी उपरोक्त में से 2 अथवा उससे अधिक के पास उपचार लेते रहे। 85 प्रतिशत रोगियों को तो यह भी मालूम नहीं था कि इसका इलाज हो सकता है और कहा हो सकता है। जल्दी उपचार लेने वालों की तुलना विलम्ब से उपचार लेने वाले रोगियों में बीमारी अधिक गंभीर पाई गई और उनके उन्माद को ठीक करने वाली औषधियां भी अधिक मात्रा में दी गई।

स्किज़ोफ्रेनिया के रोग में उपचार विलम्ब से कराने के कारण रोगियों में अधिक अक्षमता देखने को मिलती है इस शोध के बाद डॉ गौतम ने बताया कि यह स्पष्ट है स्किज़ोफ्रेनिया रोग उसके उपचार तथा मनोरोग चिकित्सा के विषय में लोगों को जानकारी अभी भी कम है। जबकि उपचार से स्किज़ोफ्रेनिया के रोगी ठीक हो जाते हैं तथा समाज में काम करने लायक हो जाते हैं इसीलिए इस रोग के बारे में ज्यादा भ्रांतियों को दूर किया जाना चाहिए। कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखते हुए गौतम हॉस्पिटल द्वारा आने वाले सभी रोगियों को मास्क वितरित की गई तथा सामाजिक दूरी बनाए रखने व कोरोना नियमों का पालन करने की सलाह दी गई।

असमंजस: राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

10वीं-12वीं परीक्षाओं को लेकर विभाग कर रहा विकल्पों पर मंथन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं होंगी या नहीं। इसको लेकर 21 लाख विद्यार्थी खासे परेशान है। शिक्षा विभाग और बोर्ड के अधिकारी भी अभी इस मामले में कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं है। वे कोरोना की लेकर उपजी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। बोर्ड पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि लॉकडाउन खुलने के बाद ही परीक्षाओं पर निर्णय लिया जाएगा। बोर्ड भी सरकार के निर्देशों के बाद ही आगे बढ़ेगा। हालांकि शिक्षा विभाग अंदर खाने परीक्षाओं को लेकर कई विकल्पों पर विचार कर रहा है। सूत्रों का कहना है कि इन विकल्पों पर कोरोना की भविष्य में रहने वाली स्थिति के आधार पर ही अंतिम निर्णय होगा। विभाग के सामने सबसे बड़ी चुनौती 12वीं की परीक्षा है। क्योंकि इस कक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर ही विद्यार्थी उच्च शिक्षा में प्रवेश लेता है।

इन विकल्पों पर चल रहा विचार

10वीं की बोर्ड परीक्षा : सीबीएसई ने 10वीं की परीक्षा रद्द कर दी है। ऐसे में विभाग के पास दोनों विकल्प खुले हैं। परीक्षा भी हो सकती है और नहीं भी। कोरोना के मामले कम हुए तो विभाग को परीक्षाओं के आयोजन में दिक्कत नहीं होगी। लेकिन कोरोना बढा तो सीबीएसई की तर्ज पर प्रमोट करने पर भी विचार किया जा सकता है।

12वीं की परीक्षा : सीबीएसई ने 12वीं की परीक्षा को लेकर कोई निर्णय नहीं लिया है। अन्य राज्यों में भी 12वीं की परीक्षाएं अभी रद्द नहीं हुई हैं। 12वीं की परीक्षा को लेकर देशभर के बोर्डों को एकरूपता रखनी होगी। क्योंकि नीट और जेईई जैसी परीक्षाओं के साथ उच्च शिक्षा में प्रवेश में भी 12वीं की प्राप्तांकों का महत्व है। इसलिए विभाग की प्राथमिकता होगी कि कोरोना की स्थिति सामान्य होते ही 12वीं की परीक्षा करा ली जाए। लेकिन कोरोना कम नहीं हुआ तो जेईई और नीट परीक्षाओं को देखते हुए विज्ञान वर्ग के विषयों की परीक्षा करा ली जाए। इनमें परीक्षार्थियों की संख्या भी कम रहती है और सोशल डिस्टेंसिंग के हिसाब से परीक्षा में भी कोई परेशानी नहीं होगी।

कोरोना: इंदिरा रसोई संचालकों पर सख्ती

पैसा मांगा तो लाइसेंस होगा निरस्त

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कोरोना संक्रमण की वजह से कई जरूरतमंद और गरीब लोगों के समक्ष भोजन का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में राज्य सरकार ने इंदिरा रसोई योजना से निशुल्क भोजन उपलब्ध कराने की घोषणा की है। इसके बाद भी कई इंदिरा रसोई संचालक भोजन के का पैसा वसूल कर रहे है। नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने चेतावनी दी है कि अगर किसी रसोई संचालक ने पैसा वसूल किया और जांच में शिकायत सही पाई गई तो उसका लाइसेंस रद्द किया जाएगा। लॉकडाउन के दौरान इंदिरा रसोई का सभी खर्च सरकार ने उठाने की घोषणा कर रखी है। रसोई संचालकों का इस अवधि के दौरान जो भी भोजन पर पैसा खर्च हुआ है, वह सरकार देगी। निकायों के माध्यम से यह पैसा दिया जाएगा, इसलिए रसोई संचालक किसी भी व्यक्ति से पैसा वसूल नहीं करें। भोजन के लिए आने वाला कोई व्यक्ति स्वेच्छा से पैसा देता है तो ही पैसा लिया जाए।

आपको बता दें कि राज्य सरकार ने लॉकडाउन की अवधि में जरूरतमंदों को निशुल्क भोजन उपलबध कराने की घोषणा की है। निकायों के जरिए यह भोजन उपलब्ध करवाया जा रहा है। अगर कोई स्वयंसेवी संस्था या भामाशाह यह भोजन उपलब्ध करवाते हैं तो निकायों को भोजन का पैसा देना होगा। मगर सरकार के आदेश के बाद भी कई रसोई संचालक पैसा वसूल कर रहे हैं, जिसकी पर यूडीएच मंत्री को यह चेतावनी देनी पड़ी है।

जागरूक जनता
jagrukjanta.com
फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े
हर खबर से आपको रखें
अपडेट
जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

आश्रय स्थलों में रहने वालों को इंदिरा रसोई से निशुल्क भोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेशभर के शहरों में दीनदयाल उपाध्याय आजीविका मिशन के तहत बने पक्के आश्रय स्थलों में रहने वाले बेघर लोगों को लॉक डाउन की अवधि में मुफ्त भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इंदिरा रसोई योजना के माध्यम से यह भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार के आदेश के बाद ग्रेटर और हैरिटेज नगर निगम में इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। योजना से दोनों नगर निगम जरूरतमंद लोगों, रैन बसेरा में निवासरत बेघर व्यक्तियों और कोविड मरीजों के लिए दोनों निगमों द्वारा तैयार भोजन के पैकेट भिजवाये जा रहे है। सुबह 5 बजे से भोजन पैकेट तैयार करवाए जा रहे हैं, ताकि दोपहर में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया जा सके। इसी प्रकार दोपहर बाद भोजन पैकेट तैयार कर नियत स्थान पर पहुंचाने का कार्य शाम 7 बजे तक किया जा रहा है।

87 शहरों में 179 पक्के आश्रय स्थल

प्रदेश के जयपुर, अजमेर, जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर, भरतपुर सहित 87 शहरों में कुल 179 पक के आश्रय स्थल बने हुए हैं इनमें 8298 बेघर लोग निवास करते हैं। लॉक डाउन में इन लोगों की आजीविका को लेकर भारी संकट है। इसके चलते अब इन लोगों को रोजाना 24 मई तक संबंधित निकाय मुफ्त खाना उपलब्ध कराएंगे। प्रति व्यक्ति रोजाना के दोनों समय के भोजन पर खर्च होने वाली 40 की राशि को आजीविका मिशन के आश्रय स्थल संचालन के मद में से निकाय वहन करेंगे। बाद में राज्य सरकार की ओर से निकायों को इसका पुनर्भरण किया जाएगा।

जन जागरुकता के लिए रोको टोको अभियान

दोनों निगम ने रोको टोको अभियान भी चला रखा है। अभियान के तहत कोरोना जन आंदोलन के तहत आमजन को मास्क लगाने, सामाजिक दूरी का पालन करने एवं कोरोना गाइडलाइन का पालन करने का आग्रह किया जा रहा है। इसके अलावा ऑटो पर लाउडस्पीकर के माध्यम से संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं।

ANCHOR

कोविड केयर सेंटर शुरू

पुलिसकर्मी एवं परिजनों को मिलेगी मदद

40 बेड ऑक्सीजन सिलेंडर और कंसट्रेटर सहित तैयार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। रिजर्व पुलिस लाईन में पुलिसकर्मियों एवं उनके परिजनों के लिए कोविड केयर सेंटर का शुभारंभ किया। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त द्वितीय राहुल प्रकाश ने कहा कि पुलिस कमिश्नरेट जयपुर एवं नमस्ते डॉक्टर हेल्पलाइन 9829774968 के संयुक्त तत्वावधान में आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित इस सेंटर को शुरू किया गया हैं। इस सेंटर को शुरू करने का उद्देश्य पुलिसकर्मियों एवं उनके परिजनों को कोविड से संबंधित हल्के लक्षणों में चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाना हैं। कोविड के लक्षणों वाले मरीजों का आपातकालीन स्थिति तक यहां इलाज किया जाएगा। अभी तीन लोग इस सेंटर में भर्ती हैं। यहां शुद्ध वातावरण उपलब्ध है इसका मानसिक तौर पर भी अच्छा प्रभाव पड़ता है। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल, आर आई जसवंत सिंह, पुलिस लाईन के डॉ गिर्राज शर्मा, नमस्ते डॉक्टर हेल्पलाइन के वरिष्ठ डॉ सुधांशु, मधुसूदन दाधीच, कनिष्क, डॉ तन्मय, डॉ विवेक, डॉ सुश्री गोयरा, समाजसेवी मनोज बंसल, एम्बुलेंस इंचार्ज आशीष सरदार सहित पुलिस अधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

40 बेड ऑक्सीजन सिलेंडर और कंस्ट्रेटर सहित तैयार

पुलिस ने बताया कि इस सेंटर में 40 बेड ऑक्सीजन सिलेंडर व कंसंट्रेटर सहित तैयार किए गए हैं। जिसमें 30 बेड पुरुषों के लिए एवं 10 बेड महिलाओं के लिए लगाए गए हैं। इन सबके लिए बाथरूम, ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर, पीने का पानी एवं डस्टबीन भी अलग अलग रखे गए हैं। इस प्रकार कोविड प्रोटोकॉल की पूरी पालना की गई है। यहां एम्बुलेंस भी उपलब्ध रहेगी। जयपुर पुलिस ने अनावश्यक रूप से सड़कों पर निकलने वालों के खिलाफ 250 मुकदमे दर्ज करने के साथ ही डेढ़ लाख चालान भी किए हैं। पुलिस उपायुक्त मुख्यालय डॉ अमृता दुहन ने कहा कि पहले अपनी तरफ से यह सेंटर शुरू करने की कोशिश की गई थी। इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने अपने प्रयासों से नमस्ते डॉक्टर हेल्पलाइन की टीम से सहयोग लिया। इस टीम ने कोविड मरीजों का इलाज करने के लिए हमें और मजबूत किया हैं। उन्होंने कहा कि यहाँ पोष्टिक भोजन, ज्यूस, चाय के साथ साथ योग क्रिया के द्वारा स्वस्थ वातावरण उपलब्ध करवाया गया हैं।

जागरूक खबरें

बिना बीआईएस लाइसेंस गोल्ड ज्वैलरी नहीं बेच सकेंगे ज्वैलर्स

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। एक जून से देश में सोने की ज्वैलरी पर हॉलमार्किंग जरूरी होगी और गोल्ड ज्वैलरी कारोबार के लिए बीआईएस से लाइसेंस जरूरी होगा। इससे प्रदेश में 23 हजार ज्वैलरी शॉप पर संकट खड़ा हो गया है। प्रदेश में अभी सिर्फ 1,246 ज्वैलर्स ने ही बीआईएस से लाइसेंस लिया है। इनमें से भी 63 का लाइसेंस 31 मई को खत्म हो जाएगा। प्रदेश में ज्वैलर्स की संख्या 25,000 है। उधर, बीआईएस के स्थानीय कार्यालय ने एक जून से पहले ज्वैलर्स को लाइसेंस देने के लिए फिलहाल कोई प्लानिंग नहीं की है। बीआईएस अधिकारी इस बारे में जानकारी देने से भी बच रहे हैं।

आधी अधूरी प्लानिंग के साथ एक जून से गोल्ड ज्वैलरी पर हॉलमार्किंग जरूरी करने की तैयारी, प्रदेश में 23 हजार से ज्यादा ज्वैलरी शॉप पर संकट

उपभोक्ताओं की परेशानी... बिना हॉल मार्किंग ज्वैलरी को कहीं ले नहीं जा सकेंगे

33 जिलों में 16 जिलों बांसबाड़ा, बारां, बाड़मेर, भरतपुर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, टोंक, जैसलमेर, जालौर, झालावाड़ा, करौली, राजसमंद और प्रतापगढ़ में हॉलमार्किंग सेंटर नहीं हैं। इससे इन जिलों के ज्वैलर्स को गोल्ड ज्वैलरी पर हॉलमार्किंग के लिए दूसरे शहरों में जाना पड़ेगा। जबकि बिना हॉलमार्क ज्वैलरी को एक-दूसरे स्थान पर ले जाना गैर-कानूनी माना जाएगा।

उपभोक्ताओं को हॉल मार्किंग से क्या फायदा

14, 18 और 22 कैरेट गोल्ड की हॉलमार्क ज्वैलरी बेचने की अनुमति है। हॉलमार्क से उपभोक्ताओं को मानक के हिसाब से सोना मिलेगा। तय सोना नहीं होने पर उपभोक्ता बीआईएस को शिकायत कर सकेंगे।

हॉलमार्क अनिवार्यता की तारीख आगे बढ़ाई जाए

सर्राफा ट्रेडर्स कमेटी, जयपुर के अध्यक्ष कैलाश मित्तल का कहना है सरकार बिना बुनियादी ढांचे के हॉलमार्किंग को अनिवार्य कर रही है। 95% ज्वैलर्स के पास लाइसेंस नहीं है। लॉकडाउन की वजह से ज्वैलर्स लाइसेंस भी नहीं ले सके।

रेलवे 20 जून को जयपुर में 2 ऑक्सीजन प्लांट शुरू करेगा

जयपुर @ जागरूक जनता। रेलवे बोर्ड ने जयपुर, अजमेर सहित देश के रेलवे अस्पतालों में 86 ऑक्सीजन प्लांट को मंजूरी दे दी है। इसमें से दिल्ली, जोधपुर सहित 4 में लगा दिए हैं। जयपुर, अजमेर, बीकानेर सहित 52 स्वीकृत हो गए हैं और 30 प्लांट को मंजूरी मिलना अभी बाकी है। जयपुर में दो, अजमेर और बीकानेर में 1-1 प्लांट 20 जून तक शुरू कर दिए जाएंगे। इसमें 250 लीटर प्रति मिनट ऑक्सीजन जनरेट की जाएगी। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि देशभर में 86 बैड बढ़ाए गए। उत्तर पश्चिम रेलवे के अजमेर में भी कोविड मरीजों के लिए 15 बैड बढ़ा दिए गए हैं। जिसके बाद अब रेलवे के चारो मंडलों के अस्पताल में कुल 265 बैड हो गए हैं। तो वहीं वेंटिलेटर भी जयपुर में 4 और अन्य तीन मंडलों में 2-2 बढ़ा दिए गए हैं। हालांकि जोधपुर में ऑक्सीजन प्लांट लगा तो दिया गया है। लेकिन इसे अभी शुरू नहीं किया गया है। जयपुर सेंट्रल हॉस्पिटल में आ रहे मरीजों के कोरोना के कारण फेफड़ों से संबंधित शिकायत लेकर कई मरीज पहुंच रहे है, लेकिन इनके इलाज के लिए यहां ना तो कोई रेलवे का स्थायी डॉक्टर (चेस्ट स्पेशलिस्ट) है और ना ही किसी बाहरी डॉक्टर (सीएमपी) की व्यवस्था की है। रेलवे कर्मचारी यूनियन के महामंत्री मुकेश माथुर द्वारा इस संबंध में कई बार रेलवे जीएम आनंद प्रकाश और प्रिंसीपल सीएमडी डॉ पीके सामंत्रे को पत्र भी लिखा है, बावजूद इसके अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। वहीं रेलकर्मियों का ये भी आरोप है कि आईसीयू के किसी भी डॉक्टर को वेंटिलेटर तक लगाना नहीं आता। पिछले दिनों रेलवे मुख्य भंडार प्रबंधक जे.एस. गर्ग की कोरोना संक्रमण बढ़ने से हालत बिगड़ने पर बाहर से एक निजी डॉक्टर को वेंटिलेटर लगाने के लिए बुलाया गया था। हालांकि उनकी समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण अस्पताल में ही मौत हो गई थी।

गरीबों को मूल योजना में मकान नहीं तो...

...बिल्डर को नहीं मिलेगा अतिरिक्त निर्मित क्षेत्र का फायदा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री जन आवास योजना में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। इसके तहत अगर बिल्डर मूल योजना में गरीबों को मकान नहीं देता हे तो उसे 0.75 बीएआर बतौर अतिरिक्त निर्मित क्षेत्र का फायदा नहीं मिल पाएगा। यही नहीं बिल्डर को मूल योजना के 800 मीटर की परिधि में ही गरीबों को मकान देना होगा। इस संशोधन को नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने मंजूरी दे दी है। यूडीएच की ओर से जारी आदेशों के तहत योजना के प्रावधान में दूसरा प्रमुख संशोधन यह भी किया गया है कि गरीबों के लिए आने वाली विशेष योजना में 18 मीटर ऊंचाई तक इमारत के साइड और पीछे के सेट बैक 6 मीटर रहेंगे। इससे अधिक ऊंचाई होने पर बिल्डिंग बायलॉज के अनुसार सेट बैक के प्रावधान लागू होंगे। जिन प्रकरणों में 6 मीटर सेटबैक के अनुसार स्वीकृति दी जा चुकी है उनमें अब सेटबैक बिल्डिंग बायलॉज के अनुसार नहीं होने पर अतिरिक्त ऊंचाई की स्वीकृति नहीं दी जाएगी। जिन प्रकरणों में 6 मीटर सेटबैक रखते हुए ऊंचाई की स्वीकृति के लिए निकायों में आवेदन किया गया है, उनमें अधिकतम 45 मीटर तक की ऊंचाई स्वीकृत की जा सकेगी।

बिल्डरों ने उठाया छूट का गलत फायदा

मुख्यमंत्री जन आवास योजना के तहत निजी ग्रुप हाउसिंग योजना में कुल बिल्ड एरिया रेशो के 10 प्रतिशत के बराबर फ्लैट्स गरीबों के लिए आरक्षित रखने का प्रावधान है। इसके बदले बिल्डर को 0.75 बीएआर बतौर अतिरिक्त निर्मित क्षेत्र के रूप में निशुल्क उपलब्ध कराई जाती है। बिल्डर्स को इस मामले में यह छूट दी गई है कि जहां वह ग्रुप हाउसिंग योजना विकसित कर रहा है उसी स्थान के बजाय वह अन्यत्र प्रस्तावित योजना में भी गरीबों के लिए फ्लैट उपलब्ध करा सकता है। मगर शहरों के पॉश इलाके व अन्य इलाकों में ग्रुप हाउसिंग स्कीम लाने वाले कई बिल्डर गरीबों के लिए आरक्षित फ्लैट्स दूरदराज के इलाकों में उपलब्ध करा रहे हैं। जिसके चलते गरीब अपने रोजगार से दूर होते जा हे थे और उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा था। जेडीए ने भी निजी बिल्डर की ओर से दूरदराज के इलाकों में उपलब्ध कराए गए इन मकानों के लिए ईडब्ल्यूएस और एलआईजी वर्ग के आवेदकों से आवेदन मांगे, मगर उपलब्ध मकानों की तुलना में आवेदन कम मिले। जिस पर सरकार को यह संशोधन करना पड़ा है।

यूं किया संशोधन

गरीब के हित को प्राथमिकता देने की राज्य सरकार की मंशा के बावजूद मुख्यमंत्री जन आवास योजना के प्रावधानों का फायदा गरीब को नहीं मिल पा रहा है। इस पर यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल की अध्यक्षता में कई बैठकों के दौर हुए। इसके बाद मुख्यमंत्री जन आवास योजना में नीति संबंधी फैसलों के लिए प्रमुख सचिव यूडीएच की अध्यक्षता में गठित कमेटी की बैठक हुई। बैठक में योजना के मौजूदा प्रावधान में महत्वपूर्ण बदलाव करने का फैसला किया गया। फैसले पर नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल की पत्रावली पर मंजूरी देने के बाद नगरीय विकास विभाग ने इस बारे में आदेश जारी किए।

कोरोना: शिक्षा विभाग ने आगामी पढ़ाई के लिए तैयार किया रोडमैप

तीसरी लहर से बच्चों को खतरा, स्कूल नहीं खोलेंगे-डोटासरा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शिक्षा राज्य मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा है कि कोरोना की तीसरी लहर से बच्चों को संभावित खतरे को देखते हुए स्कूल नहीं खोले जा सकतें हैं। अभिभावक बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। इसीलिए शिक्षा विभाग शिक्षण के अधिकतम कार्य ऑनलाइन संपादित किए जाने के लिए रोडमैप तैयार करें। मंत्री ने कहा कि बच्चों को शिक्षित करने का कार्य इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण से कहीं ज्यादा आवशयक है। इसीलिए सभी आवश्यक वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। शिक्षा राज्य मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में वर्चुअल माध्यम से होनहार राजस्थान वर्कशॉप एवं वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का आरंभ कोरोना दायित्वों का निर्वहन करते हुए परलोक गमन करने वाले शिक्षाकर्मियों को मौन श्रद्धांजली देकर किया गया। शिक्षा मंत्री ने कहा की जो शिक्षाकर्मी कोविड संबन्धित दायित्वों का निर्वहन करते हुए स्वर्गवासी हुए है, उनके सेवा सम्बन्धी प्रकरणों और परिलाभों के निस्तारण यथासंभव शीघ्रता से किए जाएंगे।

आगे शिक्षा विभाग की यह तैयारी

माध्यमिक शिक्षा निदेशक सौरभ स्वामी ने आगामी सत्र के लिए शिक्षा विभाग की कार्ययोजना पर प्रकाश डालते हुए बताया की आओ घर में सीखें अभियान के भाग 2 के अंतर्गत विद्यार्थियों की बुनयादी दक्षताओं पर ध्यान दिया जाएगा। रिमोट लर्निंग की संकल्पना के तहत अब व्हाटस ऐप्प के साथ साथ टीवी और रेडियो से भी पढ़ाई करवाई जाएगी। शिक्षक हर हफ्ते विद्यार्थियों से फोन के माध्यम से जुड़ेंगे। कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों को सप्ताह में एक बार 4 विषयों का होमवर्क दिया जाएगा। कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थिओं को सप्ताह में 2 बार सभी विषयों का होमवर्क दिया जाएगा। वर्तमान परस्थितियों में विद्यार्थियों की मनोवैज्ञानिक आवश्यकतों को देखते हुए सभी शिक्षक विद्यार्थिओं के साथ फोन पर अपने साप्ताहिक संवाद में सर्वप्रथम उनकी कुशलक्षेम के बारे में पूछेंगे। संवाद के दौरान शिक्षक विद्यार्थियों को प्रतिदिन 2 घंटे अध्ययन के लिए प्रेरित करेंगे और अगले संवाद से पहले एक लर्निंग टास्क पूरा करने के लिए देंगे।

पीएम मोदी का विरोध करना ही विपक्षी दलों का एकमात्र उद्देश्य-कटारिया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कृषि संगठनों की ओर से 26 मई को कृषि कानूनों के विरोध में काला दिवस मनाया जा रहा है। इसका विपक्षी दलों समर्थन किया है। इसे लेकर नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने जुबानी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कहा कि किसान इस कानून का इसलिए विरोध कर रहे थे क्योंकि उन्हें भड़काया जा रहा था की मंडिया समाप्त हो जाएगी। साथ ही समर्थन मूल्य पर फसलों की खरीद नहीं होगी। मगर ना तो मंडियां बंद हुई है और ना ही समर्थन मूल्य पर खरीद, बल्कि पूर्ववर्ती सरकारों से ज्यादा मोदी सरकार में समर्थन मूल्य पर फसलों की खरीद हुई है। यही नहीं 22 फसलों समर्थन मूल्य भी मोदी सरकार ने घोषित किया है।

कटारिया ने कहा कि केंद्र सरकार ने तो खाद सब्सिडी बढ़ाने का ऐतिहासिक निर्णय किया है। अब डीएपी खाद पर 1200 रुपए प्रति बोरी सब्सिडी दी जाएगी। क्या किसानों को इस पर होने वाले लाभ पर काला दिवस मनाया जा रहा है। ऐसा लगता है केवल पीएम मोदी का विरोध करना ही कुछ किसान संगठनों और विपक्षी दलों का एकमात्र उद्देश्य रह गया है। जिन राज्यों ने इस कानून को लागू करके किसानों को फायदा नहीं दिया वहीं राज्य अपनी शर्मिंदगी मिटाने के लिए 26 तारीख को काला दिवस मना रहे हैं।

नीट यूजी में अपर एज लिमिट तय नहीं, 25 साल की उम्र तक ही दे सकते हैं आरपीवीटी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मेडिकल एंट्रेंस टेस्ट नीट यूजी में उम्र की कोई सीमा तय नहीं है। किसी भी उम्र के छात्र तय मानदंडों के अनुसार नीट यूजी में बैठ सकते हैं। वहीं दूसरी ओर, राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ वेटरनरी एंड एनिमल साइंसेज की ओर से आयोजित होने वाला राजस्थान प्री वेटरनरी टेस्ट (आरपीवीटी) मात्र 25 साल की आयु तक ही दिया जा सकता है।

यूनिवर्सिटी ने इसके लिए अपर एज लिमिट तय कर रखी है। साथ ही 12वीं कक्षा के अंकों की पात्रता में भी विश्वविद्यालय ने स्टूडेंट्स को राहत नहीं दी है। हालांकि नीट यूजी में 12वीं की पात्रता अभी स्पष्ट नहीं है। मेरिट में आने के साथ ही 12वीं बोर्ड में सामान्य वर्ग के छात्रों को फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी में 50 प्रतिशत व इससे अधिक अंक हासिल करने होंगे। वहीं आरक्षित वर्ग के लिए पात्रता 47.5 प्रतिशत रखी गई है। जेईई मेन व एडवांस्ड जैसे एग्जाम्स में भी 12वीं की पात्रता हटा दी गई है।

हाल में यूनिवर्सिटी ने इसके लिए आवेदन की आखिरी तारीख को बढ़ा दिया है। निर्धारित फीस के साथ अब 30 जून तक आवेदन किया जा सकता है। लेट फीस के साथ छात्र सात जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। परीक्षा आठ अगस्त सुबह दस से दोपहर एक बजे तक आयोजित की जाएगी। तीन हजार रुपए निर्धारित शुल्क व छह हजार रुपए लेट फीस है। इसके अलावा परीक्षा शुल्क में छात्राओं को कोई छूट प्रदान नहीं की गई है।

खग्रास चंद्रग्रहण वैशाख शुक्ल पूर्णिमा पर आज

खग्रास चंद्रग्रहण : इस साल दो चंद्र व दो सूर्यग्रहण, सूतक नहीं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। इस साल का पहला खग्रास चंद्रग्रहण 26 मई को वैशाख शुक्ल पूर्णिमा पर होगा, लेकिन यह भारत के सुदूर पूर्व भाग और पश्चिम बंगाल में ही दिखाई देगा। इस कारण उक्त स्थानों को छोड़कर कहीं भी सूतक मान्य नहीं रहेगा। ज्योतिषियों का दावा है कि ग्रहण के बाद यदि बारिश न हो तो संक्रमण आदि रोग फैलते है, लेकिन इस साल सुखद स्थिति यह है कि चारों ही ग्रहण भारत में प्रभावहीन रहेंगे। गत वर्ष अंतिम छाया चंद्रग्रहण 30 नवंबर को और सूर्यग्रहण 14 नवंबर को था।

पहला चंद्रग्रहण आज

पहला चंद्रग्रहण 26 मई को होगा, जो दोपहर 2.18 से शाम 7.19 बजे तक रहेगा। यह भारत में नहीं दिखेगा। कुछ पंचांगों में इसके पश्चिम बंगाल, मणिपुर, सिक्किम व नागालैंड में आंशिक रूप से दिखने का उल्लेख किया गया है।

दूसरा चंद्रग्रहण 19 नवंबर को

इस साल का दूसरा चंद्रग्रहण 19 नवंबर को सुबह 11.32 से शुरू होकर शाम 5.29 बजे तक रहेगा, जो भारत में कहीं भी नहीं दिखाई देगा। यह केवल प्रशांत महासागर, पूर्वी एशिया और आस्ट्रेलिया आदि स्थानों पर ही दिखेगा।

पहला सूर्यग्रहण 10 जून को

नए साल का पहला सूर्यग्रहण 10 जून को होगा। इसका समय दोपहर 1.43 से शाम 6.41 बजे तक रहेगा, पर ये भी भारत में नहीं दिखेगा। इसे उत्तरी अमेरिका, यूरोप व आस्ट्रेलिया में देखा जा सकेगा।

दूसरा सूर्यग्रहण 4 दिसंबर को

दूसरा सूर्यग्रहण भी इसी साल 4 दिसंबर को होगा। यह पूर्ण सूर्यग्रहण रहेगा, पर यह भी भारत में कहीं नहीं दिखाई देगा। यह दक्षिणी अफ्रीका और आस्ट्रेलिया समेत कुछ देशों में दिखाई देगा। जिसका अलग ही महत्व है।

असर नहीं : बीमारियां फैलने की कम रहेगी आशंका

ग्रहण कोई भी हो, उससे संक्रमण फैलने की आशंका बनी रहती है। इस वर्ष चार में से दो चंद्रग्रहण ही आंशिक रूप से होंगे और वह भी कुछ ही क्षेत्रों में दिखाई देंगे तो फिर संक्रमण से होने वाली बीमारियों के फैलने की भी आशंका कम रहेगी। यह स्थिति पृथ्वी की गति में कुछ अंतर आने से बनी है, जिससे चारों ग्रहण यहां दिखाई नहीं देंगे। कुछ पंचांगों में उत्तरी व पूर्वी क्षेत्रों में इन ग्रहण के आंशिक रूप से उल्लेख है।

इनकम टैक्स फाइलिंग

7 जून को नया पोर्टल लांच करेगा आयकर विभाग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। आयकर विभाग 7 जून को नया इनकम टैक्स फाइलिंग पोर्टल लांच करेगा, इसलिए मौजूदा पोर्टल 1 से 6 जून तक 6 दिनों के लिए बंद रहेगा। परिपत्र के अनुसार, एओ, सीआईटी (ए) आदि सहित अधिकारी पोर्टल से करदाताओं के लिए जानकारी प्राप्त करते हैं।

जारी किए दिशा निर्देश

करदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा से बचाने के क्रम में, विभाग इस अवधि के दौरान किसी प्रकार की अनुपालन तिथियां निर्धारित नहीं करेगा। इसके अलावा, नई प्रणाली पर प्रतिरि या देने के उद्देश्य से करदाताओं को समय देने के लिए, करदाताओं को सिर्फ 10 जून, 2021 से ही मामलों की सुनवाई करने या अनुपालन के दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। इस अवधि के दौरान निर्धारित सुनवाई या अनुपालन, जिसके लिए ऑनलाइन पेश होने की जरूरत होती है, को समय से पहले किया जाएगा या स्थगित किया जाएगा और कामकाज को इस अवधि के बाद के लिए निर्धारित किया जाएगा।

इन यूनिट्स को भी दी जानकारी

विभाग ने बैंकों, एमसीए, जीएसटीएन, डीपीआईआईटी, सीबीआईसी, जीईएम, डीजीएफटी सहित अन्य इकाइयां, जो पैन सत्यापन आदि सुविधाएं उपलब्ध कराती हैं, को सेवाओं की अनुपलब्धता के बारे में सूचित कर दिया गया है और अपने ग्राहकों/हितधारकों को अवगत कराना सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है, जिससे ब्लैकआउट अवधि से पहले या उसके बाद कोई जरूरी गतिविधि पूरी की जा सके।

विभाग ने लोगों से किया अनुरोध

विभाग नए ई-फाइलिंग पोर्टल को पूर्ण रूप से लागू करने और शुरुआती अवधि के दौरान सभी करदाताओं व अन्य हितधारकों से नई व्यवस्था के साथ तालमेल कायम करने तक धैर्य रखने का अनुरोध किया है। यह सीबीडीटी की करदाताओं और अन्य हितधारकों को आसान अनुपालन उपलब्ध कराने की दिशा में की गई एक अन्य पहल है। बता दें कि नए ई-फाइलिंग पोर्टल का उद्देश्य करदाताओं को सुविधाजनक, निर्बाध अनुभव उपलब्ध कराना है। किसी भी तरह की प्रविष्टि, अपलोड या डाउनलोड से जुड़े सभी जरूरी कार्यों को 1 जून, 2021 से पहले करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे ब्लैकआउट के दौरान किसी भी तरह की समस्या से बचा जा सके।

दुनिया में वैक्सीनेशन के मामले में भारत 13 वें नंबर पर

नई दिल्ली। दुनिया कोरोना महामारी से लड़ रही है। कई देशों में संक्रमण के साथ मृत्युदर का आंकड़ा भी काफी ज्यादा है। इसमें अधिकांश वे देश हैं जहां पर वैक्सीनेशन कम हुआ है। अमरीका, ब्रिटेन, चीन जैसे देशों को छोड़ दें तो दुनिया के कई बड़े देश वैक्सीनेशन की रेस में पीछे हो गए हैं। इसमें छोटे देशों ने बाजी मार ली है। कई देशों में 50 फीसदी के करीब वैक्सीनेशन हो चुका है। यही वजह है कि बड़े देशों की अपेक्षा इन छोटे देशों में कोरोना वायरस कम प्रभावी रहा है। हालांकि भारत वैक्सीनेशन के मामले में दुनिया में 13वें नंबर है। 18 से 44 वर्ष के बीच की उम्र के लिए टीकाकरण शुरू होने के बाद यह स्थिति और गंभीर हो चुकी है। 29 अप्रेल तक 10 में से दो ही लोग दूसरी खुराक नहीं ले पा रहे थे। अब यह आंकड़ा 50 फीसदी तक पहुंच गया है। देश में अब तक जो मौतें हुई हैं उनमें 82 फीसदी 45 से अधिक आयुवर्ग के हैं।

कोरोना के कम लक्षण वाले मरीज होते आइसोलेट

196 आइसोलेशन कोच इस बार भी नहीं आए काम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में कोरोना की दूसरी लहर ने जमकर कोहराम मचाया। अप्रैल में आई इस लहर में लाखों की संख्या में लोग संक्रमित हुए और हजारों की जाने चली गई। बेड्स, ऑक्सीजन को लेकर मारामारी मची रही, इन सबके बावजूद प्रशासन ने रेलवे के बनाए आइसोलेशन कोच का उपयोग नहीं किया। इस कारण ये सभी कोच आज भी पटरियों पर खड़े धूल फांक रहे है। दरअसल, रेलवे की ओर से पिछले साल कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए जब अस्पतालों में बेड कम पड़ने लगे तो कोरोना मरीजों को आइसोलेट करने के लिए करीब ढाई हजार से भी अधिक आइसोलेशन कोच तैयार किए। इन कोच में मॉडिफिकेशन कर उन्हें मेडिकल फ्रैंडली बनाया था, ताकि लोगों को इलाज देने के लिए राज्य सरकार इन्हें उपयोग में ले सके। इनमें से कई जगहों पर तो इन कोचों को उपयोग में नहीं लिया गया। राजस्थान की बात करें तो यहां बनाए 196 में से एक भी कोच काम में नहीं लिए गए।

रेलवे की ओर से जयपुर में 41, अजमेर 83, बीकानेर 39 और जोधपुर में 33 आइसोलेशन कोच तैयार किए हैं। जो अभी तक धूल खा रहे हैं। इस बार भी इन्हें केंद्र के निर्देश पर रेलवे ने तैयार करवाए है, लेकिन राज्य सरकार ने अस्पतलों में बैड की भारी कमी होने के बाद भी इनको उपयोग में लेना उचित नहीं समझा। इन्हें उपयोग में लेने के लिए राज्य सरकार ने रेलवे से मांग तो दूर बैठक तक नहीं की है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि बीते साल एसएमएस अस्पताल की टीम ने इसमें ड्रेनेज सिस्टम, मैनपॉवर की कमी होने जैसे कई मुद्दों पर असहमति जताई थी और इन्हें उपयोगी नहीं होना बताया था। ऐसे में इस बार भी सरकार की ओर से इसे ही आधार मान लिया है। जबकि उत्तर प्रदेश, दिल्ली सहित कई राज्य सरकारों ने इनमें कोरोना के कम लक्षण वाले मरीजों के आइसोलेट में उपयोग लिया है।

विस्तार : राजस्थान में मंत्रिमंडल विस्तार

राजनीतिक नियुक्तियां होंगी पर समय सीमा तय नहीं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली/जयपुर। राजस्थान में मंत्रिमंडल विस्तार और राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर एक बार फिर कांग्रेस में खींचतान शुरू हो चुकी है। वहीं कांग्रेस की ओर से स्पष्ट कर दिया गया है कि यह दोनों ही काम होंगे, लेकिन इसके लिए फिलहाल कोई समय सीमा तय नहीं की गई है। राजस्थान के राजनीतिक घटनाक्रम पर सही समय आने पर कांग्रेस आलाकमान की प्रतिक्रिया दी जाएगी। राजस्थान में करीब एक साल बाद फिर से सत्ता संघर्ष मुखर हो गया है। पिछले साल सत्ता संघर्ष समाप्त होने के दौरान पर्दे के पीछे किए वादों को पूरा नहीं होने से पायलट खेमे के विधायक बगावती तेवर दिखाने लग गए हैं। इस बीच कांग्रेस के अधिकारिक सूत्रों ने कहा कि राजस्थान में मंत्रिमंडल फेरबदल और राजनीतिक नियुक्तियां होनी ही है। यह सही है कि विधानसभा के उपचुनाव के बाद यह सब होना था, लेकिन कोरोना महामारी आ गई। इसके चलते यह काम अटक गए। अब कोरोना संक्रमण भी कम हो रहा है। जल्द ही दोनों बातों को लेकर फैसला हो जाएगा, लेकिन इसके लिए समय सीमा तय नहीं की जा सकती। राजनीति में समय सीमा तय करने से कई बार समस्या हो जाती है। ऐसा राजस्थान में इस वर्ष के शुरुआत में देखने को मिल चुका है। वहीं विधायक हेमाराम चौधरी के इस्तीफे को लेकर बात चल रही है। जल्द ही मामला सुलझा लिया जाएगा। जबकि वेद प्रकाश सोलंकी के बयान को प्रेशर पॉलीटिक्स से जोड़कर देखा जा रहा है।

जल्दी नहीं करना चाहता आलाकमान

कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि राजस्थान के घटनाक्रम पर आलाकमान की निगाह जमी हुई है। जल्दबाजी में कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी जाएगी। एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता का कहना है कि फिलहाल पायलट खेमे के दो विधायक सामने आए हैं। यदि बयानबाजी आगे बढ़ती है तो गहलोत खेमे के मंत्री-विधायक भी सामने आ सकते हैं। ऐसे में टकराव की स्थिति बन सकती है। आलाकमान इस तरह के हालात को टालने की कोशिश में है। वैसे भी कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी व पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी हर दूसरे-तीसरे दिन प्रदेश प्रभारियों से उनके प्रभार वाले राज्यों का फीडबैक ले रहे हैं। स्वाभाविक है कि राजस्थान के प्रभारी महासचिव अजय माकन से भी राजस्थान में कोरोना संकट के साथ राजनीतिक हालात पर फीडबैक लिया जा रहा है।

ANCHOR — कोरोना की तीसरी लहर

बच्चों को बचाने के लिए आयुष की पहल, तैयार होगा आयुष प्रोटोकॉल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कोरोना की तीसरी लहर से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए आयुष प्रोटोकॉल बनेगा, जिसका ड्राफ्ट इसी सप्ताह बनकर तैयार होने की उम्मीद है। इसमें बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) बढ़ाने सहित उनके बचाव के उपाय, रोग के लक्षण, घर पर देखभाल के तरीके, बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर असर और शोध के विषय तय किए जाएंगे। इस कारण यह मील का पत्थर होगा। इसके लिए केन्द्र सरकार ने जोधपुर स्थित डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अभिमन्यु कुमार की अध्यक्षता में विशेषज्ञों का टास्क फोर्स बनाया है, जिसमें कुल अध्यक्ष सहित कुल 12 सदस्य होंगे। जयपर के राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान को समन्वय का जिम्मा सौंपा गया है। प्रो. अभिमन्यु कुमार कोरोना को लेकर केन्द्र सरकार द्वारा बनाई गई विशेषज्ञ कमेटियों में पहले भी शामिल रहे हैं।

क्यों महत्वपूर्ण

कोविड-19 की तीसरी लहर से बच्चों के प्रभावित होने की आशंका है। यह बात सामने आ चुकी है, लेकिन अभी तक उनको बचाने व उपचार के लिए कोई प्रोटोकोल सामने नहीं आया है। आयुष प्रोटोकोल- इसमें आयुर्वेद को प्राथमिकता, लेकिन होम्योपेथी, सिद्धा, योग व यूनानी चिकित्सा पद्धतियां भी शामिल होंगी।

टास्क फोर्स में कौन

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अभिमन्यु कुमार - अध्यक्ष सदस्य- आयुष मंत्रालय में सलाहकार एवं होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ. संगीता दुग्गल, आइ.टी.आर.ए. जामनगर के प्रो. के एस पटेल व सहायक प्रोफेसर सागर एम भिंडे, एस.वी. आयुर्वेद कॉलेज तिरुपति के पूर्व प्रोफेसर एन कृष्णैया, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआइआइए) नई दिल्ली के एसोसिएट प्रोफेसर राजगोपाला एस, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर की एसोसिएट प्रोफेसर निशा कुमारी ओझा व विजिटिंग बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वाति घाटे, श्री नारायण प्रसाद अवस्थी राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय रायपुर के एसोसिएट प्रोफेसर प्रशांत गुप्ता, आयुष मंत्रालय के शोध अधिकारी वैद्य सुमित गोयल व वैद्य दीपक लोंधे। सदस्य सचिव- राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के सहायक प्रोफेसर ब्रह्मदत्त शर्मा। इनका भी लिया जाएगा सहयोग- राष्ट्रीय सिद्धा संस्थान चेन्नई, होम्योपैथी रिसर्च कौंसिल, यूनानी मेडिसिन के लिए सीसीआरयू, निम्हांस बैंगलूरु के योग विशेषज्ञ सहायक प्रोफेसर हेमंत भार्गव।

आयुष पहले भी रहा आगे

कोविड-19 के शुरुआती दौर में जोधपुर स्थित आयुर्वेद विवि ने आयुर्वेदिक दवाई से क्लिनिकल ट्रायल किया, जो सफल रहा। कम गंभीर रोगियों को सात दिन से कम समय में ठीक किया और उन रोगियों पर दवा का कोई दुष्प्रभाव भी नहीं हुआ। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस अध्ययन को अपनी संदर्भ सामग्री में शामिल किया और ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में इसका प्रकाशन हुआ। भारत सरकार ने भी आयुर्वेदिक उपचार का प्रोटोकोल जारी किया। जयपुर स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान ने एम्स जोधपुर में क्लिनिकल ट्रायल किया, उसके भी अच्छे नतीजे सामने आए। हाल ही राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान को कोविड केयर सेंटर बनाया गया है, जहां ऑक्सीजन व वेंटिलेटर सुविधा भी है।

जागरूक खबरें

ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट की स्थापना हेतु मिली स्वीकृति

निम्बाहेड़ा @ जागरूक जनता। कोरोना प्रबंधन को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सक्रियता व कोरोना की अनुमानित तीसरी लहर को रोकने सहित राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए संकल्पित राजस्थान सरकार द्वारा लिए गए त्वरित निर्णयों के अंतर्गत सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना की अनुशंसा पर निम्बाहेड़ा उपजिला चिकित्सालय में ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट स्वीकृत किया गया है। मई माह की शुरूआत में स्वायत्त शासन विभाग की घोषणा अनुसार निम्बाहेड़ा उपजिला चिकित्सालय में स्वायत्त शासन विभाग द्वारा निम्बाहेड़ा नगरपालिका के सहयोग से 50 सिलेंडर प्रतिदिन उत्पादन की क्षमता वाला आधुनिक ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट लगाया जाना प्रस्तावित है, जिसको लेकर सभी आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है। पालिका अध्यक्ष सुभाषचन्द्र शारदा ने बताया की सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना द्वारा क्षेत्र की चिकित्सकीय व्यवस्थाओं को मजबूत बनाने के प्रयासों के अंतर्गत उपजिला चिकित्सालय में आधुनिक ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट लगाने की अनुशंसा की थी जिसकी स्वीकृति राज्य सरकार द्वारा मई माह की शुरुआत में दे दी गई। नगरपालिका प्रशासन द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए प्लांट की स्थापना हेतु संबंधित फर्म को भुगतान करने के लिए राशि 35.53 लाख रूपये निर्देशालय को स्थानांतरित कर दी गई। पालिका अध्यक्ष सुभाषचन्द्र शारदा, उपाध्यक्ष परवेज अहमद सहित सभी पार्षदों व नगरवासियों ने इस सोगात के लिये मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना व स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल का धन्यवाद ज्ञापित किया।

चुनौतियां का सामना जन चेतना ही संभव-सेठिया

जयपुर/चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। जन चेतना मंच राजस्थान की प्रान्तीय कार्यकारिणी की वर्चुअल बैठक संस्थापक डॉ. आई.एम. सेठिया के मुख्य आतिथ्य, प्रान्तीय अध्यक्ष हेमन्त शर्मा की अध्यक्षता व पूर्व अध्यक्ष ऋषभ सुराणा, प्रान्तीय महिला अध्यक्ष राजश्री गांधी, युवा अध्यक्ष दीपक शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुई। मुख्य अतिथि डॉ. सेठिया ने कहा कि कोरोना महामारी के संकट ने आम आदमी के जीवन की सोच व दिशा को बदल दिया है और ऐसी चुनौतियों का सामना जन चेतना से ही सम्भव है। सेठिया ने मंच स्थापना की भूमिका को विस्तार से बताते हुए जिला स्तर तक कार्य विस्तार पर बल दिया। प्रान्तीय अध्यक्ष हेमन्त शर्मा ने कहा कि हम सोचते बहुत है जल, बिजली, बचत एवं पर्यावरण संरक्षण की बात करते है लेकिन इसकी शुरुआत स्वयं से ही करनी होगी। प्रान्तीय महामंत्री दिनेश खत्री ने सदस्यता अभियान, शाखा स्थापना एवं गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि छोटे-छोटे विषयों पर विभिन्न माध्यमों से आमजन को जागृत करने की ठोस प्रयास किये जावे। पूर्व अध्यक्ष ऋषभ सुराणा ने भी विचार व्यक्त किए। बैठक में चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि. की प्रबन्ध निदेशक वन्दना वजीरानी, महेन्द्र बालानी जयपुर, अंजनी लापडिया, मोहनलाल शर्मा कोटा, लीलाधर जोषी भोपालसागर, नीलेष काटेड भीलवाड़ा, पंकज मालोत बाँसवाड़ा, राजेन्द्र बाहेती प्रतापगढ़, सुरेन्द्र शर्मा उदयपुर, वेदप्रकाश खटीक जहाजपुर, जयप्रकाश भटनागर, रजनीष पितलिया, मोहन भट्ट, नन्दकिशोर पारीक, रतनलाल बोहरा, राजेष पगारिया चितौड़गढ़ आदि ने भी मंच गतिविधियों को लेकर सुझाव दिये। प्रान्तीय महिला अध्यक्ष राजश्री गांधी ने कहा कि मातृषक्ति को जोड़कर समाज में संस्कार की सुरक्षा व ब्लेक फंगस के मद्देनजर बच्चों की सुरक्षा के लिए विषेष जन चेतना कार्यक्र मों की रचना करेगी। प्रान्तीय युवाध्यक्ष दीपक शर्मा ने युवा वर्ग को मंच से जोडने के व्यापक प्रयास कर पर्यावरण व स्वास्थ्य चेतना व व्यक्तित्व विकास के विषेष आयोजन किये जायेगे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रान्तीय महामंत्री दिनेष खत्री ने किया।

कोरोना समाप्ति के लिए किया महागणपति पूजन

सिरोही @ जागरूक जनता। जिले नानरवाडा निवासी भूराराम पुरोहित द्वारा सर्व जन हितार्थ उत्कृष्ट पहल करते हुए परम पूज्य गो ऋषि पूज्यश्री दत्तशरणानन्द जी के पावन सानिध्य व प्रेरणा से व पूज्यश्री सुमनसुलभजी के नेतृत्व में विश्वव्यापी महामारी कोरोना के समूल उन्मूलन (नष्ट) हेतु महागणपति पूजन का कार्यक्रम नंद गांव गोशाला परिसर में राम चौकी में भूराराम पुरोहित नानरवाडा के मार्गदर्शन व सुरेश जोशी आचार्यत्व में जारी। आयोजित कार्यक्रम जिसमें सिद्धिविनायक गणपति महाराज का अथर्वशीर्ष, मयूरेश स्तोत्र संकटनाशन स्तोत्रम व सहस्र नाम अर्चन प्रतिदिन किया गया। जिसमें 8 ब्राह्मणों द्वारा यह अनुष्ठान संपन्न किया गया।

सीईओ ने बेंगू में इंटरस्टेट चेकपोस्ट का आकस्मिक निरीक्षण किया

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। जिला परिषद चित्तौरगढ़ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ज्ञानमल खटीक ने पंचायत समिति बेगू क्षेत्र में स्थापित अंतर राज्य चेक पोस्ट सामरो का लेवा व भटवाड़ा महादेव चेक पोस्ट पर आवश्यक व्यवस्थाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने वहां पर आवक जावक रजिस्टर को देखा। उन्होंने चेक पोस्ट पर पदस्थापित कार्मिको को सतर्क रहने व जन अनुशासन अभियान के तहत नियमों की पूर्ण पालना करने के निर्देश दिए एवं उपखंड अधिकारी को चेक पोस्ट पर आवश्यक उपकरण जैसे थर्मामीटर, पल्स ऑक्सीमीटर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने उपखंड अधिकारी को निर्देश दिए कि जो लोग चेक पोस्ट से गुजरते है व स्थाई रूप से राजस्थान में आ रहे है उनका पोर्टल पर फॉर्म 4 में इंद्राज किया जाए।

ऑक्सीजन प्लांट का विधिवत शुभारंभ हुआ - सुमित काल्या

गुलाबपुरा (भीलवाड़ा) @ जागरूक जनता। नगर पालिका गुलाबपुरा चेयरमैन सुमित काल्या की पहल व प्रयासों से तथा जवाहर फाउंडेशन के चेयरमैन रिजु झुंझुनवाला के सहयोग से गुलाबपुरा चिकित्सालय में ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना हुई। ऑक्सीजन प्लांट का पूजा अर्चना कर शुभारंभ चेयरमैन सुमित काल्या एलएनजे ग्रुप से नरेश बहेडीया उपखंड अधिकारी विकास मोहन भाटी के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी विजय सिंह राठौड़ पार्षद रामदेव खारोल अविनाश मेवाड़ा विधि महाप्रबंधक पवन गुप्ता डॉ भागीरथ मीणा रतन कुमार जैन व गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। ऑक्सीजन प्लांट कि स्थापना "जवाहर फाउंडेशन" रिजु झुंझुनवाला के सहयोग से की जा रही है। चेयरमैन सुमित काल्या ने इस पुनीत कार्य के लिए रिजु झुंझुनवाला का आभार व्यक्त किया। साथ ही कलेक्टर शिवप्रसाद एम नकाते का व उपखंड अधिकारी विकास मोहन भाटी विधायक प्रत्याशी मनीष मेवाड़ा तथा जवाहर फाउंडेशन के रजनीश व मयूर मील के नरेश बहेडिया का भी धन्यवाद ज्ञापित किया। आसपास के क्षेत्र के मरीजों के लिए संजीवनी साबित हो रहे गुलाबपुरा चिकित्सालय स्थित "कोविड सेंटर" के लिए ऑक्सीजन प्लांट की सुविधा का लाभ मरीजों को मिलेगा। कोविड़ सेंटर में निरंतर मरीजों का इलाज जारी है। कोविड़ सेंटर शुरु होने व मेट्रो सिटी की तर्ज पर गुलाबपुरा में सुविधाएं उपलब्ध होने से न केवल गुलाबपुरा वासियों को बल्कि आसपास के कई शहरों के मरीजों को तत्काल सुविधा का लाभ मिल रहा है। हाल ही में गुलाबपुरा "कोविड सेंटर" के लिए अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या के प्रयास एवं सहयोग से रेमडेशिविर इंजेक्शन भी उपलब्ध कराए गए। साथ ही चिकित्सालय में पोर्टेबल एक्स रे मशीन, मॉनिटर मशीन, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की सुविधा भी उपलब्ध है। पालिका अध्यक्ष सुमित काल्या व उनकी टीम तथा नगरपालिका कर्मियों व प्रशासनिक अधिकारियों तथा चिकित्सा कर्मीयो एवं भामाशाह के द्वारा गुलाबपुरा में कोरोना आपदा के समय में हर संभव सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं जिससे कि गुलाबपुरा की जनता को समय पर मदद मिल सके एवं उन्हें किसी तरह की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े।

शुरू हो गया एडमिशन एंट्री मॉड्यूल, स्टूडेंट हुए प्रमोट

स्कॉलर नंबर से डाउनलोड कर सकेंगे पिछली कक्षा का सर्टिफिकेट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

श्रीगंगानगर। राज्य सरकार के कक्षा एक से नौ और ग्यारह के स्टूडेंट्स को अगली कक्षा में प्रमोट करने फैसले के बाद नई कक्षाओं में एडमिशन भी शुरू हो गया है। शिक्षा विभाग के शाला दर्पण पोर्टल पर न्यू एडमिशन एंट्री मॉड्यूल यानी नए प्रवेश लेने वाले स्टूडेंट्स का एंट्री मॉड्यूल खुल गया है । पोर्टल पर इन स्टूडेंट्स को प्रमोट कर दिया गया है तथा अब नए प्रवेश की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

दसवीं और बारहवीं की तिथि घोषित नहीं

कक्षा एक से नौ तथा ग्यारह की परीक्षा निरस्त करते हुए स्टूडेंट्स को अगली कक्षाओं में ₹ मोन्नत कर दिया गया है जबकि छह मई से शुरू होने वाली माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की माध्यमिक और उच्च माध्यमिक परीक्षा को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। परीक्षा के आयोजन को लेकर अब तक कोई निर्णय नहीं हुआ है।

इस आधार पर किया प्रमोट

इस वर्ष शिक्षा विभाग ने स्माइल-1 स्माइल-2 और आओ घर से सीखें कार्य₹ म के तहत ऑनलाइन शिक्षण के आधार पर स्टूडेंट्स को प्रमोट किया है। जबकि इन्हीं कक्षाओं के स्टूडेंट्स को पिछले साल फर्स्ट और सैकंड टैस्ट तथा हाफ ईयरली परीक्षा के आधार पर अगली कक्षा में प्रमोट किया गया था।

छुट्टियों के बाद मिल सकेंगे सर्टिफिकेट

स्टूडेंट्स को नई कक्षाओं में प्रमोट करने के साथ ही शाला दर्पण के विद्यार्थी टैब में नए प्रवेश के लिए एंट्री मॉड्यूल शुरू हो गया है। छह जून तक स्कूलों में ग्रीष्मावकाश चल रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों को उनके नई कक्षा में प्रमोट करने के प्रमाण पत्र अवकाश के बाद मिलने की ही संभावना नजर आ रही है। शिक्षा विभाग के विद्यार्थी परामर्श केंद्र के समन्वयक भूपेश शर्मा बताते हैं कि शाला दर्पण पोर्टल पर पहली से नौंवी और ग्यारहवीं के स्टूडेंट्स्र प्रमोट हो चुके हैं। स्टूडेंट्स के सर्टिफिकेट सरकारी स्कूल शाला दर्पण तथा निजी स्कूल पीएसपी पोर्टल से डाउनलोड कर सकेंगे।

गहलोत ने विराट नगर में 30 किमी. लंबी सड़क का किया शिलान्यास

सीएम गहलोत बोले : 'कोरोना से आर्थिक हालात बिगड़े, विकास में फिर भी कमी नहीं आने देंगे'

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

विराटनगर/जयपुर। कोरोना काल के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर जिले के विराट नगर विधानसभा क्षेत्र में 30 किलोमीटर लंबी सड़क का वर्चुअल शिलान्यास किया। इस मौके पर शिलान्यास कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि अगर जनप्रतिनिधि रुचि लेते हैं तो काम होते हैं, भले ही किसी ही पार्टी की सरकार हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में आर्थिक स्थिति बिगड़ी है, 80 प्रतिशत रेवेन्यू कम हो गया है, लॉकडाउन बढाना पड़ रहा है। लेकिन लेकिन वित्तीय प्रबंधन अच्छा करेंगे और प्रदेश के विकास में कोई कमी नहीं आने देंगे। सीएम गहलोत ने कहा कि अच्छी गुणवत्ता की सड़कों का जाल बिछाना हमारी टॉप प्रायोरिटी में है।

सीएम ने कहा कोरोना की जंग भी हम साथ में लड़ रहे हैं, एक भी व्यक्ति की जान ना जाए, यह हमारा ध्येय है, जब तक आप लोग साथ नहीं देंगे तब तक यह संभव नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों का विकास सड़कों से ही सम्भव है, लोन लेना पड़ा तो लोन लेंगे लेकिन अच्छी सड़कें बननी चाहिए। सड़कों के कार्य समयबद्ध रुप से पूरे होने चाहिए, सड़कें गुणवत्तापूर्ण भी बननी चाहिए। मेंटिनेंस पीरियड अब 3 साल से बढाकर 5 साल किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2021-22 के बजट में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 5-5 करोड़ रूपए की लागत से नोन-पेचेबल अथवा मिसिंग लिंक के कार्य किए जा रहे हैं। इसके लिए 1000 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। पूरे प्रदेश में सड़क विकास, राजमार्गो के विकास, आरओबी एवं पुल निर्माण के लिए कुल 12 हजार 198 करोड़ रूपए का प्रावधान इस वर्ष के बजट में किया गया है।

दौसा जिले में पानी की किल्लत

मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि पिछले दिनों मैंने पानी को लेकर मीटिंग ली। पानी की किल्लत से दौसा जिला पूरा जिला बर्बाद है, बांदीकुई में तो हालात बहुत खराब हैं। विराटनगर में भी पानी की समस्या है,उसे भी हल करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन में भारत सरकार हमारे साथ अन्याय कर रही, इसमें 90-10 का अनुपात होना चाहिए था।

असली जंग अस्पताल में नहीं मैदान में जीती जाएगी

मुख्यमंत्री ने सड़क शिलान्यास कार्यक्रम में कहा कि कोरोना काल में असली जंग अस्पताल में नहीं बल्कि मैदान में जीती जाएगी। सभी को मिलकर इस जंग में लड़ना है। वैक्सीनेशन हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए, कोरोना वैक्सीन की जिम्मेदारी भी भारत सरकार को लेनी चाहिए थी। मुख्यमंत्री ने सभी जनप्रतिनिधियों से आह्वान करते हुए कहा कि इस कठिन समय में हम जनता के साथ खड़े रहें। मानवता सबसे बड़ा धर्म होना चाहिए, भारत सरकार वैक्सीन के लिए रोडमैप नहीं बना पाई। सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखे, लेकिन उन पर समय से ध्यान नहीं दिया। इसलिए दिक्कतें ज्यादा आ रही हैं। तीसरी लहर बच्चों के लिए घातक होगी। इसलिए हमें चौकन्ना रहना पड़ेगा। हमने एम्बुलेंस फ्री कर दी, सम्मानजनक दाह संस्कार की व्यवस्था की। केन्द्र और राज्य सरकारों को मिलकर काम करना पड़ेगा। एक-दूसरे की भावना समझनी पड़ेगी। चिरंजीवी योजना में रजिस्ट्रेशन के लिए लोगों को प्रेरित करें। अभी तक भी कई लोगों ने रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया है।

विधायकों ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

सड़क शिलान्यास कार्यक्रम में विराटनगर विधायक इन्द्राज गुर्जर ने कहा कि इस सड़क से क्षेत्र के लोगों को कई तरह के फायदे मिलेंगे। विराटनगर विस क्षेत्र को ढाई साल में करीब 125 करोड़ की सड़कें स्वीकृत होने पर विधायक गुर्जर ने मुख्यमंत्री का आभार भी जताया। क्षेत्र के लिए और भी कई महत्वपूर्ण सौगातें सीएम ने दी। कोरोना की रोकथाम के लिए सरकार बेहतरीन काम कर रही है। जमवारामगढ विधायक गोपाल मीणा ने कहा कि सीएम के नेतृत्व में कोरोना मैनेजमेंट का बेहतरीन काम हुआ है। जनता ने राज्य सरकार के कार्य को सराहा है, क्षेत्र में विकास के भी हुए कई महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। जमवारामगढ़ विधायक ने सीएम के समक्ष ईसरदा बांध योजना में जमवारामगढ को प्रथम चरण में लेने की मांग भी की, फिलहाल ईसरदा बांध योजना को दूसरे चरण में शामिल किया गया है।

आगरा मंडल ने रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव भेजा

जयपुर-मथुरा के बीच इंटरसिटी, कासगंज भरतपुर ट्रेन का बांदीकुई तक हो विस्तार

रेलवे से स्वीकृति मिलते ही यात्रियों को होगा लाभ, बयाना-रतलाम-मथुरा (ईएमयू) पैसेंजर को भी अलवर जंक्शन तक लाने का प्रस्ताव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

दौसा। बांदीकुई रेलवे बोर्ड ने मंजूरी दी तो आने वाले दिनों में बांदीकुई जंक्शन को 2 नई यात्री ट्रेनों की सौगात मिलेगी। उत्तर मध्य रेलवे आगरा मंडल ने कासगंज-भरतपुर पैसेंजर का विस्तार बांदीकुई तक करने व ईदगाह आगरा- बांदीकुई व मथुरा - जयपुर पैसेंजर ट्रेन को इलैक्ट्रिक इंजन से संचालित करने के लिए रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव भेजा है। मंजूरी मिली तो सोरौं में अस्थि विसर्जन को जाने वालों को मिलेगा फायदा मिलेगा।आगरा रेल मंडल के भेजे गए प्रस्ताव में नई ट्रेन के रूप में जयपुर - मथुरा इंटरसिटी का अलवर व बांदीकुई जंक्शन होते हुए संचालित करने का भी प्रस्ताव भेजा है। इसके अलावा वर्तमान में भरतपुर -कासगंज के बीच चल रही पैसेंजर ट्रेन का विस्तार बांदीकुई तक करने का भी प्रस्ताव भेजा है। यदि इन दोनों ट्रेनों के प्रस्ताव को रेलवे बोर्ड मंजूरी देता है तो बांदीकुई जंक्शन के लिए ये दो नई यात्री ट्रेने मिलेगी। इसके अतिरिक्त बयाना - रतलाम - मथुरा के बीच दौड़ रहे ईएमयू पैसेंजर का भी अलवर जंक्शन तक विस्तार करने का प्रस्ताव भेजा है।

6 घंटे तक भरतपुर में खड़ी रहती है कासगंज पैसेंजर, अब इसे बांदीकुई लाने की तैयारी

वर्तमान में कासगंज से भरतपुर के बीच चलने वाली पैसेंजर रोजाना शाम 5:30 बजे कासगंज से चलकर रात 11:30 बजे भरतपुर आ जाती है। यहां 6 घंटे तक खड़ी रहने के बाद सुबह 5:30 बजे कासगंज के लिए रवाना होती है। ऐसे में रेलवे चाहता है कि इस ट्रेन को रात के समय ही बांदीकुई तक संचालित किया जाए। प्रस्ताव में इस ट्रेन को रात 11:30 बजे भरतपुर से रवाना कर रात 2 बजे बांदीकुई पहुंचने का समय निर्धारित किया है। वापसी में रात 3 बजे बांदीकुई से रवाना कर सुबह 5:25 बजे भरतपुर पहुंचने का समय निर्धारित किया है।अस्थियां लेकर सोरौं जाने वालों को बांदीकुई से सीधी रेल सेवा मिलेगीबांदीकुई सहित आसपास क्षेत्र से मृतक की अस्थियां लेकर सोरौं जाने वालों को कासगंज- भरतपुर ट्रेन के बांदीकुई तक विस्तार होने से सबसे ज्यादा सुविधा मिलेगा। कासगंज से सोरौं मात्र 15 किलोमीटर दूर है। ऐसे में बांदीकुई से उन्हें सीधे ट्रेन मिलेगी।क्षेत्रीय सांसद प्रयास करे तो जल्दी प्रस्तावों को मिल सकती है मंजूरीआगरा रेल मंडल द्वारा यात्री ट्रेनों को लेकर भेजे गए प्रस्तावों को जल्दी मंजूरी दिलाने में राजनेताओं का अहम रोल रहेगा। राजनेता के रूप में सांसद इस मामले में रुचि दिखाए तो इन प्रस्तावों को शीघ्र मंजूरी मिलेगी। इससे क्षेत्र के लोगों को फायदा होगा।

चिरंजीवी योजना के तहत न्यूवोकों सीमेंट प्लांट में शिविर आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। न्युवोको विस्टास कॉर्प. लि. ने पाँच मूल्यों 'सत्यनिष्ठा', 'उद्यमिता', 'आपसी सहयोग', 'ध्यान रखना एवं 'परिचालनीय उत्कृष्टता' को आत्मसात किया है, जिनमें सबसे प्रमुख स्थान दिया जाता है 'केयर' को। अपने इसी मूल्य के अन्तर्गत अपने कामगार साथियों के हितों को ध्यान में रखते हुए न्युवोको के चित्तौड़ सीमेण्ट प्लाण्ट ने ज़िला उद्योग केन्द्र एवं ज़िला प्रशासन के तत्वावधान में अपने श्रमिकों को 'मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना' से रूबरू करवाने एवं साथ ही साथ मौके पर पंजियन करवाने हेतु शिविर का आयोजन किया जिसमें श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर का आयोजन कोविड-19 के दिशा निर्देशों के अनुसार किया गया जहाँ सभी श्रमिकों ने अपनी नैतिक ज़िम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया एवं कतारबद्ध होकर इस योजना के बारे में उत्सुकता से जानकारियाँ प्राप्त की। शिविर में कई श्रमिकों ने हिस्सा लिया एवं ऑन-स्पॉट रजिस्ट्रेशन करवाकर योजना का लाभ प्राप्त किया। जिला कलक्टर ताराचंद मीणा भी श्रमिकों के उत्साहवर्द्धन हेतु शिविर में सम्मिलित हुए जहाँ न्युवोको प्रबंधन की ओर से इकाई प्रमुख संजय कुमार त्यागी ने जिलाधीश मीणा का स्वागत किया। जिलाधीश ने न्युवोको के इस प्रयास की सराहना की साथ ही प्लांट के समस्त श्रमिकों को इस योजना से जोड़ने की अपील भी की। इकाई प्रमुख त्यागी ने श्रमिकों के हितार्थ इस शिविर के आयोजन हेतु जिलाधीश एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

देश के सर्वश्रेष्ठ आईआईएम अहमदाबाद में सलेक्शन

चिराग ने कैट में हासिल किए 99.9 परसेंटाइल अंक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

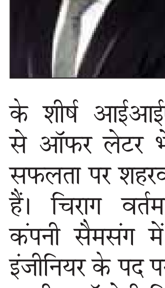

जोधपुर। जिले के बेटे चिराग सिंघवी ने देश के प्रतिष्ठित एमबीए संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाले कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) में 99.9 परसेंटाइल हासिल किए हैं। उन्हें देश के शीर्ष आईआईएम प्रबंधन संस्थानों से ऑफर लेटर भेजे भेजे गए। उनकी सफलता पर शहरवासी उन्हें बधाई दे रहे हैं। चिराग वर्तमान में मल्टीनेशनल कंपनी सैमसंग में सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। जिले के अजीत कॉलोनी निवासी चिराग के पिता सीए विकास सिंघवी अल्ट्राटेक सीमेंट में सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं क्लस्टर हेड (फाइनेंस एंड कमर्शियल) के पद पर अहमदाबाद में कार्यरत हैं। पिता ने बताया कि चिराग बचपन से ही मेधावी रहा हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा आदित्य बिरला पब्लिक स्कूल से हुई है। हाईस्कूल 10 सीजीपीए व इंटरमीडिएट परीक्षा 94 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण की। आईआईटी ऐडमिशन की प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस में चिराग ने ऑल इंडिया 686 रैंक हासिल की । इसके बाद आईआईटी कानपुर से इलेक्ट्रिकल में बीटेक की डिग्री अच्छे अंकों के साथ हासिल की। बीटेक थर्ड ईयर इंटर्नशिप के दौरान ही सैमसंग रिसर्च एंड डवलपमेंट से जॉब का ऑफर मिला। अपनी सफलता से उत्साहित चिराग ने बताया कि कड़ी मेहनत, आत्मविश्वास व माता-पिता के साथ ही गुरुजनों व शुभचिंतकों के आशीर्वाद से यह संभव हो सका है। माता कविता कंपनी सेक्रेटरी व एमबीए हैं। उन्होंने अपने दादा सीए केवल मल सिंघवी के उत्साहवर्धन को भी याद किया। फिलहाल उन्होंने देश के सर्वश्रेष्ठ आईआईएम अहमदाबाद में प्रवेश करने का निर्णय लिया है।

वेटरनरी विश्वविद्यालय ने बढ़ाई अंतिम तिथि आरपीवीटी के लिए अब 30 जून तक कर सकेंगे आवेदन

जयपुर @ जागरूक जनता। वेटरनरी विश्वविद्यालय ने स्नातक के प्रवेश के लिए राजस्थान प्री.वेटरनरी टेस्ट ऑनलाइन आवेदन की अन्तिम तिथि को 30 जूनए 2021 तक बढ़ा दिया है। आरपीवीटी समन्वयक प्रो. हेमंत दाधीच ने बताया कि वर्तमान में कोरोना महामारी लॉकडाउन के कारण आरपीवीटी 2021 के ऑनलाइन आवेदन की पूर्व निर्धारित अन्तिम तिथि 25 मई 2021 को बढ़ा कर 30 जूनए 2021 तक कर दिया गया है। इसके साथ ही विलम्ब शुल्क सहित पूर्व निर्धारित अन्तिम तिथि 1 जून, 2021 को बढ़ाकर 7 जुलाई 2021 तक कर दिया गया है। इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.rajuvas.org पर उपलब्ध है।

नारायण सेवा 36 दिनों में 30 हजार से ज्यादा का बना मददगार

उदयपुर @ जागरूक जनता। कोरोना रेड अलर्ट लॉकडाउन के दौरान नारायण सेवा संस्थान हजारों बेरोजगार, दुखी बीमार और संक्रमितजनों को उनकी आवश्यकता के मुताबिक उनके घर तक नि:शुल्क सेवाएं पहुंचा रहा है। पिछ्ले माह की 19 तारीख़ से अब तक नि:शुल्क भोजन, दवाई, ऑक्सीजन, एम्बुलेंस और सेनेटाइजेशन की सेवाएं शहर में हजारों लोगों तक पहुँचाई जा चुकी है। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि संस्थापक पद्मश्री कैलाश मानव की प्रेरणा से संक्रमितों के घर 27544 भोजन पैक्ट,168 ऑक्सीजन सिलेंडर,1171 कोरोना दवाई किट,83 हाइड्रोलिक बेड और एक हजार से अधिक बेरोजगार और निर्धन परिवारों को राशन किट जिनमें आटा, चावल, दाल ,तेल, शक्कर और मसाले आदि है,वितरित किए गए है। इन सेवा प्रकल्पों के सुचारू संचालन के लिए संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल और पलक अग्रवाल के निर्देशन में 80 सदस्य टीम का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि संस्थान के हेल्पलाइन नंबर पर रोजाना 100 से अधिक कॉल्स प्राप्त हो रही है जिन्हें तत्काल सेवाएं मुहैया की जा रही है। संस्थान का मकसद ही यहीं है कि इस कठिन घड़ी में ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंदों तक उक्त सेवाएं पहुंचाई जाए।

आपदा में अवसर नहीं आपदा में सेवा कर रहें है मालानी

पिलानी @ जागरूक जनता। बिरला सार्वजनिक अस्पताल के निदेशक मधुसूदन मालानी जब से पिलानी आएं है निरंतर लोगो की सेवा में लगे है, कल मालानी ने एक नया अभियान चलाया है जिसमे जरूरतमंद लोगों तक खाना पहुँचाने का कार्य कर रहे हैं। मालानी इस कार्य मे ट्रस्ट के पैसे से नही बल्कि सम्पूर्ण खर्च का भार खुद उठा रहे है, मालानी विशेष तौर पर महिला शसक्तीकरण पर काम कर रहें है, साथ ही बच्चों को स्कूली शिक्षा में विभीन्न प्रकार की सहायता कर के उनका सहयोग कर रहें है। बिरला सार्वजनिक अस्पताल प्रबंधक जी आर सैनी ने बताया कि मालानी जी एक विशेष कार्य करने जा रहें है अस्थि कलश विश्राम गृह का निर्माण करवाया जा रहा है जिसमे कोरोना के दौरान जो अपनो को खो चुके है, और उनकी अस्थि विषर्जन इस संकट की घड़ी में नही करवा पा रहें है तो अस्पताल के अस्थि कलश विश्राम गृह में उन्हें 3 माह तक रखवा सकते है, उसके उपरांत अगर कोई अस्थि विसर्जन करवाने में शक्षम नही है तो मालानी जी उन्हें सभी ₹ याकर्म को पूरा करते हुए अपने खर्चे पर विषर्जन करवाएंगे।

निर्धन, असहाय परिवारों को किया भोजन वितरण

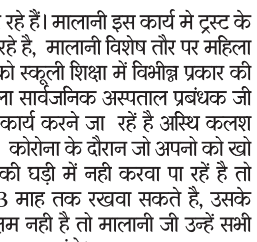

तारानगर @ जागरूक जनता। राज्य सरकार के निर्देशानुसार इन्दिरा रसोई में कोरोना काल के अन्तर्गत खाना भी नि:शुल्क है पूर्व में 8 रूपये थे जिनकी भी छूट कर दी गई है कोविड 19 की दूसरी लहर के तेजी से बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के कारण शहर के गरीब मजदूरो, असहाय परिवारो को इंदिरा रसोई से नि:शुल्क भोजन उपलब्ध करवाने की योजना के तहत पालिका ईओ अरूण कुमार सोनी, फायरमैन नितेशकुमार तथा पालिका कार्मिको द्वारा झुग्गी झोपड़ियों में निवास करने वाले असहाय परिवारों को इंदिरा रसोई से पौष्टिक भोजन तैयार करवाकर वितरण किया गया। ईओ सोनी ने बताया कि सरकार की जन कल्याणकारी योजना के तहत असहाय व्यक्तियों को भोजन आवश्यकतानुसार वितरण किया गया एवं आगे भी जारी रखा जावेगा। इसी के साथ पालिका ईओ द्वारा कोरोना गाईडलाईन की पालना करने एवं मास्क पहनने तथा अनावश्यक बाहर जाने हेतु समझाईस की गई।

ANCHOR

ताऊ-ते तूफान से जंगल में खुशहाली

सरिस्का के जंगलों में वाटर हॉल में पानी का स्तर बढ़ा, जंगली जानवरों की आसानी से प्यास बुझ रही

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। ताऊ ते तूफान ने कई राज्यों में तबाही मचाई है। राजस्थान के कई जिलों में भी इसका नुकसान हुआ है, लेकिन अलवर के सरिस्का में तूफान की बारिश से काफी फायदा हुआ है। सरिस्का के जंगल में रौनक लौटने लगी है। वन्यजीवों के लिए पानी का स्टॉक काफी बढ़ा है। मतलब वॉटर हॉल पर पानी की आवक हुई है। जिससे वन्यजीवों की प्यास बुझेगी। वहीं सरिस्का प्रशासन को वन्यजीवों के पानी के इंतजाम करने में भी कम मशक्कत करनी पड़ेगी।

विशेषज्ञ बोले वन्यजीवों को राहत

वन्यजीव विशेषज्ञ पेमाराम ने बताया कि इस बारिश से जंगल में रौनक लौटने लगी है। निश्चित रूप से पानी की आवक हुई है। जहां पहले से बहुत कम पानी था। वहां भी कुछ बढ़ा है। वनस्पति भी खिलने लगी है। जिससे सरिस्का में टाइगर के अलावा अन्य वन्यजीवों को आसानी से पानी व खाद्य सामग्री मिलने लगेगी। सबसे बड़ी बात गर्मी से काफी राहत मिल रही है।

वन्यजीवों का विचरण बढ़ रहा

गर्मी के दिनों में टाइगर व बड़े वन्यजीवों को वाटर हॉल के आसपास ही बसेरा रहता है। जिसके कारण दूसरे वन्यजीव उन जगहों पर कम आने लगते हैं। वे दूसरे वाटर हॉल तलाशते हैं। सरिस्का प्रशासन के बनाए वाटर हॉल के आसपास टाइगर व पैंथर की मूवमेंट बढ़ जाता है। इस कारण छोटे वन्यजीवों को इधर-उधर जाना पड़ता है। अब बारिश से छोटे-छोटे वन्यजीवों को सहजता से पानी मिलने लगेगा। इसके अलावा पूरे जंगल में वन्जीवों का मूवमेंट बढ़ेगा। तेज गर्मी में वन्यजीव केवल सुरक्षित जगहों पर ही अधिक रहने लग जाते हैं।

आगे गर्मी से राहत मिलेगी

आगे जून में तेज गर्मी पड़ती है। यह बारिश आगे की गर्मी में भी राहत पहुंचाने का काम करेगी। इस समय जंगल की वनस्पति हरी-भरी होने लगेगी तो जंगल में लू का प्रकोम कम हो जाएगा। हरियाली भी राहत देगी। अब भी जिले में बारिश का मौसम है।

सरिस्का में पानी का इंतजाम

वैसे सरिस्का के जंगलों में सोलर मोटर के जरिए पानी भरा जाता है। जहां वोटर हॉल हैं वहां पाइपलाइन से पानी पहुंचाया जाता है। ताकि गर्मी के दिनों में वन्यजीवों को पानी मिलता रहे। ये अधिकतर वाटरहॉल टाइगर की टैरेटरी में बने हैं।

संकलनकर्ता - नरेश खिलेरी लियादरा जिला संवाददाता जालोर मो. 7742720529

बी.लाल हॉस्पिटल MRI सी.टी. स्कैन एवं ट्रोमा सेन्टर

ने.हा. 68, बाड़मेर रोड, कमालपुरा, सांचौर, जिला-जालौर (राज.) 343041
02979-283917, मो.-9649064917, 7427064917

सांचौर का प्रथम ISO 9001:2008 (अन्तराष्ट्रीय मानक पर खरा उतरने वाला) सर्टिफाईड अस्पताल

नेत्र चिकित्सालय

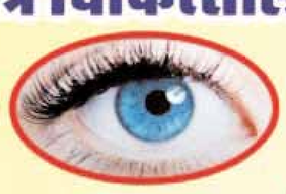

ब्लड बैंक
हिस्टोपेथोलोजी
कोलपोस्कोपी

चिकित्सालय विभाग

- हड्डी एवं जोड़ रोग विभाग
- शिशु एवं बाल रोग विभाग
- गायनेक विभाग
- जनरल फिजिशियन एवं ICU
- कान, नाक, गला विभाग
- गुर्दो एवं मुत्र रोग विभाग
- जनरल सर्जन एवं लेप्रोस्कोपिक विभाग

डॉ. बाबुलाल बिश्नोई
(M.S., Gynae) वरिष्ठ प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन, मुम्बई

रमेश जाणी सुराचंद (व्यवस्थापक) मो. 9587781788

आंखो के मोतियाबिन्द, कालेपानी के ऑपरेशन सुक्ष्म चीरे द्वारा फेको मशीन द्वारा रियायती दरों पर किया जाता हैं।

हर्निया, अपेंडिक्स, गुर्दे की पथरी, पेशाब नली की पथरी, प्रोस्टेट के ऑपरेशन नि:शुल्क किए जाते हैं।

चिरंजीवी योजना अंतर्गत इलाज के लिए अनुबंधित

चिरंजीवी योजना के लाभ : हर परिवार को इलाज के लिए 5 लाख रुपये का कैशलेस बीमा कवर मिलेगा। » सामान्य बीमारियों के लिए 50 हजार, गंभीर बीमारियों के लिए 4 लाख 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। » मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना में, लाभार्थी को भर्ती से 5 दिन पहले और छुट्टी के 15 दिन बाद पैकेज में शामिल किया जाता है।

सरकारी कर्मियों के मेडिकल पुनर्भरण के लिए मान्यता प्राप्त

कार्यालय ग्राम पंचायत सुथाना

पंचायत समिति सांचौर, जिला-जालौर

दो गज दूरी - मास्क जरूरी

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर

प्रभुराम
सरपंच

अपील

गोपाराम चौधरी
ग्रा.वि. अधिकारी

कोरोना महामारी के इस संकट की घड़ी में सरकारी गाइडलाइन की पालना करें। घरों से आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकले। मास्क और सैनेटाइजर का उपयोग करें। दो गज दूरी का पालन करें। भीड़भाड़ वाले इलाके में नहीं जाए।

उपसरपंच, समस्त वार्ड पंच एवं ग्राम पंचायतवासी सुथाना
पंचायत समिति सांचौर, जिला-जालौर (राज.)

कार्यालय ग्राम पंचायत अचलपुर

पंचायत समिति सांचौर, जिला-जालौर

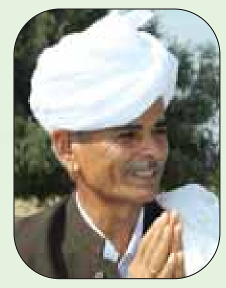

मांगीलाल
सरपंच

गोपाराम चौधरी
ग्रा.वि. अधिकारी

कोरोना महामारी के इस संकट की घड़ी में सरकारी गाइडलाइन की पालना करें। घरों से आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकले। मास्क और सैनेटाइजर का उपयोग करें। दो गज दूरी का पालन करें। भीड़भाड़ वाले इलाके में नहीं जाए।

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर

उपसरपंच, समस्त वार्ड पंच एवं ग्राम पंचायतवासी अचलपुर
पंचायत समिति सांचौर, जिला-जालौर (राज.)

के.के. हॉस्पिटल

एडवांस मेडिकल एवं सर्जिकल सेंटर

मारूती शॉरूम के सामने, गणपति मार्केट, एनएच-68 बाड़मेर रोड़, सांचौर, जिला जालोर (राज.) 34341 फोन . 02979 - 285321

डॉ. कृष्ण कुमार चौधरी
MBBS,M.S. जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन

डॉ. निम्बाराम चौधरी
MBBS,M.D. जनरल फिजिशियन

डॉ. भूराराम चौधरी
MBBS M.S M.CH (Urology)
कन्सल्टेन्ट यूरोलॉजिस्ट

- अत्याधुनिक कम्प्यूटराईज्ड लैब
- डिजिटल एक्स-रे
- कलर डोपलर सोनोग्राफी मशीन

निवेदक
मोहन चौधरी - मो. 9828935830
गणपतलाल - मो. 6376986395
जगदीश माली - मो. 9875097382
मोहनलाल केसुरी - मो. 9549525101

24 घंटे आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध

कार्यालय ग्राम पंचायत हाडेतर

पंचायत समिति सांचौर, जिला-जालौर

दिनेश राजपुरोहित
सरपंच

मंगली विश्नोई
ग्रा.वि. अधिकारी

सरकारी एडवाइजरी का पालन करें

अपील

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर

कोरोना महामारी के इस संकट की घड़ी में सरकारी गाइडलाइन की पालना करें। घरों से आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकले। मास्क और सैनेटाइजर का उपयोग करें। दो गज दूरी का पालन करें। भीड़भाड़ वाले इलाके में नहीं जाए।

उपसरपंच, समस्त वार्ड पंच एवं ग्राम पंचायतवासी सुथाना
पंचायत समिति सांचौर, जिला-जालौर (राज.)

मास्क और सैनेटाइजर का उपयोग करें। दो गज दूरी का पालन करें

अंग्रेजी व देशी दवाईयों के होलसेल व रिटेल विक्रेता

प्रो. प्रवीण पुरोहित
मो.- 7891882454

श्री खेतेश्वर मेडिकल स्टोर चौरा, तह. सांचौर,-जालौर

सांचौर हॉस्पिटल

कौशल होटल के सामने एन एच 68 बाड़मेर रोड, सांचौर जिला जालोर (राज)
फोन नं. 02979 - 294150,51

24 घंटे सीटी स्केन सुविधा उपलब्ध

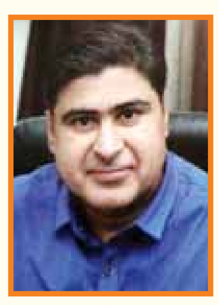

मास्क और सैनेटाइजर का उपयोग करें। दो गज दूरी का पालन करें

डॉ. चरण सिंह चौधरी
(MBBS, MS, Ortho.)
रीड की हड्डी व गम्भीर फ्रेक्चर विशेषज्ञ (पूर्व चिकित्सक, सवाई मानसिंह अस्पताल, जयपुर) मो.-9799570766

डॉ. मंजू चौधरी
(MBBS, MS, (Obs & Gynae)
स्त्री व प्रसूति रोग विशेषज्ञ (पूर्व चिकित्सक, सवाई मानसिंह अस्पताल, जयपुर) मो.-9413568953

24 घण्टे आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध

हॉस्पिटल में उपलब्ध विशेष सुविधाएं

» खील दाद, खाज (खुजली) मुंहासे सोरायसिस सफेद दाग, बालों का झड़ना, चेहरे पर झुर्रियां, एलर्जी, गुप्त रोग एवं सेक्स संबंधी समस्याओं का ईलाज
» जनरल बीमारियों हार्ट अटैक, लकवा, डायबिटिज, दमा, सर्पदंश, डेंगु, टीबी, पीलिया, मलेरिया, निमोनिया, टाइफाइड, चिकनगुनिया, मिर्गी, बीपी व स्वाईन फ्लू आदि बीमारियों का ईलाज
» श्वास रोग मानसिक रोग जननांगों संबंधित व मौसमी बीमारियों का ईलाज
» बच्चों में विभिन्न प्रकार की गंभीर बीमारियों जैसे दिमागी बुखार, जानलेवा, पीलिया मिर्गी ताण आना एवं अन्य बीमारियों का ईलाज
» नवजात शिशु के लिए गहन चिकित्सा ईकाई वेन्टिलेटर इन्फयूजन पम्पस सेन्ट्रल ऑक्सीजन यूनिट, 24 घंटे के साथ आपातकालीन प्रॉसिजर से युक्त एनआईसीयू की सुविधा
» एपेंडिक्स, हर्निया हाइड्रोसिल, मस्सा भगंदर गुर्दे की पथरी, प्रोस्टेट पताशय की पथरी व पेट के अन्य प्रकार की बीमारी एवं शरीर में गांठ के ऑपरेशन।
» रीड की हड्डी एवं गंभीर फ्रेक्चर सहित हड्डी एवं जोड़ रोग से संबंधित सभी बीमारियों का अत्याधुनिक मशीनों से ईलाज
» स्त्री एवं प्रसूति रोग से संबंधित सभी बीमारियों का ईलाज।

निवेदकः- डॉ. दिनेश पुरोहित धुड़वा मो.- 9828948145
डॉ. रमेश चौधरी मो.- 9983449848, अर्जुन देवासी मो.-9672153535

मेडिप्लस मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल

एनएच-38 बाड़मेर रोड़, कमालपुरा, सांचौर- जिला-जालौर फोन: 02979-283400

चिकित्सा अधीक्षक

डॉ. नरसीराम देवासी
M.S. General Surgeon
07665523132, 09828258826

आपातकालीन सेवाएं 24 घंटे उपलब्ध

» अमेरिकन कलर डोपलर 3D, 4D मशीन द्वारा सोनोग्राफी
» लिफ्ट की सुविधा
» मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर की सुविधा

चिकित्सालय विभाग ✷ जनरल सर्जन एवं लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी ✷ हड्डी रोग विभाग ✷ स्त्री रोग विभाग ✷ जनरल फिजिशियन ✷ नवजात शिशु एवं बाल रोग विभाग ✷ दंत रोग विभाग

डॉ. वरधाराम देवासी (MS., Orthopedic)	डॉ. मासूम पटेल (MS Gynecologist)	डॉ. रमेश चौधरी (MBBS, DCH, MD.)
डॉ. नरेश देवासी (RMO)	डॉ. कुलदीप वैष्णव (RMO)	डॉ. अशोक वैष्णव (RMO)

विनितः कृष्ण देवासी - 8875674696, अन्नाराम देवासी-9982739550, अराजराम देवासी-9828258826

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 63, राजीव नगर, मदनबाड़ी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

जागरूक जनता
Jagruk Janta
Digital Edition
Reliable Weekly News Paper
/jagrukjantanews | jagruk_janta | /jagrukjanta
jagrukjanta.net
जयपुर, बुधवार, 26 मई, 2021

जयपुर से तीन देशों के लिए फ्लाइट

एयरपोर्ट पर नए नियम से क्यूआर कोड वाली नेगेटिव आरटी पीसीआर टेस्ट रिपोर्ट ही होगी मान्य

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर सहित देश के किसी भी एयरपोर्ट से विदेश यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक जरुरी खबर है। कोरोना महामारी में जयपुर से फिलहाल तीन देशों के लिए फ्लाइट है। किसी भी तरह की हवाई यात्रा करने से पहले कोरोना की नेगेटिव आरटी-पीसीआर टेस्ट रिपोर्ट होना जरूरी है। अब अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए नेगेटिव आरटी-पीसीआर टेस्ट रिपोर्ट मान्य होगी, जिसमें क्यूआर कोड होगा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इस संबंध में तीन दिन पहले आदेश जारी कर दिए हैं। सभी एयरलाइंस को भी नए नियम के बारे में यात्रियों को जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल पिछले कुछ दिनों में विदेशों में अथॉरिटीज के समक्ष ऐसे मामले सामने आए थे, जिनमें कोरोना टेस्ट रिपोर्ट नहीं की गई थी। किसी दूसरी रिपोर्ट में नाम बदलकर फर्जी प्रिंट के आधार पर यात्रा की गई थी।

क्यू आर कोड स्कैन करते ही पता चलेगा

रिपोर्ट पर क्यूआर कोड प्रदर्शित होने से एयरलाइन के जांच अधिकारी को रिपोर्ट पढ़ने की जरूरत नहीं होगी और केवल मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन कर रिपोर्ट देख सकेंगे। इससे एयरलाइन कर्मियों का फिजिकल टच भी खत्म होगा। बिना क्यूआर कोड वाली रिपोर्ट मान्य नहीं होगी और ऐसे यात्रियों को फ्लाइट में बोर्ड नहीं करने दिया जाएगा।

1985 बैच के IPS सुबोध कुमार जायसवाल CBI के नए डायरेक्टर

नई दिल्ली। 1985 बैच के आईपीएस सुबोध कुमार जायसवाल को सीबीआई का नया डायरेक्टर बनाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई हाई लेवल कमिटी की मीटिंग में फैसला लिया गया। इस कमिटी में भारत के चीफ जस्टिस एनवी रमना और लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी शामिल थे। मंगलवार को पर्सनल मिनिस्ट्री ने उनकी नियुक्ति का ऑर्डर जारी किया। CBI डायरेक्टर का पद फरवरी से खाली है। अभी अतिरिक्त निदेशक प्रवीण सिन्हा इसके अंतरिम प्रमुख हैं।

राजस्थान में कोरोना से राहत की खबर

48 दिन बाद सबसे कम 3,404 नए संक्रमित मिले

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में कोरोना नए केसों में मंगलवार को भारी कमी आई है। राज्य में 48 दिन बाद 24 घंटे के अंदर 3,404 नए संक्रमित मिले हैं, जो 7 अप्रैल बाद आए केसों में सबसे कम हैं। राहत की बात ये भी है कि संक्रमण की दर भी 48 दिन बाद 6 फीसदी से नीचे दर्ज हुई है। राज्य में आज जयपुर को छोड़कर सभी जिलों में 500 से कम केस हैं। सभी जिलों में रिकवर मरीजों की संख्या नए केसों की तुलना में अधिक है, लेकिन चिंता वाली बात एक ये है कि मौत की संख्या अब भी कम नहीं हुई है।

राज्य में आज रिकवरी रेट में भी एक फीसदी से ज्यादा का इजाफा हुआ और यह 88 फीसदी से बढ़कर 90 फीसदी के नजदीक पहुंच गई। आज पूरे राज्य में 15,635 मरीज रिकवर हुए हैं। इधर मौत के केसों ने अभी भी सरकार और प्रशासन की चिंता बढ़ा रखी है। आज भी पूरे राज्य में इस बीमारी से 105 लोगों की मौत हो गई। हालांकि, प्रदेश का डेथ रेशो अभी भी एक फीसदी से भी कम है।

सबसे ज्यादा रिकवरी वाले 5 जिले

जिला	केस	मौत	रिकवर
जयपुर	832	20	2,806
उदयपुर	275	12	1,903
अलवर	233	3	1365
सीकर	110	0	990
कोटा	167	4	765

6 फीसदी से कम रही संक्रमण की दर

राज्य में आज संक्रमण की दर 48 दिन बाद 6 फीसदी से कम दर्ज हुई। आज पूरे राज्य में 58,755 सैंपल की जांच की गई, जिसमें से 3404 पॉजिटिव निकले और संक्रमण दर 6 फीसदी से कम रही। जांचों की जिलेवार स्थिति देखे तो आज सबसे ज्यादा 10,103 जांचे जयपुर में हुई है, जबकि सबसे कम 456 जांचे प्रतापगढ़ जिले में। इससे पहले 7 अप्रैल प्रदेश में 2801 संक्रमित केस आए थे, तब पॉजिटिविटी रेट 6 फीसदी से कम थी।

8 शहरों में 30 से भी कम संक्रमित मिले

संक्रमित केसों में लगातार कमी आने का असर है कि अब जिलों में स्थिति बेहतर होने लगी है। आज भी 33 में 8 जिले ऐसे है, जहां 30 से भी कम नये संक्रमित मिले है। सबसे कम 10 केस जालौर में मिले है। जालौर के अलावा धौलपुर 13, बांसवाड़ा 15, करौली 16, सिरोही 22, सवाई माधोपुर, झालावाड़ 24-24 और दौसा में 27 नये मरीज मिले है।

जयपुर में 20 हजार से कम हुए एक्टिव केस

राजधानी जयपुर की बात करें तो आज यहां एक्टिव केसों की संख्या 20 हजार से नीचे चली गई। यहां अब कुल 19,967 एक्टिव केस ही बचे है। आज जयपुर में संक्रमित केस 832 मिले है, जबकि 30 लोगों की इस बीमारी से जान चली गई। वहीं प्रदेश में 8 जिले ऐसे है, जहां एक्टिव केसों की संख्या एक हजार से कम है। इसमें जालौर, धौलपुर, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, करौली, टोंक और बूंदी जिले शामिल है।

बंगाल हिंसा : राजस्थान में एक साथ आए पूर्व अफसर

108 प्रबुद्ध जनों ने राष्ट्रपति से हस्तक्षेप करने की अपील

राज्यपाल को ज्ञापन भेजा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव परिणाम के पश्चात घटित व्यापक हिंसा के विरोध में राजस्थान के 108 प्रबुद्धजनों ने राज्यपाल कलराज मिश्र को मंगलवार दोपहर को एक ज्ञापन भेजा। जिसमें राष्ट्रपति रामनाथ कोविद से बंगाल में हो रही हिंसा पर हस्तक्षेप करने की मांग की है। इसमें राजस्थान के वरिष्ठ सेवानिवृत्त प्रशासनिक, न्यायिक-वरिष्ठ अधिवक्ता, सेना व पुलिस से निवृत्त अधिकारी, अनुसूचित जाति- जनजाति समाज व संस्थाओं के प्रतिनिधि, पद्मश्री सम्मानित, पदक विजेता खिलाड़ी व पत्रकार-स्तम्भ लेखक शामिल है। जिन्होंने बंगाल की हिंसक त्रासदी को स्वस्थ लोकतंत्र और सद्भाव के लिए गहरा आघात बताया।

राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति जेपी सिंघल व पूर्व आईपीएस अधिकारी केएल बैरवा ने अपने साथियों के साथ बंगाल हिंसा के पीड़ित नागरिकों के साथ इस घड़ी में खड़े होने व उनको न्याय दिलाने के लिए राज्यपाल के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजने का निर्णय लिया। जिसमें संवैधानिक व सामाजिक संकट मानते हुए सामान्य जन के सुरक्षा को लेकर चिंतित होना बताया।

18 प्रशासनिक, 20 न्यायिक अधिकारी सहित इन प्रबुद्ध लोगों ने भेजा ज्ञापन

ज्ञापन पर 18 प्रशासनिक, 20 न्यायिक व वरिष्ठ अधिवक्ता , 14 शिक्षाविद, 22 सामाजिक, 6 सेना व पद्मश्री प्राप्त, 15 पदक विजेता खिलाड़ी और 13 वरिष्ठ पत्रकारों ने हस्ताक्षर किए है। ज्ञापन को मेल के माध्यम से भेजा गया है। ज्ञापन के माध्यम से पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा पर गम्भीरता पूर्वक ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा है कि पश्चिम बंगाल में हिंसा के कारण न केवल लोकतंत्र के आधारभूत सिद्धांत 'स्वतंत्र चुनाव' को गहरी चोट पहुंची है, वरन संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित 'गरिमामय जीवन के अधिकार' का व्यापक स्तर पर हनन हुआ है। वहां 'नागरिकों के जीवन, संपत्ति व अधिकारों की रक्षा करने के पवित्र दायित्व' से राज्य शासन विमुख हो रहा है।
ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रपति महोदय से हस्तक्षेप करने की अपील करते हुए संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार निम्न विषय में शीघ्र कदम उठाने की मांग की है-

1. तत्काल हिंसा रोकी जाए।
2. हिंसा के जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाए।
3. हिंसा पीड़ितों को पर्याप्त सुरक्षा देने के साथ ही उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए।
4. स्थानीय पुलिस एवं प्रशासन की असफलता को देखते हुए केंद्रीय बलों की पश्चिम बंगाल में नियुक्ति की जाए।
5. पीड़ितों के सुरक्षित पुनर्वास एवं सुरक्षित भविष्य को सुनिश्चित किया जाए।

ब्लैक फंगस ने खाने लायक नहीं छोड़ा

प्रशासनिक अधिकारी के दांत, जबड़ा समेत पूरा तलवा ही निकालना पड़ गया; एक स्कूल के हेडमास्टर के 10 दांत निकाले

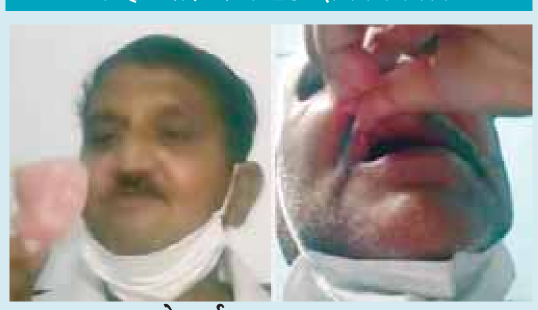

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अलवर। कोरोना के बाद अब ब्लैक फंगस ने कहर मचाना शुरू कर दिया है। राजस्थान के अलवर शहर में दो लोगों ने कोरोना को तो हरा दिया, लेकिन ब्लैक फंगस ने उन्हें खाना खाने लायक नहीं छोड़ा। किशनगढ़बास में आदर्श कॉलोनी निवासी और CBEO कार्यालय में सहायक प्रशासनिक अधिकारी विजेन्द्र कुमार शर्मा के दांत और जबड़ा समेत पूरा तलवा ही निकालना पड़ गया। जबकि बुध विहार निवासी और राजकीय माध्यमिक विद्यालय जाजोर के हेडमास्टर नन्दकुमार शर्मा के 10 दांत निकालने पड़ गए।

विजेन्द्र कुमार को नवंबर 2020 में कोरोना हुआ था। न इम्यूनिटी कमजोर थी, न शुगर ज्यादा थी, लेकिन कोरोना के इलाज में स्टेरॉयड देने के बाद शुगर बढ़ गई। कोरोना से तो ठीक हो गए, लेकिन घर आने के बाद तबीयत बिगड़ती चली गई। पहले फरीदाबाद में इलाज कराया। फिर सर गंगाराम हॉस्पिटल जाना पड़ा। फंगस इतना बढ़ गया था कि दांत, जबड़ा समेत मुंह का पूरा तलवा ही निकालना पड़ गया। ब्लैक फंगस के इलाज के 6 महीने बाद भी वे खाना खाने लायक नहीं हुए हैं। जब कभी जबड़ा लगेगा, तब खाना खा सकेंगे। विजेन्द्र का कहना है कि कोरोना को हल्के में नहीं लेना। मुझे कोरोना से ठीक होने के बाद ही ब्लैक फंगस हुआ था। करीब 7 लाख रुपए तो केवल दवाओं पर खर्च हो चुके हैं। अस्पतालों की फीस अलग है। अभी कृत्रिम तलवा लगा हुआ है।

हेडमास्टर नन्दकुमार शर्मा को भी अक्टूबर 2020 में ही कोरोना हुआ था। उन्होंने बताया कि पहले अलवर में इलाज कराया। शुभम अस्पताल में भर्ती हुआ। वहां से जयपुर के राजस्थान हॉस्पिटल जाना पड़ा। जयपुर में स्टेरॉयड और रेमडेसिविर इंजेक्शन दिए गए। इसके बाद ठीक होकर घर आ गया। यहां आने के बाद मुझे दर्द होने लग गया। इसके बाद न्यूरो सर्जन से इलाज लिया। फिर भी ठीक नहीं हुआ तो विनायक अस्पताल पहुंचा तो वहां फंगस बताया गया।

इसके बाद इलाज के लिए जयपुर के मित्तल हॉस्पिटल पहुंचा। वहां डॉक्टर ने कहा कि ब्लैक फंगस है। दांत निकालने पड़ेंगे। वहां मेरे 10 दांत के साथ फंगस निकाल दिया गया। तब से मैं एक तरफ से ही खाना खा पाता हूं। इलाज में लाखों रुपए खर्च हो गए। परिवार के लोगों की परेशानी तो पूछिए ही मत।

ब्लैक फंगस पहली लहर से ही

कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में ब्लैक फंगस के केस ज्यादा सामने आए हैं। अकेले अलवर शहर में ये दो बड़े उदाहरण सामने हैं कि ब्लैक फंगस कोरोना के साथ-साथ ही चल रहा है। अलवर जिले में कोरोना का पहला मरीज मार्च 2020 में आया था। अक्टूबर और नवंबर में कोरोना की बड़ी लहर थी। उसी समय बड़ी संख्या में मरीज सामने आए। उनमें से ब्लैक फंगस के ये दो केस सामने हैं। जबकि पूरे जिले में सर्वे किया जाएगा तो ब्लैक फंगस के केस काफी ज्यादा हो सकते हैं। दवा कम्पनी के सेल्स मैनेजर नगेन्द्र शर्मा ने बताया कि ब्लैक फंगस के केस कोरोना की पहली लहर में भी सामने आए थे। अधिकतर मरीज जयपुर और दिल्ली इलाज कराने गए। प्रशासन और सरकारों की मॉनिटरिंग कमजोर रही। इस कारण इस तरह के केस पहले सामने नहीं आ सके।

पुलिस की लापरवाही : अंतिम संस्कार के 9 दिन बाद घर लौटा

लापता युवक के परिजनों को सौंप दिया किसी और का शव, भाई-बेटों ने पिंड दान तक कर दिया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

राजसमंद। यहां पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई है। जिस ओंकारलाल को मृत बताकर पुलिस ने शव उसके परिजनों को सौंप दिया था। परिजनों ने बाकायदा अंतिम संस्कार कर पिंडदान कर दिया, वह ओंकारलाल जिंदा लौट आया। उसके बेटे-भाई, सब चौंक गए। परिवार में खुशी का ठिकाना न रहा। 9 दिन से घर में पसरा सन्नाटा अचानक खुशियों में बदल गया।

परिजनों को बुलाया

पुलिस को 11 मई को मोही रोड पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था। उसे 108 एंबुलेंस से आरके जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। बाद में जिला अस्पताल प्रशासन ने कांकरोली पुलिस को पत्र भेजकर उसकी पहचान के लिए कहा। पुलिस ने पहचान के प्रयास किए, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। इसके बाद 15 मई को हेड कांस्टेबल मोहनलाल अस्पताल पहुंचे, जहां सोशल मीडिया पर वायरल फोटो के आधार पर पुलिस ने कांकरोली के विवेकानंद चौराहा निवासी ओंकार लाल के भाई नानालाल और परिजनों को बुला लिया।

पुलिस ने किया भ्रमित

नानालाल ने पुलिस को बताया था कि उसके भाई ओंकारलाल के दाएं हाथ में कलाई से लेकर कोहनी तक लंबा चोट का निशान है। बाएं हाथ की दो अंगुलियां मुड़ी हुई हैं। अस्पताल में पड़े अज्ञात व्यक्ति के शव को पुलिस ने ओंकारलाल का शव बता दिया। साथ ही, अस्पताल प्रशासन और पुलिस ने हवाला दिया कि शव 3 दिन पुराना है। फ्रिज में रखा है। इसलिए हाथ के निशान मिट गए हैं। इतना कहते हुए बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव ओंकारलाल के परिजनों को पुलिस ने सौंप दिया।

घर वाले रह गए हैरान

परिजनों ने बताया कि ओंकारलाल के बेटों ने सर मुंडवाकर 15 मई को ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया था। अंतिम संस्कार के दौरान निभाई जाने वाली हर विधि को पूरा किया गया था। परिवार में गम का माहौल था। इस बीच, 23 मई को ओंकारलाल के घर पहुंचने पर परिजन हैरान रह गए।

बिना बताए गया था उदयपुर

ओंकारलाल ने बताया कि वो 11 मई को अपने परिजनों को बिना बताए उदयपुर चला गया था। वहां उसकी तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उदयपुर के अस्पताल में 4 दिन भर्ती रहकर ओंकार ने अपना इलाज करवाया। इस दौरान उसके पैसे खत्म हो गए। इसकी वजह से 6 दिन तक उदयपुर में ही भटकता रहा। 10 दिन बाद रविवार को राजसमंद लौटा।

...फिर किसका कर दिया अंतिम संस्कार

शासन प्रशासन की लापरवाही से जहां ओंकार के परिजन 10 दिन तक मातम मनाते रहे, वहीं अब तक यह भी पता नहीं चल पाया है कि आखिर ओंकार के परिजनों ने किस व्यक्ति के शव का अंतिम संस्कार किया था। उधर, पुलिस ने अपनी गलती मानते हुए माफी मांगी है।

हेमाराम के इस्तीफे पर बोले माकन, 'राजस्थान के नेता मामला सुलझाने में सक्षम'

बयान से साफ है कि अब गहलोत-डोटासरा ही निपटाएंगे मामले को

जयपुर @ जागरूक जनता। अपने क्षेत्र में काम नहीं होने से आहत होकर इस्तीफा देने वाले गुड़ामालानी से कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक हेमाराम चौधरी के मामले में प्रदेश प्रभारी अजय माकन का बड़ा बयान सामने आया है। माकन का कहना है कि ये कांग्रेस परिवार का मामला है और राजस्थान कांग्रेस के नेता इस मामले में सुलझाने में पूरी तरह सक्षम है। प्रदेश प्रभारी अजय माकन ने कहा कि राजस्थान का प्रदेश नेतृत्व और अन्य नेता एक दूसरे के संपर्क में हैं और राजस्थान कांग्रेस परिवार का मामला है,इसे राजस्थान कांग्रेस के नेता ही सुलझाने में सक्षम है। माकन के बयान से साफ है कि कि हेमाराम चौधरी के इस्तीफे और पायलट कैंप के नेताओं के असंतोष को लेकर आलाकमान कोई हस्तक्षेप नहीं करेगा। यह मामला राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट को मिल बैठ कर ही सुलझाना होगा।

ANCHOR | सितंबर में होंगे आईपीएल के बाकी मैच

UAE में 15 सितंबर से 15 अक्टूबर के बीच होंगे बचे हुए 31 मैच

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मुम्बई। आखिरकार आईपीएल के बचे हुए मैचों के लिए BCCI ने विंडो तलाश ली है। सूत्रों के मुताबिक बचे हुए मैच UAE में 15 सितंबर से 15 अक्टूबर के बीच कराए जाएंगे। पहले भी बोर्ड इन मैचों के लिए दो ऑप्शंस पर विचार कर रहा था। इनमें इंग्लैंड और UAE शामिल थे।

एक न्यूज पेपर ने सूत्रों के हवाले से बताया कि UAE में पहले भी IPL कराया जा चुका है और ऐसे में यहीं टूर्नामेंट के मौजूदा सीजन को पूरा करवाने का फैसला किया गया है। IPL 2021 सीजन को 29 मैच के बाद ही कोरोना की वजह से टालना पड़ा। 60 में से 31 मैच होने अभी बाकी हैं।

29 मई को बोर्ड कर सकता है तारीखों और जगह का ऐलान

टाइम्स ऑफ इंडिया ने सूत्रों के हवाले से बताया कि UAE में पहले भी IPL कराया जा चुका है और ऐसे में यहीं टूर्नामेंट के मौजूदा सीजन को पूरा करवाने का फैसला किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, BCCI 29 मई को IPL के नए वेन्यू और तारीखों का ऐलान कर सकता है। इस दिन बोर्ड की स्पेशल जनरल मीटिंग होनी है। सूत्रों के मुताबिक इंग्लैंड और भारत के बीच च में 4 अगस्त से 5 टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू होगी। दूसरे और तीसरे टेस्ट के बीच 9 दिन का गैप है। अगर इस गैप को कम करके 4 दिन तक ले आया जाता है, तो बोर्ड को IPL के मैच करवाने के लिए ज्यादा दिन मिल सकेंगे। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड से BCCI की इस पर चर्चा अभी चल रही है।

हेमांग अमीन की पहली पसंद UAE

BCCI के अंतरिम CEO हेमांग अमीन 29 मई को BCCI की होने वाली स्पेशल बैठक में IPL के बचे हुए मैच UAE और इंग्लैंड में कराए जाने का प्रस्ताव रखेंगे। उनकी पहली पसंद UAE ही है।

अमीन इन 3 वजहों से UAE के पक्ष में

पहली कम खर्चः IPL को UAE में कराने की पहली वजह ये है कि इंग्लैंड की तुलना में UAE में IPL कराने का खर्च कम पड़ेगा। इंग्लैंड में होटल, स्टेडियम आदि का खर्च UAE की तुलना में ज्यादा है। UAE में टीमें सड़क मार्ग से आसानी से स्टेडियम तक पहुंच सकती हैं। इंग्लैंड में ट्रैवल का खर्च बढ़ जाएगा। ज्यादा ट्रैवल से कोरोना के संक्रमण का खतरा भी ज्यादा रहेगा।

दूसरी मौसम यूके में IPL के बचे हुए मैच नहीं कराने की दूसरी वजहः सितंबर में इंग्लैंड का अनिश्चित मौसम भी है। वहां बारिश के कारण कई मैच रद्द करने पड़ सकते हैं। जबकि UAE में सितंबर में ठंड का मौसम रहेगा। जो खिलाड़ियों और स्टाफ के लिए बेहतर रहेगा।

तीसरी UAE में आयोजन का अनुभवः IPL के शेष मैचों के लिए UAE के पहली पसंद होने की तीसरी वजह वहां पर टूर्नामेंट कराने का पहले का अनुभव है। IPLका पिछला सीजन UAE में ही कराया गया था। ऐसे में वहां पर आने वाली चुनौतियों के बारे में जानकारी है। जबकि इंग्लैंड में अब तक कभी भी IPLके मैच नहीं हुए हैं। ऐसे में वहां की चुनौतियों के बारे में पता नहीं है। वहीं कोरोना की वजह से अलग- अलग शहरों के प्रोटोकॉल और वहां लगे प्रतिबंधों की जानकारी नहीं है। जबकि UAE में कोरोना के बीच IPLहोने की वजह से प्रोटोकॉल और तीनों शहरों में लगाए गए प्रतिबंध की जानकारी है। ऐसे में यहां पर मैनेज करने में ज्यादा दिक्कत नहीं आएगी।

कब-कब UAE में हुआ IPL?

अगर IPL के बाकी मैच UAE में हुए, तो यह तीसरी बार होगा, जब अरब दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट लीग को होस्ट करेगा। इससे पहले 2014 में भारत में लोक सभा चुनावों के दौरान लीग के पहले 20 मैच होस्ट किए थे। वहीं, कोरोना की वजह से 2020 सीजन UAE में ही कराया गया। पिछले सीजन में दुबई, अबू धाबी और शारजाह समेत 3 स्टेडियम में 60 मैच कराए गए थे। इससे UAE को अच्छा रेवेन्यू भी जनरेट हुआ था। BCCI ने पिछले साल अरब क्रिकेट बोर्ड को IPL की मेजबानी के बदले 98.5 करोड़ रुपए भी दिए थे। ऐसे में 31 मैच की मेजबानी उनके लिए कोई बड़ी बात नहीं है।

अगले महीने PSL भी होस्ट करेगा UAE

पाकिस्तान सुपर लीग का छठा सीजन 20 फरवरी से शुरू हुआ था। पर 6 खिलाड़ियों समेत एक सपोर्ट स्टाफ के कोरोना संक्रमित होने के बाद इसे 4 मार्च को रोक दिया गया था। तब लीग में सिर्फ 14 मैच ही हुए थे। पाकिस्तान की तैयारी थी कि बाकी के मैच 1 जून से पाकिस्तान में कराए जाएं, लेकिन कोरोना की दूसरी लहर की वजह से इसे भी टाल दिया गया। अब बाकी बचे हुए 20 मैच 5 जून से UAE में खेले जाएंगे। PCB और संयुक्त अरब अमीरात क्रिकेट बोर्ड के बीच करार भी हुआ है। PSL की टीम कराची किंग्स के मालिक सलमान इकबाल ने बताया कि सभी खिलाड़ियों, स्टाफ, अधिकारियों और ब्रॉडकास्ट के अधिकारियों को अबू धाबी में 10 दिन तक क्वारैंटाइन रहना पड़ेगा। इस दौरान नियमित रूप से खिलाड़ियों सहित सभी लोगों की कोरोना की जांच होगी।

कोरोना की वजह से IPL 2021 को बीच सेशन में रोका गया

वहीं, IPL 2021 के मिड सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद के ऋद्धिमान साहा, दिल्ली कैपिटल्स के अमित मिश्रा, KKR के संदीप वॉरियर और वरुण चक्रवर्ती, CSK के बॉलिंग कोच एल बालाजी और बैटिंग कोच माइकल हसी कोरोना संक्रमित पाए गए थे। इसके बाद BCCI और IPL प्रशासन के पास लीग को बीच सेशन में रोकने के अलावा और कोई रास्ता नहीं बचा था।

टूर्नामेंट रद्द होने पर होगा 2500 करोड़ रु. का नुकसान

BCCI अध्यक्ष सौरव गांगुली ने 15 दिन पहले टेलीग्राफ को दिए इंटरव्यू में कहा था कि वे टूर्नामेंट को लेकर जल्दबाजी नहीं कर रहे। धीरे-धीरे इस पर फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि IPL इस साल नहीं कराया जा सका, तो BCCI को इससे 2500 करोड़ रुपए तक का नुकसान होगा।

जागरूक खबरें

संजीवनी भरा काम कर रहा है राजस्थान फाउण्डेशन

कोरोना आपदा से निपटने के लिए अमेरिका इंडिया फाउंडेशन-ग्लोबल संस्थाओं से पहुंचा रहा है मदद

जयपुर @ जागरूक जनता। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस की दूसरी लहर बड़ी संख्या में लोगों को संक्रमित कर रही है। ऐसे में राजस्थान सरकार द्वारा स्थापित अनिवासी राजस्थानी समुदाय और उनके मूल राज्य के बीच बंधन को मजबूत करने की दिशा में महान काम करने वाला राजस्थान फाउण्डेशन भी कोविड-19 महामारी के बीच कोरोना मरीजों के उपचार के लिए संजीवनी का काम कर रहा है। फाउण्डेशन के कमिश्नर धीरज श्रीवास्तव ने बताया कि सीएम अशोक गहलोत के निर्देश पर देश के विभिन्न राज्यों में मदद पहुंचाने का काम करने वाली अमेरिका इंडिया फाउण्डेशन, स्वस्थ एसीटी व अन्य ग्लोबल संस्थाएं द्वारा महत्वपूर्ण स्थानों पर प्रवासी राजस्थानी और उनके माध्यम से इन ग्लोबल ऑर्गेनाइजेशन द्वारा एकत्रित की जा रही मदद में से राज्य का शेयर सुनिश्चित करने के लिए फाण्डडेशन और प्रवासी राजस्थानी मिलकर काम कर हैं। जिसके फलस्वरूप अमेरिका इंडिया फाउण्डेशन से 6000 सिंगल यूज वेंटीलेटर, पीएसए प्लांट, 150 कंसंट्रेटर्स, 2500 कंसंट्रेटर्स, स्वस्थ एसीटी द्वारा 1350 जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा लिए गए निर्णय कि राज्य के गांव-गांव, ढाणी-ढाणी तक हेल्थ केयर सिस्टम को मजबूत किया जाएगा, उसी कड़ी में कंसंट्रेटर्स आ रहे है और सीधा सीएचसी, पीएचसी पर ही पहुंचाए जा रहे हैं। साथ ही राज्य के 33 जिलों के निचले से निचले स्तर पर दूरदराज के क्षेत्रों में जहां झालावाड़ से लेकर अलवर, धौलपुर से लेकर बाड़मेर तक चारों दिशाओं में गांव-गांव तक पहुंच चुके हैं और आने वाले समय में ये सिलसिला लगातार जारी रहेगा। श्रीवास्तव ने बताया कि मिडिल इस्ट के प्रवासी बड़ी संख्या में इस आपदा में मदद के लिए सामने आए हैं और उनके माध्यम से नाथद्वारा टेम्पल बोर्ड ने भी सहयोग प्रदान किया है और 325 कंसंट्रेटर दिल्ली पहुंच चुके है। जहां-जहां सरकार को जरुरत होगी वहां तय करके भेज दिए जाएंगे। श्रीवास्तव ने बताया कि प्रवासी राजस्थानियों की मदद से फाउण्डेशन ने दुबई से 1325 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स मंगवाकर राज्य के जिलों में भेजे गए है और 1000 अभी आने शेष हैं और आते ही वे भी जरुरत के मुताबिक जिलों में भेज दिए जाएंगे। साथ ही दुबई से ही ऑक्सीजन टैंकर, सिंगल यूज वेंटीलेटर्स और मॉनिटर भी मंगवाए है। प्रदेश के जिलों में कोर्डिनेट करके और जहां-जहां भी इनकी जरुरत होगी वहां राज्य के जिलों की पीएचसी, सीएचसी, अस्पतालों में उपलब्ध कराए जाएंगे। ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स, ऑक्सीजन टैंकर के पहुंच जाने से मरीजों के लिए यह एक संजीवनीभरा काम होगा। श्रीवास्तव के अनुसार प्रवासी राजस्थानी जो देश के बाहर रहते हैं लेकिन राजस्थान उनके दिलों और भावनाओं में हमेशा बना रहता है, राजस्थान के प्रति उनके गहरे लगाव ने जमीन और उसके लोगों के बीच के बंधन को आज भी मजबूत कर रखा है। श्रीवास्तव ने बताया कि फाउण्डेशन पहले भी बीते वर्ष-2020 कोरोना आपदा में प्रवासी राजस्थानियों को उनके घर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुका है। न केवल देश बल्कि विदेशों में भी फंसे प्रवासी राजस्थानियों को उनके गृहजिलों और घरों तक पहुंचाया गया।

भीम आर्मी द्वारा एम्बुलेन्स चालकों का किया अभिनन्दन, मास्क एन-95, सफेद दुप्पटा, सेनेटाईजर का भी वितरण किया

चित्तौडगढ़ @ जागरूक जनता। चित्तौडगढ़ भीम आर्मी जिला संयोजक राकेश खटीक ने बताया कि स्थानीय एम्बुलेन्स चालक जो इस कोरोना महामारी में कोरोना शव को उनके परिजनों तक पहुचाते है। उनका इस परिस्थिति मे यह बहुत ही सराहनीय कार्य है। उनको कोरोना शव को जा कि विषम परिस्थितियों उनके रिश्तेदार तक पास में नहीं आते है उनको उठाना व उनके घर तक ले जाना नि:सन्देह अच्छा कार्य हैं। हम भीम आर्मी चित्तौगढ़ की तरफ से उनका सम्मान व अभिनन्दन करते है साथ ही मास्क एन-95, सफेद दुप्पटा, सेनेटाईजर का भी वितरण किया। इसमें राहुल खटीक, सद्दाम, लोकेश खटीक का भी सहयोग रहा। एम्बुलेन्स चालक अरविन्द कुमार चैबे, मथुरागिरी गोस्वामी, राजेश हरिजन, कैलाश प्रजापत, राजु नाथ, राजु जटिया, पवनपुरी, मिटठु गुर्जर, भैरू गुर्जर, मनीष गोयल आदि एम्बुलेन्स चालक व भीम आर्मी कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

डाकघरों में मार्च की तुलना में अप्रैल में 23 हजार स्पीड पोस्ट कम

जयपुर @ जागरूक जनता। लॉकडाउन के चलते जयपुर के डाकघरों में मार्च की बजाय अप्रैल में लोगों ने स्पीड पोस्ट की बुकिंग कम कराई है। मार्च की तुलना में अप्रैल में 23 हजार 76 स्पीड पोस्ट कम बुक हुए। मार्च में 1 लाख 39 हजार 36 स्पीड पोस्ट बुक हुए थे, वहीं अप्रैल में 1 लाख 15 हजार 960 बुक हुए है। इसके चलते पोस्ट ऑफिस को पिछले माह की बजाय अप्रैल में 13 लाख रुपए का राजस्व नुकसान हुआ है। हालांकि इस दौरान इंटरनेशनल स्पीड पोस्ट बुकिंग पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ा है। इनकी मार्च से अप्रैल में 6 ही बुकिंग कम रही है, लेकिन मार्च से अमाउंट ज्यादा मिला है। अप्रैल में बीपीसी सेंटर पर स्पीड पोस्ट कम बुक हुए हैं। जयपुर नगर मंडल प्रवर अधीक्षक प्रियंका गुप्ता का कहना है कि लॉकडाउन की वजह से स्पीड पोस्ट बुकिंग कम हुई है, वहीं इंटरनेशनल में खास कमी नहीं हुई, बल्कि मार्च से ज्यादा अमाउंट जमा हुआ है।

ऑनलाइन 'साहित्यिक प्रतियोगिता' आयोजित

लुधियाना @ जागरूक जनता। पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह द्वारा बेटियों के सम्मान में राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन 'साहित्यिक प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। जिसका विषय - घर की शोभा 'बेटी' रखा गया। इस प्रतियोगिता में देशभर के रचनाकारों ने भाग लिया तथा दिए गए विषय पर एक से बढ़कर एक उत्कृष्ट रचनाएं प्रस्तुत कर बेटियों के प्रति अपने स्नेह और सम्मान को प्रकट किया। इस प्रतियोगिता में विशेष रूप से सहयोग हेतु नीता शेखर (रांची, झारखंड) का चयन किया गया था। जिन्होंने अपने विशेष सहयोग से ऑनलाइन 'साहित्यिक प्रतियोगिता' को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। समूह के निर्णायकों द्वारा रचनाओं की उत्कृष्टता और रचनाकारों द्वारा रचनाओं में प्रस्तुत की गई बेटियों के प्रति स्नेह और सम्मान की भावनाओं के आधार पर विशिष्ट सहयोगी नीता शेखर सहित मधुश्री, ज्योति चंद्रा 'ज्योत्सना', सुखमिला अग्रवाल 'भूमिजा', अनुपमा तोषनीवाल, नवीन जोशी 'नवल' को "पुनीत सर्वश्रेष्ठ रचनाकार" सम्मान देकर सम्मानित किया गया। तथा अन्य प्रतिभागी रचनाकारों को "पुनीत श्रेष्ठ रचनाकार" सम्मान देकर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में अपनी रचना प्रस्तुत कर प्रतियोगिता का स्तर ऊंचा उठाने वाले रचनाकारों में प्रमुख नाम नीता शेखर, मधुश्री, ज्योति चंद्रा 'ज्योत्सना', सुखमिला अग्रवाल 'भूमिजा', अनुपमा तोषनीवाल, नवीन जोशी 'नवल', मीता लुनिवाल, रामभरोस टोण्डे, डॉ. ऋतु नागर, पुष्पा कर्ण, सावित्री मिश्रा, अल्पा मेहता, दीप्ति ल. शर्मा, शालिनी नागर, कौशिल्या खुराना, क्षमा द्विवेदी रचनाकारों के रहे। इस अवसर पर समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष पुनीत कुमार ने? सभी प्रतिभागी रचनाकारों को बधाई तथा शुभकामनाएं दी और कहा कि पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह इसी तरह आगे भी ऑनलाइन 'साहित्यिक प्रतियोगिताओं तथा महोत्सवों' के माध्यम से रचनाकारों को अपनी साहित्यिक प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करता रहेगा तथा नए रचनाकारों को साहित्यिक मंच उपलब्ध करवा के साहित्य के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता रहेगा।

संक्रमण काल में योग से सुरक्षित रहने का गुर सिखा रहा आरएसएस

वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कोरोना महामारी के संकट में आमजन की इम्यूनिटी बढ़ाने के उद्देश्य से योग अपनाओ-कोरोना भगाओ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जयपुर प्रांत की ओर से सप्ताह भर तक चलने वाले इस वर्चुअल कार्यक्रम का समापन 31 मई को होगा। कार्यक्रम के पहले दिन आज योग और परामर्श से जुड़े योग विशेषज्ञों ने योग के कई आसन बताये। वहीं आयुर्वेद एवं विभिन्न वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति के योग्य चिकित्सकों ने भी इस संक्रमण काल में सुरक्षित रहने को लेकर परामर्श दिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जयपुर प्रांत के प्रांत प्रचारक डॉ. शैलेन्द्र ने बताया कि एक सप्ताह के इस व्यापक अभियान के तहत प्रतिदिन सुबह 6.30 और शाम 4 बजे ऑनलाइन योग कक्षा के माध्यम से घर-घर में योगाभ्यास करवाया जा रहा है। ऑनलाइन योग शिविर का प्रसारण प्रतिदिन सुबह और शाम वीएसके जयपुर के यूट्यूब चैनल और विश्व संवाद केन्द्र, जयपुर के फेसबुक पेज पर किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान व्यक्तिगत सलाह भी ली जा सकती है। जानकारी के अनुसार कोरोना महामारी के कारण उत्पन्न समस्याओं के समाधान के लिए जयपुर व आस-पास के 10 जिलों में योग संस्थान प्रमुख ऑनलाइन योग की कक्षा के माध्यम से आमजन को निरोगी रहने के गुर सिखा रहे हैं। वर्चुअल तौर पर योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का निर्णय बीते दिनों जयपुर व आस-पास के 10 जिलों के योग संस्थान प्रमुखों व योग शिक्षकों की एक बैठक में लिया गया था।

ये संस्थाएं शामिल

अभियान में पतंजलि योग समिति, गायत्री परिवार, ब्रह्माकुमारी संस्थान, गुरुकुल योग संस्थान, क्रीड़ा भारती, प्रेक्षा वाहिनी, योग स्थली, राजस्थान विश्वविद्यालय का योग विभाग, संस्कृत विश्वविद्यालय, शास्त्री नगर योग भवन, योग संस्थान, योग संस्थान बापूनगर, योग संस्थान खेतड़ी, आश्रम, विवेकानंद केंद्र, विवेकानंद योग शिक्षक संघ, आरोग्य भारती, दुर्गापुरा गौशाला, योग साधना समेत कई संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

आरटीयू ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिया एक करोड़ रूपये का अनुदान

आरटीयू सामाजिक दायित्वों में सदैव तत्पर-प्रो. गुप्ता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/कोटा। वैश्विक महामारी कोविड-19 की दूसरी खतरनाक संक्रमण की तेज रफ्तार को देखते हुए इसके प्रभावी नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु राजस्थान तकनीकी विश्विद्यालय कोटा द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे है। इन्हीं प्रयासों की श्रृंखला में राज्य के तकनीकी शिक्षा मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग के निर्देशन में राजस्थान तकनीकी विश्विद्यालय कोटा के कुलपति प्रो. आर.ए. गुप्ता द्वारा सोशल रेस्पोंसिबिलिटी सेल के प्रस्तावानुसार सामाजिक सेवाओं में अग्रणी भूमिका निभाते हुए राजस्थान सरकार को महामारी से लड़ने हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करने हेतु विश्विद्यालय की वित्त समिति द्वारा एक करोड़ रूपये का अनुदान मुख्यमंत्री राहत कोष में दिये जाने का निर्णय लिया गया। जिसके अनुरूप एक करोड़ राशि का ड्राफ्ट/चैक तैयार कर राज्य के तकनीकी शिक्षा मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग को मुख्यमंत्री सहायता कोष में जमा करवाने हेतु विश्विद्यालय के डॉ. डी.के. पलवालिया डीन अकेडमिक अफेयर्स एवं डॉ. दीपक भाटिया असिस्टेंट प्रोफेसर द्वारा जयपुर स्थित उनके आवास पर सौंपा गया है। ज्ञातव्य है की राजस्थान तकनीकी विश्विद्यालय, कोटा दुवारा उक्त 1 करोड़ की सहयोग राशि अपने आतंरिक स्त्रोतों के माध्यम से प्रदान की गई है जिसका उपयोग इस महामारी की प्रभावी रोकथाम हेतु किया जाएगा। सम्पूर्ण प्रदेश में व्याप्त इस विकट परिस्थिति में कुलपति आर.ए. गुप्ता ने अपने सेवा प्रकल्पो में माध्यम से अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया हैं।

बीमार सात माह की बच्ची के ईलाज के लिए छाबड़ा ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सम्पूर्ण शराब बंदी आंदोलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा पूनम अंकुर छाबड़ा ने बीकानेर की सात माह की बच्ची नूर फातिमा के इलाज के लिए प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर बच्ची की जान बचाने का आग्रह किया है। बीकानेर के चूनगरान मोहल्ले की सात महीने की बच्ची नूर फातिमा को एसएमएन-1 नामक बीमारी है और इसके इलाज के लिए 16 करोड़ के ज़ोलगेन्स्मा इंजेक्शन की सख्त जरूरत है। अगर जल्द ही नूर फातिमा को यह इंजेक्शन नहीं लगता तो नूर की जान को खतरा भी हो सकता है, नूर फातिमा का आधा शरीर काम नहीं कर रहा है। समय पर दवा न मिलने से उसकी परेशानी बढ़ सकती है और नूर फातिमा के पिता जीशान अहमद मजदूरी का काम करते हैं, वह इतना पैसा नहीं कमा सकते कि नूर फातिमा के लिए 16 करोड़ रुपये का इंजेक्शन खरीद सकें। पूनम अंकुर छाबडा ने प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस बच्ची की जान बचाने के लिए इंजेक्शन की व्यवस्था करने में सहयोग का आग्रह किया है। पूनम अंकुर छाबड़ा लगातार अपने संगठन के माध्यम से नूर की मदद करवा रही है पूनम अंकुर छाबड़ा की अपील के बाद देश भर से समाज सेवी लोग नूर के पिता के एकाउंट में अपना सहयोग भेज रहे हैं।

कोरोना के बाद ब्लैक फंगस और अब व्हाइट फंगस ज्यादा घातक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। कोरोना से पूरा देश लड़ाई लड़ रहा है। लाखों लोग रोज संक्रमित हो रहे है। हजारों की जाने जा रही है। कोरोना की दूसरी लहर ने जो कहर बरपाया उसके ज़ख्म तो अभी हरे ही है जिन्हें भरने में सरकार लगी है। तीसरी लहर की आशंका ने प्रशासन और देश की नींद उड़ा रखी है। इसी बीच विभिन्न राज्यों में व्हाइट और ब्लैक फंगस के पैर पसारने की खबरें ख़ौफ़नाक हैं। कोरोना संक्रमित हुए रोगियों के आंकड़े और तस्वीरें देखकर दिल दहल जाता है। कई लोगों ने अपनों को खो दिया तो कई के सपने टूट गए। कईयों के परिवार उजड़ गए। हम कितने सुरक्षित हैं? हर पल मन बीमारी की आशंका से ग्रस्त रहता है। इसी बीच कई राज्यों से व्हाइट और ब्लैक फंगस के रोगियों की पुष्टि की खबरें झकझोर कर देती है।

क्या है ब्लैक फंगस?

मेडिकल साइंस में म्यूकोरमायकोसिस को ब्लैक फंगस कहते है जोकि एक दुर्लभ और खतरनाक फंगल इंफेक्शन है। ब्लैक फंगस संक्रमण वातावरण, मिट्टी जैसी जगहों में मौजूद म्यूकोरमिसेट्स नामक सूक्ष्म जीवों की चपेट में आने से होता है। इन सूक्ष्मजीवों के सांस द्वारा अंदर जाने या कॉन्टेक्ट में आने की आशंका रहती है। यह संक्रमण अक्सर शरीर में साइनस, फेफड़े, त्वचा और दिमाग पर हमला करता है। देश में 7 हजार से ज्यादा ब्लैक फंगस के केस मिल चुके हैं। जोकि एक नए खतरे की घण्टी है। महाराष्ट्र में सर्वाधिक 1500 केस दर्ज किए गए है। हर राज्य से ब्लैक फंगस के संक्रमितों के आंकड़े आने लगे हैं। अभी तक 250 से अधिक मरीज जान गंवा चुके है। इस विपदा पर प्रधानमंत्री ने चिंता जाहिर करते हुए आवश्यक तैयारी के लिए विभिन्न प्रांतीय सरकारों को सचेत किया है। हालांकि यू पी, गुजरात, राजस्थान, पंजाब, तेलंगाना, तमिलनाडु और चंडीगढ़ की राज्य सरकार ने इसे महामारी घोषित करते हुए इसके विरुद्ध कमर कस ली है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने भी सभी राज्यों को अलर्ट की गाइडलाइंस जारी करते कहा है कि ब्लैक फंगस से भी लड़ाई के लिए आवश्यक उपाय और काबू पाने के लिए प्रयास हों। विशेषज्ञों और डॉक्टरों ने जनता को सावधानी की चेतावनी देते हुए कहा है कि ब्लैक फंगस का असर चेहरे, नाक,आंखों और दिमाग पर पड़ता है।यह फेफड़ों में भी फैल सकता है। इससे आंखों की रोशनी जाने का खतरा भी हो सकता है। दरअसल ब्लैक फंगस भी उन्हीं लोगों पर अटैक कर पाता है जिनकी इम्युनिटी कमजोर होती है। मधुमेह के रोगी स्टेरॉइडस का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए उनकी रोग- प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। अतः वे रोगी ब्लैक फंगस के शिकार होने की सम्भावना ज्यादा है। बुखार, आंखों में दर्द, खांसी, छाती दर्द, मल में खून,चेहरे पर सूजन, पेट दर्द, उल्टी होना, छाले अथवा शरीर लाल होने के लक्षण दिखे तो बिना देरी किए चिकित्सक को दिखाएं। ब्लैक फंगस की भयावहता और बढ़ते मामलों पर दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से दवाओं की व्यवस्था पर सवाल पूछा और ब्लैक फंगस की दवा एम्फोटेरिसिन बी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कोरोना के साथ ब्लैक फंगस से युद्ध लड़ना सरकार के साथ मेडिकल टीम के लिए भी चुनौतीपूर्ण है। इस समय सरकार, प्रशासन और मेडिकल टीम के साथ प्रत्येक नागरिक को हिम्मत दिखानी होगी। स्वयं और परिवार का कोरोना वेक्सिनेशन करवाकर सरकार की गाइडलाइंस का पूर्णतया पालन करते हुए हमें अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। आजाद भारत में इस तरह की मेडिकल आपदा पहले कभी नहीं आई। जरूरी है कि हम आत्मबल बनाये रखकर आत्मानुशासन का परिचय दें। भारत जैसे घनी आबादी वाले देश में यह लड़ाई सरल नहीं है। सभी राजनीतिक दल और धार्मिक संगठन मजहब से ऊपर उठकर देश और मानवता बचाने के लिए एकजुटता दिखाने का संकल्प लें।

- भगवान प्रसाद गौड़, उदयपुर

दाल की कीमतों में हो रही वृद्धि को लेकर प्रशासन गम्भीर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। जिला रसद अधिकारी ने बताया कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार दाल के व्यवहारियों, डीलरों के पास उपलब्ध स्टॉक की घोषणा एवं कीमत वृद्धि के संबंध में आवश्यक पर्यवेक्षण करने के निर्देशों के अनुरूप जिले के अधिकारियों को कार्यवाही के निर्देश दिये गये है।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अनुसार दाल की कीमतों में हो रही वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए राजस्थान व्यापारिक वस्तु आदेश 1980 की अनुसूची द्वितीय में साबुत या दली हुई दालें यथा उड़द, मूंग, अरहर, मसूर, मोठ, लोबिआ, राजमा, चना, मटर और अन्य दालों को सम्मिलित किये जाने की अधिसूचना जारी की जा रही है। दाल के समस्त व्यवहारियों, मिलों, व्यापारियों, आयातकों और भण्डारग्रहों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये गये है। प्रत्येक व्यवहारी के द्वारा अनुज्ञापन अधिकारी से प्रमाणितशुदा स्टॉक रजिस्टर प्रतिदिन निर्धारित प्रपत्र में संधारित करना होगा। प्रत्येक व्यवहारी उसके गोदाम का पता एवं विवरण अपने स्टॉक रजिस्टर में स्वयं के स्तर से दर्ज करेगा और दर्ज स्थान के अतिरिक्त अन्य स्थान पर स्टॉक का भण्डारण नहीं किया जायेगा।

प्रत्येक माह में साप्ताहिक विवरणी निर्धारित प्रपत्र में संबंधित अनुज्ञापन अधिकारी डीएसओ, एसडीएम, तहसीलदार को सप्ताह समाप्ति के तीन दिवस में प्रस्तुत करनी होगी। जिले के व्यवहारियों के द्वारा प्रेषित साप्ताहिक विवरणी की समेकित सूचना प्रत्येक गुरूवार को मुख्यालय भेजेंगे। वर्तमान माह में 20 मई 2021 की शाम तक व्यवहारी के पास उपलब्ध दाल के स्टॉक की घोषणा निर्धारित प्रपत्रा में 21 मई तक करनी होगी। सभी प्रकार की दालों को मिलाकर पांच क्विंटल की मात्रा तक स्टॉक रखने वाले खुदरा विक्रेताओं को निर्देशों से मुक्त रखा गया है। इस संबंध में जिला रसद अधिकारी विनय कुमार शर्मा ने बताया कि 20 मई 2021 के स्टॉक की समेकित सूचना और व्यवहारियों यथा मिलों, व्यापारियों, आयातकों, बड़े खुदरा विक्रेताओं और भण्डारग्रहों की संख्या को निर्धारित प्रपत्र में 24 मई तक मुख्यालय को सूचना भेजेंगे। जिले में दालों की खुदरा एवं थोक दरों का पर्यवेक्षण करते हुए साप्ताहिक सूचना राज्य स्तर पर प्रत्येक सोमवार को प्रेषित करनी होगी। व्यवहारियों का स्टॉक सत्यापन के लिये प्रर्वतक स्टॉफ से औचक निरीक्षण करवाया जाये। स्टॉक रजिस्टर में दर्ज दाल की मात्रा और भौतिक रूप से उपलब्ध मात्रा में अन्तर पाये जाने पर दोषियों के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 में कार्यवाही की जाये।

राज्य स्तरीय वर्चुअल मीटिंग आयोजित

शिक्षक राष्ट्र निर्माता है तो मीडिया लोकतंत्र का प्रहरी-रेसटा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार की एडवाइजरी का पालन करते हुए शिक्षक संघ एलीमेंट्री सैकेंडरी टीचर एसोसिएशन रेसटा की राज्य स्तरीय वर्चुअल मीटिंग आयोजित हुई। संघ के प्रदेशाध्यक्ष सलावद ने बताया कि मीटिंग में मुख्य आतिथि इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक कमलेश मीना और विशिष्ट अतिथि सहायक निदेशक करौली गोविंद प्रसाद शर्मा थे। इग्नू के सहायक निदेशक कमलेश मीणा ने कहा कि राष्ट निर्माण की प्रक्रिया के लिए एक सशक्त, शिक्षित और योग्य छात्र बनाने की क्षमता केवल शिक्षकों में है। उन्होंने इग्नू और देश में मुक्त व दूरस्थ शिक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सहायक निदेशक गोविंद प्रसाद शर्मा ने वर्तमान में शिक्षकों की भूमिका के बारे में बताया। प्रदेश महामंत्री ऋषि पाकड़ और कोषाध्यक्ष श्यामसुंदर विश्नोई ने बताया कि मीटिंग में संगठन को मजबूत बनाने व शिक्षकों की समस्याओं पर विचार.विमर्श करने के साथ ही संघ हित में कई प्रस्ताव भी लिए गए। प्रदेश सचिव मंसाराम खिजुरी, प्रतिनिधि राजन नारेड़ा ने बताया कि मीटिंग में चूरू से संतोष बारूपाल और झुंझुनूं से ज्योत्सना मीना को प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल करने का प्रस्ताव को मंजूरी मिली। महिला सह प्रभारी भावना मक्कड़ ने संगठन में महिलाओं की भागीदारी पर अपने विचार रखें। प्रदेश प्रवक्ता धर्मेन्द्र कुमार धर्मी ने मीटिंग का संचालन किया।

ANCHOR | विचार

तनाव व दुःख का सबसे बड़ा कारण क्या हैं?

जागरूक जनता
jagrukjanta.in
विचार
अभिलाष मोदी

तनाव व दुःख और इसके होने के कारणों को समझने के लिए हमें एक सवाल खुद से पूछना होगा, पिछले कुछ सालों में इन्सान के मन में तनाव व दुःख ने अपनी जगह ज्यादा बनाई हैं या कम?

...और बिना किसी दूसरी सोच के हम सबका सीधा जवाब होगा की बेशक हम लोगों ने तरक्की के नाम पर बड़े मकान बना लिए हैं, ए.सी. वाली कारें ले ली हैं, शादियों में खर्च होने वाला बजट कई गुना बढ़ा दिया हैं, स्कूल और कॉलेज में पढने वाले विद्यार्थियों की संख्या भी बहुत बढ़ गयी हैं पर इन सब मशक्कतों के बावजूद भी पिछले कुछ सालों में हमारा विश्वास इस बात पर नहीं बढ़ पाया हैं की हम पिछली पीढ़ियों से ज्यादा खुश रह सकते हैं। बल्कि इसके विपरीत हम धीरे-धीरे इस बात को मानने लगे हैं की तनाव और दुःख जीवन का हिस्सा हैं और इसे जीवन से नहीं हटाया जा सकता। यही कारण हैं की पिछले कुछ सालों में परेशान होकर शराब पीने की आदत पड़ जाना, जॉब से ऊब जाने पर कुछ दिनों के लिए घुमने चले जाना, और हमेशा एक बैचेनी और चिडचिडेपन में बने रहना आम हो गया हैं। और इससे भी बुरा यह हैं की हमने इसे अपने जीवन का हिस्सा मान लिया हैं और हम ज्यादा पैसे कमाकर, सुन्दर दिखकर, अपनी डिग्री या नौकरी का अहम् पालकर, खुद को किसी भी तरीके से मनोरंजन देकर इस तनाव को कम करने की असफल कोशिश करते रहते हैं। कुछ समय के लिए भले हम कोई कॉमेडी शो देखकर, पार्टी करके, कुछ चीज़े खरीदकर इस ग़लतफ़हमी में रह भी जाए की हमारा दुःख या तनाव कम हो गया हैं पर क्या इन अस्थाई चीजों में वो ताकत हैं की वो हमें स्थाई ख़ुशी और प्रसन्नता दे पायें? *इसका सीधा जवाब हैं, नहीं।*

जब आप इस बात को गहराई को समझेंगे तो आप इन सब अस्थाई चीजों से थोड़े समय के लिए ख़ुशी पाने की बजाए यह जानने की कोशिश करेंगे की मैं किस तरीके से हमेशा एक ख़ुशी, एक आनंद, एक प्रसन्नता को अनुभव कर सकता हूँ जो रोजमर्रा की परिस्थियों और लोगों के द्वारा निर्धारित ना होकर मेरे द्वारा निश्चित हो। शरीर की आँखों से देखकर शायद आप कुछ ना समझ पाए पर समझ की आखों से देखने के बाद आप जान पाएँगे की दुनिया का हर इन्सान सिर्फ एक ही चीज़ से हमेशा ख़ुशी का अनुभव कर सकता हैं और वो हैं उसकी उपयोगिता। हो सकता हैं यह पढने में साधारण सा कोई वाक्य लगे पर इसे कुछ समय तक खुद में, अपने आस-पास वालों में और दुनिया के किसी भी इन्सान में जांचने के बाद आप जान पाएँगे की एक इंसान सिर्फ खुद की उपयोगिता जानना चाहता हैं, वो सिर्फ यही जानना चाहता हैं की मैं यहाँ क्यों हूँ ? जरा सोचिए, जब हम घर में किसी भी छोटी से छोटी चीज़ को भी लाते हैं और हमें वो किस काम आएगी यह पता नहीं होता तो हमारा पहला सवाल यही होता हैं की यह किस काम आएगी। जरा सोचिए, अगर उसे लाने वाला इन्सान को आप पूछे की इसे आप क्यों लाये और वो कहें की ऐसे ही, सब ले रहे थे तो मैंने भी ले ली या उनका जवाब हो अब आ गयी हैं तो आ गयी हैं ज्यादा सवाल मत पूछो। आप हो सकता हैं किसी सम्मान या डर के चलते ना पूछे पर आपको ऐसा जरूर लगेगा की पैसे बेवजह बर्बाद हो गए। आप अगर एक बार अपने घर में देखे तो आप जान पायेंगे की आपको आपके घर में शायद ही कोई ऐसी चीज़ मिले जिसका कोई काम ना हो; जो किसी काम में ना आती हो। पर जब आपकी नजर खुद पर जाएगी तो आपको हो सकता हैं यह लगे की मुझे टेबल, कुर्सी, मोबाइल, बाल्टी, सोफे सबकी उपयोगिता पता हैं पर मेरी उपयोगिता क्या हैं ? क्या मैं इस दुनिया में सोने, खाने-पीने, किसी को अमिर किसी को गरीब बताने, कार चलाने, खाना बनाने, फेसबुक चलाने के लिए ही हूँ ?

आप खुद से यह सवाल पूछना चाहे या ना चाहे पर आपका मन आपकी जिन्दगी से यह सवाल हर रोज पूछता हैं और जब उसे सही जवाब नहीं मिलता तो वो परेशान होने लगता हैं और यही परेशानी धीरे-धीरे तनाव बन जाती हैं और हम इसे समझ नहीं पाते और ऐसी चीजों (सोने, खाने-पीने, किसी को अमिर किसी को गरीब बताने, कार चलाने, खाना बनाने, फेसबुक चलाने) को अपनी जिन्दगी में बढाकर इस तनाव को दूर करने की कोशिशें करते रहते हैं, जिससे तनाव कम नहीं होता बल्कि और बढ जाता हैं। इसी के फलस्वरूप हम धीरे-धीरे एक ऐसी जिन्दगी जीने लगते हैं जिससे तनाव बढते-बढते पहले निराशा और फिर अवसाद तक बन जाता हैं। अगर आप सच मैं खुश रहना चाहते हैं तो अपनी उपयोगिता पहचाने, यह आप पर हैं की आप की जिन्दगी किसी की फोटो पर एक लाइक और एक कमेंट करके उसे व खुद को खुश करने की असफल कोशिश करने में बीत रही हैं या आप खुद किसी ऐसी स्थति में अपने आप को लाने की कोशिश कर रहे हैं जहाँ आप हमेशा खुद का सदुपयोग कर पाए। हमेशा याद रखे सदुपयोग ही सुख हैं और दुरूपयोग ही दुःख हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता की आप कितने अमीर हैं या गरीब, आप किस देश, किस जाति, किस धर्म के हैं। जब तक आप खुद का, खुद के वक्त का, खुद की समझ का, खुद के दिमाग का, इस दुनिया से मिली चीजों का और इस बेहतरीन जिन्दगी का दुरूपयोग करके रहेंगे आप के जीवन में तनाव बना रहेगा।

हमारे परिवार की आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारा उपहार यह नहीं होना चाहिए की हम उनके लिए चन्द जमीन के टुकड़े छोड़ जाए क्योंकि ऐसा करके हम उन्हें खुद की उपयोगिता, खुद का सदुपयोग जानने के एक मौके से और दूर कर देंगे। अगर हम सच में अपने आप से और अपनों से सच्चा प्यार करते हैं तो हमारी सारी मेहनत खुद की उपयोगिता व खुद के सदुपयोग को जानने में होनी चाहिए वरना हम जिन लोगों ने खुद की उपयोगिता जानकर, खुद के समय का सदुपयोग करके जो चीज़े बनाई हैं उन्ही चीजों से खुद के वक्त का दुरूपयोग करके जिन्दगी निकालते रहेंगे और इसे ही जिन्दगी कहने लग जाएंगे। आइये कुछ अस्थाई चीजों से अस्थाई सुख पाने की असफल कोशिश करने की बजाए अपनी जिन्दगी खुद को व खुद की उपयोगिता को जानने में लगाए, वो दिन दूर नहीं जब तनाव आपको छु तक नहीं पाएगा क्योंकि तब आप अपनी जिन्दगी का सही रूप में सदुपयोग कर रहे होंगे।

जागरूक खबरें

खरीफ के लिए बीज की आपूर्ति शुरू

तिलहन के 90 हजार एवं दलहन के 2.45 लाख मिनी किट किसानों को बंटेंगे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य में खरीफ सीजन के लिए जिलावार तिलहन एवं दलहन फसलों के मिनी बीज किट आवंटित कर आपूर्ति शुरू कर दी है। इस साल तिलहन के 90 हजार 500 तथा दलहन के 2 लाख 45 हजार 650 मिनी बीज किट किसानों को बांटे जाएंगे। कृषि मंत्री लालचन्द कटारिया ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (तिलहन एवं दलहन) के तहत राज्य में मूंग के 2 लाख 6 हजार 900, सोयाबीन के 82 हजार 500, अरहर के 20 हजार, उड़द के 18 हजार 750 एवं मूंगफली के 8 हजार मिनी किट लघु एवं सीमांत किसानों को वितरित किए जाएंगे। इसके लिए जिलावार मांग अनुसार आवंटन कर आपूर्ति करना प्रारम्भ कर दिया गया है। सम्बंधित एजेंसियों को आगामी 15 जून तक आवंटित सभी मिनी किट्स की आपूर्ति पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रति मिनी किट में सोयाबीन का 8 किलो, मूंगफली का 20 किलो तथा अरहर, उड़द एवं मूंग का 4-4 किलो बीज उपलब्ध कराया जा रहा है।

कटारिया ने जिलावार आवंटन की जानकारी देते हुए बताया कि सोयाबीन के बूंदी जिले को 49 हजार 200, उदयपुर को 20 हजार 500, भीलवाड़ा को 6 हजार 300, सवाई माधोपुर को 6 हजार तथा टोंक एवं राजसमन्द जिले को 250-250 मिनी बीज किट आवंटित किए गए हैं। इसी प्रकार मूंगफली के बीकानेर को 2 हजार 800, जोधपुर को 2 हजार 50, चुरू को 1 हजार 100, बाड़मेर को 700, जयपुर को 500, जैसलमेर को 450 एवं सीकर को 400 मिनी बीज किट आवंटित किए गए हैं। कृषि मंत्री ने बताया कि मूंग के अजमेर को 12 हजार, अलवर को 1 हजार 800, बांसवाड़ा को 3 हजार 900, बारां को 11 हजार, बाड़मेर को 8 हजार 800, भरतपुर, प्रतापगढ़ एव राजसमन्द को 2-2 हजार, भीलवाड़ा को 21 हजार, बीकानेर को 12 हजार 700, बूंदी को 27 हजार 500, चित्तौड़गढ़ एवं सिरोही को 2800-2800, चुरू को 17 हजार, दौसा को 1 हजार 300, झालावाड़, उदयपुर, धौलपुर, डूंगरपुर एवं कोटा को 500-500, झुंझुनूं को 11 हजार 400, जोधपुर को 10 हजार, करौली को 2 हजार 500, नागौर को 18 हजार, पाली को 8 हजार, सवाई माधोपुर को 1 हजार, गंगानगर को 2 हजार 400, हनुमानगढ़ को 1 हजार 200, जयपुर को 6 हजार, जैसलमेर को 1 हजार 500, जालोर को 4 हजार 500, टोंक को 800 एवं सीकर को 8 हजार 500 मिनी बीज किट आवंटित किए गए हैं।

कटारिया ने बताया कि उड़द का भीलवाड़ा को 3 हजार 300, बूंदी को 3 हजार, टोंक को 2 हजार, बारां को 1 हजार 800, कोटा को 1 हजार 750, अजमेर को 1 हजार 500, सवाई माधोपुर को 1 हजार 250, झालावाड़ को 1 हजार 50, जयपुर, अलवर एवं डूंगरपुर को 500-500, बांसवाड़ा एवं चित्तौड़गढ़ को 300 तथा पाली, प्रतापगढ़, राजसमन्द, सिरोही एवं उदयपुर जिले को 200-200 मिनी बीज किट का आवंटन किया गया है। उन्होंने बताया कि अरहर के बांसवाड़ा को 8 हजार 700, उदयपुर को 4 हजार, डूंगरपुर को 2 हजार 300, अलवर को 600, गंगानगर एवं हनुमानगढ़ को 545-545, धौलपुर को 500, प्रतापगढ़ को 435, अजमेर को 400, चित्तौड़गढ़ को 375, झालावाड़ को 350, करौली 300, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर एवं जोधपुर को 200-200 तथा कोटा जिले को 150 मिनी बीज किट आवंटित किए गए हैं।

शक्ति फ़िल्म प्रोडक्शन एवं शक्ति हेल्पिंग हैंड द्वारा जरूरतमंदों को राशन वितरण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शक्ति फ़िल्म प्रोडक्शन एवं शक्ति हेल्पिंग हैंड द्वारा जयपुर में जरूरतमंद परिवारों को राशन का वितरण किया गया। अंबालिका ने बताया की जरूरतमंदों की सहायता करने की ये छोटी सी कोशिश है और शक्ति हेल्पिंग हैंड भविष्य में भी इस तरह के कार्य करना जारी रखेगा। कोरोना की गाइड लाइंस को ध्यान में रखते हुए राशन किट जरुरतमंद लोगों के घर जाकर ही वितरित किए गए। इस नेक कार्य में सभी सहयोगीयों का हार्दिक आभार। कोरोनाकाल मे ना जाने कितने परिवारों को अपने घर खाने तक की विकराल समस्या का सामना करना पड़ता है। ऐसे मे शक्ति फ़िल्म प्रोडक्शन ने ज़रूरत मंद परिवारों को राशन देने की व उनकी मदद करने की ज़िम्मेदारी उठायी है। शक्ति फ़िल्म प्रोडक्शन की फाउंडर अंबालिका शास्त्री का मानना है कि दिल से किसी की मदद करना चाहो तो ईश्वर रास्ते जरूर खोलता है। उम्र भर कमाया पैसा खत्म हो सकता है, लेकिन जो दुआए सेवा करने से मिलेगी वो कभी खत्म नहीं हो सकती। अंबालिका शास्त्री ने अपील की है आओ मदद के इस अभियान का हिस्सा बनें, आपकी छोटी सी मदद किसी जरूरतमंद भूखे को रोटी दे सकती है। स्वस्थ रहें, सुरक्षित रहें और घर पर ही रहें। बस कुछ दिनों की बात है, सब कुछ सामान्य हो जाएगा।

जैन टेलेंट कॉम्पटीशन ऑनलाइन आयोजित

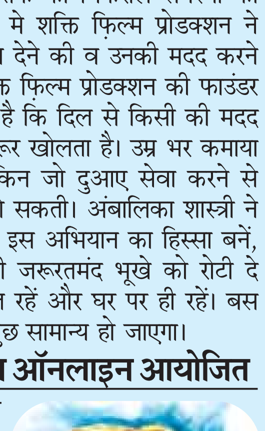

कोटा @ जागरूक जनता। जैन टेलेंट कॉम्पटीशन आयोजन को ऑनलाइन ही रखा है। जिसमे देश व विदेश के कलाकार अपने टैलेंट को अपने-अपने माध्यम से सबके बीच रख रहे है। आयोजन का उद्धेश्य प्रतिभाओ को सकारात्तमक मँच देना है जो की कोरोना महामारी की वजह से अपने ही घर से अपने कार्य को संभव कर सकते है। इंटरनेशनल आर्ट वर्क इवेंट मैं सभी प्रतियोगीयो ने बहुत अच्छा कार्य किया है प्रथम स्थान मैं शिवा कुमार कर्णाटक से रहे। ज़ज की भूमिका मैं इटली स्टेफनो दी लोरेटो व साथ ही सुसेन लोंगकिट का साथ रहा है। आयोजन के मुख्य संचालक शुभम जैन, विवेक पारीक है। आयोजन के पार्टनर डेली फिल्मी, मीडिया जागरूक जनता व न्यूज भारत टुडे व होवी स्टुडियो व साथ ही वी प्रोडक्शन का सहयोग रहा है।

अमरिंदर चाहते थे 28 मई को पटियाला में किसानों का आंदोलन न हो

सिद्धू ने कृषि कानूनों के खिलाफ अपने घर पर काला झंडा लगाया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चंडीगढ़। पंजाब सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने किसान आंदोलन के मसले पर मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को खुली चुनौती दे दी है। सिद्धू ने मंगलवार को अपने अमृतसर और पटियाला स्थित आवास पर काला झंडा फहराया। सिद्धू ने सोशल मीडिया पोस्ट में सभी लोगों से काले झंडे लगाने की गुजारिश की है। इससे पहले कैप्टन अमरिंदर सिंह ने रविवार को भारतीय किसान यूनियन (एकता उगराहां) से आग्रह किया था कि वे 28 मई से पटियाला में होने वाला तीन दिन का धरना न दें। इससे पंजाब में संक्रमण तेजी से फैल सकता है। छरू की इस राय से उलट सिद्धू ने काला झंडा लगाकर उन्हें चुनौती दे दी। सिद्धू ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि लोग अपनी छतों पर तब तक काला झंडा लगाए रखें, जब तक कि काले कानून रद्द नहीं किए जाते या फिर राज्य सरकार फसलों की खरीद और MSP को भरोसे लायक बनाने का कोई विकल्प नहीं देती। 26 मई को किसानों को तीन कृषि कानूनों के खिलाफ धरने पर बैठे 6 महीने पूरे हो जाएंगे। तीनों कृषि कानूनों को लेकर केंद्र सरकार और संयुक्त किसान मोर्चा के बीच चल रही बातचीत 4 महीनों से बंद है। इसके चलते किसानों ने 26 को काला दिवस मनाने का ऐलान किया है। पंजाब के 32 किसान संगठन इसकी तैयारियों में जुटे हैं।

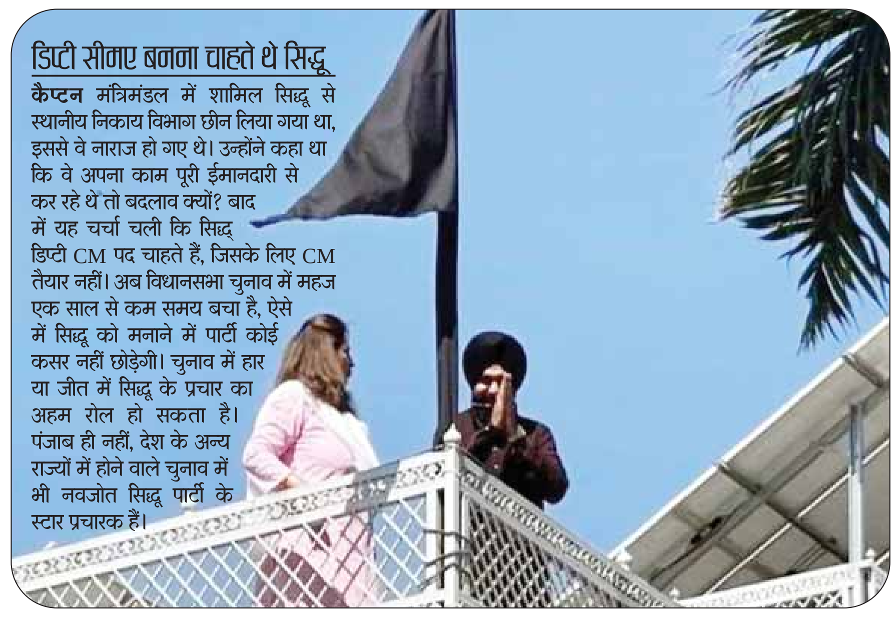

डिप्टी सीएम बनना चाहते थे सिद्धू

कैप्टन मंत्रिमंडल में शामिल सिद्धू से स्थानीय निकाय विभाग छीन लिया गया था, इससे वे नाराज हो गए थे। उन्होंने कहा था कि वे अपना काम पूरी ईमानदारी से कर रहे थे तो बदलाव क्यों? बाद में यह चर्चा चली कि सिद्धू डिप्टी CM पद चाहते हैं, जिसके लिए CM तैयार नहीं। अब विधानसभा चुनाव में महज एक साल से कम समय बचा है, ऐसे में सिद्धू को मनाने में पार्टी कोई कसर नहीं छोड़ेगी। चुनाव में हार या जीत में सिद्धू के प्रचार का अहम रोल हो सकता है। पंजाब ही नहीं, देश के अन्य राज्यों में होने वाले चुनाव में भी नवजोत सिद्धू पार्टी के स्टार प्रचारक हैं।

दो साल से चल रहा है सिद्धू और कैप्टन का टकराव

दो साल पहले स्थानीय निकाय विभाग बदले जाने पर इस्तीफा देने वाले पूर्व कैबिनेट मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू लगातार मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह पर हमलावर हैं। सिद्धू पहले भाजपा नेता थे। लेकिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ट्यूनिंग बिगड़ने के कारण उन्होंने इस्तीफा दे दिया था और कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

दो बार सुलह की कोशिश हुई, लेकिन कामयाबी नहीं मिली

कांग्रेस नेतृत्व CM अमरिंदर और सिद्धू के बीच दो बार सुलह की कोशिश करा चुका है, लेकिन दोनों ही कोशिशें नाकाम रहीं। 25 नवंबर 2020 को कैप्टन अमरिंदर के साथ सिद्धू की लंच के दौरान मीटिंग हुई थी। बैठक में CM के अलावा हरीश रावत मौजूद थे। वहीं, 17 मार्च 2021 को भी चाय पर चर्चा हुई, इसमें सिद्धू की नई पारी को लेकर सियासी हलकों में कई तरह की चर्चाएं होने लगी थीं। लेकिन, इस बार भी बात नहीं बनी थी।

कोरोना ने 7 बहनों से छीना इकलौता भाई, पिता का पूर्व में निधन, ग्रामीणों ने जुटाए 4 लाख

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बाड़मेर। कोरोना वायरस की दूसरी लहर कई परिवारों को रुला रही है। ऐसे परिवारों की भी कमी नहीं जिनको कोविड-19 की वजह से कभी नहीं भूल सकने वाला गम मिला है।कुछ ऐसी ही कहानी राजस्थान के बाड़मेर जिले के चौखला गांव के नवलदेव की छतरी निवासी नाथूराम के परिवार की है। कोरोना वारयस ने यहां पर सात बहनों से इकलौता भाई, तीन बच्चों के सिर से पिता का साया और घर का मुखिया छीन लिया। इसके बाद ग्रामीणों ने जो कदम उठाया उसकी हर कोई तारीफ कर रहा है। ग्रामीण इस परिवार का आय का इकलौता जरिया चले जाने पर आपसी सहयोग से चार लाख रुपए जुटाकर इस परिवार को दिए हैं।जानकारी के अनुसार नवलदेव की छतरी निवासी नाथूराम पुत्र खूमाराम की कोरोना बीमारी के चलते 10 मई को मौत हो गई। नाथूराम जब 4 वर्ष का था तब उसके पिता खूमाराम की मौत हो गई थी।

पूर्व विधायक सैनी द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों की मदद की जा रही है

अपना गांव अपना परिवार अभियान के तहत दूसरे चरण में 16 पंचायतों के सरपंचों को वितरित की सूखी खाद्य सामग्री

चौमूं @ जागरूक जनता। कोरोना महामारी के चलते लॉकडाउन में कोई भूखा नहीं सोए इसी को ध्यान में रखते हुए पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी व चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों की मदद की जा रही हैं। शहर के सामोद रोड पर स्थित मोहन वाटिका मैरिज गार्डन में ग्राम पंचायत आष्टीकलां, सान्दरसर, हस्तेड़ा, ढोढ़सर, नरसिंहपुरा, नांगलकला, किशन मानपुरा, लोहरवाडा, मलिकपुर सिंगोदकलां, सिंगोद खुर्द, आलीसर, धोबलाई, नांगल गोविंद, भूतेड़ा 16 ग्राम पंचायतों के सरपंचों व प्रतिनिधियों को 20-20 किट खाद्य सामग्री, 5 लीटर सैनिटाइजर के साथ मास्क वितरित किए गए हैं 7 इससे पूर्व दिनांक 24 मई को 15 पंचायतों को खाद्य सामग्री वितरित की गई थी। सभी ग्राम पंचायतों में "मेरा गांव मेरी पंचायत" अभियान के तहत गांव के जरूरतमंदों के लिए सूखी खाद्य सामग्री के किट प्रदान किए जा रहे हैं। पूर्व विधायक सैनी ने कहा कि वर्तमान समय में कोरोना महामारी ने ग्रामीण क्षेत्र को काफी प्रभावित कर रखा है। इस समय सक्षम लोगों को जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। इस दौरान चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी, गोविंदगढ़ डिप्टी संदीप सारस्वत, गोविंदगढ़ पंचायत समिति विकास अधिकारी अनिल कुमार सोनी भी मौजूद रहे तथा उन्होंने पूर्व विधायक सैनी द्वारा की गई जरूरतमंद लोगों की मदद की सराहना की। इस मौके पर पूर्व कृषि चेयरमैन सांवरमल चौधरी, सरपंच बाबूलाल गढ़वाल, मनोहर सेरावता, गिरिराज देवंदा, अशोक कुमार यादव, नन्छु यादव, मनोज अटल, अशोक कुमावत, झांबर देवंदा, सुरेश कुमार सैनी, अनिल मीणा, लक्ष्मीनारायण नेतड, पार्षद सायर मल सैनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

लॉकडाउन में कैसे रहे पॉजिटिव

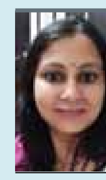

जागरूक जनता
jagrukjanta.in
विचार
मोनिका शर्मा

लॉकडाउन के दौरान कई लोग मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं। नींद न आने की समस्या भी बढ़ रही है। ऐसे में लोग मानसिक तनाव के शिकार हो रहे लॉकडाउन से हमारी स्वतंत्रता कम हो गई है। घर से निकलना बंद है। जरूरतें सीमित हैं। दिनचर्या बिगड़ गई है। इन सब वजहों से मानसिक तनाव हो रहा है। ज्यादातर लोगों में नींद ना आने की समस्या हो रही है। आमदिनों में दिनभर की थकान के बाद जब हम रात में लेटते हैं तो अच्छी नींद आती है। आजकल काम नहीं है, यही नींद न आने की वजह है। उन आंकड़ों पर ध्यान न दें जो आपको परेशान करते हों। अपना पूरा ख्याल रखें। कोविड से बचने के सभी जरूरी उपायों का पालन करते रहें। अनुशासित दिनचर्या का पालन करें। अनुशासन में रहने से आपका मन अनावश्यक नकारात्मक विचारों में नहीं भटकने पाता है। कुछ रचनात्मक करें। यदि आप वर्क फ्रॉम होम कर रहे हैं तो भी अपनी पसंद की चीजों के लिए समय निकालें। ऐसा करने से मस्तिष्क में हैपी हार्मोन बढ़ते हैं। पर्याप्त नींद लें। रात में जल्दी सोकर सुबह जल्दी उठने की कोशिश करें।

शारीरिक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य को बेहतर रखने में पौष्टिक आहार का महत्वपूर्ण योगदान होता है। अपने रुचि की चीजें पढ़ें, अखबार से परे जाकर भी आपके लिए चुनने को बहुत कुछ है। योग और प्राणायाम ऐसे समय में बेहद फायदेमंद हो सकते हैं। लव टोन पॉजिटिव रहने के कुछ सबसे महत्वपूर्ण- लोगों की यथासंभव मदद करें। मदद करने से आपको मानसिक शांति का अनुभव होता है। इन दिनों वो काम करें जिसमें आपको खुशी मिलती हो। इससे आपका मानसिक संतुलन बना रहेगा। हमेशा जैसे समस्याओं का सामना किया है वैसे ही इन दिनों करें। अपनी लड़ने की क्षमता पहचानें।

ये भी हैं पॉजिटिव रहने के कुछ उपाय

- » अगर आप बेहतर महसूस नहीं कर रहे हैं, तो समाचार पढ़ने या देखने में बिताए गए समय की मात्रा को सीमित करें। खबरों की जांच के लिए एक विशिष्ट समय तय करें।
- » चारों ओर गलत सूचनाओं की भरमार है। ऐसे में सरकार और एनएचएस वेबसाइटों जैसे सूचना के विश्वस्त स्रोतों से ही अपनी जानकारी बढ़ाएं।
- » सोशल मीडिया से ब्रेक लें और उन चीजों को म्यूट करें जो ट्रिगर हो रहे हैं।
- » ऐसे लोगों को या न्यूज के माध्यमों को अनफॉलो करें जो कहीं भी चालू हो जाते हैं।
- » व्हाट्सएप ग्रुप्स को म्यूट करें और फेसबुक से भी कुछ समय के लिए दूरी बना सकते हैं।
- » समाचारों को कम मात्रा में देखें या पढ़ें आप समाचार से संबंधित जो भी पढ़ते या देखते हैं उससे सावधान रहने की जरूरत है।
- » खबरें देखने के लिए दिन में एक घंटे का समय निर्धारित करें। दिनभर का बाकी समय परिवार के साथ बिताएं। इससे निगेटिव न्यूज कम देखेंगे और तनावमुक्त रहेंगे।

यूथ और ईको क्लब के बजट का होगा उपयोग

स्कूलों में पौधों में होगी सार सम्भाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। लॉकडाउन की वजह से स्कूल बंद हैं, स्कूल में लगे पेड़ पौधों की देखभाल करने वाला कोई नहीं है। ऐसे में वह सूख सकते हैं, ऐसे में शिक्षा विभाग ने इनकी सुध लेने का निर्णय लिया है। इस बार लॉकडाउन की वजह से बंद सरकारी स्कूलों में सूखकर जल रहे पौधों की सार सम्भाल हो सकेगी। इसके लिए यूथ व ईको क्लब में आए बजट से एक जरूरतमंद व्यक्ति को रखकर पौधों को पानी दिया जाएगा। शिक्षा विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं, जिससे पेड़ पौधों को बचाया जा सके। गौरतलब है कि लॉकडाउन की वजह से स्कूलें बंद हैं, और कोई स्कूल जा भी नहीं सकता, ऐसे में स्कूलों में लगे पौधे पानी के अभाव में सूख रहे हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए शिक्षा विभाग ने संस्था प्रधानों को निर्देश दिए हैं कि यूथ और ईको क्लब के तहत जारी किए बजट का उपयोग करें और स्कूल के आसपास रहने वाले किसी व्यक्ति को निर्धारित मानदेय पर रख पौधों को पानी पिलवाएं। इससे लॉकडाउन की वजह उस जरूरतमंद व्यक्ति की आमदनी होगी, स्कूल के पौधे बच जाएंगे।

5 से 15 हजार रुपए का मिला था बजट

गौरतलब है कि शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों के बच्चों को जीवन जीने का कौशल सिखाने के साथ ही पर्यावरण से जोडने् के उद्देश्य से यूथ और ईको क्लब का गठन करने के आदेश दिए थे। इसके लिए स्कूलों में पांच सदन अग्नि, जल, वायु, आकाश व पृथ्वी के बनाए गए, जिससे स्टूडेंट्स में पर्यावरण संरक्षण करने की भावना आ सके। स्कूलों में गठित होने वाले यूथ और ईको क्लब के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए हर स्कूल को 5 से 15 हजार रुपए का बजट जारी किया गया है। इसमें प्रत्येक प्राथमिक स्कूलों के लिए 5 हजार, उच्च प्राथमिक स्कूलों को 10 हजार तथा माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालय स्तर की हर स्कूल को 15 हजार रुपए की राशि दी गई है। ऐसे में इस मद का प्रयोग कर संस्था प्रधान पौधों को बचा सकेंगे।

इन्होंने उठाई थी मांग

गौरतलब है कि राजस्थान प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षक के प्रदेशाध्यक्ष शशि भूषण शर्मा और विपिन शर्मा ने इस संबंध में मांग की थीए उनका कहना था कि पिछले साल भी लॉकडाउन में स्कूलों में लगे हजारों पेड़ पौधे सूख गए थे, वहीं हालात फिर से पैदा नहीं हो इसके लिए शिक्षा विभाग व्यवस्था करे।

कोरोना काल मे जरूरतमन्दों की करे मदद-पाराशर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सवाई माधोपुर। विप्र संवाद के राष्ट्रीय संयोजक एवं अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा युवा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजस्थान प्रभारी मनोज पाराशर ने कोरोना काल मे समाज के महानुभावों से जरूरतमन्दों की मदद करने का आव्हान किया। इस संबंध मे पाराशर द्वारा विप्र संवाद से देश भर से जुड़े कार्यकर्ताओ एवं सामाजिक पदाधिकारियों से वर्चुअल मीटिंग भी की गई जिसका सुभारंभ 3व अध्यक्षता पूर्वती राजस्थान सरकार मे बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष रही मनन चतुर्वेदी ने किया। इस अवसर पर चतुर्वेदी ने कोरोना काल के चलते विप्र संवाद से जुड़े लोगों से समाज के प्रत्येक वर्ग की मदद का आव्हान किया एवं कोरोना काल की तीसरी लहर को देखते हुए विशेषत बच्चो का विशेष ध्यान देने की बात कही चतुर्वेदी ने इस अवसर पर असहाय बच्चो के लिए हर सम्भव मदद की भी अपील की । वर्चुअल मीटिंग मे कोरोना के बचाव एवं उपचार के परामर्श के लिए कोटा मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक आशुतोष मनीनारायण शर्मा ने भी मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर विप्र संवाद से जुड़े राजस्थान, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात, दिल्ली, हरियाणा, गोआ, आदि प्रदेशों से वर्चुअल मीटिंग मे जुड़ सामाजिक सरोकार के तहत जरूरतमन्दों की मदद करने का संकल्प लिया। उक्त बैठक के समापन पर राष्ट्रीय संयोजक ने सभी के जुड़ने पर आभार व्यक्त किया ।

ANCHOR | आस्था

माजीसा के भक्तों को ऑनलाइन दर्शनों के साथ अब लाईव आरती का भी मिलेगा लाभ

आस्था का केंद्र जसोल धाम की रावल किशन सिंह के हाथो वेबसाइट हुई लॉन्च

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जसोल। जन जन की आस्था का केंद्र माता राणी भटियाणी मन्दिर की आधिकारिक वेबसाइट का लोकार्पण सोमवार को किया गया। वेबसाइट का लोकार्पण वरिया महंत श्री गणेशपूरी महाराज के सानिध्य में किया गया। श्री राणी भटियाणी मन्दिर संस्थान के अध्यक्ष रावल किशनसिंह जसोल ने कहा कि माजीसा के भक्तों की श्रद्धा के मध्यनजर व कोरोना की विकट महामारी को ध्यान में रखते हुए संस्थान को यह एक जरुरी कार्य महसूस हुआ। जिसे नवरात्रि में माजीसा की कृपा से क्रियान्वित किया गया। और आज उसका विधि विधान से लोकार्पण किया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष ने बताया कि लाखो लोगो की आस्था का केंद्र श्री राणी भटियाणी मंदिर की वेबसाइट www.jasoldham.org के माध्यम से सर्व समाज जुड़ सकेगा। अब वेबसाइट पर सीधे आरती दर्शन की व्यवस्था भी की गई है। माजीसा के भक्त वेबसाईट के माध्यम से घर या देश विदेश कहीं पर भी बैठे दर्शनकर अपनी श्रद्धा के सुमन माजीसा को अर्पण कर सकते है। जसोल धाम की वेबसाइट पर दर्शनार्थियों को सम्पूर्ण जानकारी, तमाम धार्मिक आध्यात्मिक गतिविधियों की जानकारी आमजन और भक्त भाविकों को दूर देश में भी इसके माध्यम से सुलभ होगी।

वेबसाइट के माध्यम से भक्त मन्दिर के विभिन्न सोशियल मीडिया हेंडल जैसे-फेसबुक, यूट्यूब व इंस्टाग्राम से जुड़कर दर्शन लाभ ले सकते है। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान महंत गणेशपूरी महाराज ने कहा कि कलयुग की इस चमत्कारी देवी की पूजा- आराधना सभी वर्गो के लोग 365 दिन करते आ रहे है। जिससे जसोल आज जसोलधाम शक्ति पीठ के रूप में जाना जाने लगा हैं । इस कठिन परिश्रम का श्रेय रावल किशनसिंह जसोल जिनके अथक प्रयासों व अपने जीवन के अनुभव से इतने कम समय में यह भव्यता लाना से सम्भव हुआ हैं, मैं उनको साधुवाद स्वरूप आशीष देता हूँ कि वो स्वस्थ एवं दीर्घायु रहकर हमेशा मार्गदर्शन करते रहें। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट अध्यक्ष रावल साहब पुरानी धरोहरों का संरक्षण, वन पर्यावरण के प्रति लगाव, पीड़ितों की सेवा, जन मानस में आध्यात्मिक व धार्मिक भावना जाग्रत करना का कार्य कर रहे है जो सराहनीय है। वेबसाइट लोकार्पण से पूर्व मन्दिर ट्रस्ट सदस्यों ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए ट्रस्ट के किए कार्यो को लेकर चर्चा की तथा कोरोना काल के चलते ट्रस्ट मंडल के द्वारा जन मानस की सेवा को लेकर किए गए कार्यो को लेकर भी संवाद किया गया। इस अवसर पर वीसी से जस्टिस आर एस राठौड़, रावत त्रिभुवन सिंह बाड़मेर, कर्नल ठा.शम्भूसिंह देवड़ा (से.नि.), रावल विक्रम सिंह सिणधरी, ठा. गजेन्द्रसिंह जसोल, ठा.पुंजराज सिंह वरीय, ठा. मांगसिंह जागसा, ठा.हनुवन्तसिंह नोसर, संस्थान मैनेजर जेठूसिंह, संस्थान सुपरवाईजर भोपालसिंह मलवा मौजूद रहे।

जागरूक खबरें

जन्मदिन पर की जरूरतमंदों की मदद

चौमूं @ जागरूक जनता। मोरीजा गांव मे स्थित भूधरमल मुकेश कुमार ज्वेलर्स के मुकेश कुमार सोनी ने अपने जन्मदिन पर जरूरत मंद लोगों को राशन सामग्री एवं नकद राशि देकर जन्मदिन मनाया। अंजनी कुमार ने बताया की दस दिनों पूर्व गांव के युवा माली राम सेन का आकस्मिक निधन हो गया था, घर मे एकलौते कमाने वाले के परिवार की दयनीय स्थिति को देखते हुए गांव के मुकेश सोनी, शिम्भू जांगिड़,मातादीन पारीक,विकास सामरिया, सुरेश पटवारी, सुन्दर सैनी, प्रेम प्रकाश आत्रेय,सुनील झालानी ने मदद के हाथ बढ़ाये एवं नकद राशि का सहयोग किया।

एबीवीपी का "मिशन आरोग्य" अभियान निरन्तर जारी

कोटपूतली @ जागरूक जनता। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई कोटपूतली द्वारा चलाया जा रहा मिशन आरोग्य "स्क्रीनिंग अभियान" निरन्तर जारी है।इस अभियान के तहत एबीवीपी के कार्यकर्ता आसपास की बस्तियों में जाकर लोगों की बॉडी टेंपरेचर व ऑक्सीजन लेवल की जांच कर रहे हैं। ऐसे व्यक्ति जिनमें कोरोना के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देते हैं।एबीवीपी कार्यकर्ता उन व्यक्तियों को नि:शुल्क दवाई भी वितरित कर रहे हैं।अभियान के लिए चार-चार कार्यकर्ताओं की टोली बनाई गई है।जो अलग-अलग बस्तियों में जाकर कोरोना मुक्ति अभियान में सहयोग कर रहे हैं।टोली के सदस्य कोरोना से बचाव हेतु मास्क,सैनिटाइजर का प्रयोग करना,काढ़ा पीना, भौतिक दूरी बनाए रखना,अनावश्यक घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह देते हुए टीका लगाने हेतु लोगों को जागरूक कर रहे हैं।अभाविप के कार्यकर्ता पिछले डेढ़ माह से कोरोना में निरंतर अपनी सेवा दे रहे हैं।टीकाकरण करवाने, कोरोना संक्रमित मरीजों के घर उनकी जांच करना व दवाइयां देना, ऑक्सीजन की व्यवस्था करवाना आदि कार्य करते हुए अभाविप के कार्यकर्ता निरंतर सेवा कार्य में जुटे हुए हैं। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस मौके पर जिला सह प्रमुख घनेश गौड़,जिला संयोजक भीमसिंह पायला,नगर अध्यक्ष राजेश चौधरी,मधुर गोयल,योगेश सेहरा, सह नगर मंत्री नरेंद्र लादी,राकेश शेखावत,अनमोल,पूर्व प्रांत कार्यकारिणी सदस्य अशोक कसाना सहित अन्य मौजूद रहे।

लायंस क्लब कोटपुतली द्वारा पुलिसकर्मियों को भेंट किए मास्क एवं सैनेटाइजर

कोटपूतली @ जागरूक जनता। लायंस क्लब कोटपूतली द्वारा एडिशनल एसपी रामकुमार कस्वां को कोरोना वॉरियर्स के रूप में कार्य कर रहे पुलिस कर्मियों के लिए पाँच सौ एन-95 मास्क,दो गैलन सैनिटाइजर एवं 5 पैकेट डिस्पोजल मास्क उपलब्ध कराए गए।क्लब के सचिव घनश्याम अथोनिया ने अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत को जानकारी देते हुए बताया कि लायंस क्लब द्वारा पूर्व में भी राशन किट सहित अन्य सामग्री समय-समय पर दी गई है।अथोनिया ने कहा कि लायंस क्लब इस महामारी से लड़ने के लिए प्रशासन का हर सम्भव सहयोग करने के लिए हमेशा तैयार है।उन्होंने कहा कि क्लब के अध्यक्ष कमल किशोर गुप्ता के नेतृत्व में जल्दी ही संस्था द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी मास्क एवं सैनेटाइजर का वितरण किया जाएगा। इस मौके पर एएसपी रामकुमार कस्वां ने लायंस क्लब के कार्यों की सराहना करते हुए क्लब के अध्यक्ष कमल गुप्ता का आभार व्यक्त किया।इस मौके पर लायंस क्लब के अध्यक्ष कमल किशोर गुप्ता,सचिव घनश्याम अथोनिया,डॉक्टर दीपक मित्तल,अशोक गोयल,डॉक्टर अरविंद मित्तल,मनोज गुप्ता,राकेश,मुकेश जांगिड़,सुनील शर्मा,अरुण गर्ग आदि मौजूद रहे।

बसई व भालोजी गांव के किसानों के लिए बड़ी सौगात

ग्राम सेवा सहकारी समिति अलग होने पर राज्यमंत्री यादव का जताया आभार

कोटपूतली @ जागरूक जनता। कस्बे के निकटवर्ती बसई एवं भालोजी ग्राम पंचायत के किसानों के लिए अच्छी खबर है।बसई सहित पेजुका,दादूका व भालोजी के किसानों को राहत देते हुए सरकार ने पिछले डेढ़ साल से चली आ रही किसानों की मांग को पूरा कर ग्राम सेवा सहकारी समिति को मंजूरी दे दी है।किसानों की मांग पर कुजोता ग्राम सेवा सहकारी समिति से भालोजी ग्राम सेवा सहकारी समिति अलग कर दी गई है।उक्त चारों गांवो के किसानों के लिए यह एक बड़ी समस्या थी।जिससे कि अब उनको निजात मिल गई है।विगत डेढ़ साल से युवा रेवोल्यूशन के अध्यक्ष मनोज चौधरी के नेतृत्व में ग्रामवासी इसकी मांग कर रहे थे। इस सन्दर्भ मे चौधरी की अगुवाई मे क्षेत्र के किसानों ने राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह यादव व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना को ज्ञापन सौंपकर सहकारी समिति की पुरजोर मांग की थी।वहीं कोटपूतली के तहसीलदार व उपखण्ड अधिकारी को भी ज्ञापन सौंपकर समस्या से अवगत कराया गया था।चौधरी ने बताया कि उक्त क्षेत्र के किसानों के खाते कुजोता स्थित सहकारी समिति में थे,जहां की दूरी अधिक होने के कारण किसानों को आने जाने में समस्या का सामना करना पड़ता था।इसके लिए पैदल जाना पड़ता था तथा ऋण लेने में भी असुविधा होती थी।पिछले साल तो इस क्षेत्र के किसानों को कुजोता सहकारी समिति द्वारा कोई ऋण भी प्राप्त नहीं हुआ था।जिसके बाद क्षेत्र के किसानों ने मनोज चौधरी की अगुवाई में अलग सहकारी समिति की मांग की थी।चौधरी ने बताया कि अगस्त 2019 से अलग समिति की मांग की जा रही थी।राज्यमंत्री राजेंद्र सिंह यादव ने पिछले वित्तीय वर्ष में इसकी मंजूरी का आश्वासन भी दिया था,किंतु मार्च 2020 में लोकडाउन लगने के कारण यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया था।परंतु किसानों की निरंतर मांग करने पर अब इसे मंजूरी दे दी गई है।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत को व्यवस्थापक राजेश कुमार यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि पुराने सदस्यों को 2021 का वितरण नई सहकारी समिति द्वारा चालू कर दिया गया है। जो नये सदस्य बनेंगे उनको 15 जून 2021 से ऋण वितरण करवाना शुरू कर दिया जाएगा।सरकार के इस निर्णय पर किसानों में हर्ष का माहौल है।क्षेत्र के किसानों ने नई सहकारी समिति बनने पर खुशी व्यक्त की है।इसके लिए अध्यक्ष मनोज चौधरी सहित ग्रामवासियों ने राज्यमंत्री राजेंद्र सिंह यादव का आभार व्यक्त किया है।वहीं क्षेत्रवासियों ने इन प्रयासों के लिए युवा रेवोल्यूशन के अध्यक्ष मनोज चौधरी की सराहना की है।

समस्या निराकरण की मांग को लेकर मंत्री को अवगत करवाया

श्रीकोलायत @ जागरूक जनता। खिंदासर ग्राम पंचायत में समस्याओं को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता हनुमान सिंह खिखनिया ने उच्च शिक्षा राज्य मंत्री भंवरसिंह भाटी को ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में क्षेत्र के खिखनिया पट्टा व कुंडलियां में आसपास की कई समस्याओं से अवगत करवाया है। जिसमें बिजली , पानी से संबंधित समस्याओं को जल्द से जल्द करने की मांग की है।

कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र: ईटली जोहड़ के ओवरफ्लो होने पर अवरुद्ध हुये रास्ते पर अब चलना होगा सुगम

अधिकतम विकास कार्य मेरी प्राथमिकता-यादव

92 लाख 91 हजार रूपयों की लागत से बिछाई गई साढ़े 6 किलोमीटर लम्बी पाईप लाईन

75 एचपी के दो मोटर पम्पसैट लगाये,जोहड़ के पानी की नदी में होगी निकासी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटपूतली। आखिर कस्बे की वार्ड संख्या 3 में स्थित ईटली के जोहड़ में इकठ्ठे होने वाले कस्बे के गंदे पानी के जल भराव की समस्या से निजात मिल ही गई।उल्लेखनीय है कि उक्त जोहड़ में विगत कई वर्षों से राजमार्ग के नाले सहित आधे कस्बे का गंदा पानी जमा होता था।जिसकी वजह से जोहड़ में इक्कट्ठे गंदे पानी के ओवरफ्लो होने से हाऊसिंग बोर्ड सहित कई ढाणी एवं गांवों को राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने वाली सिमण्टेड सड़क व वार्ड के रास्ते गंदे पानी से भर जाते थे।गंदा पानी भरा रहने के कारण यहां विभिन्न प्रकार की बीमारियां भी पनप रही थी।साथ ही वार्डवासियों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था।आये दिन लोगों के गंदे पानी में गिरकर घायल होने के समाचार भी मिलते रहते थे।वहीं जानवरों सहित छोटे बच्चों पर भी खतरा मंडराता रहता था।इसको लेकर स्थानीय नागरिकों द्वारा कई बार नगरपालिका,प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए अवगत करवाया गया था एवं धरना प्रदर्शन भी किये गये थे।जिसको विभिन्न चैनल्स व समाचार पत्रों ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था।जिस पर क्षेत्रीय विधायक एवं राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव ने जल्द से जल्द समस्या समाधान का भरोसा दिलाया था।इसके बाद स्थानीय नगर पालिका मंडल द्वारा जोहड़ से लेकर कस्बे के निकटवर्ती गांव गोपालपुरा स्थित नदी तक पाईपलाईन बिछाने का कार्य शुरू किया गया था।जिसका निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया था।शनिवार को पाईपलाईन व मड पम्प निर्माण कार्य का लोकार्पण कोरोना गाईडलाईन के अनुरूप राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव के मुख्य आतिथ्य एवं पालिकाध्यक्ष पुष्पा सैनी की अध्यक्षता में हुआ।इस अवसर पर राज्यमंत्री यादव ने कहा कि वे कोटपूतली की ज्वलंत समस्याओं के समाधान व विकास कार्यों के लिए हमेशा प्रयासरत रहते हैं।वहीं उन्होंने कहा कि कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र में अधिकतम विकास कार्य करवाना मेरी प्राथमिकता है।इस पाईप लाईन के निर्माण कार्य से स्थानीय नागरिकों को राहत मिलेगी। कोरोना के चलते काम में थोड़ी देरी हुई है लेकिन अब स्थिति नियंत्रण में है।

वहीं पालिकाध्यक्ष पुष्पा सैनी ने कहा कि कस्बावासियों की समस्या समाधान के लिए नगर पालिका मंडल कटिबद्ध है।राज्यमंत्री यादव एवं अतिथियों द्वारा पम्पसैट निर्माण कार्य का अवलोकन कर उसे शुरू किया गया।इसके उपरांत राज्यमंत्री यादव ने गोपालपुरा नदी में जा रहे गंदे पानी का भी पालिका टीम के साथ अवलोकन किया।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान नगरपालिका अधिशासी अधिकारी फतेह सिंह मीणा,जेईएन अनिल जोनवाल, एडवोकेट दुर्गा प्रसाद सैनी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष छीत्तरमल सैनी, सीताराम सैनी, बाबूलाल धोबी,योगेन्द्र सैनी,राजू सैनी, राकेश सैनी,दीपक कटारिया,देवराज कुमावत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

92 लाख 91 हजार रूपयों की लागत से हुआ निर्माण

अधिशासी अधिकारी फतेह सिंह मीणा ने बताया कि जल भराव की समस्या समाधान के लिए 92 लाख 91 हजार की लागत से साढ़े 6 किलोमीटर लम्बी पाईप लाईन बिछाई गई है।जिसकी मोटाई करीब 8 इंच है।इसके साथ ही जोहड़ में चार लाख लीटर की क्षमता का टैंक बनाया गया है।जिसकी गहराई 15 मीटर व चौड़ाई 7 मीटर है। टैंक में कस्बे का गंदा पानी एकत्रित होगा।जिसे पाईप लाईन द्वारा बाहर निकालने के लिए 75 एचपी के 2 मोटर मड पम्प लगाये गये हैं। एक मड पम्प के द्वारा 2 घण्टे में उक्त गंदे पानी के टैंक को खाली कर दिया जायेगा। इस प्रकार पाईप लाईन के जरिये पानी लगभग साढ़े 6 किलोमीटर दूर गोपालपुरा नदी में जायेगा।एक मड पम्प इस काम में इस्तेमाल होगा। जबकि दूसरा मड पम्प आपातकालीन स्थिति के लिए स्टैण्ड बाई पर रखा गया है। जोहड़ में पानी खाली करने के लिए भी 20 एचपी की मोटर लगाई जाएगी।जो सुबह-शाम कस्बे का इकठ्ठा हुआ गन्दा पानी खाली करेगी। इसके लिए 120 किलो वॉट का बिजली कनेक्शन भी लिया गया है। गोपालपुरा तक जा रही पाईप लाईन में दबाव कम करने के लिए 6 एयर वॉल लगाये गये हैं। वहीं सिंचाई के लिए किसानों को 6 पानी के कनेक्शन भी दिये गये हैं। इससे हाऊसिंग बोर्ड, ढाणी फौजावाली,अमरपुरा नई कोठी, उदावाली, ईटली की ढ़ाणी सहित इस रास्ते पर पड़ने वाले गांव गोपालपुरा,रामसिंहपुरा के ग्रामवासियों की राह आसान होगी।

जुबानी जंग: राज्यवर्धन सिंह ने बोला गहलोत सरकार पर जुबानी हमला

गहलोत सरकार के लिए कोरोना नहीं विधायकों का लॉयल्टी टेस्ट जरूरी

बोले अशोक गहलोत सरकार नहीं जुगाड़ चला रहे हैं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और जयपुर ग्रामीण सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने अशोक

गहलोत सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। राठौड़ ने कहा कि गहलोत सरकार कहती है टेस्ट की जरूरत नहीं ताकि सरकार की छवि अच्छी रहे। गहलोत सरकार के लिए कोरोना का टेस्ट जरूरी नहीं है। इस सरकार के लिए एमएलए का लॉयल्टी टैस्ट जरूरी है। ऐसा लग रहा है कि गहलोत सरकार नहीं जुगाड़ चला रहे हैं।

राठौड़ ने वर्चुअल प्रेस वार्ता में वेंटिलेटर, रेमडेसिविर इंजेक्शन, कोरोना टेस्ट और टूलकिट सहित सभी मुद्दों पर कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि आपदा में कांग्रेस राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही है। जो भाषा हमारे देश के दुश्म देश बोलते हैं, वहीं भाषा इस समय कांग्रेस बोल रही है। टूलकिट के जरिए कांग्रेस राजनीतिक फायदा उठाना चाहती थी। ऐसे लगा जैसे ये देश के दुश्मन हैं। राजस्थान की सरकार का टूलकिट है कि झूठ बोलो और आरोप लगाओ, जिसका खामियाजा प्रदेश की जनता भुगत रही है। इस सरकार ने कोविड की कोई तैयारी नहीं की। वेंटिलेटर न तो डिब्बों से निकाले गए और ना ही कोई ऑक्सीजन प्लांट लगाया गया। यहां तक कर्मचारियों को वेंटिलेटर चलाने की ट्रेनिंग भी नहीं दी गई। जब इन वेंटिलेटर की जरूरत पड़ी तो उसे प्राइवेट अस्पतालों को दे दिया गया। राज्यवर्धन ने दावा किया कि दिसंबर तक सभी देशवासियों का वैक्सीनेशन होगा।

सरकार का रवैया विपक्ष जैसा

राजयवर्धन ने कहा कि राज्य सरकार का व्यवहार ऐसा कि जैसे ये सत्ता में नही है विपक्ष में हो। यह सरकार आंकड़े छुपाने की कसरत कर रही है, केस घटाने की कोशिश कर रही है। ऐसे मामलों को मीडिया द्वारा उठाया जाना चाहिए। आज ग्रामीण क्षेत्र पूरी तरह से हाशिये पर आ गया है। गांवों की खिलखिलाहट खत्म् हो गई है और हर कोई सहमा हुआ है। आज पूरी दुनिया में वेक्सीनेशन में भारत का तीसरा स्थान है। फिर भी राज्य सरकार बार-बार पूरी जिम्मेदारी केंद्र पर डालती है।

पैसे की भरमार फिर भी व्यवस्था नहीं की

राज्यवर्धन ने कहा कि कोरोना की पहली लहर में सरकार के पास 1 लाख 58 हजार करोड़ थे, लेकिन इन्होंने ऑक्सीजन से लेकर वेन्टीलेटर्स लगाने में कितने खर्च किए ? ब्लैक फंगस सेकंडरी डिजिज है। साफ-सफाई नहीं होने के कारण यह फैली। आरयूएचएस में ज्यादातर मौतें इंफेक्शन के कारण हुई।

सीएम ने तोड़ा जनता का मनोबल

राठौड़ ने कहा कि राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री को फुर्सत नहीं है। सीएम कहते हैं कि हम 7.5 करोड़ जनता तक नहीं पहुंच पाएंगे। इस तरह के बयानों से जनता का मनोबल टूटा है। मुनाफाखोरी को लेकर भी राठौड़ ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि चिरंजीवी योजना का ढिंढोरा पीटा गया, मगर कोई भी अस्पताल इसका लाभ नहीं दे रहा है।

मौतों के आंकड़ों में हेरफेर

राठौड़ कोरोना से हुई मौतों के आंकड़ों में हेरफेर का आरोप लगाया। मीडिया में छपी खबरों के आधार पर उन्होंने कहा कि सरकार ने 3918 मौतें बताई हैं, जबकि गांवों से 14480 अर्थियां उठी हैं। सरकार के पास अस्पताल की मौत का आंकड़ा है, लेकिन घरों में मरे लोगों की इनको जानकारी नहीं है।

विधायक शर्मा ने लिखा मुख्यमंत्री एवं उच्च अधिकारियों को पत्र

कालाडेरा सीएचसी की अनियमितताओं पर हो कार्रवाई

चौमूँ @ जागरूक जनता।

विधायक रामलाल शर्मा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालाडेरा में औचक निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री, चिकित्सा मंत्री और उच्च अधिकारियों को पत्र लिखकर तत्काल दोषी अधिकारी एवं कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। गौरतलब है कि विधायक रामलाल शर्मा एवं ब्लॉक सीएमएचओ एसके चोपड़ा द्वारा कालाडेरा सीएचसी का औचक निरीक्षण किया गया था। जिसमें ग्रामीणों द्वारा विधायक शर्मा को कई शिकायतें प्राप्त हुई थी। जिससे विधायक रामलाल शर्मा खासे नाराज नजर आये थे। विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि मैंने स्वयं ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी के साथ जाकर कोराना काल में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालाडेरा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान ग्रामवासियों द्वारा सीएचसी कालाडेरा में व्याप्त अव्यवस्थाओं के संबंध में बताया जो अति गंभीर है, ग्रामवासियों द्वारा की गई इन शिकायतों में कितनी सच्चाई है, यह बता पाना तो मुश्किल है परंतु ब्लॉक सीएमएचओ की उपस्थिति में सीएचसी के प्रति की गंभीर शिकायतें निश्चित ही अव्यवस्थाओं की ओर इशारा करती है। मैंने ग्रामवासियों का चिकित्सालय के प्रति विश्वास कायम रखने के लिए मुख्यमंत्री, चिकित्सा मंत्री एवं उच्च अधिकारियों को पत्र लिखकर उच्च स्तरीय जांच करवाकर दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

बिना स्लॉट युवा लगवा सकेंगे टीका

श्रीकोलायत @ जागरूक जनता। ग्रामीण क्षेत्र में लंबे समय से कोरोना के टीके के स्लॉट की समस्या को लेकर सोमवार को केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल के प्रयास से निजात मिल गई है। अब 18 से 45 तक के युवा सीधे आधार कार्ड दिखाकर ही टीका लगा सकते हैं । गौरतलब है कि क्षेत्र के दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल के समक्ष युवाओं ने ग्रामीण क्षेत्र में नेटवर्क की समस्या को लेकर स्लॉट बुक नहीं होने से टीकाकरण में वंचित रहने की समस्या से अवगत करवाया था। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल समस्या को हल करने की बात कही । अब आधार कार्ड दिखाकर युवा टीका लगा सकेंगे।

जनसेवा कार्यो के लिए डॉ भूपेंद्र व डॉ सुखराम कडवा सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विवि के एम.डी. स्कॉलर डॉ भूपेंद्र शर्मा चांदवास व डॉ सुखराम कडवा को श्री नारायण मानव सेवा समिति जयपुर ने कोरोना वायरस आपदा मे सराहनीय कार्यो के लिए प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। गौरतलब है कि डॉ भूपेंद्र शर्मा व डॉ सुखराम कडवा कोविड आपदा के आरम्भ से ही आमजन को जागरुक कर रहे है। समय समय पर कोरोना वायरस बचाव पर जारी हुई आयुष मंत्रालय द्वारा आयुर्वेद गाइडलाइन को आम लोगो तक पहूंचा रहे है। संस्थान मे रहकर कोविड काल के दौरान नि:शुल्क चिकित्सा शिविरों ,आयुष 64 वितरण ,कोविड हैल्पलाइन सेवा इत्यादि मे सक्रिय भूमिका निभा रहे है। इसके अलावा लोगो को मास्क का प्रयोग करने,सामाजिक दूरी की पालना तथा हाथो को बार बार साबुन या सेनीटाइजर से साफ रखने पर भी प्रेरित कर रहे है। सम्मानित किये जाने पर डॉ रितेश रामनानी,डॉ मुकेश चौधरी,छात्रसंघ अध्यक्ष डॉ अशोक चौधरी,डॉ दीपक शर्मा, डॉ बुधाराम ग्वाला,डॉ सुमित बेरवाल,डॉ दिनेश शर्मा,डॉ पकंज छिम्पा ने खुशी जाहिर की। इस अवसर पर डॉ भूपेन्द्र व डॉ सुखराम कडवा ने श्री नारायण मानव सेवा समिति व प्रदेशाध्यक्ष डॉ चन्द्र मोहन का आभार व्यक्त किया।

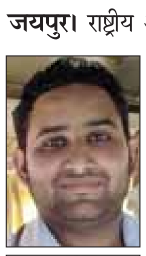

पीड़ित परिवार को 'आओ साथ चलें' संस्था ने लिया गोद

पीड़ित की हर सम्भव मदद के लिए हम हैं तैयार-मित्तल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटपूतली। मनुष्य की अच्छी भली जिंदगी में कई बार अचानक से मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ता है,ऐसी स्थिति में उसे चारों ओर सब दरवाजे बंद नजर आने लगते हैं।ऐसे वक्त में कई बार ईश्वर मदद के लिए उस पीड़ित की जिंदगी में कोई न कोई फरिश्ता बनाकर भेज ही देता है।ऐसा ही एक वाकया नारेहड़ा निवासी महावीर आर्य के परिवार की जिंदगी में भी देखने को मिला।इसे ईश्वर की नियति कहे या समय का फेर।परिवार के मुखिया के कैंसर है,तो पत्नी के टीबी,एक बेटा दिव्यांग,तीन बच्चियों की भविष्य की चिंता,ऊपर से परिवार की माली हालत और सामने बेबस जिंदगी।इस परिवार की स्थिति के बारे में 3 साल पहले गांव के ही समाजसेवी संजय सिंह राजपूत ने आओ साथ चलें संस्था के राष्ट्रीय संयोजक विष्णु मित्तल को परिवार की हालत के बारे में बताया था।जिसके बाद संस्था की ओर से इस परिवार को गोद लेने का निर्णय लिया गया।तभी से पीड़ित परिवार को समय समय पर खाद्य सामग्री भिजवाई जा रही है।संस्था के राष्ट्रीय संयोजक विष्णु मित्तल के निर्देश पर स्थानीय संयोजक आनंद मित्तल ने पीड़ित के घर जाकर खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई।जिस पर परिवार के लोगों की आंखों में खुशी के आंसू झलक पड़े।संयोजक विष्णु मित्तल ने अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत को जानकारी देते हुए बताया कि इस परिवार के लिए संस्था की ओर से दवाईयां, खाद्य सामग्री के साथ-साथ 3 हजार रुपये

मासिक पेंशन भी दी जाएगी।इसके अलावा बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी उनकी संस्था ही वहन करेगी।इससे पहले भी संस्था की ओर से पीड़ित मुखिया को दिल्ली के राममनोहर अस्पताल में दिखाकर जांच एवं दवाईयां दिलवाई गई थी।कैंसर बीमारी में लगने वाले इंजेक्शन की कीमत 15 हजार के करीब होती है।जोकि पीड़ित को अब तक 10 से ज्यादा इंजेक्शन लगवाए गए। संयोजक मित्तल का कहना है कि हमारी संस्था को कहीं से भी किसी पीड़ित व्यक्ति की जानकारी मिलती है,तो हम तत्काल उसकी मदद करने की कोशिश करते हैं।पीड़ित परिवार की मदद करने पर पीड़ित परिवार के सभी सदस्यों सहित संजय सिंह राजपूत ने विष्णु मित्तल एवं उनकी समस्त टीम का आभार जताया है।

भोजन कर रहे लोगों से की पूछताछ

दोनों निगम आयुक्तों ने किया इंदिरा रसोइयों का निरीक्षण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। ग्रेटर एवं हैरिटेज नगर निगम के आयुक्तों एवं अधिकारियों ने इंदिरा रसोइयों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। आयुक्त यज्ञ मित्र सिंहदेव ने मालवीय नगर जोन में महिला कामकाजी छात्रावास सब्जी मण्डी लालकोठी, बांगड़ रैन बसेरा एसएमएस अस्पताल, जेकेलोन परिजन विश्राम स्थल तथा महिला चिकित्सालय सांगानेरी गेट में संचालित इंदिरा रसोइयों का निरीक्षण किया। इस दौरान आयुक्त ने भोजन कर रहे लोगों से बातचीत भी की। उधर, लोगों का कहना था कि भोजन की गुणवत्ता अच्छी है। आयुक्त ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी इंदिरा रसोइयों एवं उनके विस्तार पटल पर मुफ्त भोजन उपलब्ध करवाने से संबंधित बैनर लगवाए जाए। बांगड़ अस्पताल परिसर में संचालित इंदिरा रसोई में बर्तन साफ करने के लिए अलग से कैबिन बनवाने के निर्देश भी आयुक्त ने दिए।

समय पर भोजन मिल सके इसका ध्यान रखा जाए

अतिरिक्त आयुक्त ब्रजेश कुमार चांदोलिया ने जगतपुरा, सांगानेर एवं मानसरोवर जोन में संचालित इंदिरा रसोइयों एवं उनके विस्तार पटल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि मुफ्त भोजन व्यवस्था से डिमांड बढ़ गई है। उन्होंने इंदिरा रसोई संचालक संस्था के पदाधिकारियों को कहा कि लॉकडाउन के दौरान भोजन की डिमांड बढ़ गई है ऐसे में समय पर भोजन मिल सके इसका ध्यान रखा जाए।

दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

हैरिटेज नगर निगम में आयुक्त अवधेश मीणा एवं अतिरिक्त आयुक्त मुकुट बिहारी जांगिड़ सहित अन्य अधिकारियों ने इंदिरा रसोइयों एवं उनके विस्तार पटल का निरीक्षण कर भोजन कर रहे लोगों से संवाद किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

यहां-यहां संचालित इंदिरा रसोई

हैरिटेज निगम में परशुराम सर्किल रेलवे स्टेशन, सिंधी कैम्प बस स्टैंड, जनाना अस्पताल चांदपोल, कांवटिया अस्पताल गेट नं. 1, गणगौरी अस्पताल, सामुदायिक केन्द्र भट्टा बस्ती, सामुदायिक केन्द्र पार्क वार्ड नं. 78, सामुदायिक केन्द्र राजामल का तालाब, ट्रांसपोर्ट नगर पुलिया के नीचे तथा बंगाली बाबा की बगीची में इंदिरा रसोइयां संचालित है। इसके अतिरिक्त सिंधी कैम्प मेन रोड, गुर्जर की थड़ी, किशनपोल जोन कार्यालय के सामने, जनता बाजार गोविन्ददेवजी मन्दिर तथा जोरावर सिंह गेट पर एक्सटेंशन काउंटर संचालित हैं। इसी तरह ग्रेटर नगर निगम में महिला कामकाजी छात्रावास लालकोठी सब्जी मण्डी, बांगड़ रैन बसेरा, जेकेलोन परिजन विश्राम स्थल, महिला चिकित्सालय सांगानेरी गेट, थड़ी मार्केट वार्ड नं. 41, मुहाना मंडी परिसर कैन्टीन, सांगानेर पुलिया के नीचे, जगतपुरा फाटक के पास रैन बसेरा, वीकेआई औद्योगिक क्षेत्र तथा वार्ड नं.15 पार्षद कार्यालय में इंदिरा रसोइयां संचालित हैं। साथ ही शिव सत्संग भवन म्यूजियम रोड जयपुर,जयपुरिया अस्पताल परिसर, विजयाराजे सिंधिया चौराहे के पास, आरयूएचएस अस्पताल परिसर, अपेक्स सर्किल मालवीय नगर, 7 नम्बर बस स्टैंड रैन बसेरे के पास, रोड नं. 1 सीकर रोड तथा 200 फीट बायपास अजमेर रोड पर एक्सटेंशन काउंटर संचालित हैं।

झझु ग्राम पंचायत में कोर कमेटी की बैठक आयोजित हुई

श्रीकोलायत @ जागरूक जनता। झझु ग्राम पंचायत भवन में कोर कमेटी की बैठक आयोजित हुई। जिसमें राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय झझु की प्रधानाचार्य अंजना दास ने सरपंच घमुराम नायक की अध्यक्षता में कमेटी के सदस्यों से कोरोना गाइड लाइन की पालना, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, डोर टू डोर सर्वे, टीकाकरण व आवश्यक मुद्दों पर चर्चा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। सरपंच घमुराम नायक ने कहा कि कोरोना की लड़ाई में जो कर्मचारी लगे हुए हैं। उनके लिए आवश्यक संसाधन व सहयोग करेंगे । सरपंच ने कहा कि टीकाकरण और चिरंजीवी बीमा योजना जैसे जरूरी कार्यों में सभी अपनी सहभागिता निभाए और ज्यादा से ज्यादा इस योजना का लाभ लेवे। इस दौरान संजय कुमार खत्री, तेजाराम पवार एवं मधुबाला, चुनाराम नायक,

रघुवीर खत्री, शंकरलाल ग्राम विकास अधिकारी, मदन लाल पंवार ग्राम सहायक, रेखा शर्मा, महिपाल सिंह, अलका देवी, रचना विश्नोई, संजू महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जागरूक खबरें

युवाओं ने किया चौथी बार इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए नि:शुल्क काढ़ा वितरण।

पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता। उचियाडा बेरा पर चौथी बार पिलाया आयुर्वेदिक काढ़ा। शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने व किसी भी प्रकार के वायरल रोगों से बचाव के लिए पतंजलि योग समिति के सानिध्य में राजधानी लाइब्रेरी उचियाडा बेरा के युवा कार्यकर्ताओं द्वारा चौथी बार गिलोय का आयुर्वेदिक काढ़ा बनाकर आमजन को पिलाया गया। एक समय था जब उपखंड मजिस्ट्रेट द्वारा उचियाडा बेरा पर कोरोना के पॉजिटिव केस अधिक होने पर कंटेंटमेंट जोन घोषित किया। युवा कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार आयुर्वेदिक काढ़ा बनाकर पिलाया गया। जिससे कोरोना पर काबू पाया। इस दौरान सभी के द्वारा मास्क लगाकर व सोशल डिस्टेंसिंग की पालना की गई। कोरोना महामारी के इस समय में कोरोना से बचाव के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा निर्मित काढा कोरोना में इम्यून पावर बनाने में कारगर साबित हो रहा है साथ ही संक्रमण के लगातार बढ़ते खतरे को देखते हुए उसे रोकने के लिए काढे का महत्व भी बताया। इस अवसर पर भगवान राम परिहार, डॉ.संदीप कच्छावाह, अतुल कच्छावाह, मोहनराम,अशोक (एल डी सी), रणजीत सिंह, प्रमोद सैनी, राजेंद्र (अध्यापक), सुरेंद्र, जीतू सर, मुकेश, देवेंद्र, नवरत्न, राजेंद्र सिंह, सहित अनेक युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नेक इरादा और मजबूत मिशन के साथ कोरोना जंग मे डट कर खड़ी है कृष्णा सेवा संस्थान

बालोतरा @ जागरूक जनता। कृष्णा सेवा संस्थान मानव सेवा और जीव दया हेतु हमेशा से ही अग्रसर रही है। दिखावे और तामझाम से दूर सेवा संस्थान अपने बलबूते पर ही बालोतरा का काम समय में बड़ा नाम करने वाली संस्थान बन गई है । कोरोना को देखते हुए संस्थान की ओर से निशुल्क ऑक्सिजन रेगुलेटर बैंक खोल दिया है जिसमे कोरोना की महामारी जहां एक भयानक रूप ले रही है वहीं कालाबाज़ारी और मुनाफाखोरी करने वाले लोगों ने निर्दयता की हद पार कर दी है,इसी को देखते हुए सेवा की कड़ीं में कृष्णा सेवा संस्थान द्वारा निशुल्क रेगुलेटर बैंक प्रारम्भ किया जा रहा है,जंहा उन कोरोना मरीजों को राहत मिलेगी जिनके पास घर पर ऑक्सीजन सिलेंडर तो है लेकिन रेगुलेटर नहीं मिल पा रहा है,ऐसे सभी मरीजों की आवश्यकता को देखते हुए हमारी संस्थान निशुल्क रेगुलेटर मीटर उपलब्ध करवाएगी।

"मेरा गाँव मेरी जिम्मेदारी" अभियान समिति की बैठक आयोजित

कोटपूतली @ जागरूक जनता। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत गोनेड़ा में सरपंच देवेन्द्र रावत की अध्यक्षता में "मेरा गाँव मेरी जिम्मेदारी" अभियान समिति की बैठक का आयोजन किया गया।इस अवसर पर सरपंच देवेन्द्र रावत ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुये कहा कि ग्राम पंचायत में पिछले 10 दिनों से कोई भी नया संक्रमित नहीं हुआ है और लगभग सभी संक्रमित रिकवर हो गए हैं।बैठक के दौरान राज्य सरकार द्वारा बढ़ाये गये लॉकडाउन की गाइडलाइन का पालन करने की प्रतिबद्धता का ध्यान रखते हुये समिति के कार्यकर्ताओं को गाइडलाइन का पालन करवाने के लिये आवश्यक दिशा निर्देश दिए।इस दौरान गांव में जरूरतमंद 25 परिवारों को राशन किट भी वितरित किये गये।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस मौके पर पीईईओ बनवारीलाल वर्मा सहित सभी पंच एवं समिति के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इंजीनियर वेलफेयर सोसाइटी ने बांटे 100 राशन पैकेट

जयपुर @ जागरूक जनता। इंजीनियर वेलफेयर सोसाइटी, जनता कॉलोनी, जयपुर के द्वारा आज फुटपाथ पर रहने वाले एवं कच्ची बस्तियों में ऐसे 100 गरीब परिवारों को चिन्हित कर राशन वितरित किए गए। सोसायटी के अध्यक्ष सूर्य प्रकाश गुप्ता ने बताया कि एक किट में 5 किलो आटा, 1 किलो दाल, 1 किलो चीनी, 500 ग्राम तेल, 250ग्राम चाय, 1 किलो नमक, 100 ग्राम हल्दी, 100ग्राम मिर्ची एवं 100 ग्राम धनिया आदि मसाले दिए गए, यह किट टैगोर नगर अजमेर रोड, मेट्रो स्टेशन मानसरोवर, हीरापुरा चौराहे, संजय नगर कच्ची बस्ती आदि स्थानों पर वितरण किए गए। राशन किट वितरित संस्था के सदस्य देवराज सोलंकी (अतिरिक्त मुख्य अभियंता, जलदाय विभाग, जयपुर शहर) की देखरेख में वितरित किए गए। राशन किट वितरण करने में नागरिक सुरक्षा जयपुर के स्वयं सेवक मोहन जेवरिया एवं समाजसेवी मालचंद कुमावत ने सहयोग किया।

10 नए कोरोना पॉजिटिव आए

जालोर @ जागरूक जनता। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा मंगलवार को प्राप्त रिपोर्ट में 1082 में से जिले में 10 नए व्यक्ति कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी गजेन्द्र सिंह देवल ने बताया कि जिले में 1 जालोर शहर, 1 नागणी, 1 सियाणा, 2 छिपरवाडा, 1 मिठड़ी, 1 गोल, 1 बाकरा एवं 2 कमालपुरा में व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। जिले में कोरोना पॉजिटिव की संख्या 10179 हो गई है। इनमें से 9862 स्वस्थ हो चुके है। विभाग की ओर से अब तक 2 लाख 75 हजार 142 सैम्पलों की जांच की गई है, जिनमें से 2 लाख 64 हजार 21 की रिपोर्ट नेगेटिव प्राप्त हुई है। जिले में एक्टिव 241 केस है।

अब तक कोरोना वायरस से 10179 हुए संक्रमित, 9862 हो चुके हैं स्वस्थ

कोरोना से जंग जीत रहा है जालोर : कोविड की महामारी से निपटने के लिए प्रदेश की सरकार सख्त है। और समय समय पर कोरोना को हराने के लिए सख्त कदम उठा रहे हैं। प्रदेश में त्रि स्तरीय जन अनुशासन लॉकडाउन को शुरू करने से पहले ही जालोर जिले में आंकड़े की मानी जाए तो जालोर कोरोना से जंग जीत रहा है और पिछले कुछ दिनों से प्रतिदिन दस से पंद्रह केस आ रहे हैं।

जागरूक जनता
jagrukjanta.com
फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े
हर खबर से आपको रखें
अपडेट
जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

राज्य सरकार और भामाशाहों के सहयोग से जुटाए जा रहे संसाधन

ग्रामीण क्षेत्र की स्वास्थ्य संस्थाओं को दी जायेगी मजबूती-भाटी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

श्रीकोलायत। उच्च शिक्षा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने श्रीकोलायत विधानसभा क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक व उप स्वास्थ्य केन्द्रों का दौरा कर चिकित्सा संसाधनों के बारे में जानकारी ली और आवश्यक चिकित्सा संसाधान मौके पर चिकित्सालय प्रभारी को सौंपे और कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में कोई कमी नहीं रखी जायेगी।

उच्च शिक्षा मंत्री भाटी ने मंगलवार को श्रीकोलायत विधानसभा क्षेत्र में कोविड-19 की व्यवस्थाओं को लेकर स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने ब्लॉक सीएमओ डॉ. अनिल वर्मा और एसडीएम प्रदीप कुमार चाहर से क्षेत्र में कोविड केयर सेन्टर के बारे में जानकारी ली और निर्देश दिए कि संक्रमित रोगियों के उपचार में कोई कमी नहीं रखी जाएं। जो गंभीर रोगी है, उन्हें तत्काल बेहतर ट्रीटमेन्ट के लिए बीकानेर रैफर किया जाए। उन्होंने कोविड-19 के संक्रमण को लेकर घर-घर किए जा रहे सर्वे के बारे में कोर कमेटी के सदस्यों से जानकारी ली और निर्देश दिए जिन लोगों में कोरोना के हल्के लक्षण हो, उन्हें तत्काल दवा किट दिए जाए। साथ ही इनके स्वास्थ्य पर नजर भी रखी जाए। उन्होंने इस दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में अपने ब्लड प्रेसर की जांच भी करवाई। उच्च शिक्षा मंत्री भाटी ने उप स्वास्थ्य केंद्र सियाणा, नैनिया,खजोड़ा, भेलू, सिन्दासर, खिखनिया पट्टा, लम्माणा भाटियान, खाखुसर, चक विजयसिंहपुरा, नांदड़ा और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र झझु का दौरा किया और स्वास्थ्य केन्द्रों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा कोविड-19 से बचाव के लिए चिकित्सा कर्मियों व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को आवश्यक सामग्री दी। उन्होंने स्थानीय निगरानी और सतर्कता समिति तथा जनप्रतिनिधियों से संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कर्मी और पुलिस व प्रशासन दिन-रात सेवा कार्य में जुटे है। ग्रामीणों को चाहिए कि वे कोरोना के संबंध में जारी गाइड लाइन की पालना करें, क्योंकि कोरोना की सेकंड वेव अत्यधिक भयावह है। यह वेव युवावर्ग में भी फैल रही है। उन्होंने मौजूद युवाओं का हौसला बढ़ाया और कहा कि सकारात्मक सोच से इस रोग से मुकाबला करें।

उच्च शिक्षामंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण से प्रभावित मरीजों की संख्या में हुई है। इस अप्रत्याशित वृद्धि के मद्देनजर सीएचसी, पीएससी और स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं में कोई कमी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस मुश्किल घड़ी में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और भामाशाहों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। सभी की जागरूकता व सतर्कता से कोविड महामारी को हम मात सकते है। इस दौरान उच्च शिक्षा मंत्री ने उप स्वास्थ्य केंद्र खजोड़ा में एक एसी, एक ऑक्सीजन कन्संट्रेटर, 02 बेड देने की घोषणा की। साथ ही 01 बेड राजू सिंह देवड़ा से दिलवाया। नांदडा सरपंच ने अपने एक साल का वेतन 48,000 रुपये देने की घोषणा की तथा सियाणा सरपंच मनोहर सिंह भाटी ने 06 माह का वेतन उच्च शिक्षा मंत्री को कोरोना के उपचार के लिए दिया।

इनकी रही उपस्थिति- उच्च शिक्षा मंत्री के दौरे के दौरान झंवर लाल सेठिया, सरपंच भेलू घम्माराम माकड़, सरपंच सियाणा मनोहर सिंह भाटी, डॉ. भेरू सिंह सांखला, पंचायत समिति सदस्य हड़मान राम मेघवाल, सरपंच नांदडा हरचंदराम, पंचायत समिति सदस्य घेवर सिंह भाटी, झझु सरपंच घम्मू राम नायक, पूर्व सरपंच खिदांसर भंवर सैन, सरपंच बिकमपुर संग्राम सिंह भाटी, सरपंच खिनदासर रतिराम बिश्नोई, राजू सिंह देवड़ा, उप खण्ड अधिकारी प्रदीप कुमार चाहर, तहसीलदार कोलायत, वृताधिकारी पुलिस कोलायत, ब्लॉक सी एम ओ डाक्टर अनिल वर्मा आदि उपस्थित थे।

विधायक आक्या ने दी श्रद्धांजलि

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने वरिष्ठ नागरिक मंच के महासचिव रहे आर.सी.डाड़ को उनके निवास पर जाकर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की व पुष्पहार पहना कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

परिवार जन से चर्चा करते हुवे विधायक ने डाड़ के निधन को न केवल परिवार वरन पूरे वरिष्ठ नागरिक मंच व चित्तौड़ की अपूरणीय क्षति बताते हुवे कहा कि समाज को दिए उनके योगदान को कभी भुलाया नही जा सकता है ।

उन्होंने बताया कि उनके राजनीतिक जीवन के शुरुआती दिनों में श्री डाड़ का मार्गदर्शन मिला वे गुरु समान थे जो हर व्यक्ति को कुछ ना कुछ सलाह व जीवनदर्शन प्रदान करते रहते थे ,ऐसे व्यक्तित्व दीर्घकाल तक समाज का पथ प्रदर्शन करते रहते है । साथ मे पूर्व पार्षद सुधीर जैन ने भी पुष्पांजलि कर अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुवे श्री डाड को युवाओं को मोटिवेट करने वाला व्यक्ति बताया जो हर युवा में श्रवण कुमार की छवि देखना चाहते थे ।

डाड़ परिवार के राम नरेश व राम रतन ने भी विधायक आक्या के परिवार में हुए चार रिश्तेदारों के निधन पर अपनी संवेदना जताते हुए कहा कि ऐसे कठिन समय मे भी वो सांत्वना देने आए तो यह उनकी महानता व सरलता को प्रदर्शित करता है व धन्यवाद अर्पित किया।

राशन किट वितरण कर मनाया चतुर्वेदी का जन्मदिन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी के जन्मदिन पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा गुर्जर की थड़ी पर राशन किट वितरण कर जन्मदिन मनाया गया। भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व उपाध्यक्ष धीरज पाण्डेय ने बताया की गुर्जर की थड़ी पर चतुर्वेदी का जन्मदिन मनाया।

इस अवसर पर सुबह गायों को हरा चारा खिलाया गया व सभी जरूरतमंद लोगो को राशन किट, मास्क, सेनेटाइजर का वितरण किया गया इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पूरी तरह पालन किया गया इस दौरान भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व उपाध्यक्ष धीरज पाण्डेय, श्याम नगर मंडल अध्यक्ष ब समस्त कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उच्च शिक्षा मंत्री भाटी की अपील पर जनसहयोग से दियातरा प्राथमिक स्वास्थ्य को मिला आर्थिक संबल

दो सरपंचो ने दिया एक-एक साल का वेतन

विधायक निधि कोष से स्टॉफ क्वाटर के लिए स्वीकृत किए 10 लाख रूपये

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

श्रीकोलायत। कोरोनाकाल में दियातरा के जनप्रतिनिधियों ने एक ऐसा उदाहरण पेश किया है, जिसकी हर तरफ प्रशंसा हो रही है। कोरोना वायरस के बढ़ते खतरों और तमाम नकारात्मक खबरों के बीच एक ऐसी खबर आई है, जो प्रेरणा देती है। कोरोना के इस भयावह दौर में अगर कोई निःस्वार्थ भाव से लोगों की सेवा करता है तो निश्चित रूप से यह तारीफ के काबिल है।

कोलायत विधानसभा क्षेत्र के विधायक और उच्च शिक्षा मंत्री भंवर सिंह भाटी कोरोना वायरस के खतरों की खबरों के बीच एक-एक ग्राम पंचायतों का दौरा कर, स्वास्थ्य केन्द्र पर संसाधनों की जानकारी लेने के साथ स्टॉफ की हौसला अफजाई कर रहे हैं, जो प्रेरणा देती है। इस दौरान उन्होंने न केवल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में ऑक्सीजन कन्संटेन्ट्रर सहित अन्य चिकित्सा उपकरण प्रदान किए बल्कि भामाशाओं को भी संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। कुछ दिन पहले जब अपने दौरे के दौरान मंत्री भाटी ग्राम पंचायत दियातरा के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का जायजा ले रहे थे तो उनके ध्यान में आया कि इस केन्द्र में चिकित्सा उपकरणों के साथ स्टॉफ के लिए क्वाटर की आवश्यकता है। उन्होंने मौजूद ग्रामीणों से गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य में आवश्यक संसाधन उपलब कराने की अपील की तो हाथों हाथ मदद के लिए कई हाथ आगे बढ़े। स्वयं मंत्री भाटी ने अपने विधायक निधि कोष से राशि स्वीकृत करने की घोषणा करते हुए कहा कि विधानसभा कोलायत के सभी चिकित्सालायों में संसाधन उपलब्ध कराएंगे। मंत्री भाटी की अपील पर ग्रामीणों ने एकजटु होकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दियातरा के लिए 4 लाख 54 हजार 500 की राशि एकत्रित की जो इस स्वास्थ्य केन्द्र के लिए ऐतिहासिक कार्य साबित हुआ है। कोरोना के इस भयावह दौर में निःस्वार्थ भाव से की गई इस सेवा की चर्चा ग्रामीण क्षेत्र में हो रही है। उच्च शिक्षा मंत्री ने जनसहयोग से प्राप्त इस राशि को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के लिए उपकरण खरीदने हेतु उपखण्ड अधिकारी कोलायत को सुपुर्द की। उन्होंने बताया कि इस राशि में सरपंच दियातरा व रावनेरी की ओर से एक-एक साल का वेतन जो 96 हजार रूपये है, उसे कोविड-19 महामारी से बचाव हेतु दिया गया है। उन्होंने इसके लिए सभी दियातरा वासियों व सरपंचगणों का आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई की आगे भी गांव के विकास के लिए हम सभी एकजुट होकर, इसी प्रकार से आर्थिक व सामाजिक सहयोग देंगे। उन्होंने दियातरा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के स्टॉफ क्वाटर बनाने के लिए विधायक निधि कोष से 10 लाख रूपये तथा आवश्यक चिकित्सा उपकरण क्रय करने हेतु 3 लाख रूपये दिए जाने की घोषणा की। साथ ही कोलायत प्रधान की तरफ से 10 लाख रूपये देने की भी घोषणा की गई।

ANCHOR — सहयोग की सराहना

हिंदुस्तान जिंक ने उपलब्ध कराएं 500 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर

पहले चरण में उदयपुर, भीलवाड़ा, राजसमंद, चित्तौडगढ़ और अजमेर को 200 कंसंट्रेटर

वेदांता चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने वर्चुअल कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत को सौंपे

कोरोना महामारी की दूसरी लहर से राहत एवं बचाव के लिये हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा अब तक 28 करोड का सहयोग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक कोविड-19 से राहत एवं बचाव के लिये समुदाय और सरकार के सहयोग हेतु अग्रणी रही है। राजस्थान के चिकित्सालयों में ऑक्सीजन की कमी को पूरा करने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए, कंपनी ने एक और पहल कर राज्य के लिए 500 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर उपलब्ध करवाए जा रहे है।

वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल की उपस्थिति में वर्चुअल कार्यक्रम में हिन्दुस्तान जिंक द्वारा राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को ऑक्सीजन कंसंट्रेटर सौंपे गए। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ रघु शर्मा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री डॉ सुभाष गर्ग, मुख्य सचिव निरंजन आर्य, अतिरिक्त मुख्य सचिव खान विभाग, सुबोध कुमार, वेदांता के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील दुग्गल एवं हिंदुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा सहित उदयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौडगढ़, राजसमंद एवं अजमेर के जिला कलक्टर भी वचुअल कार्यक्रम में मौजूद थे।

समारोह के दौरान पहले चरण में अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद और उदयपुर के जिला प्रशासन को 200 आक्सीजन कंसंट्रेटर प्रदान किये गये। ये ऑक्सीजन कंसटेन्ट्रर उन रोगियों के लिये मददगार साबित होगें जिनका ऑक्सीजन लेवल 88-92 के बीच होता है। ऑक्सीजन बेड की कमी को पूरा करते हुए यह कंसंट्रेटर प्राण वायु में जीवन रक्षक साबित होगें।

इस अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि मैं अनिल अग्रवाल जी के नेतृत्व में वेदांता द्वारा प्रदान किए जा रहे सहयोग की सराहना करता हूं। वर्तमान परिस्थिति में हिंदुस्तान जिंक और केयर्न जैसी कंपनी एवं सरकारी और निजी क्षेत्रों के संयुक्त प्रयासों से राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण की स्थिति पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है। हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा 500 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, ऑक्सीजन प्लांट और सिलेंडर, वैक्सिन वैन, हॉस्पीटल और चिकित्सा उपकरण जन समुदाय के लिए आवश्यकता के समय प्रदान किए गए हैं, जो कि महामारी के खिलाफ लड़ाई में हमारे सहायक होगें। मुझे यह जानकर भी खुशी हो रही है कि वेदांता समूह द्वारा राजस्थान हमेशा अग्रणी हो कर सहयोगी की भूमिका निभाता रहा है। प्रदेश में टीकाकरण अभियान में आप द्वारा स्वैच्छा से हमारी मदद करने की भावना सरहानीय है। हम आपके और आपकी टीम के साथ मिलकर कार्य करना जारी रखेगें।

वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा, कि कोविड-19 की दूसरी लहर ने हमारे जीवन और हमारे आसपास जो प्रभाव डाला है, उससे मैं बहुत चिंतित हूं। इस कठिन समय में वेदांता समूह समुदाय और सरकार के साथ मजबूती से खड़ा है और हम महामारी के खिलाफ इस लड़ाई में देश भर में अपना पूरा सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। राजस्थान हमेशा मेरे दिल के बेहद करीब रहा है, हिंदुस्तान जिंक और केयर्न इंडिया के माध्यम से, हम हमारी इकाइयों के आस पास चिकित्सालय में ऑक्सीजन के साथ ही उपकरण एवं संसाधन प्राथमिकता से उपलब्ध कराएगें। हमारी टीम ऑन-ग्राउंड राज्य को सहायता देना जारी रखेगी और मुझे विश्वास है कि हम सामूहिक रूप से इस संकट को दूर करने में कामयाब होगें।

वेदांता समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुनील दुग्गल ने कहा कि हम इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान राज्यों में प्रशासन का सहयोग करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। राजस्थान में हमें उम्मीद है कि इन ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की आपूर्ति के साथ, चिकित्सालयों में भार को कम करने और अमूल्य जीवन को बचाने में हिंदुस्तान जिंक सहायक साबित होगा। महामारी के इस दौर मे हम माननीय मुख्यमंत्री के प्रयासों में सहयोग के लिये तत्तपर हैं।

इस अवसर पर हिंदुस्तान जिंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण मिश्रा ने कहा, कि हिंदुस्तान जिंक ने कोविड 19 से राहत एवं बचाव के लिये राज्य सरकार और स्थानीय समुदाय को हमेशा सहयोग किया है। हमनें वैक्सिन वैन, चिकित्सा उपकरण, आरटीपीसीआर मशीन, सहित आवश्यक संसाधन सुलभ कराये है। गांवों में नियमित हाइपोक्लोराइट का छिडकाव कराने के साथ ही स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम निरंतर जारी है। 100 बेड के फिल्ड हॉस्पीटल के साथ ऑक्सीजन की उपलब्धता लिक्विड और सिलेंडर के माध्यम से की जा रही है। हमें विश्वास है कि हम मिलकर इस महामारी पर विजय प्राप्त कर सकते हैं और ये ऑक्सीजन कंसट्रेटर रोगियों को कोविड-19 से राहत और बचाव में सहायक होगें।

महामारी की दूसरी लहर के बाद से, हिंदुस्तान जिंक ने लोगों के लिए कोविड-19 से राहत सुनिश्चित करने के लिए 28 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए हैं। कंपनी ने इसी माह की शुरुआत में 5 दिन के रिकॉर्ड समय में अपनी राजसमंद जिले की दरीबा इकाई में एक ऑक्सीजन बॉटलिंग प्लांट स्थापित किया है जिससे अब तक 10,000 से अधिक सिलेंडर मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा चुकी है। हिंदुस्तान जिंक द्वारा स्थानीय प्रशासन को 160 मीट्रिक टन लिक्विड ऑक्सीजन की आपूर्ति कर सहयोग किया है। अब तक कुल 260 मीट्रिक टन ऑक्सीजन उपलब्ध करायी गयी है। कंपनी राजसमंद दरीबा,में 100 क्रिटिकल केयर बेड की क्षमता वाला एक अत्याधुनिक फील्ड हॉस्पीटल की स्थापना कर रही है। जो कि राजसमंद में ही दरीबा के डीएवी स्कूल परिसर में 350 बेड के हॉस्पीटल के अतिरिक्त होगा। हिंदुस्तान जिंक द्वारा टीकाकरण अभियान में 5000 से अधिक कर्मचारियों, उनके परिवार के सदस्यों और कॉन्ट्रेक्ट वर्कर्स ने टीकाकरण कराया है। कंपनी द्वारा कॉन्ट्रेक्ट वर्कर्स के लिये समूह कोरोना कवच पॉलिसी प्रारंभ की है।

वेदांता समूह द्वारा महामारी की दूसरी लहर के खिलाफ लड़ाई में देश को 150 करोड़ और 1000 बेड के हॉस्पीटल की घोषणा की गयी हैं। सहायता प्रदान करने के लिए समूह की कंपनियों और सभी सहायक कंपनियों ने देश के विभिन्न हिस्सों में अनवरत सहायता हेतु कदम बढ़ाया है। राजस्थान में हिंदुस्तान जिंक के प्रयासों के अलावा, केयर्न इंडिया ने बाडमेंर में 100 बेड का अत्याधुनिक फील्ड अस्पताल स्थापित किया है और हाल ही में बाडमेंर में जिला प्रशासन के सहयोग से कन्या महाविद्यालय को 100 बेड वाले कोविड केयर सेंटर में परिवर्तित किया है। बाड़मेर में प्रशासन कंपनी कोविड केयर सेंटर और जिला अस्पताल में सभी मरीजों को दिन में तीन बार भोजन भी उपलब्ध करा रही है। केयर्न इंडिया ने अपने 13 टैंकर और 50 ऑक्सीजन सिलेंडर आवश्यकता होने पर उपलब्ध कराए हैं और रिफिलिंग के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर का परिवहन भी नियमित रूप से किया जा रहा है।

अस्पताल में हैं सभी तरह की सुविधाएं

बी लाल हॉस्पिटल में चिरंजीवी योजना के तहत पात्र परिवारों का हो रहा है नि शुल्क इलाज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सांचौर। शहर के कमालपुरा एन एच 68 पर स्थित बी लाल हॉस्पिटल में हाल ही में सूबे के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना के तहत पात्र परिवारों का इलाज नि शुल्क हो रहा है। योजना के तहत कैशलेस इलाज हो रहा है। राजस्थान सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना 1 मई से लागू हो हुई थी। इसके तहत राज्य के हर परिवार को पांच लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा का लाभ देने का लक्ष्य है। इसके तहत राज्य के प्रत्येक परिवार को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक का निशुल्क इलाज सरकारी और सम्बद्ध निजी अस्पतालों में किया जा रहा है इसके तहत ही शहर के बी लाल हॉस्पिटल में भी पात्र परिवारों का इलाज नि शुल्क किया जा रहा है। बी लाल हॉस्पिटल में सीटी स्कैन, एक्सरे, 4 डी सोनोग्राफी, ब्लड बैंक, ऑक्सीजन प्लांट, एमआरआई, ट्रोमा सेंटर व आईसीयू सहित चिकित्सा के सभी विभागों की सुविधा है। जिससे क्षेत्र के लोगों को चिरंजीवी योजना के तहत इलाज के लिए दूर जाना नहीं पड़ेगा। क्षेत्र सहित गरीब व मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए यह योजना जीवनदायिनी साबित हो रही है। इस योजना के तहत सरकार का राज्य के हर परिवार को पांच लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा का लाभ देने का लक्ष्य है।

योजना में पंजीकृत व्यक्ति को बीमा पॉलिसी के दस्तावेज साथ लेकर आना होगा या भर्ती मरीज को अस्पताल कार्मिकों को सूचना देकर 115 घण्टे के भीतर जमा करवाना होगा योजना में कोविड सहित गंभीर व जनरल बिमारियों का इलाज सरकारी निर्देशानुसार नि शुल्क किया जा रहा है।

- डॉ बाबूलाल विश्नोई, चिकित्सा अधीक्षक बी लाल हॉस्पिटल

कृपा सेवा संस्थान लॉक डाउन से प्रभावित परिवारों को पहुंचा रही है सहायता

निम्बाहेड़ा @ जागरूक जनता। कोरोना महामारी के प्रभाव को रोकने के लिए राज्य में लागू जन अनुशासन पखवाड़े के कारण कई गरीब परिवारों की आजीविका पर प्रभाव पड़ा है। गरीब एवं दिहाड़ी मजदूर वर्ग के परिवारों के रोजमर्रा की खाने पीने की व्यवस्था भी चरमरा गई है। इसी को ध्यान में रख नगर की बहुउद्देश्यीय सामाजिक सेवा संस्थान माँ कृपा सेवा संस्थान के अति आवश्यकता वाले परिवारों को किराने की सामग्री का राशन किट उपलब्ध करवाने में जुटी हुई है। संस्थान की संस्थापक एकता मराठा के अनुसार उनकी संस्थान के माध्यम से आटा, दाल, तेल, नमक सहित आवश्यक राशन सामग्री के किट जरूरतमंद परिवारों को वितरित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आगे भी जब तक लॉक डाउन रहेगा ऐसे गरीब परिवारों को यह सामग्री उपलब्ध कराए जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि लॉक डाउन के दौरान रमजान माह में नगर की कच्ची बस्ती क्षेत्र में कुछ परिवारों को संस्थान की सदस्या माहिरा खान के द्वारा नए कपड़े, राशन सामग्री उपलब्ध करवाई गई थी। संस्थान अध्यक्ष स्वाति अग्रवाल ने बताया कि नगर की बहुउद्देशीय सेवाभावी संस्थान माँ कृपा सेवा संस्थान की ओर से आज जरूरतमंद परिवारों को वितरित करने के लिए 20 राशन किट और तैयार किए गए हैं। इस कार्य में संस्थान सदस्य राधा वैष्णव, माहिरा खान, रत्ना वर्मा, मेहविश खान, सुनीता सैनी आदि क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने में जुटी हुई है।

जिला कलेक्टर ने ली व्यापार संगठनों की बैठक, गाइडलाइन का पालन करने के दिये निर्देश

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। प्रदेश में 8 जून सुबह 5 बजे तक के लिए त्रिस्तरीय जन अनुशासन लॉकडाउन लागू किया गया है, जिसे लेकर जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा और जिला पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव ने विभिन्न व्यापार संगठनों की बैठक सोमवार शाम डीआरडीए हॉल में लेकर समीक्षा की एवं लोक डाउन की गाइडलाइन का अक्षरशः पालन करने के लिए सभी से अपील की। जिला कलेक्टर ने व्यापारियों को आवश्यक सामानों की होम डिलीवरी हेतु प्रोत्साहित किया। इसी के साथ उन्होंने सामान बेचते समय मास्क पहनने, सोशल डिस्टेंसिंग रखने और अपने प्रतिष्ठान को नियमित रूप से सैनिटाइज करने के लिए निर्देश दिए। इधर व्यापार संगठनों ने भी कोरोना की लड़ाई में सहयोग हेतु जिला कलेक्टर और एसपी को आश्वस्त किया। बैठक में जिला कलेक्टर ने 8 जून सुबह 5 बजे तक लागू त्रिस्तरीय जन अनुशासन लॉकडाउन की गाइडलाइंस की व्यापारियों को जानकारी दी। बैठक में व्यापार संगठनों एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों ने विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। बैठक में जिला कलेक्टर ने सभी से अपील करते हुए कहा कि अपने आसपास किसी जरूरतमंद की सहायता अवश्य करें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन ने जरूरतमंद लोगों के लिए राशन किट तैयार किए हैं एवं कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति दिखाई देने पर ज़िला रसद अधिकारी से संपर्क कर संबंधित व्यक्ति को राशन किट दिया जा सकता है। बैठक में व्यापारियों ने भी गाइडलाइंस को लेकर अपने कई संशय दूर किए। बैठक में एडीएम (प्रशासन) रतन कुमार स्वामी, एडिशनल एसपी हिम्मत सिंह, पुलिस उप अधीक्षक मनीष कुमार शर्मा, जिला रसद अधिकारी विनय कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं व्यापार संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत आयोजित होगा पंजीयन शिविर

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में पंजीयन के लिए वण्डर सीमेन्ट लि. आर.के.नगर निम्बाहेड़ा के परिसर में 26 एवं 27 मई 2021 को जिला उद्योग केन्द्र एवं सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त तत्वाधान मे उद्योग मे कार्यरत कार्मिको/कामगारो के दो दिवसीय शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक राहुल देव सिंह ने बताया कि उक्त योजना के तहत पंजीयन कराने वालो को राज्य के सरकारी और सबद्ध निजी अस्पतालो में भर्ती होने पर 5 लाख रू. तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा। प्रतिवर्ष सामान्य बीमारी 50 हजार और गंभीर बीमारी में 4.50 लाख रू0 का निशुल्क उपचार। बीमारी के 1576 प्रकार के पैकेज और प्रोसीजर उपलब्ध । राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम और सामाजिक आर्थिक जनगणना-2011 के लाभार्थियों को रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता नहीं है। उन्हे पूर्व की भांति योजना का लाभ मिलता रहेगा। उक्त योजना में पंजीकरण हेतु पंजीयन शुल्क,प्रीमियम राशि जमा शुल्क,पॉलिसी दस्तावेज प्रिन्टिंग शुल्क का भार राज्य सरकार द्वारा वहन किया जावेगा।

तीन विस में सांसद दीया ने किया औचक निरीक्षण

प्रमुख चिकित्सा सेंटर पर पहुंच मरीजों से पूछी कुशलक्षेम

मेड़ता में क्रिटिकल एंबुलेंस ओ2 कंसंट्रेटर और एक्सरे मशीन का किया लोकार्पण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

राजसमन्द। सांसद दीयाकुमारी ने आज लोकसभा क्षेत्र की डेगाणा, मेडता और जेतारण विधानसभा क्षेत्र में आने वाले सीएचसी सेंटर्स का औचक निरीक्षण करते हुए चिकित्सालयों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मरीजों से बातचीत कर वहां मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। सांसद दीयाकुमारी ने प्रातः 11.30 बजे सर्वप्रथम विधानसभा क्षेत्र डेगाना के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र,थांवला में संचालित कोविड़ केयर सेन्टर का निरीक्षण कर एक ऑक्सीजन कंसंट्रेटर भेंट किया। इस दौरान मरीजों को मास्क और सेनेटाइजर भी वितरित किये। इस दौरान सांसद ने कहा कि विभिन्न चिकित्सा संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित होने से ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त उपचार मिलना सम्भव हो पा रहा है। मेड़ता विधानसभा क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बग्गड़ का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली व ऑक्सीजन कंसंट्रेटर भेंट किया। चिकित्सा सुविधाओं में सुधार हो रहा है एवं संसाधनों की उपलब्धता में आ रही समस्याओं का भी समाधान हो रहा है। किसी भी मरीज को चिकित्सा अभाव के कारण जान नहीं गंवानी पड़े, इसके लिए प्रत्येक हरसम्भव प्रयास किया जा रहा है। संसदीय क्षेत्र मेड़तासिटी के दौरे पर पहुंची सांसद दीयाकुमारी ने सांसद कोष से दी गई क्रिटिकल एंबुलेंस, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, एक्स-रे-मशीन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर सांसद दिया कुमारी ने कहा कि कोरोना काल में केंद्र सरकार के द्वारा बेहतर चिकित्सा प्रबंधन किया जा रहा है। केंद्र सरकार के द्वारा लोगों के वैक्सीनेशंस को लेकर भी लगातार जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। 18 वर्ष के युवाओं के लिए भी अब केंद्र सरकार ने वैक्सीनेशन पंजीयन की प्रक्रिया को सरल कर दिया है। सांसद ने कहा कि प्रिंसेज दिया कुमारी फाउंडेशन के माध्यम से भी लोगों की मदद की जा रही है। फाउंडेशन जरूरतमंद लोगों को भोजन के पैकेट वितरित करने का कार्य कर भी कर रहा है। डेगाणा और मेडता में औचक निरीक्षण के बाद सांसद दीयाकुमारी ने जैतारण विधानसभा के आनंदपुर कालू पीपाड़ा एवं जैतारण के पीएचसी एवं सीएचएस का निरीक्षण किया। आनंदपुर कालू व पीपाड़ा में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर भेंट करते हुए मरीज के परिजनों से बात की।

खस्ताहाल सड़कों से आमजन को मिलेगी निजात

नगरीय निकायों में कार्यों के लिए 1000 करोड़ के प्रस्ताव तैयार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शहरी क्षेत्रों में सड़कों के खस्ताहाल से आमजन को अब निजात मिल सकेगी। नगरीय निकायों की सड़कों से संबंधित कार्यों के लिए 1000 करोड़ के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। इन सड़कों को दुरुस्त करने का काम अब सरकार की ओर से हाथ में लिया जाएगा। सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव ने बताया कि प्रदेश में पिछले ढाई साल में हुए सड़क विकास के 4660 करोड़ की लागत से 14150 किलोमीटर सड़कों के निर्माण, चौड़ाईकरण, सुदृढ़ीकरण एवं नवीनीकरण के कार्य हुए हैं। पीएमजीएसवाई के तहत 1445 करोड़ की लागत से 7920 किलोमीटर लम्बाई की ग्रामीण सड़कों का उन्नयन एवं नवीनीकरण के 2209 कार्य पूरे किए गए हैं। नेशनल हाइवे योजना के तहत 2466 करोड़ से 475 किलोमीटर लंबाई की सड़कों का चौड़ाईकरण एवं सुदृढ़ीकरण तथा 270 किमी लम्बाई में नवीनीकरण के कार्य पूरे किए गए हैं। साथ ही एशियन डवलपमेंट बैंक एवं विश्व बैंक के सहयोग से 1741 करोड़ से 623 किलोमीटर लम्बाई में राजमार्गों का विकास किया गया है।

प्रत्येक जिले की तीन प्रमुख सड़कों की मरम्मत

यादव ने बताया कि वर्ष 2021-22 की बजट घोषणाओं में प्रत्येक जिले की तीन प्रमुख सड़कों के मरम्मत, पुल निर्माण एवं अन्य कार्यों के लिए 4090 करोड़, नगर निगम क्षेत्र में 30 किलोमीटर, नगर परिषद क्षेत्र में 20 एवं नगरपालिका क्षेत्र में 10 किलोमीटर तक मुख्य सड़क मरम्मत कार्यों के लिए 1000 करोड़, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-तृतीय के शेष कार्यों के लिए 1425 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि 2021-22 की 240 बजट घोषणाओं की कार्ययोजना तैयार कर रि यान्वयन की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि सीआरआईएफ से संबंधित कार्यों के प्रस्ताव भारत सरकार को भेज दिए गए हैं।

24 घंटे में पहुंचाएंगे कोविड पीड़ित परिवार को मदद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के ईएएफ एम विभाग से सेवानिवृत्त प्रोफेसर और कॉमर्स कॉलेज के प्राचार्य स्वर्गीय सीआर कोठारी के पुत्र प्रदीप कोठारी ने अपने पिता के नाम से बने सीआर कोठारी मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से कोरोना वसे पीड़ित परिवारों की सहायता की पहल की है। विश्वविद्यालय जनसंपर्क अधिकारी को उन्होंने अपना यह संकल्प दोहराया है कि यदि राजस्थान विश्वविद्यालय से जुड़ा या अन्य कोई भी ऐसा परिवार जिसने कोरोना के दुष्प्रभाव से अपने परिवार की आजीविका कमाने वाले एकमात्र सदस्य को खो दिया है तो उस पीड़ित परिवार की ट्रस्ट के माध्यम से आर्थिक सहायता के साथ अन्य आवश्यक मदद 24 घंटे के अंदर पहुंचाई जाएगी। उन्होंने अपने निजी मोबाइल नंबर 9322221861 सार्वजनिक कर यह अपील की है कि कोरोना से पीड्ति परिवार को अत्यधिक संकट में हैं उनसे सीधा सम्पर्क कर सकता है। राजस्थान विश्वविद्यालय चिकित्सालय में आवश्यक कंसंट्रेटर तुरंत उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भी उन्होंने जनसंपर्क अधिकारी डॉ. भूपेंद्र सिंह शेखावत के माध्यम से राजस्थान विश्वविद्यालय के समक्ष रखा है।

दिखाई तत्परता, जल्द ऑक्सीजन पहुंचाने में मददगार बन रहे है परिवहन अधिकारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। इन दिनों सोशल मीडिया पर परिवहन विभाग पर सच्चे झूठे आरोपों और वीडियो की झड़ी लगी है तो दूसरी ओर परिवहन विभाग इन सभी को दरकिनार करते हुए अपने कर्तव्यों के निर्वहन में तत्परता से जुटा हुआ है। पिछले एक माह से विभाग के निरीक्षक सड़क मार्ग द्वारा ऑक्सीजन परिवहन कर जल्द से जल्द मरीजों तक पहुंचाने में लगे हैं। राजस्थान के सुदूर जिलों में भी मरीजों को यथाशीघ्र ऑक्सीजन उपलब्ध हो सके इसके लिए परिवहन विभाग रात और दिन जुटा हुआ है, ऑक्सीजन टैंकर के लिए ना सिर्फ ग्रीन कॉरिडोर बना कर उन्हें समय से पहले पहुंचाया जा रहा है बल्कि चलते हुए वाहनों में आई खराबी को भी मौके पर ही कम से कम समय में ठीक करवाया जा रहा है। ऐसा ही एक वाकया आज अलसुबह 3:30 बजे देखने को मिला जब एक टैंकर संख्या UP21 सीएन 7035 की क्रॉस पिन झाड़ोली के निकट टूट गई और इसे ठीक कराए बिना आगे संचालन सम्भव नहीं था, इस परिस्थिति में विभाग के निरीक्षक श्री श्याम सिंह ने तुरन्त कॉल कर नज़दीकी वर्कशॉप पटेल मोटर्स से टीम बुलाई लेकिन वाहन का मॉडल पुराना होने के कारण वर्कशॉप में नई पिन उपलब्ध नहीं थी तब पिंडवाड़ा पुलिस की सहायता ली गई और पिंडवाड़ा स्थित एक स्पेयर पार्ट्स व्यवसायी को घर से ले जाकर उसकी दुकान खुलवाई और क्रॉस पिन प्राप्त किया, तब कहीं जाकर उसे टैंकर में लगा कर दुरुस्त किया जा सका; इस पूरे मामले में परिवहन निरीक्षक की गंभीरता और तत्परता से निर्णय लेकर कार्यवाही करने से ही वाहन को मात्र दो घंटे में रिपेयर कर रवानगी देना सम्भव हो पाया। इसी टैंकर का कुछ दिनों पहले भी बेयरिंग टूटने से टायर फट गया था। आश्चर्यजनक समानता यह रही कि आज फिर उसी क्षेत्र में वही वाहन खराब हुआ,आज भी वही निरीक्षक उसे एस्कॉर्ट कर रहे थे,उसी वर्कशॉप से उन्हीं मेकेनिकों की वही टीम आई जो पहले आई थी।

कोरोना: जनभागीदारी सबसे अहम है- सुरेश चंद्र शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। कोरोना की दुसरी लहर और संक्रमण को रोकने के लिए शहर में प्रशासन ने भी सख्त कदम उठाए है जन अनुशासन पखवाड़े के तहत उपखंड अधिकारी के निर्देशों की पालना में तहसील, नगर पालिका पीपाड़ व पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा माली मेला, के.के मार्केट, सदर बाजार, होली धड़ा,नगर पालिका रोड, मिनी बस स्टेण्ड, मुंदड़ा सर्किल, इलाजी बाजार, गोल प्याऊ,सुभाष घाट ,कोट गेट, लखारा बाजार क्षेत्र का निरीक्षण किया गया।

अधिशासी अधिकारी सुरेश चंद शर्मा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान प्रातः 11 बजे के पश्चात जो दुकानें खुली पाई गई उन दुकानों में कार्य चल रहा था जिसे पालिका द्वारा कार्रवाई करते हुए सीज कर जुर्माना वसूल किया गया। इसके साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग नही रखने एवं बिना मास्क घूमने वाले काफी व्यक्तियों के चालान भी काटे गए। इसके साथ ही इनसे जुर्माना राशि वसूल की गई है। और नवीनतम सरकारी गाइडलाइन के अनुसार किराणा की दुकाने शनिवार, रविवार, और सोमवार को भी बंद का आदेश दिया गया। इसके साथ ही पालिका द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में हाइपो क्लोराईड व सेनेटराईज छिड़काव के साथ ही मास्क वितरण भी किये जा रहे हैं और प्रतिदिन पालिका द्वारा राजकीय अस्पताल के साथ अलग-अलग वार्डो में भी हाइपोक्लोराइड का छिड़काव किया जा रहा है और जहा कोरोना पॉजिटिव केस पाए गए वहा पालिका कर्मचारियों द्वारा रात्रिकालीन समय में फोगिंग मशीन से फोगिंग भी की जा रही हैं जिससे मच्छर और हवा में फैलने वाले किटाणुओं से बचा जा सके।

पालिका और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम के राजस्व निरीक्षक अक्षय राजपुरोहित, कनिष्ठ लिपिक विजय विश्नोई, कार्यवाहक स्वच्छता निरीक्षक नेमाराम, फायरमैन मोहनराम, सहायक कर्मचारी शंकरराम,पुलिस कांस्टेबल कमलेश, छोटा राम चौधरी, संविदा कर्मी रूपेश कुमार शर्मा,सफाई प्रभारी विक्रम, गौतम, पप्पुराम, अंकित शर्मा टीम में शामिल रहे।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जालोर। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक मंगलवार को डीओआईटी सभागार में संपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता करते हुए कलक्टर नम्रता वृष्णि ने कहा कि कोरोना महामारी के इस विपरीत समय में आमजन को स्वास्थ सुविधाएं सुलभ करवाना हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि कोरोना की तीसरी लहर की संभावना और ब्लैक फंगस दोनों के लिए पूर्व तैयारियों की सख्त जरूरत है जिससे कि जिलेवासियों को अच्छा उपचार मिल सकें। उन्होंने जिले में कोरोना संक्रमण की स्थिति की समीक्षा करते हुए विभिन्न कोविड सेंटर्स पर भर्ती मरीजों एवं डिस्चार्ज मरीजों की जानकारी ली। जिला कलक्टर ने जिले में कोरोना संक्रमण के घटते केस पर संतोष जताते हुए चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को फिर भी पूर्ण रूप से सचेत रहने एवं जिले में कोरोना की स्थिति को नियंत्रण करने के लिए प्रयास करते रहने के निर्देश दिये।उन्होंने सैंपलिंग में कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग के साथ साथ रेंडम सैंपलिंग बढ़ाने एवं आईएलआई लक्षणों वाले मरीजों एवं ब्लैक फंगस के लिए घर घर सर्वे को सुचारू रखा जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना की चर्चा करते हुए कहा कि अधिक से अधिक पात्र लोगों को मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने चिरंजीवी योजना के लिए अधिकृत अस्पतालो के अधिकारियों से चिरंजीवी योजना से सम्बन्धित आंकड़ा की जानकारी लेते हुए योजना की प्रगति की समीक्षा की एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाते हुए सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की बात कही।जिला कलक्टर वृष्णि ने टीकाकरण के संबंध में कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति कोविड वैक्सीनेशन से नहीं छूटे तथा पात्र लोग शत-प्रतिशत टीकाकरण करवाएं और दूसरे व्यक्तियों को भी प्रेरित करें। उन्होंने पंचायत समितिवार कोविड टीकाकरण की स्थिति के बारे में जानकारी ली।जिला कलक्टर ने जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना, मुख्यमंत्री निःशुल्क जांच योजना, टीकाकरण, राजश्री योजना आदि की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।बैठक में सीएमएचओ डॉ. गजेन्द्रसिंह देवल, डिप्टी सीएमएचओ डॉ. एस.के.चौहान, पीएमओ डॉ. एसपी शर्मा, आरसीएचओ डॉ. रमाशंकर भारती, डीपीएम चरण सिंह, बीसीएमओ भजनाराम डूडी, गोविंदसिंह मंडलावत सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी भी वीसी के माध्यम से जुड़े।

ANCHOR **महत्वकांक्षी शैक्षिक परियोजना**

शैक्षणिक उत्थान, सांस्कृतिक संरक्षण और कौशल विकास की दिशा में अहम भूमिका निभाएगा श्रीनाथ पीठ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

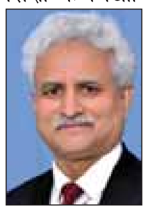

उदयपुर। राजस्थान प्रदेश के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के विद्यार्थियों के शैक्षिक संवर्धन, कौशल और ज्ञान-विज्ञान को विकसित करने के लिए उदयपुर का मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उत्कृष्टता केंद्र के लिए शीघ्र ही अब देश भर में पहचाना जाएगा। सुविवि अपनी महत्वकांक्षी शैक्षिक परियोजना एवं उत्कृष्टता केंद्र के रूप में श्रीनाथ पीठ की स्थापना के साथ प्रदेश के विद्यार्थियों को नई सौगात देने जा रहा है। 15 एकड़ भूमि पर स्थापित होने वाला यह उत्कृष्टता केंद्र विश्वविद्यालय और प्रदेश की उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों की प्रगति के नए आयाम स्थापित करेगा। आने वाले समय में यह श्रीनाथ पीठ सुविवि के अन्य विश्वविद्यालय परिसर के रूप में भी पहचाना जाएगा। संभाग के कई दानदाताओं और भामाशाहो ने इस उत्कृष्टता केंद्र के स्थापना में अपना सहयोग देने में रूचि दिखाई हैं। सरकार द्वारा भूमि आवंटन और अनुमति की प्रक्रिया पूर्ण होते ही प्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था में यह केंद्र अग्रिणी अनुसंधान केंद्र के रूप में देशभर में पहचान स्थापित करेगा। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह इस उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए जिला प्रशासन, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्व विभाग, राज्यपाल एवं सरकार के साथ मिलकर इसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रयासरत हैं। विद्यार्थियों में कला, संस्कृति, शैक्षिक सभ्यता, नवीन पाठ्यक्रम एवं उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने, ज्ञान विज्ञान, शोध और अनुसंधान को बढ़ावा देने तथा उच्च शिक्षा के वैश्विक मानको को वृहतम स्तर पर जनमानस में और विशेष रूप से विधायर्थियो के बीच पहचान बनाना इस श्रीनाथ पीठ की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य होगा। प्रदेश की उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों के लिए यह केंद्र नए आयाम स्थापित करेगा। इसके स्थापना के साथ सुविवि की राष्ट्रिय एवं अंतराष्ट्रीय पटल पर पहचान और प्रदेश की उच्च शिक्षा के आधुनिकतम उत्कृष्टता केंद्र के मान्यता विकसित होगी। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने इस उत्कृष्टता केंद्र श्रीनाथ पीठ की रुपरेखा पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रसार, भारतीय कला एवं संस्कृति को प्रोत्साहन देने के लिए एवं उच्च शिक्षा में हुई विश्वव्यापी प्रगति को प्रभावकारी ढंग से विद्यार्थियों और शिक्षा व्यवस्था की प्रगति के लिए उपयोग करना ही इस केंद्र की स्थापना का मूल उद्देश्य हैं। विश्वविद्यालय में उपलब्ध साधनों का उत्कृष्ट प्रयोग ही उत्कृष्टता केंद्र की मूल अवधारणा हैं। प्रदेश में साक्षरता प्राप्त करने के लिए प्रयास करना, ज्ञान विज्ञान की जानकारियों व नवाचारो को अंतर्निविष्ट करना, छात्रों, शिक्षकों एवं जनमानस के लिए शिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना, शिक्षक प्रशिक्षण कार्यकर्मों द्वारा विद्यालय व महाविद्यालय स्तर पर पाठ्यक्रम सामाग्रियां विकसित करना, नवीन विचारों को पैदा करने के लिए जिज्ञासु मस्तिष्क को प्रोत्साहित करना, देश के विज्ञान एवं तकनीकी की प्रगति को दिखाना व इसका प्रदर्शन करना, देश की विज्ञान एवं तकनीकी धरोहर को संरक्षित करना और उसका प्रचार-प्रसार करना, सभी संकाय और वर्ग के विधायर्थियो एवं शोधकर्ताओं को प्रोत्सान देना, कला-विज्ञान-वाणिज्य, इंजीनियरिंग और साहित्य वर्ग के विद्यार्थियों के रचनात्मक एवम वैज्ञानिक कौशल को विकसित करना और उन्हें बढ़ावा देना, विज्ञान एवं तकनीकी की प्रगति को दिखाना व इसका प्रदर्शन करना सहित अनेको दृष्टिकोण के साथ यह पीठ उच्च शिक्षा विभाग और राज्य सरकार की अनुमति के बाद शिघ्र ही देश और प्रदेश को शैक्षिक उन्नति की ओर ले जाने के लिए शीघ्र ही स्थापित होगा।

जयपुर जिले में मिले 832 नए कोरोना पॉजिटिव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जिले में लगातार दूसरे दिन भी नए संक्रमितों की संख्या एक हजार से कम रही। वहीं नए मरीजों की संख्या स्थिर नजर आई। मंगलवार को जिले से 832 नए मामले दर्ज हुए। हर इलाके में नए संक्रमितों की संख्या भी कम हो रही है। ऐसे इलाकों की संख्या भी घट गई है, जहां से लगातार कोरोना पॉजिटिव मिल रहे थे। जो हॉटस्पॉट इलाके हैं, वहां भी संक्रमितों की सर्वाधिक संख्या 64 ही रही। झोटवाड़ा से 64 नए मामले सामने आए हैं, जबकि मालवीय नगर, मानसरोवर, सोडाला, जगतपुरा, वैशाली नगर, कोटपूतली से लगातार 100 या इससे अधिक मामले पिछले दिनों मिल रहे थे, अब यहां पर संक्रमण दर सिमटने लगी है।

यहां से मिले संर मित

झोटवाड़ा में 64, जामडोली में 49, वैशाली नगर 44, गोविंदगढ़ में 37, सोडाला 37, अजमेर रोड 30, जमवारामगढ़ 23, प्रतापनगर 18, टोंक रोड 18, विद्याधर नगर 18, ब्रहमपुरी 17, जगतपुरा 17, सीतापुरा 17, आमेर 16, जवाहर नगर 15, झालाना 15, खातीपुरा 15, सांगानेर 15, शास्त्री नगर 14, कालवाड़ रोड 13, फागी 13, पत्रकार कॉलोनी 12, एयरपोर्ट 11, दूदू 11, आदर्श नगर 10, भांकरोटा 10, लालकोठी 10, मुरलीपुरा 10, बीलवा 9, अग्रवाल फार्म 9, फुलेरा 9, इंदिरा गांधी नगर 9, सिरसी 9, मानसरोवर 9, मालवीय नगर 8, बस्सी 8, किरण पथ 8, सिविल लाइंस 8, हरमाड़ा 8, गोपालपुरा 7, सांभर 7, चाकसू 6, बगरू 6, मुहाना मंडी 6, गोनेर रोड 6, टोंक फाटक 6, गोनेर 6, जेएलएन मार्ग 6, किशनगढ़ रेनवाल 6, कोटपूतली 6, महेश नगर 6, रामगंज 6, लुणियावास 5, गांधी नगर 5, वाटिका 5, सी स्कीम 5, बनीपार्क 5, पुरानी बस्ती 5, राजापार्क 5, दुर्गापुरा 4, विराट नगर 4, सीकर रोड 4, चांदपोल 3, चौड़ा रास्ता 2, बरकत नगर 2, त्रिवेणी नगर 2, जयसिंहपुरा खोर 2, करतारपुरा 2, एमडी रोड 2, आमेर रोड 2, बजाज नगर 2, रामबाग 2, शाहपुरा 2, रामगढ़ मोड़ 2, हसनपुरा 2, गुर्जर की थड़ी 1, ददिया 1, जोबनेर 1, कानोता 1, खोह नागौरियान से एक नया कोरोना पॉजिटिव मिला है।

राशन सामग्री कीट जरूरतमंद महिलाओं को वितरण

चित्तौडगढ़ @ जागरूक जनता। महावीर इन्टरनेशनल देषना वीरा केन्द्र की अध्यक्षा सुनीता सिसोदिया ने बताया कि कोविड-19 की इस महामारी में कई लोगों के सामने भरण पोषण की समस्या आकर खडी हो गई है। इस हेतु महावीर इन्टरनेषनल देषना वीरा केन्द्र चितौड़गढ़ निरन्तर सेवा कार्यों में प्रयासरत है। इस कडी में आज महावीर इन्टरनेषनल देषना वीरा केन्द्र की ओर से 11 राषन सामग्री के किट (आटा, दाल, तेल, शक्कर, चाय, मसाले) निर्धन एवं जरूरतमंद महिलाओं को दिये गये। यह राषन सामग्री के किट केन्द्र की चेयरपर्सन वीरा सुनीता सिसोदिया के सहयोग से वितरित किये गये। सचिव वीरा विनीता जैन ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी को नेक कार्य में आगे आना चाहिए।

विधायकआक्या ने मृतक आश्रित परिवारों को दी सांत्वना

चितौडगढ़ @ जागरूक जनता। विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या ने चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मेड़ी का अमराणा में निवासरत् दो परिवारों के सदस्यों एवं मुखियां की मृत्यु होने पर उनके परिजनों को सांत्वना देते हुए हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया एवं दोनों परिवारों को मौके पर ही आर्थिक सहायता प्रदान की। मेड़ी का अमराणा गाँव निवासी सात वर्षीय बालक बबलू पर तो विपत्तयों का पहाड़ ही टूट पड़ा। विगत 8 महिनों में बबलु ने अपने परिवार के पांच सदस्य जिसमें उसकी माता, बड़ी बहन, दादा, दादी व भुवा का इस कोरोना काल मे निधन हो गया। अब घर मैं सिर्फ इस सात साल के बच्चे का पिता रतन ही जीवित है जो कि स्वयं एक गंभीर बीमारी से ग्रसित होकर चलने फिरने में भी सक्षम नहीं है ऐसे में इन दोनों पर दो वक्त के भोजन का भी संकट खड़ा हो गया है। इसके साथ ही ग्राम मेड़ी का अमराणा निवासी हीरा लाल डांगी की कोरोना से मृत्यु हो जाने से उसके घर मे भी परिजनों पर जीवन निर्वाह का संकट उत्पन्न हो गया है, क्योंकि घर में मात्र हीरा लाल ही कमाने वाला था, उसके परिवार में उसकी वृद्ध माता, विधवा पत्नी, नाबालिग पुत्री व 8 वर्षीय पुत्र सत्यनारायण है, ऐसे में इस परिवार का लालन-पालन करना भी मुश्किल हो गया है। जानकारी मिलने पर विधायक आक्या आज उक्त पीड़ित परिवारों के घर पहुंचकर आश्रितों को सांत्वना प्रदान की एवं परिजनों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। साथ ही बालक बबलु के पालन पोषण एवं शिक्षा की उचित व्यवस्था हेतु उच्च अधिकारियों से परामर्श कर पूर्ण रूप से मदद दिलाने हेतु आश्वस्त किया। विधायक आक्या ने दोनों परिवारों को मौके पर ही अपनी ओर से आर्थिक सहायता भी प्रदान की। उक्त मौके पर सावा मंडल अध्यक्ष रतन लाल डांगी, सरपंच शंभूपुरा अजय चैधरी, सरपंच प्रतिनिधि कुकालाल डांगी, गोपाल भील, मुकेश भील, पूर्व मण्डल अध्यक्ष हरि सिंह जाट, विधायक प्रवक्ता गिरीश दीक्षित, जिला परिषद् सदस्य प्रतिनिधि हेमराज मेघवाल, पंचायत समिति सदस्य सीमा भील, पूर्व उपसरपंच लक्ष्मण सिंह चुण्डावत, भाजपा आईटी नगर संयोजक कैलाश वैष्णव, सुरेश डांगी, भैरू लाल डांगी , शिवराज सिंह, शैतान सिंह अमराणा के साथ ही ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

बोचावत एनएसयूआई के बिलाड़ा विधानसभा कोविड प्रभारी नियुक्त

पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता। एनएसयूआई राजस्थान द्वारा देश व प्रदेश में बढ़ रही कोविड महामारी को देखते हुए एनएसयूआई राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष अभिषेक चौधरी व प्रदेश प्रभारी गुरजोत सिंह साधु के निर्देशानुसार ब्लॉक अध्यक्ष एनएसयूआई व युवा पार्षद अर्जुनसिंह बोचावत को बिलाड़ा विधानसभा का कोविड राहत प्रभारी नियुक्त किया। बोचावत ने पिछले लॉक डाउन में भी दिन रात लोगों की सेवा की बोचावत की नियुक्त पर समस्त एनएसयूआई कार्यकर्ताओ ने प्रदेशाध्यक्ष व प्रदेश प्रभारी , व बिलाड़ा विधायक हीराराम मेघवाल का आभार व्यक्त किया, बोचावत ने कहा ये जिम्मेदारी जो मुझे संघटन से सौपी इसे पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करूंगा व इस संकट की घड़ी में सदैव जनता के बीच रहूंगा। अर्जुन काफी समय से सामाजिक सेवाओं के साथ पर्यावरण संरक्षण, बाल विवाह, चिकित्सा शिविर, गौ सेवा और भी कई सामाजिक और धार्मिक कार्यक्ष मों में अपना सहयोग प्रदान करते है। इस मौके पर लघु कार्यक्ष म के दौरान कोराना कर्मवीर के तौर पर मित्र मण्डल द्वारा माल्यार्पण और साफा पहनाकर हौसला अफजाई किया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद छात्राओं ने शुरु करेगा परिंडे लगाओ अभियान

जयपुर @ जागरूक जनता। कोरोना महामारी के इस काल मे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जयपुर प्रांत की छात्राओं द्वारा गर्मी के मौसम मे बेजुबान पक्षीओं के लिए "परिंडा लगाओ अभियान" शुरू किया जा रहा है। प्रांत छात्रा प्रमुख डॉक्टर हेमलता शर्मा ने बताया कि गर्मी तथा कोविड-19 के प्रकोप से बचाने के लिए हमें आसपास के पक्षियों के लिए दाना -पानी का प्रबंध करना चाहिए । महामारी के दौरान आमजन को जागरूक करने एवं पक्षियों की रक्षा के लिए अभियान चलाया जा रहा है । इस अभियान के तहत संपूर्ण जयपुर प्रांत, जिसमें जयपुर के आसपास के 11 जिले हैं। वहां पर परिषद की छात्राओं द्वारा अपने घर एवं आसपास के स्थानों पर 11000 परिंडे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। परिंडे लगाने के साथ-साथ इनमें नियमित पानी डालने की जिम्मेदारी भी नियुक्त की जायेगी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य निकिता शेखावत ने विभिन्न जिलों के छात्रा पदाधिकारियों को इस अभियान से जुड़ने का आग्रह किया। तथा आगामी कार्य योजनाओं का प्रबंधन किया। इस अभियान के दौरान फिलहाल विभिन्न जिलों से मोनिका सैनी ,दिव्या शर्मा ,किरण मीणा, हिना व्यास चेष्टा भार्गव,सुमित्रा कुमावत आदि छात्राएं इस अभियान के लिए नेतृत्व करेगी तथा अभियान के साथ साथ जुड़ने वाली छात्राओं को भी जिम्मेदारी दी जायेगी।

विद्याधर नगर कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेसी पार्षदों का सद्बुद्धि यज्ञ

जयपुर @ जागरूक जनता। विद्याधर नगर में हुई कार्रवाई को लेकर कांग्रेसी पार्षदों ने निगम मुख्यालय पर सद्बुद्धि यज्ञ किया। पार्षद करण शर्मा ने कहा कि कार्रवाई का मामला उलटा पड़ता देख मेयर ने ठीकरा अधिकारियों के सिर फोड़ना चाहा है। जबकि हकीकत में यह उनकी ओर से कराई गई कार्रवाई है। हालांकि जिस कमिश्नर के साथ उनकी पहले से ठनी हुई है, क्या वो उनके कहे पर काम कर रहे हैं? इसका पार्षदों के पास जवाब नहीं था। उन्होंने इतना कहा कि मेयर कांग्रेस सरकार को बदनाम करने की फिराक में है। महामारी काल में उनकी ओर से की जा रही राजनीति के चलते हमने सद्बुद्धि यज्ञ किया है। इस मौके पर पार्षद राजू अग्रवाल, प्रदीप तिवारी, विजेंद्र सैनी, राजेश गुर्जर, ममता यादव, राम जानकी शर्मा, आशीष परेवा, शंकर बाजडोलिया, हेमा सिंघानिया, चांद सैनी, काजल आदि उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी अस्पताल में स्थापित ऑक्सीजन बैंक का उदघाटन समारोह सम्पन्न

सैल्यूट टीम जोधपुर ब्रेथ बैंक -सोनू सूद

ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर मशीनों के माध्यम से मरीजों की सेवा कर रहे जोधपुर ब्रेथ बैंक ने महज 20 दिनों के रिकॉर्ड समय में जोधपुर के महात्मा गांधी सरकारी अस्पताल में 50 क्यूबिक मीटर/घंटा (800 एल पी एम) क्षमता के ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट की स्थापना की है

मेहराम गहलोत @ जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। जनसहभागिता के माध्यम से इतने बड़े सरकारी अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना सराहनीय है । इस हेतु जोधपुर ब्रेथ बैंक से जुड़े सभी लोग बधाई के पात्र है। मैं उन्हें सैल्युट करता हूँ। प्रसिद्ध फ़िल्म अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद ने यह विचार वर्चुअल समारोह में व्यक्त किये। मौका था जोधपुर ब्रेथ बैंक द्वारा महात्मा गांधी अस्पताल में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट के वर्चुअल उदघाटन समारोह का। जोधपुर ब्रेथ बैंक के संचालक मंडल के सदस्य निर्मल गहलोत ने बताया कि ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर मशीनों के माध्यम से मरीजों की सेवा कर रहे जोधपुर ब्रेथ बैंक ने महज 20 दिनों के रिकॉर्ड समय में जोधपुर के महात्मा गांधी सरकारी अस्पताल में 50 क्यूबिक मीटर/घंटा , 800 एल पी एम, क्षमता के ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट की स्थापना की है। इस प्लांट का आज रविवार, 23 मई 2021 को वर्चुअल उद्घाटन समारोह रखा गया। गहलोत ने बताया कि जोधपुर में स्थापित हुआ यह ऑक्सीजन प्लांट किसी सामाजिक संस्था द्वारा जनसहभागिता से स्थापित होने वाला राजस्थान का सबसे बड़ा प्लांट है।इस प्लांट का रख-रखाव का पूरा ज़िम्मा भी जोधपुर ब्रेथ बैंक उठायेगा।

इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए भारत सरकार में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री व जोधपुर के सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि इस ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना एक ऐतिहासिक अवसर है। जोधपुर शहर सेवा, संस्कार , सद्भावना और प्रेम की धरती है। अभी का समय इतना मुश्किलों भरा रहा और यह गर्व की बात है कि सरकार से पहले समाज मदद के लिए पंहुचा है। शेखावत ने कहा कि जोधपुर में सेवा की परंपरा सुदृढ है । भारत में सीमित संसाधन होते हुए भी लोगों ने मिलकर इस मुश्किल घड़ी का सामना किया है और इसी के माध्यम से हम आगे इस पर विजय प्राप्त करेंगे। समारोह के अध्यक्षता कर रहे राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष पूर्व जस्टिस गोपाल कृष्ण व्यास ने दान दाताओं और सभी भामाशाहों को धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रशासनिक मदद भी काबिले तारीफ़ है कि इतने कम समय में यह संकल्पना साकार हो गई।

समारोह में उपस्थित जोधपुर नगर निगम उत्तर की महापौर कुंती परिहार ने कहा कि 20 दिनों में ऑक्सीजन प्लांट की संकल्पना और स्थापना इस संकट के समय में समाज के लिए वरदान है। उन्होंने ब्रेथ बैंक के निर्मल गहलोत को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने जोधपुर के भामाशाओं से आगे होकर बातचीत कर के जो यह कार्य किया है यह तारीफ के काबिल है और एक दूसरे के सहयोगी बन जिस तरह समाज की सेवा कर रहे है उससे यह संकट जल्द ही दूर हो जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित रामद्वारा के संत रामप्रसाद जी महाराज ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में अच्छी सोच और नेक कार्य करने वाले भामाशाहों ने एक दूसरे से प्रेरणा ली और प्रेरणा दी है। नेक कार्यों में पैसे सदुपयोग करना आमदनी का शुद्धिकरण होता है। यह भावना सभी मे होनी चाहिए। राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना पर खुशी जताते हुए यह विश्वास व्यक्त किया कि जोधपुर ब्रीथ बैंक भविष्य में भी इसी प्रकार समाजोपयोगी कार्य जारी रखेगी । समारोह में उपस्थित जोधपुर नगर निगम दक्षिण की महापौर विनीता सेठ ने कहा कि निर्मल गहलोत व् जोधपुर ब्रेथ बैंक टीम से जुड़े समस्त भामाशाहों को जोधपुर को जो ये सौगात दी है उसे शहर की जनता हमेशा याद रखेगी ।

इस अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित सोनू सूद ने कहा कि आज वो यहाँ से बहुत कुछ सीख कर जा रहे है। मुंबई ने उन्हें फ़िल्मी हीरों बनाया और कोरोना के समय उन्हें रियल लाइफ हीरो बनाया है। प्रोफेशन से दूर जब लोगों को घर पहुचायां , नौकरी लगवाई , दवाइयाँ उन लोगों तक पहुंचाई जिन्हें वो जानते भी नहीं है, तो दुआओं का काफ़िला अपने साथ पाया और उस ज़िंदगी ने बहुत सुकून दिया। ऑक्सीजन प्लांट का वर्चुअल अवलोकन किया सोनू सूद ने और बताया की सेवा की प्रेरणा उन्हें अपने माता मिली। उनके पापा की कपड़ों की दूकान थी और वो छुट्टी के दिन उनके साथ गरीब लोगो के लिए लंगर लगते थे। सोनू ने अपने उद्बोधन में कहा कि उन्हें जोधपुर का खाना बहुत पसंद है यहाँ आने का मिलेगा तो जरूर वो जोधपुर ब्रेथ बैंक की टीम से मुलाक़ात करेंगे।

इनके कर कमलों से हुआ उदघाटन

कोविड के मृतकों का सर्वाधिक अंतिम संस्कार कर इस कठिन समय में साहस की मिसाल पेश करने वाले दो व्यक्तित्वों , मुकेश गोदावत और नवीन पुरोहित, ने इस ऑक्सीजन प्लांट का फीता काटकर उदघाटन किया। व पंडित राजेश दवे ने पूजा अर्चना की एमजीएच की अधीक्षक डॉ राजश्री बेहरा ने दोनों का साफा पहनाकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर डॉ बेहरा द्वारा ऑक्सीजन प्लांट को स्थापित करने वाले इंजीनियरों हरी सिंह,सुरेन्द्र सिंह,गजेन्द्र शर्मा का भी सम्मान किया गया

पाप के चार वार

अपने उद्बोधन में सोनू सूद ने सभी भामशाहों को पूर्ण तन्मयता से सेवा कार्यों को जारी रखने का आह्वान किया । सोनू सूद ने कहा कि आपके सेवा कार्य को बाधित करने के लिए चार हथियार का इस्तेमाल पापी करेंगे । ये हथियार हैं - उपेक्षा, निंदा, हत्या और श्रद्धा। लेकिन आपको घबराना नहीं है । उनकी इस बात ने सभी को भाव विभोर कर दिया ।

हजारों लोग जुड़े इस वर्चुअल समारोह से

आज हुए इस वर्चुअल समारोह से देश विदेश से लाखों की संख्या में लोग जुड़े । यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ज़ूम एप सहित सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर दो लाख उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया। सोनू सूद व निर्मल गहलोत के उदबोधन पर हजारों की संख्या में कमेंट भी आए।

पूरे शहर को नेचुरल ब्रीथ बैंक बना देंगे

इस अवसर पर जोधपुर ब्रीथ बैंक संचालक मंडल के श्रीपाल लोढा और विष्णु गोयल,हरीश अग्रवाल,बलवीर जैन,सुरेश गांधी,अशोक पँवार,तरुण गहलोत ने यह संकल्प व्यक्त किया कि आगामी 1 वर्ष में एक लाख से अधिक पेड़ लगाकर पूरे जोधपुर शहर को नैसर्गिक ऑक्सीजन उपलब्ध कराने का प्रयास ब्रीथ बैंक द्वारा किया जाएगा। इससे पूरा शहर अपने आप में एक ऑक्सीजन बैंक बन जाएगा । समारोह संचालन निर्मल गहलोत व राकेश चौहान ने किया । सुरेश गांधी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

उखड़ती सांसों को मिलेगा सहारा, शुरू हुआ 30 बेड का कोविड डेडिकेटे वार्ड

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। दानवीर व भामाशाह की धरती पीपाड़ शहर के लिए इस विकट परिस्थित में जन सेवा में दिन रात आसपास शहरी और ग्रामीण परिवेश में हमेशा रहती है। मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जोधपुर जिले में विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं के लोकार्पण समारोह को सम्बोधित किया। इस अवसर पर शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेजीडेन्सी रोड में महाराजा श्री अग्रसेन वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से स्थापित ऑक्सीजन प्लांट जोधपुर तथा जिला अस्पताल पीपाड़ सिटी में विनायक इंडस्ट्रीज के सहयोग से तीन वार्डों के नवीनीकरण एवं मशीनीकरण तथा 30 बेड के कोविड वार्ड आदि चिकित्सा सुविधाओं का लोकार्पण किया। गहलोत ने कहा की ऐसे वक्त में गांव-ढाणी तक स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए भामाशाहों से मिल रहा सहयोग हमारा हौसला बढ़ा रहा है। कोरोनाकाल में देश और प्रदेश में गहराते ऑक्सीजन संकट से निपटने के लिए पीपाड़ उपखंड में एक नई पहल शुरू हुई है। यहां मरीजों की बढ़ती समस्या और ऑक्सीजन किल्लत से आम मरीज को राहत पहुंचाने के लिए भामाशाह सहयोग को आगे आ रहे हैं। शहर के युवा उद्योगपति व समाज सेवी पर्वत टाक ने अपनी एक पांच सदस्य मित्रों की टीम बनाई और नाम दिया हेल्पिंग हैंड ग्रुप जिन्होंने एक विचार से इंसिडेंट कमांडर शैतानसिंह राजपुरोहित के समक्ष अपना प्रस्ताव रखा और उन्होंने इस नेक कार्य के लिए मंजूरी दे दी। देखते देखते उन्हें दस-दस बेड के 3 वार्ड गोद लेकर 48 घंटे में संपूर्ण मेडिकल सेवाओं सहित उनमें पूरी व्यवस्था कर अस्पताल प्रशासन को सौंप दिए। जो कि इस कोरोना काल मे अभिनव पहल बताई जा रही है. कोविड के बढ़ते मरीजों के उपचार में सबसे ज्यादा संजीवनी के रूप में यह व्यवस्था काम आ रही है।

आधुनिक उपकरणो से सुसज्जित वार्ड

हेल्पिंग हैंड ग्रुप ने 48 घंटे में गोद लिए हुए तीनों वार्ड को रंग रोगन, सीमेंट प्लास्टर, बेड, पंखे, लाइट फिटिंग, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, इसीजी, ऑक्सीमीटर, टेंपरेचर मशीन, बीपी इंस्ट्रूमेंट,आई वी स्टैण्ड सहित भर्ती होने वाले मरीजों के लिए लग्जरी गद्दे, बेडशीट, तकिए सहित छोटे-छोटे उपकरण प्रशासन को भेंट किए। समाजसेवी टाक ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की प्रेरणा से जन सहयोग हेतु टीम के ने उनके विचारो को मूर्त रूप दिया है। **इनका रहा सहयोग** - सुनील सांखला, मुकेश देवड़ा, सुमित सांखला, प्रेम कच्छावाह, दिनेश सिंह कच्छावाह का प्रमुख सहयोग रहा। पीपाड़ शहर पंचायत समिति परिसर में वर्चुअल लोकार्पण कार्यक्रम में, बिलाड़ा विधायक हीरालाल मेघवाल, पूर्व सांसद बद्रीराम जाखड़, नगर पालिका चेयरमैन समू देवी सांखला, उपाध्यक्ष अफसाना भाटी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर अंजुमन, उपखंड अधिकारी शैतान सिंह राजपुरोहित, नगर कांग्रेस अध्यक्ष अमराराम भाटी, युवा नेता सुरेश कच्छावाह, कैलाश टाक के साथ कई प्रशासनिक व जनप्रतिनिधि गण मौजूद रहे।

पहाड़िया दम्पत्ति को श्रद्धांजलि

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भरतपुर। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व राज्यपाल जगन्नाथ पहाड़िया का 20 मई 2021, गुरुवार को गुरुग्राम के सेक्टर 25 स्थित शवदाहगृह में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनकी धर्मपत्नी पूर्व सांसद , पूर्व विधायक शान्ति पहाड़ियां का 23मई 2021 को गुरु ग्राम सेक्टर 25 स्थित शवदाहगृह मैं अंतिम संस्कार किया गया। पूर्वी राजस्थान के भरतपुर में कस्वा भुसाबर निवासी पहाडिया के अंतिम संस्कार में कोरोना गाइडलाइन्स के चलते केवल उनके परिवार जन मौजूद रहे। गौरतलब है कि 88 वर्षीय पहाड़िया ने कोरोना संक्रमित होने के बाद 22 मई बुधवार रात गुड़गांव के पार्क अस्पताल में अंतिम सांस ली। वही उनकी पत्नी शांति पहाडिया ने शनिवार की देर रात अंतिम सांस ली। पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ पहाड़िया के निधन पर भरतपुर जिले में शोक की लहर छाई हुई है। भरतपुर से प्रकाशित साप्ताहिक ‘अधिकार’ के संपादक रहे पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ पहाड़िया का जन्म 15 जनवरी 1932 को भरतपुर जिले के भुसावर गांव में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा कक्षा 8 वीं तक भुसावर में हुई। उसके आगे की भरतपुर और वकालत जयपुर के राजस्थान विश्वविद्यालय से की थी। 6 जून 1980 से 14 जुलाई 1981 तक 13 महीने के लिए राजस्थान के प्रथम दलित मुख्यमंत्री रहे पहाडिया चार बार सांसद और चार बार विधायक रहे। संसद सदस्य रहते हुए श्री पहाड़िया राज्य मंत्री, वित्त 1967-69 राज्य मंत्री, खाद्य और कृषि, 1970-71 राज्य मंत्री, आपूर्ति, 1971 राज्य मंत्री, खाद्य और कृषि, 1971-73, राज्य मंत्री, संचार 1973-76 और राज्यमंत्री, श्रम, 1976-77 तथा 1980 में बे केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री जैसे कई मत्वपूर्ण विभागों के मंत्री भी रहे। वे 1989 से 90 तक 1 साल के लिए बिहार और साल 2009 से 2014 तक हरियाणा के राज्यपाल भी रहे। शांति पहाड़ियां दो बार विधायक एवं एक बार राज्यसभा सदस्य रहीं।

श्रद्धांजलियां: पहाड़ियां दम्पत्ति को समस्त जिले में श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। सेफ इंडिया फाउंडेशन के संस्थापक निर्दशक अमृत भारद्वाज, संदीप शर्मा,संध्या शांति समिति के मुकेश पहाड़ियां, महेश गुप्ता, सियाराम जाटव, मैनापुरा पूर्व सरपंच सतीश पांडे, भुसावर शहर कांग्रेस अध्यक्ष चंद्र प्रकाश अवस्थी, मार्डन जगदंबा शिक्षण संस्थान के पूर्व निदेशक सतीश शर्मा, श्री गांधी ज्योति शिक्षण संस्थान के निदेशक राजेंद्र पांडे, स्पार्क एड्स शिक्षण एकेडमी के निदेशक संजीत जैमन, पीसीसी सदस्य धर्मेंद्र शर्मा, कामा विधायक जाहिदा खान, विधायक एवं राज्यमंत्री भजन लाल जाटव, चुन्नी कप्तान, लूपिन अधिशासी अधिकारी सीताराम गुप्ता, विप्र फाउंडेशन के युवा प्रदेश अध्यक्ष इंदु शेखर शर्मा, भुसावर नगर पालिका अध्यक्ष सुनीता प्रकाश जाटव, पूर्व अध्यक्ष मुकेश तिवारी, करण सिंह सैनी देशराज पहाड़ियां, पुष्पा चंद्र प्रकाश अवस्थी, पूनम जाटव, पूर्व पार्षद गोविंद सोनी, पूर्व सांसद रामस्वरूप कोली, शहीद सुशील कुमार शर्मा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर एम के शर्मा, प्रदेश संयोजक यतेन्द्र पाण्डेय् , नगर निगम मेयर अजीत कुमार, डिप्टी मेयर गिरीश चौधरी, रमेश बाबा बरसाने वालों के अनुयाई यमुना बचाओ समिति सदस्य यतेन्द्र गुलपाडिया, सहित अनेक लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की है।

कोरोना से बचाव के लिए होम्योपैथिक दवा की 3500 शिशियों की वितरित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भीलवाड़ा। श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति के तत्वाधान कोरोना से बचाव के लिए होम्योपैथिक की गोलियां वितरित की जा रही है समिति मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि 19 मई से चार दिवसीय होम्योपैथिक गोलियों का वितरण किया जा रहा है जिसमें 3500 शिशीयो में गोलियां भरकर वितरित की जा रही है जिससे लगभग 10 हजार लोग लाभान्वित होंगे।

होम्योपैथिक डॉक्टर डॉक्टर किरण शर्मा ने बताया कि होम्योपैथिक गोलियों से इम्यूनिटी पावर, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाई जा सकती है, जिससे कोरोना महामारी से लड़ने में मदद मिलती है डॉ शर्मा के मार्गदर्शन में होम्योपैथिक दवा तैयार करवाई गई जिसकी खुराक 4 गोली दिन में एक बार तीन दिन तक खाली पेट लेने से व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। समिति अध्यक्ष उदय लाल समदानी ने बताया कि गोलियां वृहद स्तर पर एमजीएच परिसर, चारभुजा मंदिर चौक, सांगानेरी गेट, कसारा बाजार, शहीद चौक, आमलियों की बारी, मंगला चौक, मानिक्यनगर, चौराहों पर लोगों को समझा कर गोलियां दी गई इसी तरह सांगानेरी गेट चौराहा, बस स्टैंड चौराहा पर पुलिसकर्मियों वआम लोगों को कोरोना के बचाव की होम्योपैथी गोलियां वितरित की गई।

समिति के होम्योपैथी गोलियां वितरित करने में कैलाश शर्मा, प्रेम सेन, ओम शर्मा अशोक दरक बलराम वैष्णव, दिनेश पटवारी, गोविंद सोमानी जगदीश ईनाणी, अंजना शर्मा, सुभाष गर्ग, घनश्यामडाड, लादू लाल माली आदि वितरित कर रहे हैं।

युवा समाजसेवी सांखला को नम आंखों से दी विदाई

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। पीपाड़ शहर सांखलो का बेरा निवासी व सामाजिक एवं धार्मिक संगठन से जुड़े समाजसेवी प्रेम प्रकाश सांखला का 22 मई बुधवार को 32 वर्ष की उम्र में कोराना इलाज के दौरान निधन हो गया। कोविड गाइडलाइन के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान के साथ रीतिरिवाज को निभाते हुए जोजरी नदी स्थित मोक्ष धाम पर अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन पर माली समाज और शहर में शोक की लहर छा गयी। वे सरल स्वभाव के धनी होने के साथ साथ मृदुभाषी भी । मित्र मण्डल के एडवोकेट रामनिवास गहलोत शोक व्यक्त करते हुए बताया कि सांखला ने सामाजिक कुरीतियों को मिटाने, बाल विवाह, नशा मुक्ति, गौ सेवा, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान सहित विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में कार्य किया। उन्होंने समाज के लोगों को शिक्षा के प्रति हमेशा जागृत किया। मित्र आदित्य कच्छावाह ने बताया की सामाजिक व्यक्ति के निधन होने से अपूर्ण क्षति हुई है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती है। इस पर नगर पालिका के चैयरमेन समुदेवी सांखला, माली सब्जी मण्डी अध्यक्ष शेषाराम टाक, पूर्व चेयरमैन महेंद्र सिंह कच्छावाह, चिमनाराम, बाबूलाल टाक,धनराज सोलंकी, समाजसेवी जवरीलाल गहलोत, गोविंदराम, अमराराम, भोपालगढ़ पूर्व सरपंच जमुना जयप्रकाश देवड़ा, एडवोकेट रामनिवास, शिव करण सैनी, पार्षद पीयूष शर्मा, सी पी मारोटिया, रामकिशोर टाक, हैप्पी क्लब अध्यक्ष दिनेश सिंह कच्छावाह, श्री कृष्णा युथ यूनियन के अध्यक्ष जितु सैनी,मेहराम गहलोत, मेल नर्स ग्रेड प्रथम पुखराज छिपा, राणाराम सोलंकी, सत्यनारायण सांखला, अशोक, उम्मेद, मानाराम, भगवान राम टाक सहित कई राजनैतिक, सामाजिक संगठनों व पंचगणो ने उनके निधन पर शोक जताया है।

सपना
करें पूरा
Used Car loan available
Aarna associate
New Car loan available
अब अपनी पुरानी गाड़ी पर
कीमत का 150%
तक लोन करवायें...
IDFC FIRST Bank
ICICI Bank Home Loans khayaal aapka
BAJAJ Bajaj FinServ Limited
MAGMA
TATA CAPITAL We only do what's right for you
HeroFinCorp.
sk FINANCE
Mahindra Finance
HDFC BANK We understand your world
स्कीम जयपुर के लिए*
authorised channel partner
Aarna associate
Call us : 9828333666
housing mortgage loan also available
शर्तें लागू